ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग, उत्तराखण्ड़, पौड़ी गढ़वाल

जनपद नैनीताल के ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक–आर्थिक विकास को सुदृढ़ करने एवं पलायन को कम करने हेतु सिफारिशें

सितम्बर 2021

प्रस्तावना

जनपद नैनीताल कुमाऊँ हिमालय–पूर्व क्षेत्र के सूक्ष्म क्षेत्र का एक हिस्सा है। इसमें आंशिक रूप से पहाड़ी क्षेत्र, भाबर और मैदान शामिल हैं। उत्तर में जिला अल्मोड़ा, उत्तर–पश्चिम में गढ़वाल, पश्चिम में बिजनौर, दक्षिण में उधमसिंह नगर और पूर्व में जनपद चम्पावत से घिरे हुए 4251 वर्ग किमी के क्षेत्रफल में फैला हुआ है।

वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार जनपद की जनसंख्या 7,62,909 में लगभग 25% की वृद्धि होते हुए वर्ष 2011 में 9,54,605 हो गयी है जिससे जनपद राज्य में योगदान देकर चौथा स्थान प्राप्त करता है। जनपद का जनसंख्या घनत्व जो वर्ष 2001 के लिए 198 प्रति वर्ग किमी था उसमें लगभग 14% की वृद्धि होने से 225 प्रति वर्ग किमी हो गया है। पिछले 10 वर्षो में 339 ग्राम पंचायतों से कुल 20951 व्यक्तियों द्वारा अस्थायी रूप से पलायन किया गया है, हालांकि वे समय–समय पर अपने घरों में आना–जाना करते हैं क्योंकि उनके द्वारा स्थायी रूप से पलायन नहीं किया गया है। पिछले 10 वर्षों में 213 ग्राम पंचायतों से 4823 व्यक्तियों द्वारा पूर्णरूप से स्थायी पलायन किया गया है, जो कि गम्भीर चिन्ता का विषय है। आंकड़ें दर्शाते हैं कि जनपद के सभी विकास खण्ड़ों में स्थायी पलायन की तुलना में अस्थायी पलायन अधिक हुआ है।

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन की समस्या आर्थिक विषमताओं; कृषि के उत्पादन में कमी; कम ग्रामीण आय और एक तनावग्रस्त ग्रामीण अर्थव्यवस्था के कारण अनेक समस्याओं को जन्म दे रही हैं। इसी संदर्भ में आयोग ने जनपद नैनीताल के प्रत्येक विकास खण्ड का एक विस्तृत सामाजिक–आर्थिक विश्लेषण किया है। यह रिपोर्ट जिले के सामाजिक–आर्थिक मानकों का विस्तार से जांच करती है, विषेशतः उन कारणों के संदर्भ में जो पलायन पर असर डालती है। माध्यमिक आंकड़े, जिले के रेखीय विभागों के जनपदस्तरीय अधिकारियों की प्रकाशित और अप्रकाशित सूचनाओं से ली गई है। प्राथमिक जानकारी, आयोग की टीम, खण्ड विकास अधिकारियों और ग्राम विकास अधिकारियों के द्वारा क्षेत्र भ्रमण से संग्रहित की गयी सूचनाओं पर आधारित है। इस रिपोर्ट में जनपद की ग्रामीण सामाजिक–अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए सिफारिशें प्रस्तुत की गई हैं, जिस से पलायन को कम किया जा सके। इससे स्थानीय सामाजिक–अर्थव्यवस्था को भी बढावा मिलेगा एवं पलायन पर अकुंश लगेगा।

आयोग अपने अध्यक्ष श्री पुष्कर सिंह धामी, माननीय मुख्यमंत्री, उत्तराखंड द्वारा दिए गए मार्गदर्शन और प्रोत्साहन; श्रीमती मनीषा पवार, अपर मुख्य सचिव, ग्राम्य विकास, उत्तराखण्ड शासन एवम् श्री एस.ए. मुरूगेशन, सचिव, ग्राम्य विकास को उनके सुझाव और समर्थन के लिए; जिलाधिकारी, नैनीताल एवं उनके अधिकारियों की टीम; विभिन्न लाइन विभागों के अधिकारी और कर्मचारी; जिले के सभी जनप्रतिनिधि; जिले के सभी वरिष्ठ अधिकारी; एन.जी.ओ. और ग्रामीणों, श्री रोशन लाल, सदस्य सचिव, ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग, श्री गजपाल चन्दानी, शोध अधिकारी, ग्राम्य विकास एवं पलायन आयोग तथा श्री भूपाल सिंह रावत, वैयक्तिक सहायक द्वारा इस रिपोर्ट को तैयार करने के अथक प्रयासों को विनम्रता के साथ स्वीकार करता है।

सितम्बर 2021

डॉ शरद सिंह नेगी
उपाध्यक्ष

अन्तर्वस्तु

अध्याय 1.	परिचय	1
अध्याय 2.	सामाजिक–आर्थिक आंकड़े	23
अध्याय 3.	पलायन की स्थिति	46
अध्याय 4.	ग्रामीण सामाजिक–आर्थिक विकास हेतु जनपद नैनीताल में विभागों द्वारा संचालित कार्यक्रमों का विश्लेषण	55
अध्याय 5.	विश्लेषण एवं सिफारिशें	120

अध्याय–1

परिचय

पौराणिक एवं ऐतिहासिक रूपरेखा

नैनीताल के तराई और मैदानी हिस्से में आर्य वंश के पांचाल का शासन रहा। 8वीं से 10वीं शताब्दी तक इस क्षेत्र में कत्यूरियों के शासन के बाद से वर्ष 1891 तक नैनीताल क्षेत्र ने कई उतार–चढ़ाव के पड़ावों को पार करते हुए 15 अक्टूबर 1891 में जनपद की संज्ञा प्राप्त की, जिसे 1905 में भारतीय सेना के पूर्वी कमान का मुख्यालय बनाया गया। सन् 1916 में शोषण के विरूद्ध और जिले के लोगों की आर्थिकी, सामाजिक और प्रशासनिक समस्याओं को हल करने के उद्देश्य से जनपद के नवोदित वकील श्री गोविन्द बल्लभ पन्त एवं श्री हर गोविन्द पन्त द्वारा कुमाऊँ परिषद की स्थापना की गयी। वर्ष 1997 में जनपद नैनीताल से अलग होते हुए उद्यमसिंह नगर एवं चम्पावत जनपदों का गठन किया गया। उत्तराखण्ड राज्य गठन के उपरान्त जनपद का सामाजिक एवं आर्थिक महत्व और भी बढ़ गया।

नैनीताल जनपद का भौगोलिक परिदृष्य

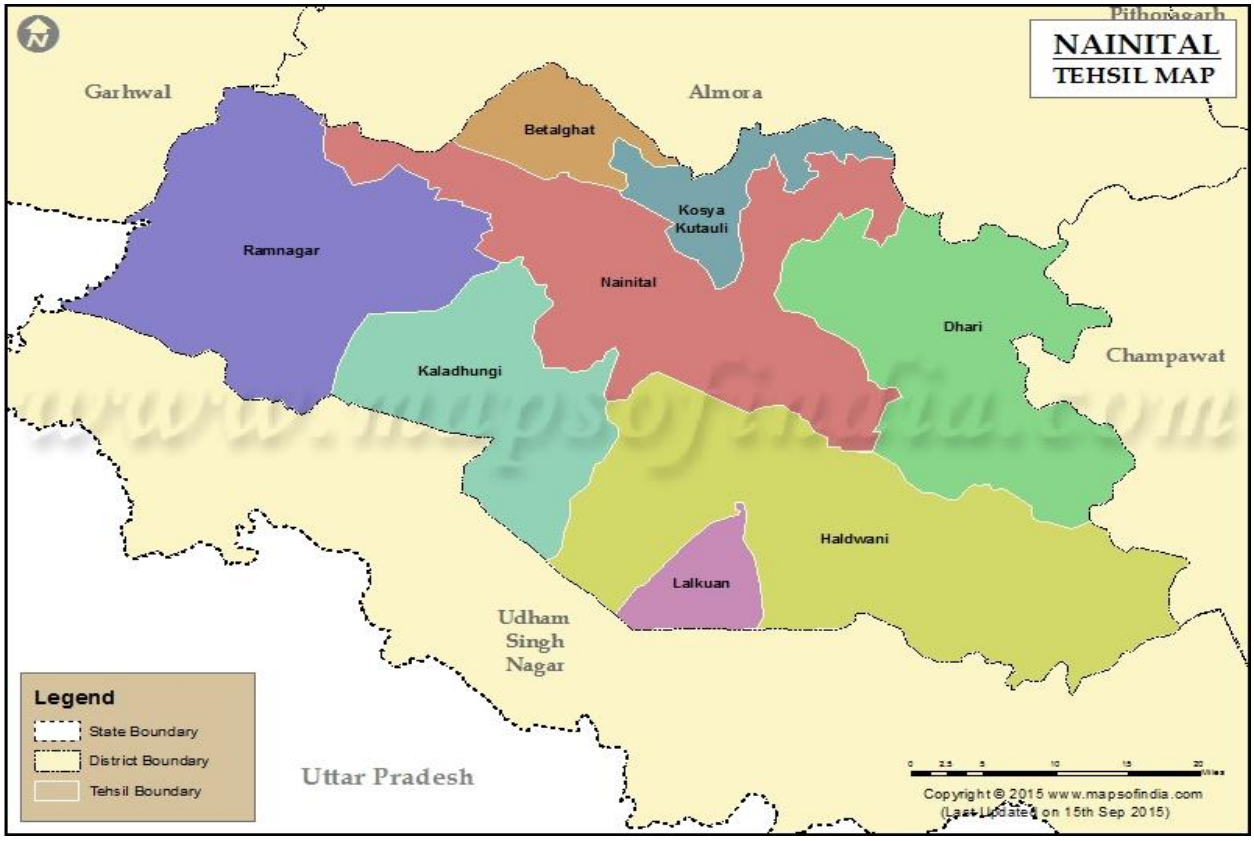

(Source: District Website)

जनपद नैनीताल कुमाऊँ हिमालय–पूर्व क्षेत्र के सूक्ष्म क्षेत्र का एक हिस्सा है। इसमें आंशिक रूप से पहाड़ी पट्टी, भाबर और मैदान शामिल हैं। यह समुद्र तल से औसत 1938 मीटर की ऊँचाई पर स्थित होने के साथ–साथ उत्तर में जिला अल्मोड़ा, उत्तर–पश्चिम में गढ़वाल, पश्चिम में बिजनौर, दक्षिण में उधमसिंह नगर और पूर्व में जनपद चम्पावत से घिरे होते हुए 4251 वर्ग किमी के क्षेत्रफल में फैला हुआ है। यह जनपद कई नदी–नालों और तालों से घिरा हुआ है।

जलवायु की रूपरेखा

जनपद की जलवायु काफी हद तक ऊँचाई पर निर्भर करती है। इस प्रकार गर्म और ठन्डे मौसम की स्थिति और बारिश का घनत्व हर क्षेत्र में भिन्न होता है। गर्मी का मौसम मार्च से जून के अन्त तक होता है इसके बाद दक्षिण–पश्चिम मानसून शुरू होता है और सितम्बर के मध्य तक रहता है। सितम्बर से नवम्बर के बीच शरद मौसम रहता है तथा दिसम्बर से फरवरी तक ठण्ड का मौसम होता है। जनपद के अन्तर्गत औसतन तापमान, वर्षा और हिमपात के वार्षिक आंकड़ों को निम्नवत तालिकाओं में दर्शाया गया है।

नैनीताल जनपद में औसत तापमान का वार्षिक विवरण

माह	न्यूनतम	अधिकतम
जनवरी	1.1^0C	9.4^0C
फरवरी	2.4^0C	11.2^0C
मार्च	5.7^0C	15.5^0C
अप्रैल	10.1^0C	19.9^0C
मई	13.3^0C	23.2^0C
जून	14.4^0C	22.9^0C
जुलाई	14.3^0C	20.1^0C
अगस्त	14^0C	19.6^0C
सितम्बर	12.6^0C	19.3^0C
अक्टूबर	9.3^0C	18^0C
नवम्बर	5.9^0C	15.4^0C
दिसम्बर	3.2^0C	12.4^0C

नैनीताल जनपद में औसत वर्षा का वार्षिक विवरण

माह	औसत वर्षा (मिमी में)
जनवरी	64mm
फरवरी	56mm

मार्च	60mm
अप्रैल	35mm
मई	67mm
जून	178mm
जुलाई	443mm
अगस्त	381mm
सितम्बर	241mm
अक्टूबर	76mm
नवम्बर	8mm
दिसम्बर	27mm

नैनीताल जनपद में औसत हिमपात का वार्षिक विवरण

माह	औसत वर्षा (सेमी में)
जनवरी	0.8cm
फरवरी	0.1cm
मार्च	0.0cm
अप्रैल	0.0cm
मई	0.0cm
जून	0.0cm
जुलाई	0.0cm
अगस्त	0.0cm
सितम्बर	0.0cm
अक्टूबर	0.0cm
नवम्बर	0.0cm
दिसम्बर	0.0cm

नैनीताल में वर्ष 2009 से वर्ष 2020 के मध्य वर्ष 2017 में जनवरी माह में 3.7cm सबसे अधिक औसत हिमपात तथा सबसे अधिक औसत वर्षा वर्ष 2011 के जुलाई माह में 1790.59mm एवं वर्ष 2009 के जून माह में 37^0C सबसे अधिक तापमान के आंकड़ें देखे जाते हैं।

भूमि आवरण

विभिन्न वर्षो के अन्तर्गत जनपद में भूमि आवरण/उपयोग का श्रेणीवार विवरण (क्षेत्रफल वर्ग किमी में)					
भूमि आवरण श्रेणीवार	**वर्ष 1990**	**वर्ष 1999**	**वर्ष 2009**	**वर्ष 2014**	**बदलाव**
निमार्ण युक्त आवरण भूमि	1.1	2.9	7.1	9.0	7.9
कृषि आवरण भूमि	605.8	616.5	720.3	811.4	205.6
वन आवरण भूमि	*3176.1*	*3205.3*	*3127.3*	*3058.8*	*-117.3*
चारागाह आवरण भूमि	*112.7*	*79.2*	*62.3*	*34.8*	*-77.9*
बंजर आवरण भूमि	*30.3*	*20.5*	*6.8*	*8.7*	*-21.6*
जलस्रोत आवरण भूमि	112.8	114.4	115.0	116.1	3.3

जनपद में वर्ष 1990 से वर्ष 2014 के मध्य भूमि आवरण के आंकड़ों में हुए बदलाव को देखें तो ज्ञात होता है कि बंजर, चारागाह व वन आवरण भूमि में क्रमशः 5%, 18%, 27% की दर से कमी, जबकि इसके विपरीत जलस्रोत, निर्माण एवं कृषि आवरण भूमि में क्रमशः 1%, 2%, 47% की दर से वृद्धि हुई अर्थात जहाँ एक ओर 50% कमी आयी वहीं दूसरी ओर 50% की वृद्धि भी देखी जा सकती है। आंकड़ों को उपरोक्त तालिका एवं निम्नवत ग्राफ में दर्शाया गया है।

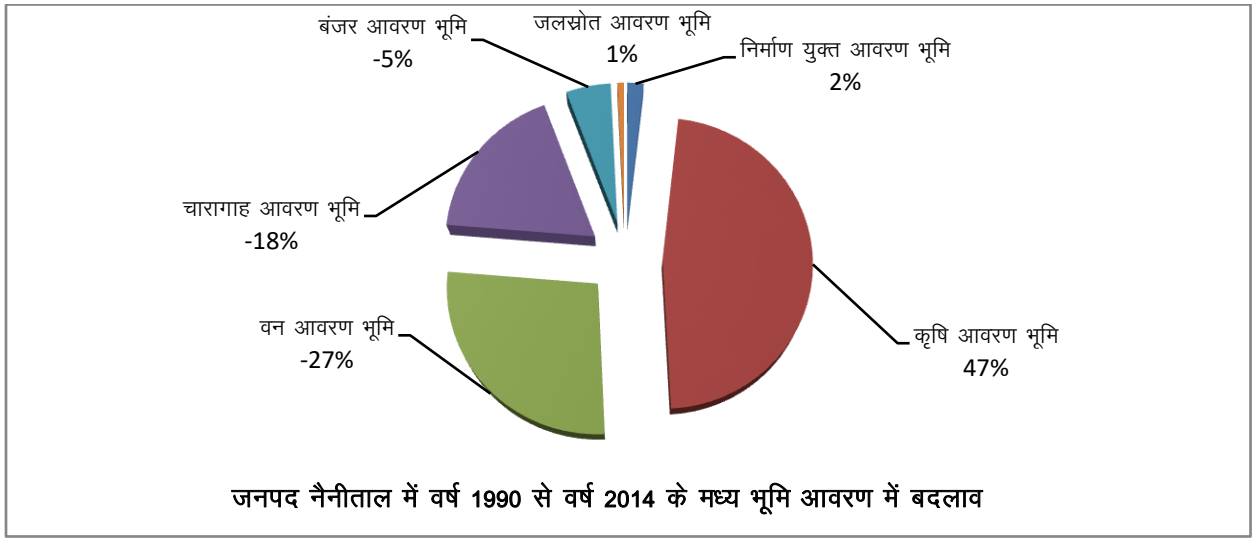

जनपद नैनीताल में वर्ष 1990 से वर्ष 2014 के मध्य भूमि आवरण में बदलाव

भूमि उपयोगिता हेतु जनपद के विकासखण्ड कोटाबाग की अपेक्षा अन्य विकासखण्डों में उद्यान, शुद्ध बोया गया क्षेत्र, एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्रफल, रबी, खरीफ और जायद की फसलों के लिए अपेक्षाकृत ऋणात्मक कमी के आंकड़ें ही प्रदर्शित होते हैं। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिकाओं में दर्शाये गये हैं।

भूमि उपयोगिता का जनपद में विकासखण्डवार आच्छादन क्षेत्रफल विवरण (क्षेत्र0 हे0 में)						
विकासखण्ड	चारागाह			उद्यानों, बागों, वृक्षों, एवं झाड़ियों का क्षेत्रफल		
	वर्ष 2010–11	वर्ष 2018–19	बदलाव	वर्ष 2010–11	वर्ष 2018–19	बदलाव
रामनगर	0	0	0	8	10	2
कोटाबाग	1	46	45	29	20	**-9**
रामगढ़	37	82	45	5844	5432	**-412**
भीमताल	25	93	68	2378	3336	958
बेतालघाट	45	21	**-24**	3961	3826	**-135**
धारी	12	5	**-7**	5543	5226	**-317**
ओखलकाण्ड़ा	0	0	0	4071	4055	**-16**
हल्द्वानी	2	0	**-2**	1	1	0
योग जनपद	**122**	**247**	**125**	**21835**	**21906**	**71**

विकासखण्ड	शुद्ध बोया गया क्षेत्र			एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्रफल		
	वर्ष 2010–11	वर्ष 2018–19	बदलाव	वर्ष 2010–11	वर्ष 2018–19	बदलाव
रामनगर	9691	8790	**-901**	8936	6793	**-2143**
कोटाबाग	5466	5440	**-26**	2257	3675	1418
रामगढ़	377710	3399	**-374311**	1316	829	**-487**
भीमताल	4284	4043	**-241**	1415	1119	**-296**
बेतालघाट	3201	3143	**-58**	1894	1683	**-211**
धारी	3018	2793	**-225**	1642	1038	**-604**
ओखलकाण्ड़ा	4659	4486	**-173**	3343	2412	**-931**
हल्द्वानी	10760	9404	**-1356**	9350	8270	**-1080**
योग जनपद	**418789**	**41498**	**-377291**	**30153**	**25819**	**-4334**

विकासखण्ड	रबी की फसल के लिए सकल बोया गया क्षेत्रफल			खरीफ की फसल के लिए सकल बोया गया क्षेत्रफल		
	वर्ष 2010–11	वर्ष 2018–19	बदलाव	वर्ष 2010–11	वर्ष 2018–19	बदलाव
रामनगर	7223	6561	**-662**	10091	8391	**-1700**
कोटाबाग	3743	4629	886	3583	4322	739
रामगढ़	2639	1964	**-675**	**2387**	2264	**-123**
भीमताल	2860	2371	**-489**	**2839**	2791	**-48**
बेतालघाट	2551	2425	**-126**	**2544**	2401	**-143**
धारी	2177	1948	**-229**	**2483**	1883	**-600**
ओखलकाण्ड़ा	3648	3176	**-472**	**4354**	3722	**-632**
हल्द्वानी	9490	7139	**-2351**	**10140**	8600	**-1540**
योग जनपद	**34331**	**30213**	**-4118**	**38421**	**34374**	**-4047**

विकासखण्ड	जायद की फसल के लिए सकल बोया गया क्षेत्रफल			तीनों फसलों के लिए सकल बोया गया क्षेत्रफल		
	वर्ष 2010–11	वर्ष 2018–19	बदलाव	वर्ष 2010–11	वर्ष 2018–19	बदलाव
रामनगर	1313	630	**-683**	18627	15583	**-3044**
कोटाबाग	397	163	**-234**	7723	9115	1392
रामगढ़	0	0	0	5026	4228	**-798**
भीमताल	0	0	0	5699	5162	**-537**
बेतालघाट	0	0	0	5095	4826	**-269**
धारी	0	0	0	4660	3831	**-829**
ओखलकाण्ड़ा	0	0	0	8002	6898	**-1104**
हल्द्वानी	480	1934	1454	20110	17674	**-2436**
योग जनपद	**2190**	**2727**	**537**	**74942**	**67317**	**-7625**

जनसंख्या

जनपद की जनसंख्या वर्ष 1981 की वृद्धि दर 38.08% में लगातार कमी (लगभग 13%) होते हुए वर्ष 2011 के लिए 25.13% हो जाती है जो कि जनपद में भी पलायन होने की पुष्टि करता है। दशकीय परिवर्तन के आंकड़ों को निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किया गया है।

वर्ष 1901 से जनपद की जनसंख्या में दशकीय परिवर्तन					
जनगणना वर्ष	जनसंख्या	पूर्ववर्ती के बाद से भिन्नता		महिला	पुरूष
		कुल	प्रतिशत		
1901	1,82,284	_	_	1,01,486	80,798
1911	1,82,016	-268	-0.15	1,02,876	79,140
1921	1,55,790	-26,226	-14.41	90,460	65,330
1931	1,56,034	+244	+.16	91,332	64,702
1941	1,64,244	+8,210	+5.26	96,337	67,907
1951	1,88,736	+24,492	+14.91	1,09,307	79,429
1961	2,59,685	+70,949	+37.59	1,46,941	1,12,744
1971	3,19,697	+60,012	+23.11	1,74,048	1,45,649
1981	4,41,436	+1,21,739	+38.08	2,39,247	2,02,189
1991	5,74,832	+1,33,396	+30.22	3,05,494	2,69,338
2001	7,62,909	+1,88,077	+32.72	4,00,254	3,62,655
2011	9,54,605	+1,91,696	+25.13	4,93,666	4,60,939

वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार जनपद की जनसंख्या 7,62,909 में लगभग 25% की वृद्धि होते हुए वर्ष 2011 में 9,54,605 हो गयी है जिससे जनपद राज्य में योगदान देकर चौथा स्थान प्राप्त करता है। जनपद का जनसंख्या घनत्व जो वर्ष 2001 के लिए 198 प्रति वर्ग किमी था उसमें लगभग 14% की वृद्धि होने से 225 प्रति वर्ग किमी होता है। इस दशकीय जनगणना के आधार पर जनपद की विकासखण्डवार तथा नगरवार जनसंख्या परिवर्तन को निम्नवत तालिकाओं एवं ग्राफों के आंकडों से भी जाना जा सकता है।

जनपद में ग्रामीण जनसंख्या की प्रति 10 वर्ष की जनसंख्या वृद्धि दर का तुलनात्मक विवरण				
विकासखण्ड	कुल जनसंख्या			
	वर्ष 2001	वर्ष 2011	बदलाव	बदलाव प्रतिषत
रामनगर	70841	81557	10716	15.1%

कोटाबाग	40551	63283	22732	56.1%
रामगढ़	37012	39249	2237	6.0%
भीमताल	*48501*	*47127*	*-1374*	-2.8%
बेतालघाट	40007	40171	164	0.4%
धारी	26213	33162	6949	26.5%
ओखलकाण्ड़ा	43218	45521	2303	5.3%
हल्द्वानी	*111780*	*97863*	*-13917*	-12.5%
योग ग्रामीण	**418123**	**447933**	29810	7.1%
वन क्षेत्र	75736	87419	11683	15.4%
योग जनपद	**493859**	**535352**	41493	8.4%

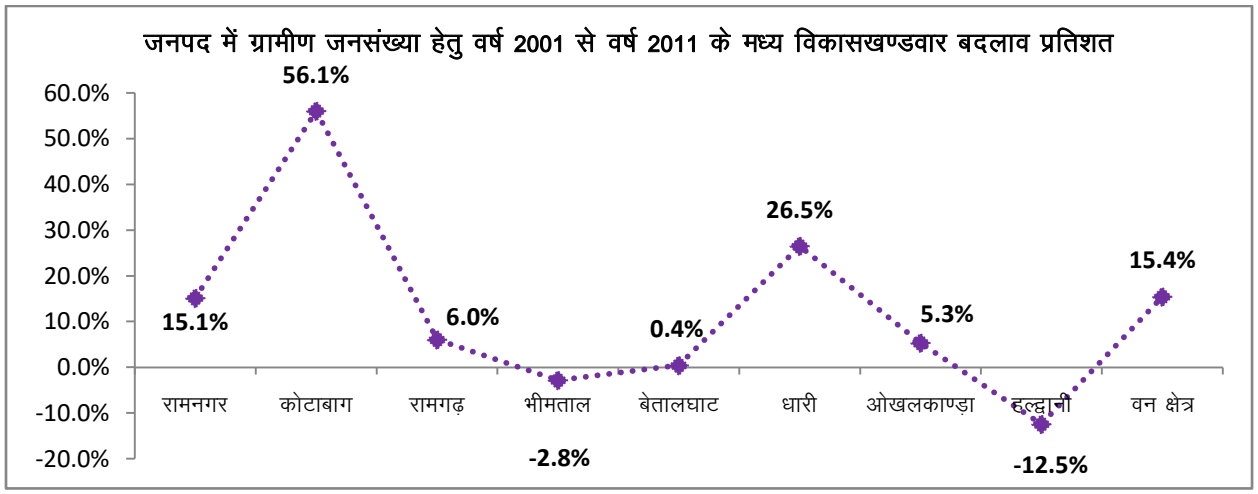

जनपद के मुख्य महत्वपूर्ण स्थान भीमताल (नैनीताल) और हल्द्वानी विकासखण्डों में विगत दशकीय जनगणना हेतु जनसंख्या में 2.8% और 12.5% की कमी आई है, जबकि विकासखण्ड बेतालघाट में भी वृद्धि दर धीमी हुई है। इन विकासखण्ड़ों में महिलाओं की अपेक्षा पुरूषों की जनसंख्या में अधिक कमी हुई है।

जनपद में ग्रामीण पुरूष जनसंख्या की प्रति 10 वर्ष की जनसंख्या वृद्धि दर का तुलनात्मक विवरण				
विकासखण्ड	**पुरूष जनसंख्या का तुलनात्मक विवरण**			
	वर्ष 2001	**वर्ष 2011**	**बदलाव**	**बदलाव प्रतिषत**
रामनगर	36520	41487	4967	13.6%
कोटाबाग	20631	32336	11705	56.7%
रामगढ़	19034	20086	1052	5.5%

भीमताल	*25166*	*24423*	*-743*	-3.0%
बेतालघाट	19666	19832	166	0.8%
धारी	13479	17114	3635	27.0%
ओखलकाण्ड़ा	21754	22990	1236	5.7%
हल्द्वानी	*59245*	*50863*	*-8382*	-14.1%
योग ग्रामीण	**215495**	**229131**	13636	6.3%
वन क्षेत्र	41462	45489	4027	9.7%
योग जनपद	**256957**	**274620**	17663	6.9%

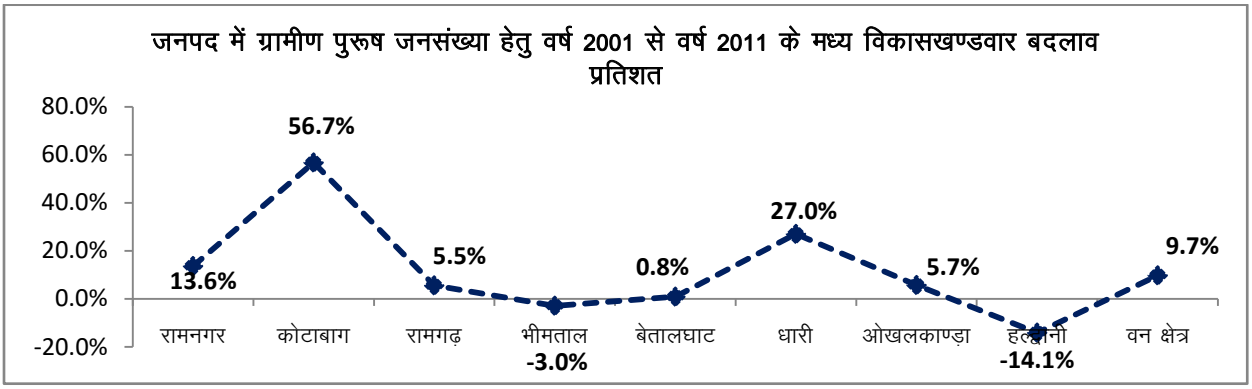

जनपद में ग्रामीण महिला जनसंख्या की प्रति 10 वर्ष की जनसंख्या वृद्धि दर का तुलनात्मक विवरण				
विकासखण्ड	**पुरूष जनसंख्या का तुलनात्मक विवरण**			
	वर्ष 2001	**वर्ष 2011**	**बदलाव**	**बदलाव प्रतिषत**
रामनगर	34321	40070	5749	16.75%
कोटाबाग	19920	30947	11027	55.36%
रामगढ़	17978	19163	1185	6.59%
भीमताल	*23336*	*22704*	*-632*	-2.71%
बेतालघाट	*20341*	*20339*	*-2*	-0.01%
धारी	12734	16048	3314	26.02%
ओखलकाण्ड़ा	21464	22531	1067	4.97%
हल्द्वानी	*52535*	*47000*	*-5535*	-10.54%
योग ग्रामीण	**202629**	**218802**	16173	7.98%
वन क्षेत्र	24274	41930	17656	72.74%
योग जनपद	**226903**	**260732**	33829	14.91%

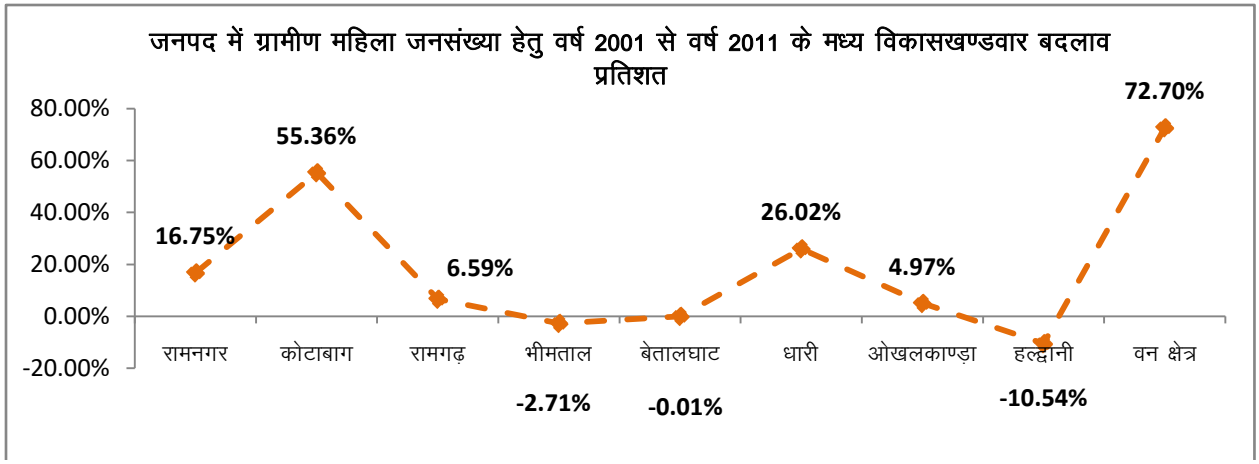

नगर क्षेत्रवार जनसंख्या का विवरण				
क्र0स0	नगर क्षेत्र का नाम	जनसंख्या		
		वर्ष 2001	वर्ष 2011	बदलाव
1	छावनी परिषद नैनीताल	1281	1398	117
2	नगर पालिका परिषद भवाली	5512	6309	797
3	नगर पंचायत लालकुआँ	6524	7644	1120
4	नगर पंचायत कालाढुंगी	6128	7611	1483
5	नगर पंचायत भीमताल	5874	7722	1848
6	नगर पालिका परिषद नैनीताल	38630	41377	2747
7	नगर पालिका परिषद रामनगर	46205	54787	8582
8	नगर निगम हल्द्वानी	158896	201461	42565
9	जनगणना शहर फतेहपुर रेंज(दमवाढुगा एरिया)	0	12791	12791
10	जनगणना शहर हल्द्वानी तल्ली	0	8159	8159
11	जनगणना शहर मुखानी	0	22475	22475
नगरीय : योग		**269050**	**371734**	**102684**
ग्रामीण : योग		**493859**	**582871**	**89012**
जनपद की कुल जनसंख्या (नगरीय+ग्रामीण)		**762909**	**954605**	**191696**

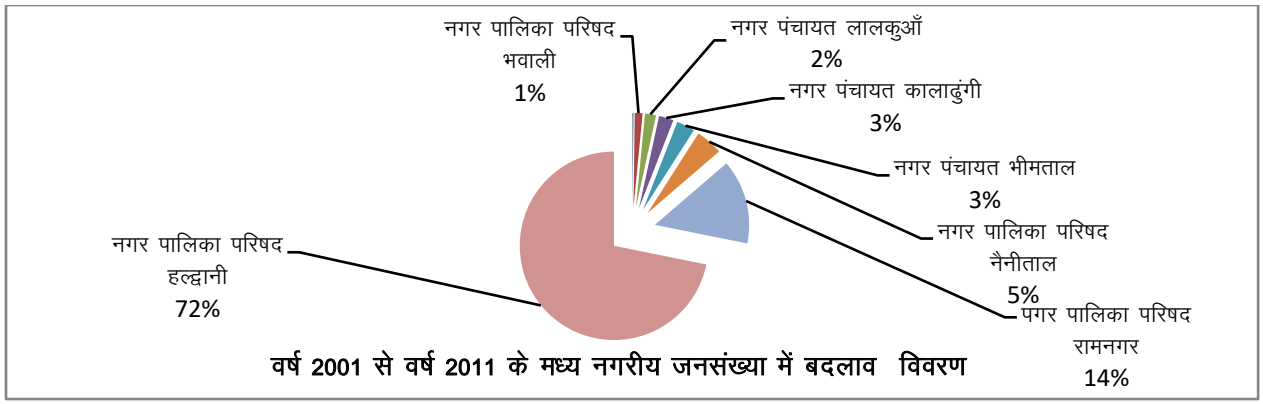

वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के मध्य नगरीय जनसंख्या में बदलाव विवरण

सामाजिक–आर्थिक अर्थव्यवस्था

जनपद की अर्थव्यवस्था			
वर्ष	जी.डी.पी. का आकार	बदलाव	बदलाव (प्रतिशत)
2011-12	742018	NA	NA
2012-13	843164	101146	13.6%
2013-14	978305	135141	16.0%
2014-15	1129307	151002	15.4%
2015-16	1213174	83867	7.4%
2016-17	1345261	132087	10.9%

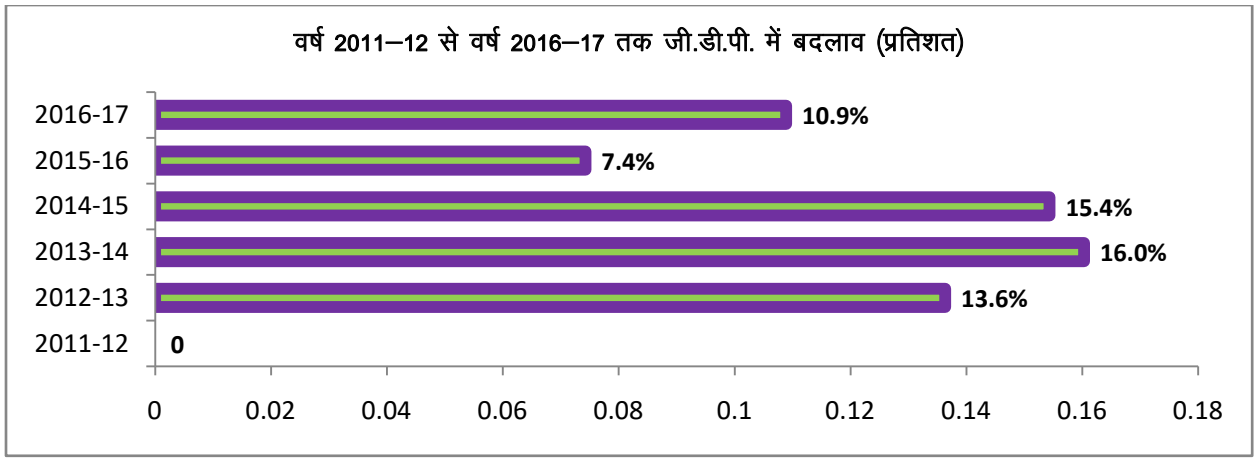

जनपद की अर्थव्यवस्था हेतु वर्ष 2011–12 से वर्ष 2016–17 के लिए GDP हेतु उपलब्ध आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनपद की GDP में 2.9% की दर से गिरावट दर्ज हुई जो कि जनपद की सामाजिक–आर्थिक अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा संकेत नहीं है। जिनके आंकड़ों को उपरोक्त तालिका एवं ग्राफ से भी जाना जा सकता है।

जनपद की प्रति व्यक्ति आय			
वर्ष	प्रति व्यक्ति आय का आकार	बदलाव	बदलाव (प्रतिशत)
2011-12	69074	NA	NA
2012-13	77203	8129	11.8%
2013-14	87032	9829	12.7%
2014-15	99253	12221	14.0%
2015-16	105273	6020	6.1%
2016-17	115117	9844	9.4%

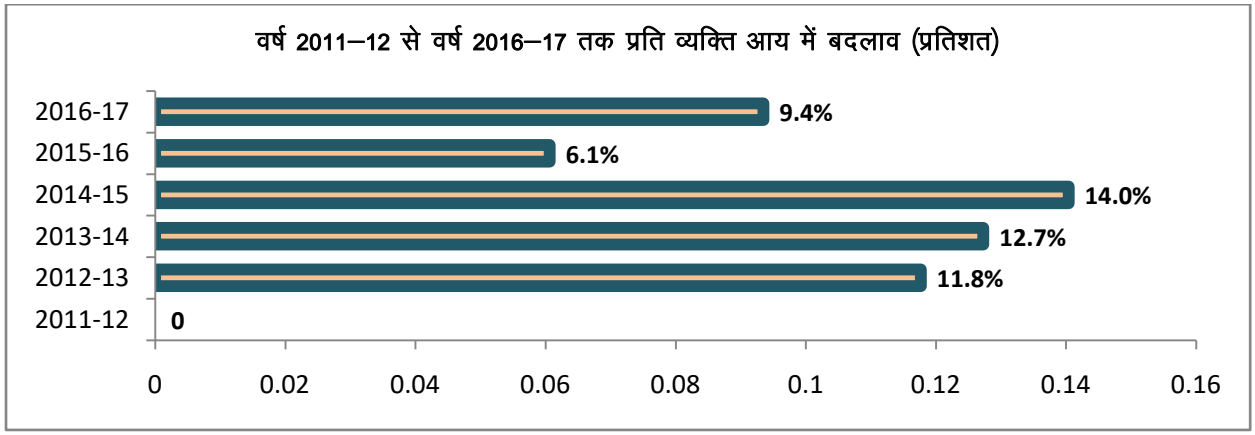

प्राथमिक क्षेत्र :– नैनीताल जनपद में लगभग 60 प्रतिशत ग्रामीण आबादी अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर हैं। जिले के मैदानी क्षेत्र, पहाड़ी क्षेत्र की तुलना में अधिक उपजाऊ हैं। जनपद में प्राथमिक फसल के रूप में गेहूँ के साथ–साथ सोयाबीन, फल और सब्जियों का उत्पादन किया जाता है। जनपद के 80%किसान 01 हेक्टेयर तक के छोटे या सीमान्त किसान हैं। जनपद के 08 विकासखण्ड़ों में से 05 विकासखण्ड पहाड़ी इलाकों में आते हैं। कृषि क्षेत्र में सक्रीय रूप से बढ़ावा दिये जाने हेतु **''मेरी कृषि ही मेरा धन''** जैसे कार्यक्रमों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

द्वितीयक क्षेत्र :–नैनीताल जनपद पहाड़ी और मैदानी दोनों इलाकों में फैला हुआ है। जिसमें मैदानी क्षेत्र के इलाकों में हल्द्वानी, रामनगर और कोटाबाग विकासखण्ड़ आते है जबकि विकासखण्ड भीमताल, धारी, रामगढ़, बेतालघाट और ओखलकाण्डा पहाड़ी क्षेत्रों में स्थित हैं। ये सभी क्षेत्र भी प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध हैं और इनमें मुख्य रूप से मध्यम और छोटी औद्योगिक इकाईयों को और बढ़ावा दिये जाने की अपार सम्भावनायें हैं जैसे सोप स्टोन, स्टोन क्रॉसिंग, फर्नीचर, लकड़ी पर नक्काशी, कृत्रिम आभूषण और मोमबत्ती, पत्तल–दौना उद्योग, आदि।

तृतीयक क्षेत्र :– मुख्य रूप से कृषि और औद्योगिक क्षेत्रों को प्रदान किये गये प्रोत्साहन के परिणाम स्वरूप नैनीताल जनपद में सेवा क्षेत्र में वृद्धि देखी गयी है। पर्यटन के क्षेत्र में नैनीताल जनपद में कई पर्यटक स्थल प्रसिद्ध हैं, जिससे यहाँ सेवा क्षेत्र में अन्य जनपदों की अपेक्षा अपना अलग ही महत्व है।

जनपद में विगत दशकीय जनगणना के अनुसार जनसंख्या का आर्थिक वर्गीकरण के आंकड़ों को अध्ययन करें तो ज्ञात होता हैं कि वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के मध्य कृषकों की जनसंख्या में 4.92% की कमी आई है, जबकि कृषक श्रमिकों और पारिवारिक उद्योगों में भी वृद्धि दर धीमी हुई है, जो कि मुख्य कर्मकरों की इन श्रेणियों में व्यक्तियों की रूचि में कमी को दर्शाता है। आंकड़ों का निम्नवत तालिका में उल्लेख किया गया है।

जनपद में विगत दशकीय जनगणना के अनुसार जनसंख्या का आर्थिक वर्गीकरण							
वर्ष	मुख्य कर्मकर					सीमान्त कर्मकर	कुल कर्मकर
	कृषक	कृषि श्रमिक	पारिवारिक उद्योग	अन्य	कुल		
1981	41.91%	17.90%	1.88%	32.07%	93.76%	6.24%	100%
1991	41.41%	6.76%	0.73%	37.57%	86.48%	13.52%	100%
2001	31.83%	4.26%	1.37%	41.75%	79.22%	20.78%	100%
2011	26.91%	5.22%	1.83%	44.85%	78.80%	21.20%	100%

जनपद में सभी विकासखण्डों के अन्तर्गत विगत दशकीय जनगणना के अनुसार वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के मध्य कृषकों की जनसंख्या में ऋणात्मक सबसे अधिक कमी विकासखण्ड रामनगर और बेतालघाट में क्रमशः 29%, 3% की हुई है, जबकि विकासखण्ड हल्द्वानी में भी वृद्धि दर धीमी देखी जा सकती है। आंकड़ों का निम्नवत तालिका में उल्लेख किया गया है।

जनपद नैनीताल के विकासखण्डों हेतु विगत दशकीय जनगणना के अनुसार कृषक की जनसंख्या का तुलनात्मक विवरण				
विकासखण्ड	वर्ष 2001	वर्ष 2011	बदलाव	बदलाव प्रतिशत
रामनगर	*10115*	*7189*	*-2926*	*-29%*
कोटाबाग	9519	14396	4877	51%
रामगढ़	9565	12117	2552	27%
भीमताल	5890	7036	1146	19%
बेतालघाट	*11750*	*11360*	*-390*	*-3%*
धारी	9144	10921	1777	19%
ओखलकाण्ड़ा	9700	12329	2629	27%
हल्द्वानी	13507	13949	442	3%
समस्त विकासखण्ड योग	**79190**	**89297**	10107	13%

वन क्षेत्र	9125	8677	-448	-5%
ग्रामीण क्षेत्र योग	**88315**	**97974**	**9659**	**11%**
नगरीय	481	3247	2766	575%
योग जनपद	**88796**	**101221**	12425	14%

विगत दशकीय जनगणना के अनुसार वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के मध्य पारिवारिक उद्योगों की जनसंख्या में ऋणात्मक सबसे अधिक कमी विकासखण्ड रामनगर और धारी में क्रमशः 24%, 85% की हुई है, जबकि विकासखण्ड बेतालघाट में वृद्धि दर अच्छी प्रदर्शित होती है। आंकड़ों का निम्नवत तालिका में उल्लेख किया गया है।

जनपद नैनीताल के विकासखण्डों हेतु विगत दशकीय जनगणना के अनुसार पारिवारिक उद्योगों की संख्या का तुलनात्मक विवरण

विकासखण्ड	वर्ष 2001	वर्ष 2011	बदलाव	बदलाव प्रतिशत
रामनगर	*637*	*484*	*-153*	*-24%*
कोटाबाग	275	485	210	76%
रामगढ़	100	129	29	29%
भीमताल	178	301	123	69%
बेतालघाट	49	212	163	333%
धारी	*264*	*39*	*-225*	*-85%*
ओखलकाण्ड़ा	206	267	61	30%
हल्द्वानी	629	848	219	35%
समस्त विकासखण्ड योग	**2338**	**2765**	427	18%
वन क्षेत्र	516	901	385	75%
ग्रामीण क्षेत्र योग	2854	3666	**812**	**28%**
नगरीय	979	3207	2228	228%
योग जनपद	**3833**	**6873**	3040	79%

विगत दशकीय जनगणना के अनुसार वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के मध्य सीमान्त कर्मकरों की जनसंख्या में ऋणात्मक सबसे अधिक कमी विकासखण्ड रामनगर, रामगढ़, हल्द्वानी और भीमताल में क्रमशः 17%, 16%, 12% तथा 1% की हुई है, जबकि विकासखण्ड धारी में वृद्धि दर अच्छी प्रदर्शित होती है। आंकड़ों का निम्नवत तालिका में उल्लेख किया गया है।

जनपद नैनीताल के विकासखण्डों हेतु विगत दशकीय जनगणना के अनुसार सीमान्त कर्मकरों की संख्या में तुलनात्मक विवरण				
विकासखण्ड	**वर्ष 2001**	**वर्ष 2011**	**बदलाव**	**बदलाव प्रतिशत**
रामनगर	*10347*	*8587*	*-1760*	*-17%*
कोटाबाग	4626	7527	2901	63%
रामगढ़	*4838*	*4054*	*-784*	*-16%*
भीमताल	*5688*	*5606*	*-82*	*-1%*
बेतालघाट	3655	4479	824	23%
धारी	2787	7969	5182	186%
ओखलकाण्ड़ा	7410	8770	1360	18%
हल्द्वानी	*7565*	*6665*	*-900*	*-12%*
समस्त विकासखण्ड योग	**46916**	**53657**	6741	14%
वन क्षेत्र	4942	11925	6983	141%
ग्रामीण क्षेत्र योग	51858	65582	**13724**	**26%**
नगरीय	6094	14175	8081	133%
योग जनपद	**57952**	**79757**	21805	38%

जनपद नैनीताल के विकासखण्डों हेतु विगत दशकीय जनगणना के अनुसार कुल कर्मकरों की संख्या में तुलनात्मक विवरण				
विकासखण्ड	**वर्ष 2001**	**वर्ष 2011**	**बदलाव**	**बदलाव प्रतिशत**
रामनगर	29214	29675	461	1.6%
कोटाबाग	17900	30489	12589	70.3%
रामगढ़	17979	20473	2494	13.9%
भीमताल	18052	20104	2052	11.4%
बेतालघाट	16249	19949	3700	22.8%
धारी	13391	20572	7181	53.6%
ओखलकाण्ड़ा	19212	24454	5242	27.3%
हल्द्वानी	*40083*	*39994*	*-89*	*-0.2%*
समस्त विकासखण्ड योग	**172080**	**205710**	33630	19.5%
वन क्षेत्र	32467	37971	5504	17.0%

ग्रामीण क्षेत्र योग	204547	243681	**39134**	**19.1%**
नगरीय	74400	132500	58100	78.1%
योग जनपद	**278947**	**376181**	97234	34.9%

जनपद के अन्तर्गत विगत दशकीय जनसंख्या में आयु वर्गवार बदलाव हेतु आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि आयुवर्ग शून्य से 19 साल के लिए जनसंख्या में ऋणात्मक योगदान 5.4% का अन्तर देखा जा सकता है जो कि अन्य आयु वर्ग में भी धीमी रहती है। विगत दशकीय नगरीय जनसंख्या में आयु वर्गवार परिवर्तन ग्रामीण जनसंख्या की अपेक्षा अधिक होती है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है।

विगत दशकीय जनसंख्या में आयु वर्गवार बदलाव का विवरण

आयु वर्ग	कुल जनसंख्या में आयु वर्गवार योगदान का प्रतिशत			कुल ग्रामीण जनसंख्या में आयु वर्गवार योगदान का प्रतिशत			कुल नगरीय जनसंख्या में आयु वर्गवार योगदान का प्रतिशत		
	वर्ष 2001	वर्ष 2011	बदलाव	वर्ष 2001	वर्ष 2011	बदलाव	वर्ष 2001	वर्ष 2011	बदलाव
कुल जनसंख्या	762909	954605	191696	493859	582871	89012	269050	371734	102684
00–09	22.1%	18.9%	-3.1%	23.0%	19.8%	-3.3%	20.3%	17.6%	-2.7%
10–14	12.8%	10.7%	-2.1%	12.7%	11.0%	-1.7%	12.9%	10.2%	-2.7%
15–19	11.0%	10.8%	-0.2%	10.7%	10.7%	0.0%	11.5%	11.0%	-0.6%
योग	***45.9%***	***40.5%***	***-5.4%***	***46.5%***	***41.6%***	***-4.9%***	***44.7%***	***38.7%***	***-6.0%***
20–24	9.2%	9.9%	0.7%	9.0%	9.5%	0.6%	9.7%	10.5%	0.8%
25–29	8.1%	8.6%	0.4%	8.0%	8.3%	0.3%	8.4%	9.0%	0.6%
30–34	6.9%	7.4%	0.4%	6.7%	7.1%	0.4%	7.3%	7.8%	0.5%
35–39	6.8%	7.0%	0.2%	6.6%	6.7%	0.2%	7.2%	7.4%	0.2%
40–44	5.5%	5.9%	0.4%	5.3%	5.7%	0.4%	5.9%	6.2%	0.3%
योग	**36.6%**	**38.7%**	**2.1%**	**35.5%**	**37.3%**	**1.8%**	**38.6%**	**40.9%**	**2.3%**
45–49	4.6%	5.2%	0.6%	4.5%	5.1%	0.6%	4.8%	5.5%	0.7%
50–54	3.5%	4.2%	0.6%	3.6%	4.1%	0.5%	3.5%	4.3%	0.8%
55–59	2.6%	3.2%	0.5%	2.7%	3.2%	0.5%	2.6%	3.2%	0.6%
योग	**10.8%**	**12.6%**	**1.8%**	**10.8%**	**12.3%**	**1.5%**	**10.9%**	**13.0%**	**2.1%**

60–64	2.4%	3.0%	0.6%	2.5%	3.2%	0.6%	2.1%	2.8%	0.7%
65–69	1.8%	2.0%	0.2%	1.8%	2.1%	0.2%	1.8%	1.8%	0.0%
70–74	1.2%	1.4%	0.2%	1.3%	1.5%	0.2%	1.1%	1.2%	0.2%
75–79	0.6%	0.7%	0.1%	0.6%	0.8%	0.1%	0.5%	0.7%	0.1%
योग	**6.0%**	**7.1%**	**1.1%**	**6.3%**	**7.6%**	**1.2%**	**5.4%**	**6.4%**	**1.0%**
>=80	0.7%	0.9%	0.3%	0.7%	1.0%	0.3%	0.4%	0.8%	0.4%
आयु नहीं बताई	0.1%	0.2%	0.1%	0.2%	0.2%	0.0%	0.0%	0.2%	0.2%

साक्षरता :–

जनपद में विकासखण्डवार साक्षर व्यक्ति तथा साक्षरता का प्रतिशत						
वर्ष / विकासखण्ड	साक्षर व्यक्ति			साक्षरता का प्रतिशत		
	पुरूष	स्त्रियां	कुल	स्त्रियां	पुरूष	कुल
1991	201473	119630	321103	64.98	43.87	55.10
2001	294161	214570	508731	79.20	63.89	71.93
2011	385779	310721	696500	90.07	77.29	83.88
विकासखण्डवार 2011						
रामनगर	30987	24645	55632	86.90	70.84	78.97
कोटाबाग	25605	20559	46164	91.42	76.20	83.96
रामगढ़	16353	12890	29243	94.59	77.42	86.17
भीमताल	20206	15995	36201	94.18	80.2	87.45
बेतालघाट	15991	12832	28823	93.98	72.78	83.19
धारी	13445	10100	23545	93.63	75.05	84.64
ओखलकाण्ड़ा	16808	11815	28623	89.34	63.34	76.40
हल्द्वानी	40354	32646	73000	91.20	79.25	85.44
योग विकासखण्ड	**179749**	**141482**	**321231**	**91.32**	**74.74**	**83.19**
वन	33852	24328	58180	86.62	67.46	77.42
नगरीय	172178	144911	317089	89.49	82.04	85.92
योग जनपद	**385779**	**310721**	**696500**	**90.07**	**77.29**	**83.88**

प्रशासनिक व्यवस्था :–

जनपद को विकास के दृष्टिकोण से 01 नगर निगम, 03 नगर पालिका परिषद, 03 नगर पंचायत, 09 तहसील, 08 विकासखण्ड, 43 न्याय पंचायत तथा 479 ग्राम पंचायतों में विभाजित किया गया है। जिसका विवरण निम्नवत तालिका में दिया गया है।

जनपद	नगर निगम	नगर पालिका परिषद	नगर पंचायत	तहसील	विकासखण्ड	न्याय पंचायत	ग्राम पंचायत
नैनीताल	हल्द्वानी	नैनीताल	भीमताल	कुश्याकुटोली	बेतालघाट	6	75
				बेतालघाट	रामगढ़	6	59
				नैनीताल	भीमताल	7	60
		रामनगर	कालाढुंगी	धारी	धारी	3	41
				कालाढुंगी	ओखलकाण्डा	6	75
				हल्द्वानी	कोटाबाग	5	56
		भवाली	लालकुंआँ	रामनगर	हल्द्वानी	6	60
				लालकुआँ	रामनगर	4	53
				ओखलकाण्डा	NA		
योग	**1**	**3**	**3**	**9**	**8**	**43**	**479**

जनपद में जनसंख्या 2011 एवं उसके बाद आधारभूत आंकडा सर्वेक्षण 2019–20 के अनुसार ग्रामों का विकास खण्डवार विवरण

विकासखण्ड	आबाद ग्रामों की संख्या			गैर–आबाद ग्रामों की संख्या	कुल ग्रामों की संख्या	2011 की जनगणना के नगर क्षेत्र में स्थानान्तरित की संख्या एवं उनके नाम	अभ्युक्ति
	वर्ष 2011	वर्ष 2019	बदलाव	वर्ष 2019	वर्ष 2019		
रामनगर	136	136	0	0	136	0	
कोटाबाग	166	166	0	0	166	0	
रामगढ़	123	122	**-1**	7	129	1–श्यामखेत	पूर्ण रूप से
भीमताल	108	101	**-7**	0	101	1–ढुगसिल रावत 2–ढुगसिंल मल्ला 3–ढुगसिल साह 4–नौल 5–बोहरागांव 6–गैरनौलया 7– कहलक्वीरा **नगर में सम्मिलित आं**	पूर्ण रूप से – 7 आंशिक रूप से – 11

						ग्राम– पाण्डेगांव, बिजरौली, थपलिया महरागांव, महरागांव, सिलौटी पन्त, ल्वेशाल, भग्त्यूड़ा, जूनस्टेट, सौनगांव, सांगूरीगांव, बेहरीगांव	
बेतालघाट	128	127	**-1**	5	132	1– भवाली सैनीटोरियम	पूर्ण रूप से
धारी	46	50	4	0	50	0	–
ओखलकाण्ड़ा	106	102	**-4**	1	103	0	–
हल्द्वानी	239	210	**-29**	3	213	1. दमुवाढूंगा खाम 2. हरिपुर 3. लोहरियासाल 4. चीनपुर 5. लोहरियासाल मल्ला 6. भगवानपुर जयसिंह 7. भगवानपुर बिचला 8. हिम्मतपुर मल्ला 9. हरिपुर नायक 10. बिठौलिया न02 11. बमौरी मल्ली 12. कोर्ता 13. हरिगढ़ 14. बमौरीतल्खीराम 15. हरिनगर 16.हिम्मतुपुर 17. भगवानपुर तल्ला 18. कमलुवागांजा गौड 19. कमलुवागांजा नरसिंह तल्ला 20. कमलुवागांजा नरसिंह मल्ला 21. छड़ायल नयाबाद 22. छड़ायल नायक 23. छड़ायल सुयाल 24. जयदेवपुर 25. मानपुर पूरब 26. मानपुर पश्चिम 27. जीतपुर नेगी 28. गौजाजाली विचली 29. गौजाजाली दक्षिण।	पूर्ण रूप से
योग ग्रामीण	**1052**	**1014**	-38	**16**	**1030**	**38**	**–**
वन क्षेत्र	45	45	0	28	73	0	**–**
योग जनपद	**1097**	**1059**	-38	**44**	**1103**	**38**	**–**

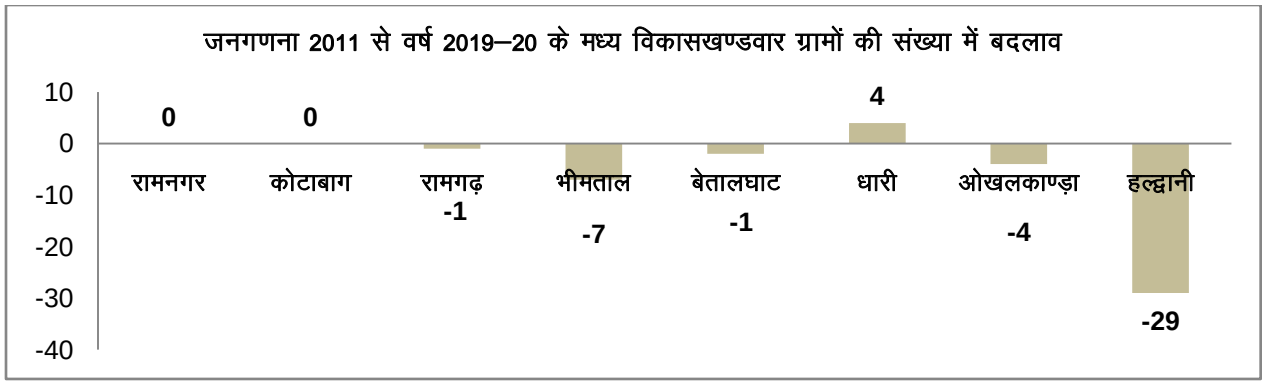

जनपद में 200 से कम कुल जनसंख्या वाले ग्रामों की संख्या के आंकड़ों के अध्ययन से ज्ञात होता है कि वर्ष 2015–16 से वर्ष 2017–18 के मध्य 137 ग्रामों की संख्या से परिवर्तन देखने को मिलता है जिसमें से 101 ग्राम 200 से 4999 जनसंख्या वाले ग्रामों में सम्मिलित होते हैं जबकि 36 ग्राम कुल ग्रामों की संख्या में हट जाना जनपद से निरन्तर हो रहे पलायन की पुष्टि का प्रमाण है। आंकड़ें निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किये गये हैं।

जनपद में कुल जनसंख्या के अनुसार वर्गीकृत ग्राम								
वर्ष / विकासखण्ड	200 से कम	200–499	500–999	1000–1499	1500–1999	2000–4999	5000 या अधिक	योग
2015–16	520	376	133	40	16	8	2	1095
2016–17	451	370	171	59	24	12	4	1091
2017–18	383	380	179	63	27	25	2	1059
विकासखण्डवार 2017–18								
रामनगर	38	50	21	14	4	9	0	136
कोटाबाग	74	56	20	8	5	3	0	166
रामगढ़	65	33	16	4	2	2	0	122
भीमताल	43	31	14	8	3	3	0	102
बेतालघाट	49	53	20	3	1	0	0	126
धारी	10	12	17	6	4	1	0	50
ओखलकाण्ड़ा	27	43	25	5	2	0	0	102
हल्द्वानी	55	93	42	12	5	3	0	210
योग विकासखण्ड	361	371	175	60	26	21	0	1014
वन क्षेत्र	22	9	4	3	1	4	2	45

योग जनपद	383	380	179	63	27	25	2	1059
वर्ष 2015–16 से वर्ष 2017–18 के मध्य बदलाव	-137	4	46	23	11	17	0	-36

स्वास्थ्य एवं शिक्षा व्यवस्था के दृष्टिकोण से जनपद नैनीताल

जनपद नैनीताल में 254 स्वास्थ्य तथा 1871 शिक्षण संस्थाएं संचालित हो रही हैं जिनका विवरण निम्नवत तालिकाओं में प्रदर्शित किया गया है।

स्वास्थ्य सुविधाएं	संख्या
एलोपैथिक	44
होम्योपैथिक	14
आयुर्वेदिक	36
प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र	18
परिवार एवं मातृ शिशु कल्याण केन्द्र	6
परिवार एवं मातृ शिशु कल्याण उप केन्द्र	136
योग	**254**

शिक्षण सुविधाएं	संख्या
जूनियर बेसिक स्कूल	1296
सीनियर बेसिक स्कूल	306
उच्चतर माध्यमिक विद्यालय	238
महा विद्यालय	9
विश्व विद्यालय	3
औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान	14
पॉलिटैक्निक	**5**
योग	**1871**

प्रक्रिया और पद्धति

यह रिपोर्ट जनपद की सामाजिक–आर्थिक मानकों का, विशेषतः उन कारणों के संदर्भ में जो पलायन पर असर डालती है का विस्तार से जांच करती है। माध्यमिक जानकारी का आधार जनपद के

रेखीय विभागों के जनपदस्तरीय अधिकारियों की प्रकाशित और अप्रकाशित सूचनाएं हैं। प्राथमिक जानकारी, आयोग की टीम, खण्ड विकास अधिकारियों और ग्राम विकास अधिकारियों के द्वारा क्षेत्र भ्रमण से संकलित की गई सूचनाओं पर आधारित है। विकास खण्डवार आंकडे एकत्रित कर विश्लेषण किया गया है।

इस रिपोर्ट में जनपद की ग्रामीण सामाजिक–आर्थिक अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की लिये सिफारिशें प्रस्तुत की गयी हैं। जिससे पलायन को कम किया जा सके। इससे स्थानीय सामाजिक–आर्थिक अर्थव्यवस्था को भी बढावा मिल सकता है एवं पलायन पर अंकुश भी लगेगा।

अध्याय–2

सामाजिक–आर्थिक आंकड़े

जनपद एक दृष्टि में				
मद	**इकाई**	**वर्ष 2001**	**वर्ष 2011**	**बदलाव**
भौगोलिक क्षेत्रफल	वर्ग कि0मी0	4251	4251	0
जनसंख्या				
पुरूष	संख्या	400.254	493.66	93.406
स्त्री	संख्या	362.655	460.94	98.285
योग	संख्या	762.909	954.60	191.69
ग्रामीण	संख्या	493.859	535.35	41.491
नगरीय	संख्या	269.05	419.25	150.200
अनुसूचित जाति	संख्या	148.184	191.21	43.026
अनुसूचित जनजाति	संख्या	4.96	7.50	2.539
साक्षर व्यक्तियों की संख्या				
कुल	संख्या	508.73	696.50	187.77
पुरूष	संख्या	294.78	385.78	91.00
स्त्री	संख्या	214.57	310.72	96.15
ग्रामों की संख्या				
आबाद ग्रामों की संख्या	*संख्या*	*1065*	*1014*	*-51*
गैर आबाद ग्रामों की संख्या	संख्या	17	44	27
वन ग्राम	संख्या	26	45	19
कुल ग्राम	*संख्या*	*1108*	*1103*	*-5*
नगर एंव नगर समूह	संख्या	8	9	1
नगर निगम	संख्या	1	1	0
नगर पालिका परिषद	संख्या	3	3	0
छावनी परिषद	संख्या	1	1	0
नगर पंचायत	संख्या	3	3	0

सेन्सस टाउन	संख्या	0	1	1
कृषि		**2010–11**	**2018–19**	**बदलाव**
शुद्ध बोया गया क्षेत्रफल	*हैक्टेयर*	*44.49*	*41.00*	*-3.49*
एक बार से अधिक बोया गया क्षेत्रफल	*हैक्टेयर*	*30.15*	*26.00*	*-4.15*
शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल	*हैक्टेयर*	*27.02*	*25.00*	*-2.02*
सकल सिंचित क्षेत्रफल	हैक्टेयर	21.01	37.00	15.99
कृषि उत्पादन				
खाद्यान्न	हे0 मी0 टन	113.2	124.58	11.38
गन्ना	*हे0 मी0 टन*	*247.45*	*218.88*	*-28.57*
तिलहन	*हे0 मी0 टन*	*11.1*	*5.94*	*-5.16*
आलू	हे0 मी0 टन	21.01	34.13	13.12
जलवायु				
वर्षा		**2010–11**	**2019**	**बदलाव**
सामान्य	*मि0मी0*	*1296.6*	*1284.40*	*-12.2*
वास्तविक	*मि0मी0*	*1513.3*	*1249.6*	*-263.7*
तापमान				
उच्चतम	*सेंटीग्रेड*	*40.2*	*31.0*	*-9.2*
न्यूनतम	*सेंटीग्रेड*	*-3.7*	*-2.9*	*-0.8*
सिंचाई		**2010–11**	**2019–20**	**बदलाव**
नहरों की लम्बाई	किमी0	812	823.5	11.5
राजकीय नलकूप	संख्या	118	389	271
व्यक्तिगत नलकूल तथा पम्पसेट	*संख्या*	*691*	*487*	*-204*
पशुपालन	इकाई	**वर्ष 2007**	**वर्ष 2012**	**बदलाव**
कुल पशुधन	*संख्या*	*448925*	*375172*	*-73753*
		2010–11	**2019–20**	**बदलाव**
पशु चिकित्सालय	संख्या	26	29	3
पशुधन सेवा केन्द्र	संख्या	98	98	0
कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र	संख्या	5	98	93
कृत्रिम गर्भाधान उपकेन्द्र	*संख्या*	*60*	*0*	*-60*

सहकारिता				
प्रारम्भिक कृषि ऋण समितियां	संख्या	53	53	0
समितियों के सदस्य	संख्या/हे0 में	54.43	70.68	16.25
उद्योग				
औद्योगिक अधिनियम 1948 के अन्तर्गत पंजीकृत कार्यरत कारखाने	*संख्या*	*150*	*140*	*-10*
खादी उद्योग एवं लघु औद्योगिक इकाईयां				
संख्या	संख्या	316	4319	4003
कार्यरत व्यक्ति	संख्या	1267	21440	20173

महत्वपूर्ण मदों के जिला विकास संकेतांक			
मद	**वर्ष 2001**	**वर्ष 2011**	**बदलाव**
कुल जनसंख्या में नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत	35.27	43.92	8.65
जनसंख्या का घनत्व (प्रतिवर्ग कि0मी0)	179	225	46
1981–91 दशक तथा 2001–11 दशक में जनसंख्या वृद्धि प्रतिशत	**1981-91**	**2001-2011**	**बदलाव**
	30.92	*25.13*	*-5.79*
कुल जनसंख्या में अनु0जाति/जनजाति का प्रतिशत	20.07	20.81	0.74
राज्य कुल अनु0जाति की जनसंख्या में जनपद में अनु0जाति के व्यक्तिों का प्रतिशत	8.63	20.81	12.18
लिंगानुपात (प्रति हजार पुरूषों पर महिलाओं की संख्या)	906.00	934	28
साक्षरता प्रतिशत			
	वर्ष 2001	**वर्ष 2011**	**बदलाव**
कुल	78.36	83.88	5.52
पुरूष	86.32	90.07	3.75
स्त्री	69.55	77.29	7.74
ग्रामीण	5	5	0
नगरीय	5	5	0
योग	5	5	0
कुल जनसंख्या में विकलांग व्यक्तियों का प्रतिशत	*2.04*	*1.69*	*-0.35*
कुल मुख्य कर्मकरों का जनसंख्या से प्रतिशत			

ग्रामीण	28.77	33.27	4.5
नगरीय	25.39	28.22	2.83
योग	27.58	31.05	3.47
कृषि कर्मकरों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत (कृषक तथा कृषि श्रमिक)	12.06	12.66	0.6
कृषि श्रमिक करों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत	1.55	2.06	0.51
कुल मुख्य कर्मकरों का प्रतिशत			
कृषक	*38.14*	*34.15*	*-3.99*
कृषि श्रमिक	5.61	6.62	1.01
पारिवारिक उद्योग	1.76	2.32	0.56
अन्य	*58.48*	*56.92*	*-1.56*

कुछ प्रमुख मदों के विकासखण्डवार संकेतक							
क्र0सं0	विकासखण्ड	जनसंख्या का घनत्व प्रति वर्ग किमी0			अनु0जाति/जनजाति का कुल जनसंख्या से प्रतिशत		
		वर्ष 2001	वर्ष 2011	बदलाव	वर्ष 2001	वर्ष 2011	बदलाव
1	रामनगर	290	383	93	30.87	30.53	-0.34
2	कोटाबाग	305	386	81	22.71	22.60	-0.11
3	रामगढ़	261	276	15	30.95	33.25	2.30
4	भीमताल	294	309	15	24.85	26.36	1.51
5	बेतालघाट	280	285	5	27.99	30.76	2.77
6	धारी	252	299	47	37.51	40.23	2.72
7	ओखलकाण्ड़ा	259	284	25	19.71	20.83	1.12
8	हल्द्वानी	441	420	-21	13.46	16.57	3.11
समस्त विकासखण्ड		309	340	31	23.72	25.93	2.21

कुछ प्रमुख मदों के विकासखण्डवार संकेतक							
क्र0सं0	विकासखण्ड	कुछ मुख्य कर्मकरों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत			कृषि में लगे कर्मकरों का कुल मुख्य कर्मकरों से प्रतिशत		
		वर्ष 2001	वर्ष 2011	बदलाव	वर्ष 2001	वर्ष 2011	बदलाव
1	रामनगर	26.63	25.86	-0.77	88.09	54.64	-33.45
2	कोटाबाग	32.73	36.28	3.55	82.52	74.80	-7.72
3	रामगढ़	35.50	41.83	6.33	75.27	77.65	2.38
4	भीमताल	25.49	30.76	5.27	49.87	52.26	2.39
5	बेतालघाट	31.48	38.51	7.03	93.74	76.51	-17.23
6	धारी	40.45	38.00	-2.45	87.57	88.71	1.14
7	ओखलकाण्ड़ा	27.31	34.45	7.14	83.32	80.58	-2.74
8	*हल्द्वानी*	29.09	34.06	4.97	62.53	58.90	-3.63
समस्त विकासखण्ड		29.93	33.95	4.02	70.20	68.60	-1.60

कुछ प्रमुख मदों के विकासखण्डवार संकेतक							
क्र0सं0	विकासखण्ड	पारिवारिक उद्योग में कर्मकरों का कुल मुख्य कर्मकरों से प्रतिशत			साक्षर व्यक्तियों का कुल जनसंख्या से प्रतिशत		
		वर्ष 2001	वर्ष 2011	बदलाव	वर्ष 2001	वर्ष 2011	बदलाव
1	रामनगर	3.38	2.30	-1.08	73.07	78.97	5.90
2	कोटाबाग	2.07	2.11	0.04	79.15	83.96	4.81
3	रामगढ़	0.75	0.79	0.04	78.82	86.17	7.35
4	भीमताल	1.44	2.08	0.64	83.23	87.17	3.94
5	बेतालघाट	0.39	1.37	0.98	74.78	83.19	8.41
6	धारी	2.49	0.31	-2.18	81.00	84.64	3.64
7	ओखलकाण्ड़ा	1.75	1.70	-0.05	69.49	76.40	6.91
8	हल्द्वानी	1.93	2.54	0.61	82.89	85.44	2.55
समस्त विकासखण्ड		1.87	1.82	-0.05	78.38	83.19	4.81

क्र0सं0	विकासखण्ड	सकल बोये गये क्षेत्रफल का शुद्ध बोये क्षेत्रफल से प्रतिशत	खाद्यान्न फसलों के अर्न्तगत क्षेत्रफल का सकल बोये क्षेत्रफल से प्रतिशत

		2000–01	2017–18	2018–19	2000–01	2017–18	2018–19
1	रामनगर	206.45	175.57	177.28	64.48	66.52	69.15
2	कोटाबाग	150.98	165.28	167.56	78.92	83.89	89.33
3	रामगढ़	119.98	121.80	124.39	70.70	53.73	55.32
4	भीमताल	127.16	125.49	127.68	76.97	58.52	59.9
5	बेतालघाट	144.25	148.76	153.55	91.05	62.15	67.12
6	धारी	122.43	133.17	137.16	60.27	43.67	41.95
7	ओखलकाण्ड़ा	162.88	150.33	153.77	68.51	50.18	48.51
8	हल्द्वानी	201.87	186.84	187.94	68.87	57.91	59.48
समस्त विकासखण्ड		167.39	159.44	162.22	70.55	61.87	63.96

क्र0सं0	विकासखण्ड	प्रति हे0 सकल बोये गये क्षेत्रफल पर उर्वरक का उपभोग (कि0ग्रा0)			सकल सिंचित क्षेत्रफल का शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल से प्रतिशत		
		2000–01	2017–18	2018–19	2000–01	2017–18	2018–19
1	रामनगर	202.49	123.22	174.52	214.69	139.29	144.41
2	कोटाबाग	61.13	152.21	270.34	121.26	158.08	161.82
3	रामगढ़	19.06	12.93	15.48	219.03	117.98	110.39
4	भीमताल	17.64	8.40	5.59	162.24	185.26	132.65
5	बेतालघाट	17.23	0	0	148.44	177.15	142.59
6	धारी	31.82	34.20	39.37	190.63	126.19	113.03
7	ओखलकाण्ड़ा	10.37	4.73	5.36	170.01	126.42	144.88
8	हल्द्वानी	174.09	92.85	209.26	106.29	142.76	145.22
समस्त विकासखण्ड		110.93	76.94	136.13	151.36	145.41	147.50

क्र0सं0	विकासखण्ड	शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल का शुद्ध बोये गये क्षेत्रफल से प्रतिशत			राजकीय नहरों द्वारा शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल का कुल शुद्ध सिंचित क्षेत्रफल से प्रतिशत		
		2000–01	2017–18	2018–19	2000–01	2017–18	2018–19
1	रामनगर	74.00	99.34	97.36	88.76	58.32	78.31
2	कोटाबाग	87.96	99.19	99.65	77.26	72.25	94.56
3	रामगढ़	25.23	7.31	9.91	95.96	100.00	70.92
4	भीमताल	33.55	6.64	10.91	98.42	100.00	58.28
5	बेतालघाट	46.56	10.97	13.74	99.46	100.00	79.63
6	धारी	31.80	5.52	8.52	97.37	100.00	58.82
7	ओखलकाण्ड़ा	20.60	4.48	5.66	97.65	100.00	71.65
8	हल्द्वानी	95.91	98.93	98.32	72.52	49.09	64.09
समस्त विकासखण्ड		61.49	58.55	60.07	82.86	60.10	75.89

क्र0सं0	विकासखण्ड	विद्युतीकृत ग्रामों का कुल आबाद ग्रामों से प्रतिशत		
		2000–01	2018–19	2019–20
1	रामनगर	94.12	100	100
2	कोटाबाग	91.23	100	100
3	रामगढ़	89.60	100	100
4	भीमताल	97.27	100	100
5	बेतालघाट	93.02	100	100
6	धारी	100.00	100	100
7	ओखलकाण्ड़ा	93.33	100	100
8	हल्द्वानी	100.00	100	100
समस्त विकासखण्ड		95.48	100	100

जनपद में विकासखण्डवार विभिन्न साधनों द्वारा स्रोतानुसार वास्तविक सिंचित क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)			
वर्ष/विकासखण्ड	नहरें	अन्य	योग
2016–17	15612	684	16296
2017–18	15292	2	15294

2018–19	18916	539	19455
विकासखण्डवार 2018–19			
रामनगर	6702	0	6702
कोटाबाग	5126	0	5126
रामगढ़	239	98	337
भीमताल	257	183	440
बेतालघाट	344	88	432
धारी	140	98	238
ओखलकाण्ड़ा	182	72	254
हल्द्वानी	5926	0	5926
योग ग्रामीण	**18916**	**539**	**19455**
वन क्षेत्र	0	0	0
ग्रामीण क्षेत्र	0	0	0
योग जनपद	**18916**	**539**	**19455**

जनपद में विकासखण्डवार मुख्य फसलों के अर्न्तगत क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)						
वर्ष/विकासखण्ड	चावल खरीफ		चावल जायद		कुल चावल	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
2016–17	10939	9938	151	151	11090	1089
2017–18	10925	10354	155	155	11080	10509
2018–19	11338	10680	167	167	11505	10847
विकासखण्डवार 2018–19						
रामनगर	4337	4329	57	57	4394	4386
कोटाबाग	2077	2074	61	61	2138	2135
रामगढ़	264	158	0	0	264	158
भीमताल	290	160	0	0	290	160
बेतालघाट	324	149	0	0	324	149
धारी	281	120	0	0	281	120
ओखलकाण्ड़ा	153	83	0	0	153	83

हल्द्वानी	3612	3607	49	49	3661	3656
योग ग्रामीण	**11338**	**10680**	**167**	**167**	**11505**	**10847**
नगरीय	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**11338**	**10680**	**167**	**167**	**11505**	**10847**

वर्ष / विकासखण्ड	गेहूँ		जौ		ज्वार		बाजरा	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
2016–17	22437	16998	814	14	0	0	0	0
2017–18	22088	16910	706	102	0	0	0	0
2018–19	22074	16884	712	81	0	0	0	0
विकासखण्डवार 2018–19								
रामनगर	5432	5423	0	0	0	0	0	0
कोटाबाग	4954	4939	0	0	0	0	0	0
रामगढ़	950	124	106	4	0	0	0	0
भीमताल	1206	158	177	29	0	0	0	0
बेतालघाट	1732	199	81	8	0	0	0	0
धारी	594	185	145	19	0	0	0	0
ओखलकाण्ड़ा	1582	272	203	21	0	0	0	0
हल्द्वानी	5624	5584	0	0	0	0	0	0
योग ग्रामीण	**22074**	**16884**	**712**	**81**	**0**	**0**	**0**	**0**
नगर क्षेत्र	0	0	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**22074**	**16884**	**712**	**81**	**0**	**0**	**0**	**0**

वर्ष / विकासखण्ड	मक्का खरीफ		कुल मक्का		मडुंवा	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
2016–17	3593	7	3593	7	2476	14
2017–18	3384	21	3385	22	1903	28
2018–19	3321	26	3323	28	1403	19

विकासखण्डवार 2018–19						
रामनगर	261	0	262	1	0	0
कोटाबाग	221	1	222	2	0	0
रामगढ़	415	4	415	4	191	4
भीमताल	573	7	573	7	514	5
बेतालघाट	403	4	403	4	48	3
धारी	360	4	360	4	56	3
ओखलकाण्ड़ा	568	6	568	6	594	4
हल्द्वानी	520	0	520	0	0	0
योग ग्रामीण	**3321**	**26**	**3323**	**28**	**1403**	**19**
नगरीय	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**3321**	**26**	**3323**	**28**	**1403**	**19**

वर्ष / विकासखण्ड	कुल दालें		कुल खाद्यान		लाही / सरसों	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
2016–17	3262	574	44132	27663	179	115
2017–18	3497	640	42876	28214	206	120
2018–19	3786	672	43056	28535	157	123
विकासखण्डवार 2018–19						
रामनगर	584	142	10778	9952	28	28
कोटाबाग	651	143	8142	7219	31	31
रामगढ़	405	28	2339	323	12	8
भीमताल	323	26	3092	386	18	9
बेतालघाट	440	51	3239	415	18	8
धारी	269	20	1607	352	5	2
ओखलकाण्ड़ा	406	22	3346	408	13	6
हल्द्वानी	708	240	10513	9480	32	31
योग ग्रामीण	**3786**	**672**	**43056**	**28535**	**157**	**123**
नगरीय	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**3786**	**672**	**43056**	**28535**	**157**	**123**

वर्ष / विकासखण्ड	मसूर		चना		मटर		अरहर		मोठ	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
2016–17	302	101	491	436	217	27	52	0	7	0
2017–18	429	220	380	340	59	24	0	0	7	1
2018–19	352	173	476	730	136	47	1	0	18	0
विकासखण्डवार 2018–19										
रामनगर	27	26	117	115	1	1	0	0	0	0
कोटाबाग	45	44	107	97	2	2	1	0	0	0
रामगढ़	37	17	7	1	24	7	0	0	3	0
भीमताल	47	13	11	1	23	8	0	0	5	0
बेतालघाट	81	27	12	2	29	12	0	0	5	0
धारी	33	9	1	1	24	7	0	0	2	0
ओखलकाण्ड़ा	56	12	5	1	30	7	0	0	3	0
हल्द्वानी	26	25	216	212	3	3	0	0	0	0
योग ग्रामीण	**352**	**173**	**476**	**430**	**136**	**47**	**1**	**0**	**18**	**0**
नगरीय	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**352**	**173**	**476**	**430**	**136**	**47**	**1**	**0**	**18**	**0**

वर्ष / विकासखण्ड	कुल तिलहन		गन्ना		आलू		राजमा	
	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित	कुल	सिंचित
2016–17	6997	142	3460	3460	3267	71	73	0
2017–18	6110	127	3111	3111	3280	96	66	0
2018–19	5540	126	2978	2978	3007	32	129	1
विकासखण्डवार 2018–19								
रामनगर	1921	28	383	383	0	0	0	0
कोटाबाग	889	31	2113	2113	0	0	0	0
रामगढ़	180	8	0	0	496	4	28	0
भीमताल	183	10	0	0	571	7	24	0
बेतालघाट	176	9	0	0	300	6	20	1

धारी	147	3	0	0	1479	8	22	0
ओखलकाण्ड़ा	162	6	0	0	161	7	35	0
हल्द्वानी	1882	31	482	482	0	0	0	0
योग ग्रामीण	**5540**	**126**	**2978**	**2978**	**3007**	**32**	**129**	**1**
नगरीय	0	0	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**5540**	**126**	**2978**	**2978**	**3007**	**32**	**129**	**1**

जनपद में क्रियात्मक जोतों के आकार वर्गानुसार संख्या एवं क्षेत्रफल (कृषि गणना 2015–16)						
वर्ष/विकासखण्ड	**आकार वर्ग हेक्टेयर**					
	0.5 हेक्टेयर से कम		**0.5 से 1.00 हेक्टेयर**		**1.00 से 2.00 हेक्टेयर**	
	संख्या	**क्षेत्रफल**	**संख्या**	**क्षेत्रफल**	**संख्या**	**क्षेत्रफल**
2005–06	26358	4684.48	8344	6018.42	8348	11981.95
2010–11	21987	6670.77	12247	9804.73	9637	14450.52
2015–16	20270	4979.51	12627	9164.19	9720	13599.54
विकासखण्डवार 2015–16						
रामनगर	1138	354.36	1158	828.49	1107	1591.16
कोटाबाग	2958	695.87	1505	1095.02	1475	2119.28
रामगढ़	2715	619.54	1850	1337.26	1528	2099.93
भीमताल	2420	636.73	1133	819.64	414	570.94
बेतालघाट	3366	718.51	1676	1213.29	987	1345.44
धारी	1873	524.6	1432	1026.12	760	1024.91
ओखलकाण्ड़ा	2629	733.62	2560	1891.1	1921	2624.02
हल्द्वानी	3171	696.28	1313	953.27	1528	2223.86
योग ग्रामीण	**20270**	**4979.51**	**12627**	**9164.19**	**9720**	**13599.54**
नगरीय	0	0	0	0	0	0
योग जनपद	**20270**	**4979.51**	**12627**	**9164.19**	**9720**	**13599.54**

वर्ष / विकासखण्ड	आकार वर्ग हेक्टेयर			
	2.00 से 4.00 हेक्टेयर		4.00 से 10 हेक्टेयर	
	संख्या	क्षेत्रफल	संख्या	क्षेत्रफल
2005–06	6421	174.25	2290	13015.63
2010–11	5069	13774.98	1556	8709.17
2015–16	4644	12310.22	1335	7500.71
विकासखण्डवार 2015–16				
रामनगर	918	2419.5	365	2108.26
कोटाबाग	906	2441.31	346	1959.65
रामगढ़	366	930.79	47	262.57
भीमताल	58	152.44	19	102.07
बेतालघाट	263	687.32	39	205.58
धारी	148	384.51	16	76.14
ओखलकाण्ड़ा	482	1207.93	32	149.84
हल्द्वानी	1503	4086.42	471	2636.6
योग ग्रामीण	**4644**	**12310.22**	**1335**	**7500.71**
नगरीय	0	0	0	0
योग जनपद	**4644**	**12310.22**	**1335**	**7500.71**

वर्ष / विकासखण्ड	आकार वर्ग हेक्टेयर			
	10 हेक्टेयर या उससे अधिक		कुल जोतों की संख्या	
	संख्या	क्षेत्रफल	संख्या	क्षेत्रफल
2005–06	270	6132.54	52031	59307.27
2010–11	167	2484.22	50663	55894.39
2015–16	137	2354.9	48733	49909.07
विकासखण्डवार 2015–16				
रामनगर	34	464.54	4720	7766.31
कोटाबाग	54	1112.73	7244	9423.86
रामगढ़	6	196.53	6512	5446.62

भीमताल	1	29.09	4045	2310.91
बेतालघाट	1	10.9	6332	4181.04
धारी	0	0	4229	3036.28
ओखलकाण्ड़ा	0	0	7624	6606.51
हल्द्वानी	41	541.11	8027	11137.54
योग ग्रामीण	**137**	**2354.9**	**48733**	**49909.07**
नगरीय	0	0	0	0
योग जनपद	**137**	**2354.9**	**48733**	**49909.07**

जनपद में विकासखण्डवार उर्वरक वितरण (मी0 टन)				
वर्ष/विकासखण्ड	**नाइट्रोजन**	**फास्फोरस**	**पोटास**	**योग**
2017–18	3477.53	1300.09	554.06	5331.68
2018–19	7210.02	1409.58	544.53	9164.13
2019–20	4641.91	1478.94	525.34	6646.19
विकासखण्डवार 2019–20				
रामनगर	1641.64	410.24	194.77	2246.65
कोटाबाग	1052.01	341.39	142.27	1535.67
रामगढ़	21.26	27.84	7.68	56.78
भीमताल	33.8	15.03	2.13	50.96
बेतालघाट	0	0	0	0
धारी	61.79	100.99	12.06	174.84
ओखलकाण्ड़ा	33.35	20.64	1.45	55.44
हल्द्वानी	1798.07	562.80	164.98	2525.85
योग ग्रामीण	**4641.92**	**1478.93**	**525.34**	**6646.19**
नगरीय	0	0	0	0
योग जनपद	**4641.92**	**1478.93**	**525.34**	**6646.19**

जनपद में विकासखण्ड पशुधन एवं कुक्कुट आदि पक्षियों की संख्या (पशु गणना 2012)				
वर्ष/विकासखण्ड	गोजातीय (देसी)			
	3 वर्ष से अधिक के नर	3 वर्ष से अधिक की मादा	बछड़ा एवं बछिया	कुल
2003	62697	77482	3196	143375
2007	45071	53586	54625	153282
2012	35762	42705	37515	115982
विकासखण्डवार 2012				
रामनगर	1395	2919	2937	7251
कोटाबाग	4785	4589	4558	13932
रामगढ़	2834	4097	4023	10954
भीमताल	3626	4043	2933	10602
बेतालघाट	6018	3827	2555	12400
धारी	2923	4645	3566	11134
ओखलकाण्ड़ा	8785	8999	9231	27015
हल्द्वानी	3797	3307	2658	9762
योग ग्रामीण	**34163**	**36426**	**32461**	**103050**
वन क्षेत्र	1453	5638	4568	11659
नगरीय	146	641	486	1273
योग जनपद	**35762**	**42705**	**37515**	**115982**

वर्ष/विकासखण्ड	गोजातीय (क्रास ब्रीड)				कुल गोताजीय स्तम्भ
	2,5 वर्ष से अधिक के नर	2,5 वर्ष से अधिक की मादा	बछड़ा एवं बछिया	कुल	
2003	4692	21483	1033	27208	170583
2007	1326	22091	20206	43623	196905
2012	1649	30412	26551	58612	174594
विकासखण्डवार 2012					
रामनगर	75	4877	3934	8886	16137

कोटाबाग	319	4677	4470	9466	23398
रामगढ़	219	1957	1474	3650	14604
भीमताल	44	1580	1130	2754	13356
बेतालघाट	139	959	1413	2511	14911
धारी	68	1274	1016	2358	13492
ओखलकाण्ड़ा	6	289	385	680	27695
हल्द्वानी	689	10669	8903	20261	30023
योग ग्रामीण	**1559**	**26282**	**22725**	**50566**	**153616**
वन क्षेत्र	17	1963	2252	4232	15891
नगरीय	73	2167	1574	3814	5087
योग जनपद	**1649**	**30412**	**26551**	**58612**	**174594**

वर्ष/विकासखण्ड	महिष जातीय			
	3 वर्ष से अधिक के नर	3 वर्ष से अधिक की मादा	बछड़ा एवं बछिया	कुल
2003	12789	105570	4747	123106
2007	1564	66861	54055	122480
2012	881	50915	37885	89681
विकासखण्डवार 2012				
रामनगर	110	6121	5345	11576
कोटाबाग	82	6456	5625	12163
रामगढ़	32	2022	1175	3229
भीमताल	77	4555	2443	7075
बेतालघाट	38	3479	2708	6225
धारी	31	2855	1926	4812
ओखलकाण्ड़ा	185	5696	4784	10665
हल्द्वानी	100	10142	7075	17317
योग ग्रामीण	**655**	**41326**	**31081**	**73062**
वन क्षेत्र	215	8306	6173	14694
नगरीय	11	1283	631	1925
योग जनपद	**881**	**50915**	**37885**	**89681**

वर्ष / विकासखण्ड	भेड़ देशी	भेड़ क्रास ब्रीड	कुल भेड	कुल बकरा एवं बकरी	कुल घोड़े एवं टट्टू	सुअर देशी	सुअर क्रास ब्रीड
2003	148	31	179	63207	2728	1120	46
2007	94	38	132	83370	3865	651	113
2012	207	86	293	69763	4120	339	623
विकासखण्डवार 2012							
रामनगर	124	0	124	2932	55	0	22
कोटाबाग	2	4	6	7419	307	0	0
रामगढ़	54	0	54	10590	555	0	0
भीमताल	8	0	8	6997	559	6	31
बेतालघाट	3	0	3	8662	572	0	0
धारी	0	0	0	8806	742	0	0
ओखलकाण्ड़ा	0	0	0	9899	775	0	0
हल्द्वानी	0	0	0	5707	155	0	66
योग ग्रामीण	**191**	**4**	**195**	**61012**	**3720**	**6**	**119**
वन क्षेत्र	0	74	74	5691	9	0	0
नगरीय	16	8	24	3060	391	333	504
योग जनपद	**207**	**86**	**293**	**69763**	**4120**	**339**	**623**

वर्ष / विकासखण्ड	कुल सुअर	अन्य पशु	कुल पशु	कुल मुर्गे, मुर्गियां एवं चूजे	अन्य कुक्कुट	कुल कुक्कुट
2003	1166	42789	403758	216729	194	216923
2007	764	41409	448925	423154	1240	424394
2012	962	35759	375172	590586	3677	594263
विकासखण्डवार 2012						
रामनगर	22	3827	34673	57609	170	57779
कोटाबाग	0	4804	48097	84031	3303	87334
रामगढ़	0	2411	31443	10425	12	10437
भीमताल	37	3756	31788	17580	40	17620

बेतालघाट	0	1679	32052	10126	4	10130
धारी	0	1813	29665	5063	0	5063
ओखलकाण्ड़ा	0	2148	51182	4045	0	4045
हल्द्वानी	66	7735	61003	394286	32	394318
योग ग्रामीण	**125**	**28173**	**319903**	**583165**	**3561**	586726
वन क्षेत्र	0	2529	38888	5383	85	5468
नगरीय	837	5057	16381	2038	31	2069
योग जनपद	**962**	**35759**	**375172**	**590586**	**3677**	**594263**

जनपद में विकासखण्डवार पशु चिकित्सालय एवं अन्य सेवायें (संख्या)						
वर्ष/विकासखण्ड	**पशुचिकित्सालय**	**पशुधन विकास केन्द्र**	**कृत्रिम गर्भाधान केन्द्र**	**कृत्रिम गर्भाधान उपकेन्द्र**	**पशु प्रजनन फार्म**	**भेड़ विकास केन्द्र**
2017–18	29	98	98	0	0	0
2018–19	29	98	98	0	0	0
2019–20	29	98	98	0	0	0
विकासखण्डवार 2018–19						
रामनगर	3	9	9	0	0	0
कोटाबाग	1	12	12	0	0	0
रामगढ़	5	10	10	0	0	0
भीमताल	0	17	17	0	0	0
बेतालघाट	4	13	13	0	0	0
धारी	2	6	6	0	0	0
ओखलकाण्ड़ा	2	8	8	0	0	0
हल्द्वानी	4	23	23	0	0	0
योग ग्रामीण	**21**	**98**	**98**	**0**	**0**	**0**
वन क्षेत्र	0	0	0	0	0	0
नगरीय	8	0	0	0	0	0
योग जनपद	**29**	**98**	**98**	**0**	**0**	**0**

क्र0सं0	मद	ग्रामीण	नगरीय	योग
1	**उद्यम**			
	अ. कृषि उद्यम	5025	232	5257
	• स्वकार्य उद्यम	445	122	567
	• कम से कम एक कार्यरत वैतनिक व्यक्ति सहित उद्यम	445	110	555
	ब. गैर–कृषि उद्यम	13033	15598	28631
	• स्वकार्य उद्यम	8318	9304	17622
	• कम से कम एक कार्यरत वैतनिक व्यक्ति सहित उद्यम	4715	6294	11009
	स. कुल उद्यम	18058	15830	33888
	• स्वकार्य उद्यम	12898	9426	22324
	• कम से कम एक कार्यरत वैतनिक व्यक्ति सहित उद्यम	5160	6404	11564
2	**संरचना के अनुसार उद्यम**			
	• निवास के बाहर निश्चित ढांचे में	8950	11718	20668
	• निवास के बाहर बिना निश्चित ढांचे में	1361	861	2222
	• निवास के भीतर	7747	3251	10998
3	**उद्यमों में कार्यरत व्यक्ति**			
	अ. कृषि उद्यम			
	• वैतनिक पुरूष	9377	761	10138
	• वैतनिक महिला	895	397	1292
	• अवैतनिक पुरूष	198	67	265
	• अवैतनिक महिला	4101	238	4339
	□	4183	59	4242
	• कुल महिला	4996	635	5631
	ब. गैर कृषि उद्यम	32594	41095	**73689**

	• वैतनिक पुरूष	13989	18677	32666
	• वैतनिक महिला	5969	4643	10612
	• अवैतनिक पुरूष	11381	16441	27822
	• अवैतनिक महिला	1255	1334	2589
	• कुल पुरूष	25370	35118	60488
	• कुल महिला	7224	5977	13201
4	**8 या अधिक कार्यरत व्यक्तियों वाले उद्यम**			
	• उद्यम	487	596	1083
	• कार्यरत व्यक्ति	10748	12425	23173
5	**हस्तषिल्प/हस्तकरघा उद्यम**			
	• उद्यम	233	239	472
	• कार्यरत व्यक्ति	444	516	960

पर्यटन की दृष्टि से जनपद नैनीताल

पर्यटन				
क्र0सं0	**मद**	**वर्ष**	**इकाई**	**विवरण**
1	**पर्यटन सुविधायें**			
	• मुख्य पर्यटन स्थल	2017–18	संख्या	30
	• पर्यटन आवास गृह	2017–18	संख्या	14
	• रैन बसेरा	2017–18	संख्या	1
	• पर्यटन आवास गृहों में उपलब्ध शैयायें	2017–18	संख्या	585
	• रैन बसेरा में उपलब्ध शैयायें	2017–18		10
	• होटल तथा पेइंगैस्ट हाउसों की संख्या	2017–18	संख्या	438
	• धर्मशालाओं की संख्या (31 मार्च 2019 तक)	2017–18	संख्या	18
2	**पर्यटकों के आंकड़े (वर्ष 2017–18 में)**			
	पर्यटकों की कुल संख्या (तीर्थ यात्री सहित)	2017–18	संख्या	918652

	• भारतीय पर्यटक / विदेशी पर्यटक	2017–18	संख्या	910323
	• भारतीय पर्यटक / विदेशी पर्यटक	2017–18	संख्या	8329
	महत्वपूर्ण राष्ट्रीय उद्यानों में कुल पर्यटक	2017–19	संख्या	256496
	• भारतीय पर्यटक	2017–18	संख्या	250648
	• विदेशी पर्यटक	2017–18	संख्या	5848

नैनीताल भारत का लोकप्रिय हिल स्टेशन है। यह उत्तराखण्ड की न्यायिक राजधानी है, क्योंकि यहाँ राज्य का उच्च न्यायालय स्थित है, और कुमाऊँ मंडल का मुख्यालय होने के साथ–साथ एक जिला भी है। नैनीताल बाहरी हिमालय की कुमाऊँ तलहटी में राज्य की राजधानी देहरादून से 285 किमी (177 मील) की दूरी पर और समुद्र तल से 1938 मीटर (6358 फीट) की ऊँचाई पर स्थित है। शिवालिक पर्वत श्रृखलाओं के मध्य में जनपद नैनीताल झीलों की नगरी के नाम से भी जाना जाता है। नैनी झील नैनीताल जनपद की सभी झीलों में से प्रमुख झील मानी जाती है। नैनीताल जनपद में मुख्य नगर भीमताल, नैनीताल, लालकुँआ, कालाढुंगी, हल्द्वानी, एवं रामनगर आदि शामिल है। जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों का उल्लेख निम्नवत दिया गया है।

नैनी झील– नैनीताल जनपद के प्रमुख आकर्षण में से एक है नैनी झील, जो हरी–भरी घाटियों से घिरी हैं यात्री यहाँ नौकायन, पैडलिंग जैसी गतिविधियों का आनन्द ले सकते हैं। यह झील काफी लम्बी है जिसके उत्तरी भाग को मल्ली ताल तथा दक्षिणी भाग को तल्ली ताल कहा जाता है। यह एक मात्र झील है जिस पर पुल और एक डाकघर भी है।

माल रोड – माल रोड नैनीताल की एक प्रसिद्व सडक का नाम है और हाल ही में इसे बदल कर गोविन्द बल्लभ पंत मार्ग कर दिया गया है। यह सड़क मल्लीताल को महाल्ली से जोड़ती है।

टिफिन टॉप – यह एक सुदंर पिकनिक स्थल है, जो समुद्र तल से 2292 मी0 (7520 फीट) की ऊॅचाई पर स्थित है। यात्री यहाँ से ग्रामीण परिदृश्य के साथ शक्तिशाली हिमालय पर्वतमाला के प्रभावशाली दृश्यों का आनंद लेने आते है। इस स्थान का विकास डोरोथी शैले (एक अंग्रेजी कलाकार) के पति द्वारा विमान दुर्घटना में उनकी मृत्यु के बाद किया गया था। नैनीताल टाउन से 4 किमी दूर स्थित यह टिफिन टॉप प्रकृति की फोटोग्राफी के लिए एक आदर्श स्थान है।

नैना पीक –नैनीताल की सात चोटियों में सबसे ऊँची चोटी नैना चोटी है, जिसकी ऊँचाई 2611 मीटर है, स्थान नैनीताल से लगभग 6 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इस चोटी से हिमालय की अन्य ऊँची चोटियाँ दिखाई देती है।

खुर्पाताल –नैनीताल के पास एक खुर्पाताल भी है। कॉटेज फिशिंग फिटर (झोपडी) लोगों के लिए स्वर्ग है। यह नैनीताल से 10 किमी दूर स्थित है यह खूबसूरत छोटा उपग्राम (खेरा) समुद्र तल से 1635 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है। 19वीं शताब्दी तक खुर्पाताल लोहे के औजारों के उत्पादन के लिए प्रसिद्व था लेकिन अब यह हरी सब्जियों के लिए प्रसिद्व है।

किलबरी –किलबरी नैनीताल से 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इसकी समुद्र तल से ऊँचाई 2194 मीटर है। घने हरे भरे वनों के बीच बसा यह शांत स्थान आम नागरिक को शहरों की व्यस्तता से भरी जिन्दगी के बीच सुकून के पल उपलब्ध कराता है। किलबरी से हिमालय का बहुत ही विहंगम दृश्य दिखायी देता है। यह शांतिपूर्ण छुट्टी बिताने के लिए आदर्श स्थान है।

भवाली–भवाली समुद्र तल से 1706 मीटर ऊँचाई पर स्थित होने के साथ–साथ नैनीताल से 11 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह स्थान नैनीताल के प्रमुख पर्यटक स्थलों को जोड़ने हेतु एक जंक्शन का कार्य करता है। भवाली अपनी प्राकृतिक सुंदरता एवं पहाड़ी फल मण्डी के रूप में जाना जाता है। भवाली की पहचान यहाँ पर स्थित वर्ष 1912 में स्थापित टी.वी.सैनेटारियम चिकित्सालय के रूप में भी होती है।

कैंची धाम –कैंची धाम अल्मोडा मार्ग पर नैनीताल से लगभग 17 किमी एवं भवाली से 9 कि0मी0 की दूरी पर अवस्थित है। प्रत्येक वर्ष 15 जून को यहां पर बहुत बडे मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें देश विदेश के श्रद्धालु सम्मिलित होते हैं। इस स्थान का नाम कैंची मोटर मार्ग के दो तीव्र मोडों के कारण रखा गया है। इसका कैंची से कोई सम्बन्ध नहीं है।

घोडाखाल – घोडाखाल कुमाऊँनी लोगों के लिए एक प्रसिद्व तीर्थ स्थान है क्योंकि यहाँ पर भगवान गोलज्यू का मंदिर है। यह तीर्थ स्थल भवाली से 03 कि0मी0 की दूरी पर स्थित है।

मुक्तेश्वर –यह बेहद खूबसूरत स्थान नैनीताल से लगभग 51 कि0मी0 की दूरी पर एवं समुद्र की सतह से 2286 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। फलों के बागानों एवं देवदार के घने जंगलों से घिरे हुए इस स्थान को सन् 1893 में अंग्रेजों ने अनुसंधान एवं शिक्षा संस्थान के रूप में विकसित किया था, जोकि अब भारतीय पशु अनुसंधान केंद्र (आई0वी0आर0आई) के रूप में जाना जाता है। यहाँ से हिमालय की लम्बी पर्वत श्रृंखलायें दिखाई देती है। यहीं पहाड की चोटी पर भगवान शिव का एक मंदिर भी है, जहाँ से चारों ओर का नजारा देखते ही बनता है। मुक्तेश्वर के घने देवदार के जंगल किसी भी आने वाले व्यक्ति को स्वतः ही अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

नौकुचियाताल – नौकुचियाताल की दूरी नैनीताल से 26 किमी तथा भीमताल से 4 किमी है। समुद्र तल से इसकी ऊँचाई 1220 मीटर है। इस गहरी एवं साफ झील में कुल नौ कोने है। झील की लम्बाई 983 मीटर, चौडाई 693 मीटर तथा गहराई 40.3 मीटर है। यह झील एक आकर्षक घाटी में स्थित है, यहाँ का मुख्य आकर्षण मछली पकडना एवं विभिन्न प्रकार के पक्षियों को निहारना है। यहाँ पर आने वाले लोगों हेतु नौकायन के पर्याप्त अवसर उपलब्ध रहते है। इस झील के एक भाग में कमलाताल भी स्थित है, जहाँ पर कमल के फूल पर्याप्त मात्रा में देखने को मिल जाते है।

सातताल –नैनीताल से लगभग 23 किलोमीटर की दूरी तथा समुद्र तल से 1370 मीटर की ऊचाँई पर स्थित सातताल एक अनोखा एवं अविस्मरणीय स्थान है। घने बांज के वृक्षों से घिरे इस स्थान पर सात झीलों का एक समूह है, जिसमें से कुछ झीलें अब विलुप्त हो गयी हैं। इस स्थान की तुलना इग्लैंड के वैस्ट्मोरलैण्ड से की जाती है। सातताल पहुँचने पर सर्वप्रथम झील नल दम्यंती ताल के रूप में मिलती है। आगे बढने पर एक अमेरिकी मिशनरी स्टैनले जॉन्स का आश्रम है। आगे की झील पन्न या गरूड झील है, जैसे–जैसे हम नीचे जाते है, वहां तीन झीलों का एक समूह है, इन झीलों को राम, लक्ष्मण एवं सीता झील के रूप मे जाना जाता है।

भीमताल –यह सुंदर झील नैनीताल से 22 कि0मी0 की दूरी तथा समुद्र तल से 1370 मीटर ऊंचाई पर स्थित हैं। इस स्थान की दूरी भवाली से 11 किमी है। भीमताल पर्यटकों के लिए मनोहारी दृश्य प्रस्तुत करती है। यहाँ का एक और आकर्षण झील के मध्य स्थित टापू पर बना मछलीघर है। झील तट से टापू की दूरी 98 मीटर है। यहाँ पर सत्रहवीं शताब्दी का बना भगवान भीमेश्वर महादेव का मंदिर है। इसी के परिसर से लगा हुआ 40 फीट बांध भी है जोकि भीमताल झील के स्वरूप को बनाता है तथा सिंचाई कार्य में मदद करता है। इसी के पास बस स्टेशन एवं टैक्सी स्टेशन हैं। यहाँ से एक सडक नौकुचियाताल एवं जंगलियागाँव तथा दूसरी काठगोदाम को जाती है।

अध्याय–3

पलायन की स्थिति

इस अध्याय में जनपद के विभिन्न ग्राम पंचायतों में (वर्ष 2018 में) कराए गए सर्वेक्षण के आधार पर एकत्र किये गये आकड़ों का विश्लेषण कर जनपद में पलायन के कई पहलुओं को सामने लाया गया है।

मुख्य व्यवसाय

आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि जनपद के ग्रामों में रहने वाले लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि है, तत्पश्चात मजदूरी और सरकारी सेवा है। जनपद तथा राज्य में ग्राम पंचायत स्तर से प्राप्त आंकड़ों को नीचे दी गई तालिकाएं स्पष्ट करती हैं।

Table: Gram panchayat level main occupation (district average)							
जनपद का नाम	ग्राम पंचायतों का मुख्य व्यवसाय (लगभग प्रतिशत में)						
	मजदूरी	कृषि	उद्यान	डेरी	सरकारी सेवा	अन्य कार्य	**Total**
Nainital	26.27	44.41	8.41	6.44	8.70	5.76	100.00

Table: Gram panchayat level main occupation(State average)							
State Name	ग्राम पंचायतों का मुख्य व्यवसाय (लगभग प्रतिशत में)						
	मजदूरी	कृषि	उद्यान	डेरी	सरकारी सेवा	अन्य कार्य	**Total**
Uttarakhand	32.22	43.59	2.11	2.64	10.82	8.63	100.00

अस्थायी और स्थायी पलायन

इस खण्ड के अन्तर्गत अस्थायी और स्थायी पलायन की जानकारी का मूलरूप से विश्लेषण किया गया है। पिछले 10 वर्षो में 339 ग्राम पंचायतों से कुल 20951 व्यक्तियों द्वारा अस्थायी रूप से पलायन किया गया है, हालांकि वे समय–समय पर अपने घरों में आना–जाना करते हैं क्योंकि उनके द्वारा स्थायी रूप से पलायन नहीं किया गया है।

पिछले 10 वर्षों में 213 ग्राम पंचायतों से 4823 व्यक्तियों द्वारा पूर्णरूप से स्थायी पलायन किया गया है, जो कि गम्भीर चिन्ता का विषय है। आंकड़ें दर्शातें हैं कि जनपद के सभी विकास खण्ड़ों में स्थायी पलायन की तुलना में अस्थायी पलायन अधिक हुआ है।

Table: District and Block wise migrants in last 10 years from gram panchayats					
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	ग्राम पंचायतों की कुल संख्या (जिन्होने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/ घर में आना–जाना लगा रहता हो/अस्थाई रूप से रोजगार के लिए बाहर रहता हो)	पिछले 10 वर्षो में पलायन करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (जिन्होने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/ घर में आना–जाना लगा रहता हो/अस्थाई रूप से रोजगार के लिए बाहर रहता हो)	ग्राम पंचायतों की कुल संख्या (जो पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो या अपनी जमीन बेच चुके हो/अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हो/तथा बहुत कम गॉव आना होता हो)	पिछले 10 वर्षो में पूर्ण पलायन करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (जो पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो या अपनी जमीन बेच चुके हो/अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हो/तथा बहुत कम गॉव आना होता हो)
Nainital	Betalghat	69	7,069	44	712
Nainital	Bhimtal	54	1,857	18	288
Nainital	Dhari	35	1,709	24	529
Nainital	Haldwani	28	1,790	4	15
Nainital	Kotabag	51	2,621	34	621
Nainital	Okhalkanda	75	5,161	65	2,074
Nainital	Ramgarh	17	503	21	564
Nainital	Ramnagar	10	241	3	20

Table: District wise migrants in last 10 years from gram panchayats				
जनपद का नाम	ग्राम पंचायतों की कुल संख्या (जिन्होने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/ घर में आना–जाना लगा रहता हो/अस्थाई रूप से रोजगार के लिए बाहर रहता हो)	पिछले 10 वर्षो में पलायन करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (जिन्होने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/ घर में आना–जाना लगा रहता हो/अस्थाई रूप से रोजगार के लिए बाहर रहता हो:	ग्राम पंचायतों की कुल संख्या (जो पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो या अपनी जमीन बेच चुके हो/अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हो/तथा बहुत कम गॉव आना होता हो)	पिछले 10 वर्षो में पूर्ण पलायन करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (जो पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो या अपनी जमीन बेच चुके हो/अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हो/तथा बहुत कम गॉव आना होता हो):
Nainital	339	20,951	213	4,823
Total State	**6,338**	**383,726**	**3,946**	**118,981**

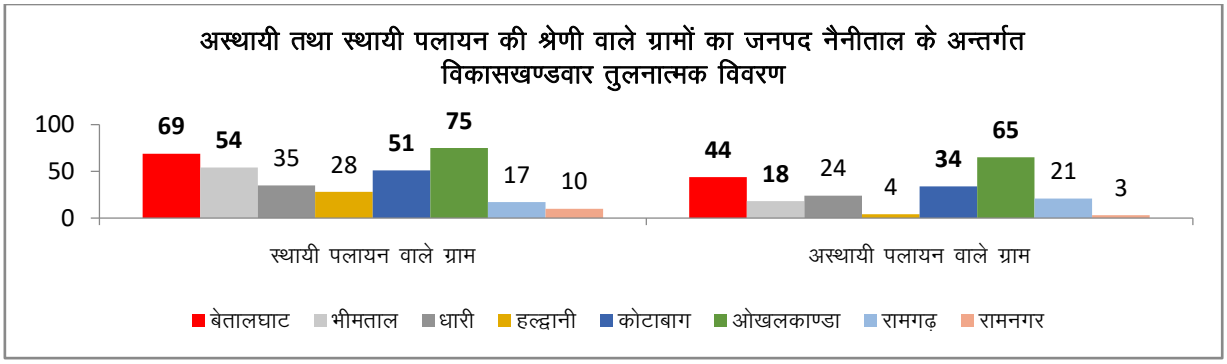

Table: State wise migrants in last 10 years from gram panchayats				
State Name	ग्राम पंचायतों की कुल संख्या (जिन्होने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/ घर में आना–जाना लगा रहता हो/अस्थाई रूप से रोजगार के लिए बाहर रहता हो)	पिछले 10 वर्षो में पलायन करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (जिन्होने पूर्ण रूपेण पलायन न किया हो/ घर में आना–जाना लगा रहता हो/अस्थाई रूप से रोजगार के लिए बाहर रहता हो:	ग्राम पंचायतों की कुल संख्या (जो पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो या अपनी जमीन बेच चुके हो/अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हो/तथा बहुत कम गॉव आना होता हो)	पिछले 10 वर्षो में पूर्ण पलायन करने वाले कुल व्यक्तियों की संख्या (जो पूर्ण रूप से पलायन कर चुके हो या अपनी जमीन बेच चुके हो/अथवा भूमि बंजर पड़ी हो/घरों पर ताले लगे हो/तथा बहुत कम गॉव आना होता हो):
Uttarakhand	6,338	383,726	3,946	118,981

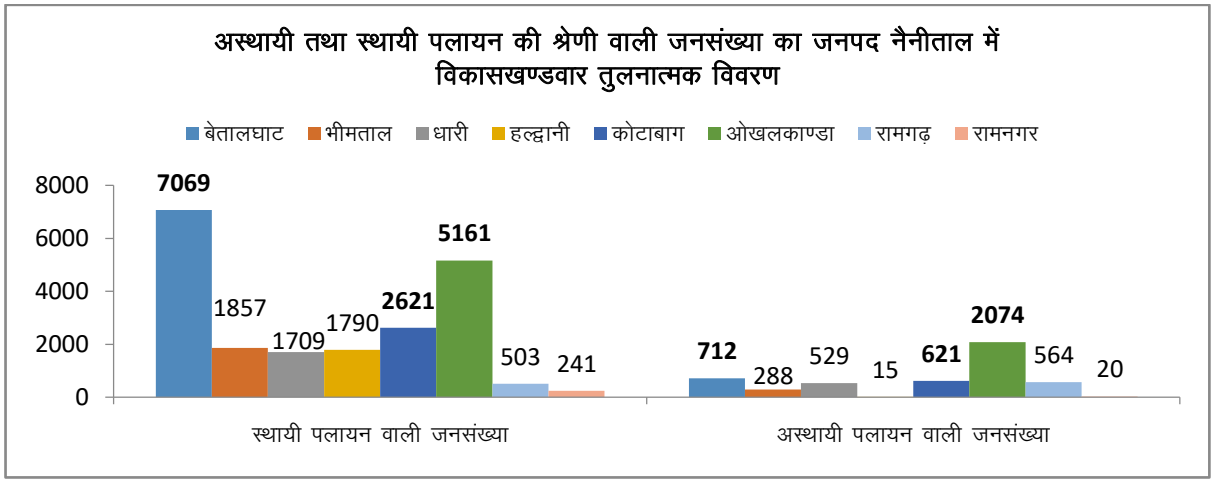

पलायन के मुख्य कारण

पलायन का मुख्य कारण आजीविका/रोजगार की समस्या के साथ–साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत सुविधाओं में कमी है। विस्तृत आंकड़ें नीचे दी गई तालिका में प्रस्तुत है।

Table: District and Block wise main reasons for migration from gram panchayats										
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन के कारण (लगभग प्रतिशत में)								Total
		आजीविका / रोजगार की समस्या (प्रतिशत)	चिकित्सा सुविधा का आभाव (प्रतिशत)	शिक्षा सुविधा का आभाव (प्रतिशत)	इन्फ्राटक्चर (सड़क, बिजली, पानी व अन्य का आभाव) (प्रतिशत)	कृषि भूमी में उत्पादकता /पैदावार की कमी (प्रतिशत)	परिवार/सगे संम्बधियों की देखा–देखी पलायन करना (प्रतिशत)	जंगली जानवरों के द्वारा कृषि को हानि पहुंचाने करने के कारण (प्रतिशत)	अन्य कोई विशेष कारण (प्रतिशत)	
Nainital	Betalghat	55.88	7.44	8.27	3.56	7.65	2.08	9.81	5.31	100.00
Nainital	Bhimtal	58.42	3.32	10.61	7.16	5.35	1.29	7.61	6.23	100.00
Nainital	Dhari	71.59	5.81	7.26	2.93	2.19	3.59	2.52	4.11	100.00
Nainital	Haldwani	48.89	4.44	4.44	0.00	0.00	0.00	0.00	42.22	100.00
Nainital	Kotabag	55.71	9.21	7.57	7.14	2.86	2.86	10.36	4.29	100.00
Nainital	Okhalkanda	53.88	10.55	12.53	6.13	6.21	2.73	6.09	1.87	100.00
Nainital	Ramgarh	27.54	9.19	15.23	5.00	0.00	0.15	0.23	42.65	100.00
Nainital	Ramnagar	33.33	0.00	6.67	0.00	14.00	1.00	30.00	15.00	100.00

Table: District wise main reasons for migration from gram panchayats									
जनपद का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन के कारण (लगभग प्रतिशत में)								Total
	आजीविका / रोजगार की समस्या (प्रतिशत)	चिकित्सा सुविधा का आभाव (प्रतिशत)	शिक्षा सुविधा का आभाव (प्रतिशत)	इन्फ्राटक्चर (सड़क, बिजली, पानी व अन्य का आभाव) (प्रतिशत)	कृषि भूमी में उत्पादकता / पैदावार की कमी (प्रतिशत)	परिवार/सगे संम्बधियों की देखा– देखी पलायन करना (प्रतिशत)	जंगली जानवरों के द्वारा कृषि को हानि पहुंचाने करने के कारण (प्रतिशत)	अन्य कोई विशेष कारण (प्रतिशत)	
Nainital	53.70	7.79	10.37	4.96	4.94	2.10	6.38	9.76	100.00

Table 4.3.3: State wise main reasons for migration from gram panchayats		Total
State Name	ग्राम पंचायत से पलायन के कारण (लगभग प्रतिषत में)	

	आजीविका / रोजगार की समस्या (प्रतिषत)	चिकित्सा सुविधा का अभाव (प्रतिषत)	षिक्षा सुविधा का अभाव (प्रतिषत)	इन्फ्रास्ट्रक्चर (सड़क, बिजली, पानी व अन्य का अभाव) (प्रतिषत)	कृषि भूमि में उत्पादकता / पैदावार की कमी (प्रति"त)	परिवार / सगे संम्बन्धियों की देखा–देखी पलायन करना (प्रतिषत)	जंगली जानवरों के द्वारा कृषि को हानि पहुंचाने करने के कारण (प्रतिषत)	अन्य कोई विषेष कारण (प्रति"त)	
Uttarakhand	50.16	8.83	15.21	3.74	5.44	2.52	5.61	8.48	100.00

आयु वर्गवार पलायन

इस खण्ड में ग्राम पंचायतों से पलायन करने वालों की आयु का विश्लेषण किया गया है। आकड़ों से स्पष्ट हुआ है कि लगभग 36 प्रतिशत पलायन 26 से 35 वर्ष के आयु वर्ग द्वारा किया गया है। विभिन्न विकासखण्डों और जनपद की विस्तृत जानकारी निम्न तालिका में दी गई है।

Table: District and Block wise age of migrants from gram panchayats					**Total**
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन करने वालों की आयु (लगभग प्रतिशत में)			
		25 साल से कम आयु वर्ग (वर्तमान में)	26 से 35 आयु वर्ग (वर्तमान में)	35 साल से अधिक आयु वर्ग (वर्तमान में)	
Nainital	Betalghat	32.82	42.86	24.32	100.00
Nainital	Bhimtal	40.40	47.04	12.56	100.00
Nainital	Dhari	26.44	46.59	26.96	100.00
Nainital	Haldwani	28.50	40.67	30.83	100.00
Nainital	Kotabag	38.64	31.82	29.55	100.00
Nainital	Okhalkanda	23.80	51.16	25.04	100.00
Nainital	Ramgarh	22.58	39.05	38.37	100.00
Nainital	Ramnagar	25.00	26.25	48.75	100.00

Table: District and Age wise Migration Status from gram panchayats				**Total**
जनपद का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन करने वालों की आयु (लगभग प्रतिशत में)			
Nainital	29.48	44.57	25.96	100.00

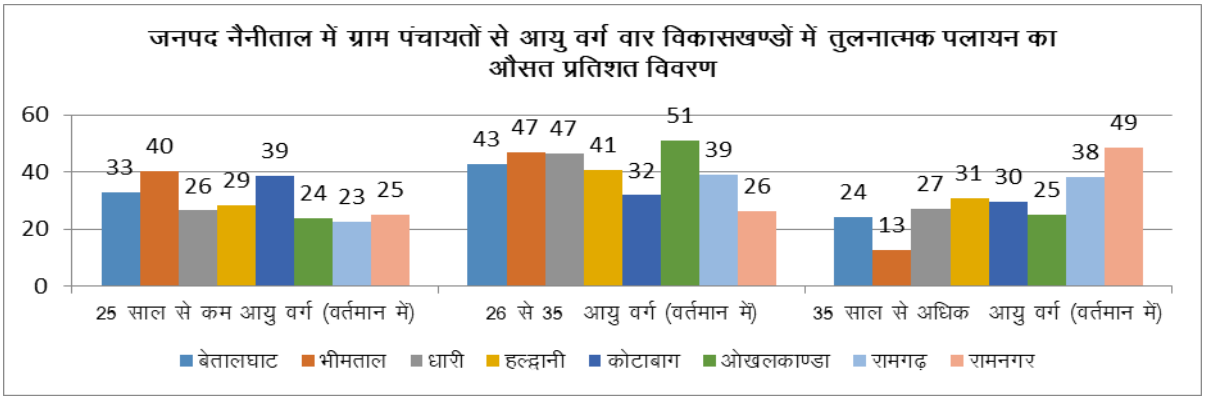

Table 4.4.3: State and Age wise Migration Status from gram panchayats					Total
State Code	State Name	ग्राम पंचायत से पलायन करने वालों की आयु (लगभग प्रतिशत में)			
		25 साल से कम आयु वर्ग (वर्तमान में)	26 से 35 आयु वर्ग (वर्तमान में)	35 साल से अधिक आयु वर्ग (वर्तमान में)	
	Uttarakhand	28.66	42.25	29.09	100.00

पलायन के गन्तव्य

ग्राम पंचायतों से हो रहे पलायन के गन्तव्य का विश्लेषण कर सामने आये आकड़ों को इस खण्ड़ में प्रस्तुत किया जा रहा है, जिसमें स्पष्ट हुआ है कि जनपद के ग्राम पंचायतों से लगभग 22 प्रतिशत पलायन राज्य के अन्य जनपदों में है जबकि 17 प्रतिशत पलायन राज्य के बाहर हुआ है। सबसे अधिक पलायन नजदीकी कस्बों में हुआ है (39%)।

Table: District and Block wise destination of migrants from Gram Panchayats							Total
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन कहॉ किया गया (लगभग प्रतिशत में)					
		नजदीकी कस्बों में	जनपद मुख्यालय	राज्य के अन्य जनपदों में	राज्य से बाहर	देश से बाहर	
Nainital	Betalghat	12.21	13.52	21.60	51.95	0.71	100.00
Nainital	Bhimtal	47.72	15.38	25.86	10.31	0.72	100.00
Nainital	Dhari	29.10	21.22	28.26	20.52	0.90	100.00
Nainital	Haldwani	20.42	11.25	35.83	32.17	0.33	100.00
Nainital	Kotabag	25.17	30.00	10.42	34.17	0.25	100.00
Nainital	Okhalkanda	44.92	22.37	17.43	15.18	0.10	100.00
Nainital	Ramgarh	78.00	9.27	11.07	1.67	0.00	100.00
Nainital	Ramnagar	30.00	20.00	15.00	35.00	0.00	100.00

Table: District wise destination of migrants from Gram Panchayats						Total
जनपद का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन कहॉ किया गया (लगभग प्रतिशत में)					
	नजदीकी कस्बों में	जनपद मुख्यालय	राज्य के अन्य जनपदों में	राज्य से बाहर	देश से बाहर	
Nainital	35.49	17.93	21.47	24.64	0.47	100.00

Table: State wise destination of migrants from Gram Panchayats						Total
State Name	ग्राम पंचायत से पलायन कहॉ किया गया (लगभग प्रतिशत में)					
	नजदीकी कस्बों में	जनपद मुख्यालय	राज्य के अन्य जनपदों में	राज्य से बाहर	देश से बाहर	
Uttarakhand	19.46	15.18	35.69	28.72	0.96	100

वर्ष 2011 के बाद निर्जन ग्रामों की संख्या

इस खण्ड में 2011 के बाद निर्जन हुए राजस्व ग्रामों/तोकों/मजरों का विकासखण्डवार एवं जनपदीय सारांश प्रस्तुत किया गया है तथा जिनमें सड़क सुविधा का अभाव, बिजली का अभाव, पेयजल का अभाव और पी.एच.सी उपलब्धता 1 किमी के अन्दर नहीं है, वाले ग्रामों का विवरण निम्न तालिकाओं के माध्यम से स्पष्ट किया गया है।

Table: District and Block wise Number of uninhabited revenue villages/toks at Gram Panchayat Level (De-populated After 2011)		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Nainital	Betalghat	3
Nainital	Bhimtal	3
Nainital	Dhari	2
Nainital	Haldwani	2
Nainital	Kotabag	1
Nainital	Okhalkanda	9
Nainital	Ramgarh	1
Nainital	Ramnagar	1
	Total	**22**

Table 4.6.1.2: District wise Number of uninhabited revenue villages/toks at Gram Panchayat Level (De-populated After 2011)	
जनपद का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Nainital	22
Total (state)	**734**

ऐसे ग्राम जहां अन्य दूसरे ग्रामों/कस्बों/तोकों से पिछले 10 वर्षो में लोग पलायन कर निवास कर रहे हैं–

यह भाग उन ग्रामों का जिले एवं विकासखण्डवार संख्या का विवरण प्रस्तुत करता है, जहां दूसरे ग्राम/कस्बों/तोकों के लोग पलायन कर बस गए हैं।

Table: District and Block wise Number of villages where people have in-migrated and settled in last 10 years from other villages/ towns or small towns		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल ऐसे गॉव जहॉ पिछले 10 वर्षो में अन्य गॉव/शहर/कस्बों से पलायन कर उस गॉव में आकर बसे होः
Nainital	Betalghat	5
Nainital	Bhimtal	20
Nainital	Dhari	4
Nainital	Haldwani	80
Nainital	Kotabag	9
Nainital	Okhalkanda	3
Nainital	Ramgarh	2
Nainital	Ramnagar	16
	Total	**139**

Table: District wise Number of villages where people have in-migrated and settled in last 10 years from other villages/ towns or small towns	
जनपद का नाम	कुल ऐसे गॉव जहॉ पिछले 10 वर्षो में अन्य गॉव/शहर/कस्बों से पलायन कर उस गॉव में आकर बसे होः
Nainital	139
Total (State)	**850**

ऐसे गांव जहां 2011 की जनगणना के बाद 50% तक पलायन हुआ है–

यह खण्ड उन राजस्व ग्रामों/तोकों की संख्या को जनपद और विकासखण्ड वार सांराश का विवरण प्रस्तुत करता है जिनमें मोटर मार्ग का अभाव, विद्युत का अभाव, एक किमी तक पानी का अभाव, पी0एच0सी0 की अनुपलब्धता, वाले ग्राम शामिल हैं, जिनकी जनसंख्या 2011 के बाद 50 प्रतिशत कम हुई है।

Table: District and Block wise Number of revenue villages/toks at Gram Panchayat Level (Population reduced by 50% After 2011)		
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Nainital	Betalghat	2
Nainital	Bhimtal	5
Nainital	Okhalkanda	7
	Total	**14**

Table 4.8.1.2: District wise Number of revenue villages/toks at Gram Panchayat Level (Population reduced by 50% After 2011)	
जनपद का नाम	कुल राजस्व ग्राम /तोक (वर्तमान में)
Nainital	14
Total (state)	**565**

अध्याय–4

ग्रामीण सामाजिक–आर्थिक विकास हेतु जनपद नैनीताल में विभागों द्वारा संचालित कार्यक्रमों का विश्लेषण

ग्राम्य विकास विभाग

जनपद नैनीताल में कुल 479 ग्राम पंचायतें हैं, जिनमें ग्राम विकास विभाग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के सामाजिक–आर्थिक विकास को सुदृढ़ करने के लिए महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), मेरा गांव मेरी सड़क योजना, दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना, पी0एम0जी0एस0वाई0, सांसद निधि तथा विधायक निधि जैसी कई योजनाओं का सम्पादन किया जाता है, जिनके आंकड़ों का विश्लेषण निम्नवत प्रस्तुत किया जा रहा है :–

महात्मा गाँधी नरेगा :– महात्मा गाँधी नरेगा योजना के आंकड़ों के अध्ययन से पूर्व जनपद के 08 विकासखण्डों को ग्राम पंचायत की संख्या के आधार पर देखे तो स्पष्ट होता है कि विकासखण्ड धारी सबसे छोटा तथा ओखलकाण्डा और बेतालघाट सबसे बडे विकासखण्ड हैं, किन्तु वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार जनसंख्या में विकासखण्ड हल्द्वानी और रामनगर सबसे बडे है अर्थात जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन नजदीकी शहरी क्षेत्रों में होने की पुष्टि होती हैं जिसका विवरण निम्नवत ग्राफों के माध्यम से भी समझा जा सकता है।

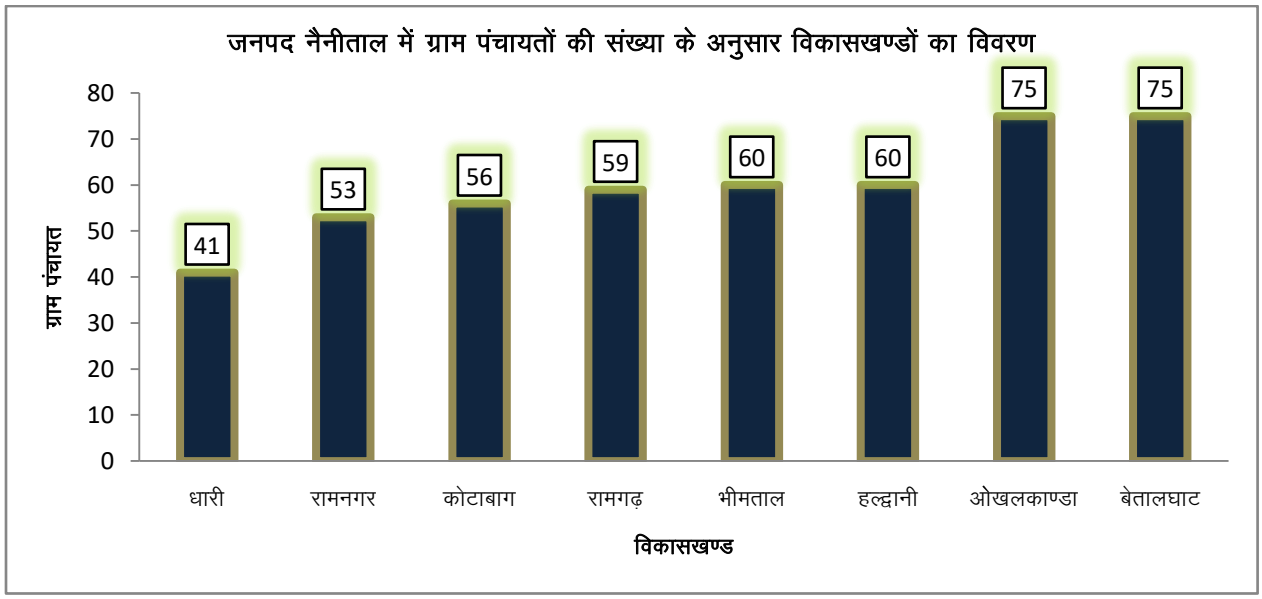

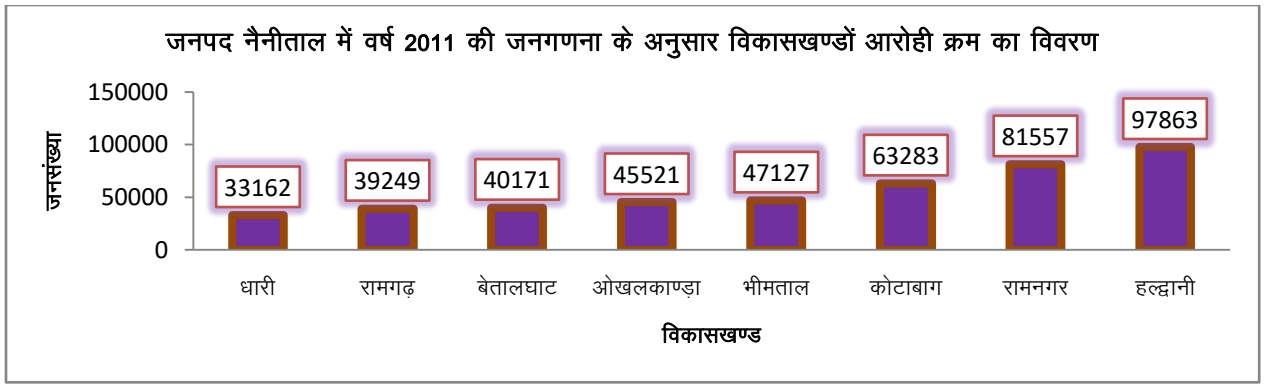

जॉबकार्ड :– महात्मा गाँधी नरेगा योजना का नैनीताल जनपद के लिए विश्लेषण विकासखण्डवार निष्क्रीय जॉबकार्डों के अध्ययन के बगैर अधूरा है, जहाँ एक ओर जनपद में कुल 67073 जारी किये गये जॉबकार्डों में से अभी लगभग 40: जॉबकार्ड निष्क्रीय हैं, वहीं दूसरी ओर निष्क्रीय जॉबकार्डों के अध्ययन से स्पष्ट हो जाता है कि पर्वतीय विकासखण्डों की अपेक्षा मैदानी विकासखण्डों में निष्क्रीय जॉबकार्डों का प्रतिशत अधिक है। अर्थात जनपद में 40% जॉबकार्ड काम करने के लिए मांग ही नहीं कर रहें हैं या 40% जॉबकार्ड धारकों को महात्मा गाँधी नरेगा योजना में काम के लिए डिमाण्ड करने की प्रक्रिया की जानकारी नहीं है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में दर्शाया गया है।

जॉबकार्डों का विकासखण्डवार विवरण				
विकासखण्ड	जारी किए गए जॉबकार्ड की कुल संख्या	सक्रिय जॉबकार्ड की कुल संख्या	कुल निष्क्रीय जॉबकार्ड	निष्क्रीय जॉबकार्ड का प्रतिशत
हल्द्वानी	9819	4390	-5429	-55.29%
ओखलकाण्डा	9611	5563	-4048	-42.12%
रामनगर	9233	5630	-3603	-39.02%
कोटाबाग	9314	5760	-3554	-38.16%
भीमताल	8076	5060	-3016	-37.35%
बेतालघाट	8270	5357	-2913	-35.22%
रामगढ़	6830	4438	-2392	-35.02%
धारी	5920	3867	-2053	-34.68%
जनपद	**67073**	**40065**	**-27008**	**-40.27%**

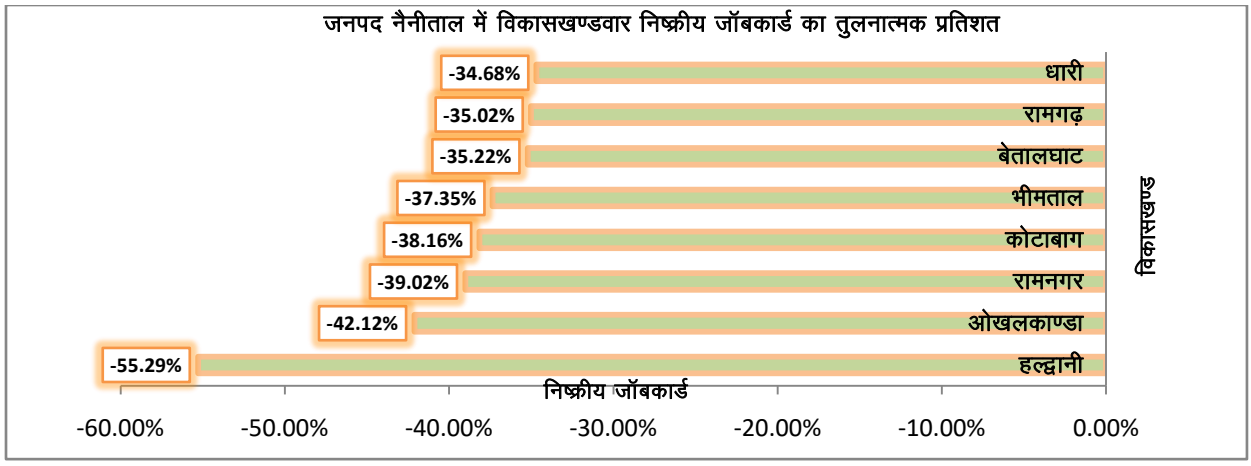

मनरेगा में पंजीकृत श्रमिक :– नैनीताल जनपद के लिए महात्मा गाँधी नरेगा योजना अन्तर्गत कुल 122669 श्रमिक पंजीकृत हुए हैं, जिसमें से अभी लगभग 43% श्रमिक काम की मांग नहीं कर रहे हैं, जिसके लिए सबसे अधिक विकासखण्ड हल्द्वानी तथा सबसे कम विकासखण्ड रामगढ़ द्वारा योगदान दिया जा रहा है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में दर्शाया गया है।

जॉबकार्डों में पंजीकृत श्रमिकों का विकासखण्डवार विवरण				
विकासखण्ड	**श्रमिकों की कुल संख्या**	**सक्रिय श्रमिकों की कुल संख्या**	**निष्क्रीय श्रमिकों की कुल संख्या**	**निष्क्रीय श्रमिकों का प्रतिशत**
हल्द्वानी	15276	7939	-7337	**-48.03%**
ओखलकाण्डा	20008	10492	-9516	**-47.56%**
बेतालघाट	18010	9883	-8127	**-45.12%**
भीमताल	15038	8540	-6498	**-43.21%**
धारी	11388	6871	-4517	**-39.66%**
रामनगर	14063	8573	-5490	**-39.04%**
कोटाबाग	16218	10004	-6214	**-38.32%**
रामगढ़	12668	7976	-4692	**-37.04%**
योग जनपद	**122669**	**70278**	**-52391**	**-42.71%**

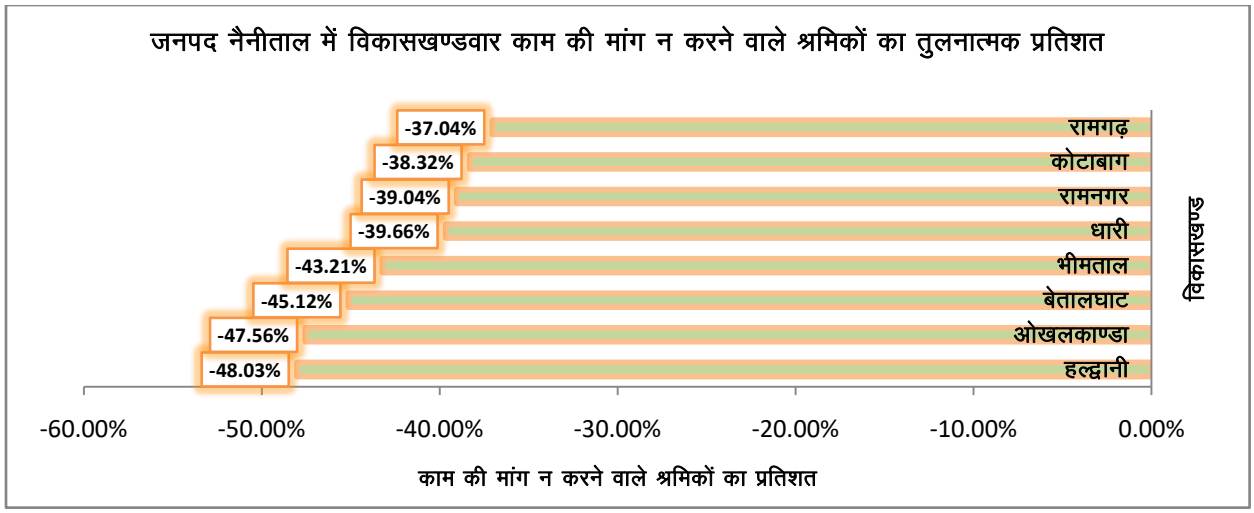

विभाग को निष्क्रीय जॉबकार्ड एवं काम की मांग न करने वाले श्रमिकों के लिए सघन सर्वेक्षण करते हुए इन आंकड़ों को सन्तुलित करना चाहिए, ताकि वास्तविक जॉबकार्ड धारकों एवं श्रमिकों को चिह्नित करते हुए सूचीवद्व किया जा सके।

सृजित मानव दिवस :– विकास विभाग द्वारा विगत वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 के मध्य महात्मा गाँधी नरेगा के अन्तर्गत सृजित मानव दिवस हेतु आंकड़ों के अध्ययन से ज्ञात होता है कि जहाँ सभी विकासखण्डों में विकासखण्ड रामगढ़ का सक्रीय जॉबकार्ड और सक्रीय श्रमिकों हेतु प्रतिशत अधिक तो है किन्तु सृजित मानव दिवस हेतु आंकड़ा बहुत कम रहता है, जबकि विकासखण्ड ओखलकाण्डा में सक्रीय जॉबकार्ड और सक्रीय श्रमिकों का आंकड़ा प्रतिशत कम है परन्तु मानव दिवस अधिक सृजित किये गये अर्थात कार्य उपलब्धता अधिक करवायी गयी है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में दर्शाया गया है।

सृजित मानव दिवस का विकासखण्डवार एवं वर्षवार विवरण					
वर्ष / विकासखण्ड	**2017–18**	**2018–19**	**2019–20**	**कुल सृजित मानव दिवस**	**सृजित मानव दिवस प्रतिशत में**
हल्द्वानी	85660	76827	68641	231128	7.82%
रामगढ़	117442	119313	84949	321704	10.88%
धारी	133906	115460	104377	353743	11.97%
रामनगर	121215	148176	92909	362300	12.26%
कोटाबाग	117747	151642	124171	393560	13.31%
भीमताल	123964	141104	142828	407896	13.80%
बेतालघाट	162021	152004	123187	437212	14.79%
ओखलकाण्डा	156121	175501	116646	448268	15.17%
जनपद	**1018076**	**1080027**	**857708**	**2955811**	100%

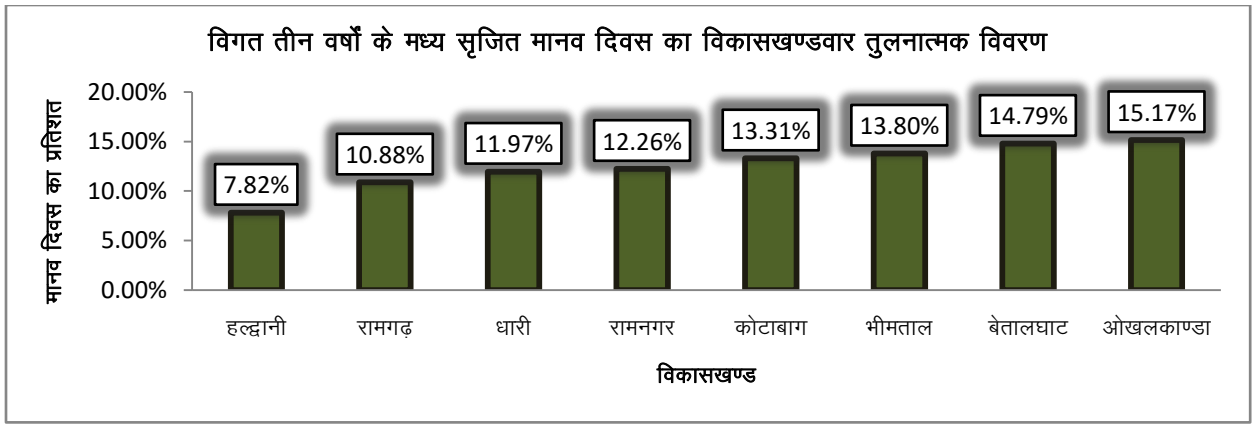

महिला सृजित मानव दिवस :– विकासखण्ड हल्द्वानी में सक्रीय जॉबकार्ड, सक्रीय श्रमिक तथा कुल सृजित मानव दिवस हेतु आंकड़ें सभी विकासखण्डों से न्यूनतम रहा, जिसमें महिलाओं की भागीदारी अधिक है। किन्तु विकासखण्ड भीमताल में इसके विपरीत महिलाओं की भागीदारी में कमी आई। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में दर्शाया गया है।

महिलाओं द्वारा सृजित मानव दिवस का विकासखण्डवार एवं वर्षवार विवरण (प्रतिशत में)

वर्ष / विकासखण्ड	2019–20	2018–19	2017–18	विगत तीन वर्षों के मध्य महिलाओं द्वारा औसत सृजित मानव दिवस
हल्द्वानी	46.46	45.29	44.63	**45.46**
रामगढ़	42.45	40.16	37.44	**40.02**
धारी	37.73	33.70	32.45	**34.63**
रामनगर	46.46	41.60	37.70	**41.92**
कोटाबाग	43.12	41.04	38.44	**40.87**
भीमताल	37.30	38.22	35.35	**36.96**
बेतालघाट	50.14	49.06	47.33	**48.84**
ओखलकाण्डा	40.41	41.96	41.80	**41.39**
योग जनपद	**43.01**	**41.38**	**39.39**	**41.26**

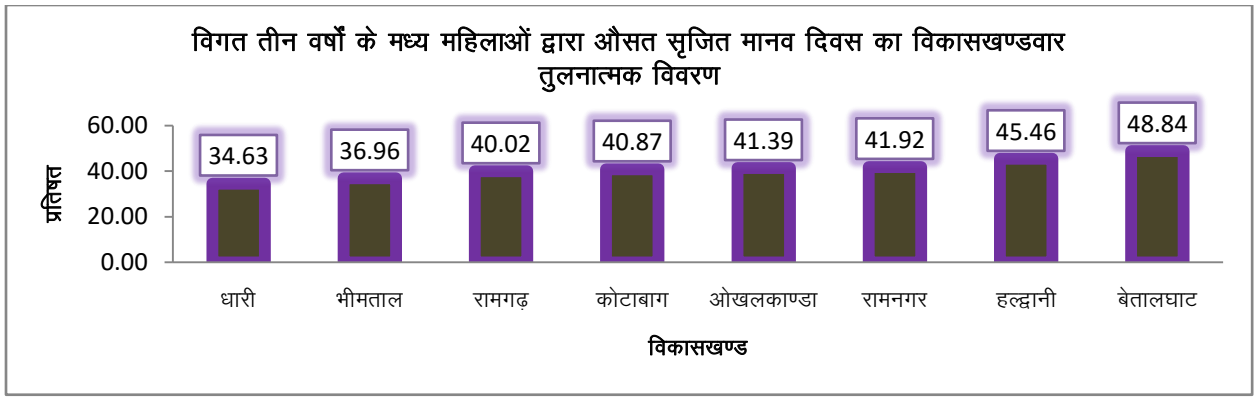

प्रति परिवार रोजगार उलब्धता के औसत दिन :– उल्लिखित मद में विभाग द्वारा जनपद के अन्तर्गत विगत तीन वर्षों के मध्य प्रति परिवार मात्र 46.41 दिनों का औसत रोजगार ही उपलब्ध करवाया गया जिसमें विकासखण्ड हल्द्वानी द्वारा सबसे कम 38.42 दिन तथा पंजीकृत श्रमिकों के आंकड़ों के अनुसार देखे तो विकासखण्ड धारी द्वारा 52.62 दिनों के माध्यम से सबसे अधिक योगदान किया गया। विभाग को औसत रोजगार दिवस बढ़ाने के लिए जॉबकार्ड धारकों को अधिक से अधिक मांग करने के लिए जागरूक करने की रणनीति तैयार करनी चाहिए जिसके पश्चात ग्रामीणों की आय में भी वृद्धि होगी। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफों में दर्शाया गया है।

प्रति परिवार को उपलब्ध करवाये गये रोजगार के औसत दिन का विकासखण्डवार एवं वर्षवार विवरण

वर्ष / विकासखण्ड	2019–20	2018–19	2017–18	विगत तीन वर्षों के मध्य प्रति परिवार को उपलब्ध करवाये गये औसत दिन
हल्द्वानी	42.19	37.26	35.81	**38.42**
रामनगर	33.53	42.7	40.26	**38.83**
कोटाबाग	39.86	44.12	39.03	**41.00**
रामगढ़	42.07	48.32	48.19	**46.19**
ओखलकाण्डा	42.96	51.06	49.31	**47.78**
भीमताल	49.85	52.79	52.31	**51.65**
धारी	50.79	52.27	54.79	**52.62**
बेतालघाट	43.61	45.94	74.85	**54.80**
योग जनपद	**43.11**	**46.81**	**49.32**	**46.41**

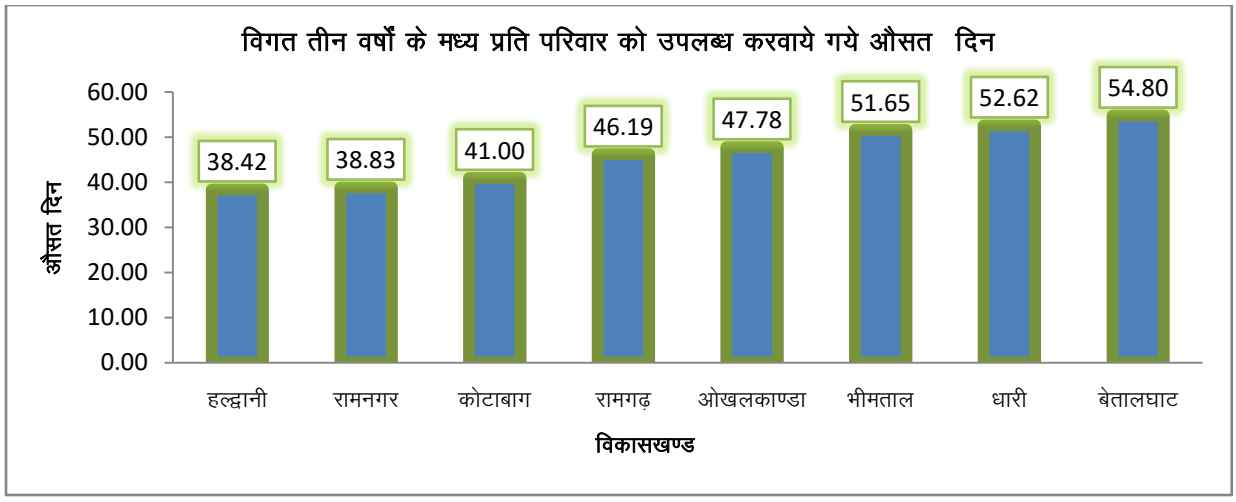

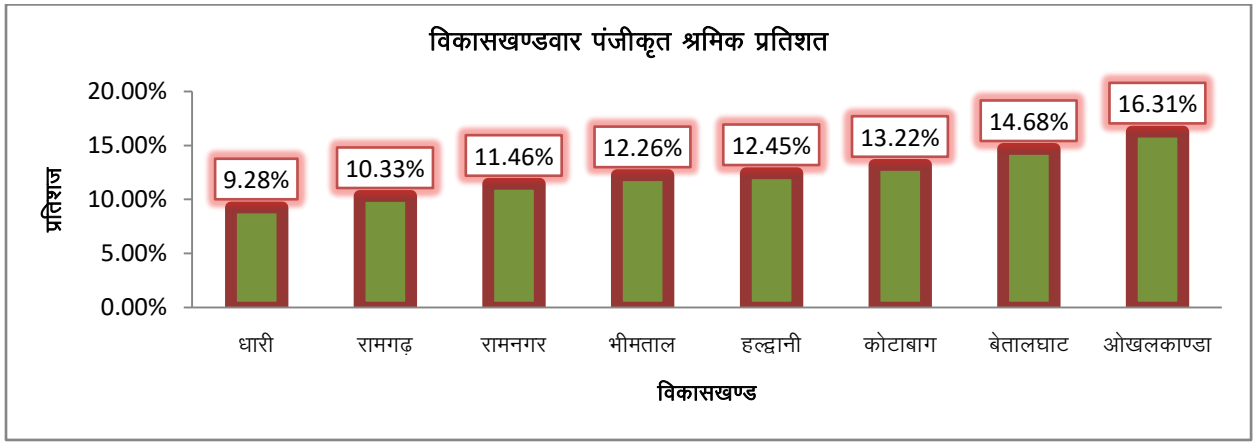

व्यक्तिवार प्रतिदिन औसत मजदूरी दर :– विगत तीन वर्षों के दौरान जनपद के सभी विकासखण्डों में व्यक्तिवार प्रतिदिन औसत मजदूरी दर लगभग रूपये 177 रही, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में औसत मजदूरी दर लगभग रूपये 400से रूपये 500 के मध्य है। विभाग को औसत मजदूरी बढ़ाने के लिए शत–प्रतिशत जॉबकार्ड धारकों को रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए ठोस रणनीति बनानी होगी। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है।

व्यक्तिवार प्रतिदिन औसत मजदूरी दर का विकासखण्डवार एवं वर्षवार विवरण				
वर्ष / विकासखण्ड	**2019–20**	**2018–19**	**2017–18**	**विगत तीन वर्षों के मध्य व्यक्तिवार प्रतिदिन औसत मजदूरी दर**
कोटाबाग	182.00	174.95	174.98	**177.31**
धारी	181.97	174.96	175.00	**177.31**
रामनगर	182.00	174.99	175.00	**177.33**
ओखलकाण्डा	182.00	174.99	175.00	**177.33**
भीमताल	181.99	175.00	175.00	**177.33**

रामगढ़	182.00	175.00	175.00	**177.33**
बेतालघाट	182.00	175.00	175.00	**177.33**
हल्द्वानी	182.00	175.00	175.02	**177.34**
योग जनपद	**182.00**	**174.99**	**175.00**	**177.33**

100 दिन का रोजगार प्राप्त करने वाले परिवार :– विभाग द्वारा विगत तीन वर्षों के दौरान मात्र 4.48% परिवारों को ही 100 दिन का रोजगार उपलब्ध करवाया गया, जो कि बहुत न्यूनतम है, जिसमें पर्वतीय विकासखण्डों के सापेक्ष मैदानी विकासखण्ड सबसे पीछे रहे अर्थात मैदानी क्षेत्रों में महात्मा गांधी नरेगा पर निर्भरता की कमी तो है ही, किन्तु पर्वतीय विकासखण्डों में भी अपेक्षाकृत बहुत कम है। विभाग को 100 दिन के आंकड़ें को पूरा करने के लिए सक्रीय जॉबकार्डों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए मस्ट्रोल निकालने की प्रक्रिया में सुधार करना चाहिए। आंकड़ों को निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है।

100 दिन का रोजगार प्राप्त करने वाले परिवारों का विकासखण्डवार एवं वर्षवार विवरण					
वर्ष/ विकासखण्ड	**2019–20**	**2018–19**	**2017–18**	**विगत तीन वर्षों के मध्य 100 दिन का रोजगार प्राप्त करने वाले परिवारों की संख्या**	**विगत तीन वर्षों के मध्य 100 दिन का रोजगार प्राप्त करने वाले परिवारों का कुल पंजीकृत जॉबकार्ड की सापेक्ष प्रतिशत**
हल्द्वानी	74	50	1	125	**1.27%**
रामनगर	28	73	70	171	**1.85%**
कोटाबाग	23	152	43	218	**2.34%**
रामगढ़	74	73	79	226	**3.31%**
बेतालघाट	105	115	107	327	**3.95%**
धारी	175	69	175	419	**7.08%**
भीमताल	236	162	135	533	**6.60%**
ओखलकाण्डा	229	411	346	986	**10.26%**
योग जनपद	**944**	**1105**	**956**	**3005**	**4.48%**

काम करने वाले परिवार/श्रमिक :– मनरेगा में काम करने वाले कुल परिवार/श्रमिक हेतु विगत तीन वर्षों के आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि जनपद के सभी विकासखण्ड में पंजीकृत कुल जॉबकार्डों/श्रमिकों के सापेक्ष काम की मांग/काम करने वाले परिवारों/श्रमिकों की संख्या क्रमशः 32.44%/25.89% अपेक्षाकृत बहुत कम है, अर्थात जॉबकार्ड धारकों द्वारा काम की मांग ही नहीं जा रही है, अथवा मनरेगा, रोजगार उपलब्ध कराने एवं आजीविका में सुधार लाने के लिए कोई स्थिर उपाय नहीं है। योजना में 14 दिनों के मस्ट्रोल निर्गत करने के स्थान पर जॉबकार्ड धारक द्वारा मांग किये गये दिनों के अनुसार मस्ट्रोल निर्गत किये जाने का प्राविधान किया जाना चाहिए। आंकड़ें निम्नवत तालिकाओं में प्रदर्शित किये गये हैं।

काम करने वाले कुल परिवारों का विकासखण्डवार एवं वर्षवार विवरण					
वर्ष / विकासखण्ड	2019–20	2018–19	2017–18	विगत तीन वर्षों के मध्य काम करने वाले कुल परिवारों की औसत संख्या	विगत तीन वर्षों के मध्य काम करने वाले कुल औसत परिवारों का कुल पंजीकृत जॉबकार्ड की अपेक्षा प्रतिशत
हल्द्वानी	1627	2062	2392	2027	**20.64%**
ओखलकाण्डा	2715	3437	3166	3106	**32.32%**
भीमताल	2865	2673	2370	2636	**32.64%**
रामनगर	2771	3470	3011	3084	**33.40%**
रामगढ़	2019	2469	2437	2308	**33.80%**
कोटाबाग	3115	3437	3017	3190	**34.25%**
धारी	2055	2209	2444	2236	**37.77%**
बेतालघाट	2825	3309	3386	3173	**38.37%**
योग जनपद	**19992**	**23066**	**22223**	**21760**	**32.44%**

काम करने वाले कुल श्रमिकों की संख्या का विकासखण्डवार एवं वर्षवार विवरण					
वर्ष / विकासखण्ड	2019–20	2018–19	2017–18	विगत तीन वर्षों के मध्य काम करने वाले कुल श्रमिकों की औसत संख्या	विगत तीन वर्षों के मध्य काम करने वाले कुल श्रमिकों की औसत संख्या का कुल पंजीकृत श्रमिकों के सोपक्ष प्रतिशत
ओखलकाण्डा	448	5819	5129	3799	**18.99%**
हल्द्वानी	2808	3239	3584	3210	**21.02%**
भीमताल	4248	4043	3329	3873	**25.76%**
कोटाबाग	2503	5548	4633	4228	**26.07%**
बेतालघाट	4565	5335	5362	5087	**28.25%**
रामगढ़	3320	3966	3750	3679	**29.04%**
धारी	3235	3315	3743	3431	**30.13%**
रामनगर	4234	5065	4064	4454	**31.67%**
योग जनपद	**25361**	**36330**	**33594**	**31762**	**25.89%**

मनरेगा से वंचित ग्राम पंचायत :—जनपद नैनीताल में विगत तीन वर्षों के दौरान मनरेगा से 23 ग्राम पंचायत वंचित रहती है, जिसमें विकासखण्ड हल्द्वानी का सबसे अधिक योगदान रहा, किन्तु जहाँ विकासखण्ड हल्द्वानी द्वारा वंचित ग्राम पंचायतों की संख्या में कमी आयी है, वहीं विकासखण्ड धारी एवं भीमताल द्वारा क्रमशः 3 व 4 ग्राम पंचायतों की वृद्धि के साथ योगदान किया गया, जो कि ग्रामीण क्षेत्रों के सामाजिक—आर्थिक विकास के लिए उचित नहीं है। विभाग को मनरेगा से वंचित ग्राम पंचायतों पर विशेष ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है।

मनरेगा से वंचित ग्राम पंचायतों का विकासखण्डवार एवं वर्षवार विवरण			
वर्ष / विकासखण्ड	**2019—20**	**2018—19**	**2017—18**
बेतालघाट	0	0	1
कोटाबाग	1	1	1
ओखलकाण्डा	**2**	1	1
धारी	**3**	0	0
भीमताल	**4**	0	0
रामगढ़	**4**	3	2
रामनगर	**4**	3	2
हल्द्वानी	5	15	16
योग जनपद	**23**	**23**	**23**

कार्य :—मनरेगा के अन्तर्गत प्रारम्भ और पूरे किये गये औसत कार्यों हेतु पिछले तीन वर्षों के आंकड़ों के अध्ययन से ज्ञात होता है कि विकासखण्ड रामगढ़ द्वारा उल्लिखित मद में 354 कार्य प्रारम्भ करते हुए आठवां तथा विकासखण्ड रामनगर द्वारा 665 कार्य के साथ प्रथम स्थान से योगदान किया गया। विभाग को कार्यो की अधिकता को मध्यनजर रखते हुए ग्रामीणों की आवश्यकता एवं मांग के अनुसार कई योजनाओं को एकीकृत करते हुए कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए, ताकि एक ही परियोजना से कई परिवारों को रोजगार उपलब्लता के साथ—साथ आजीविका के स्रोतों में भी वृद्धि की जा सके। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है।

मनरेगा के तहत कार्यों का विकासखण्डवार एवं वर्षवार विवरण								
वर्ष / विकासखण्ड	प्रारम्भ किये गये कार्य				पूरे किये गये कार्य			
	2019—20	2018—19	2017—18	तीन वर्षों के औसत कार्य	2019—20	2018—19	2017—18	तीन वर्षों के औसत कार्य
ओखलकाण्डा	760	340	838	646	229	989	730	649

हल्द्वानी	482	458	616	519	459	587	617	554
भीमताल	490	407	534	477	560	727	602	630
कोटाबाग	622	699	432	584	791	554	608	651
बेतालघाट	424	501	585	503	582	779	768	710
रामगढ़	264	404	395	354	572	815	546	644
धारी	383	314	427	375	430	544	868	614
रामनगर	422	1037	537	665	1076	1028	788	964
योग जनपद	**3847**	**4160**	**4364**	**4124**	**4699**	**6023**	**5527**	**5416**

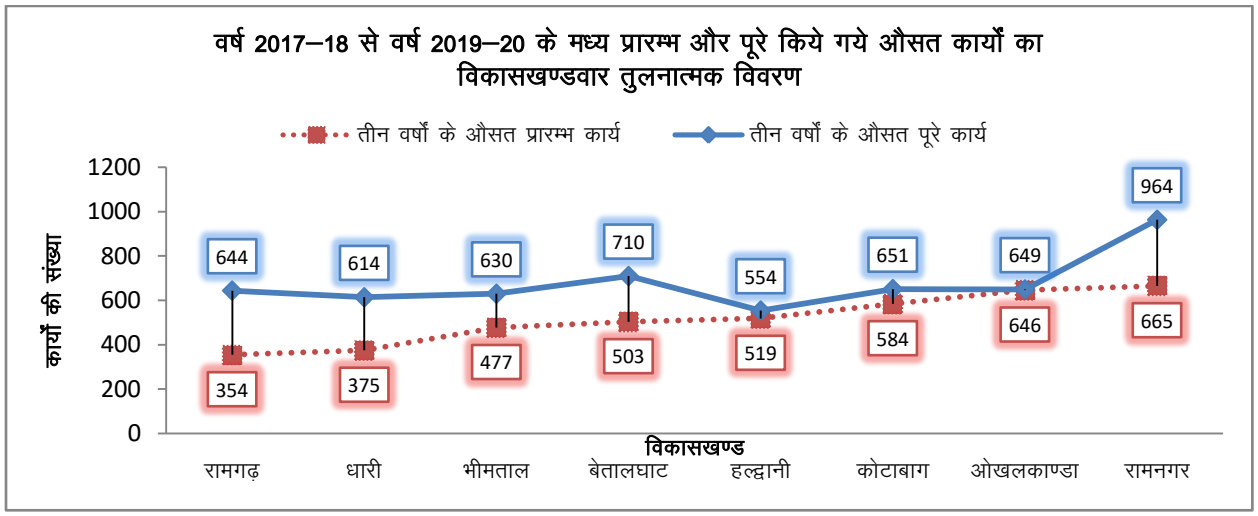

राज्य ग्रामीण आजीविका मिषन :– जनपद में विभाग के द्वारा विगत तीन वर्षों के मध्य कुल 2424 स्वयं सहायता समूहों को गठित करते हुए सभी विकासखण्डों की 19208 महिलाओं को आजीविका मिशन से जोड़ते हुए, उनकी आय तथा आजीविका के स्रोतों में परिवर्तन हेतु कार्य किया जा रहा है। विकासखण्ड रामनगर द्वारा सबसे अधिक 444 स्वयं सहायत समूह (SHGs) तथा विकासखण्ड ओखलकाण्डा द्वारा सबसे कम 213 स्वयं सहायत समूह (SHGs) का गठन करते हुए अपना–अपना योगदान दिया गया। क्रियाकलापों के अनुसार गठित स्वयं सहायतों समूहों का आंकड़ा देखे तो ज्ञात होता है कि जनपद में सबसे अधिक 81% समूह डेयरी व्यवसाय तथा 12.8% समूह सब्जी उत्पादन से जुड़े हुए हैं जबकि अन्य व्यवसायों में आंकड़ा अपेक्षाकृत बहुत न्यून है। विकासखण्ड भीमताल को छोड़ते हुए, अन्य विकासखण्डों के सापेक्ष विकासखण्ड कोटाबाग और धारी में मात्र डेयरी के साथ–साथ सब्जी उत्पादन के अतिरिक्त अन्य किसी भी क्रियाकलाप से समूहों को जोड़ा नहीं गया है जबकि छोड़े गये क्रियाकलापों से महिलाओं की आय में अधिक वृद्धि की जा सकती है। विभाग को वर्तमान समय और मांग के अनुसार क्रियाकलापों से समूहों को जोड़ने की ठोस कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए, जिससे समूहों की महिलाओं की आय और आजीविका के साधनों में वृद्धि हो सके। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका और ग्राफों में दर्शाया गया है।

जनपद मे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत विगत तीन वर्षों के दौरान गठित स्वयं सहायता समूहों का विकासखण्डवार एवं क्रियाकलाप के अनुसार विवरण																	
क्र0स0	विकासखण्ड	समूहों द्वारा स्थापित क्रियाकलाप														कुल समूह	समूहों से जुड़े सदस्यों की संख्या
		सब्जी उत्पादन	डेयरी/कृषि	बकरी पालन	सिलाई कढ़ाई	खाद्य/फल संरक्षण	उद्यानीकरण	मसाला उत्पादन	पैकिंग/विपणन	साबुन निर्माण	मुर्गी पालन	चिप्स पापड़	LED बल्ब	रिंगाल कार्य	जूट बैग		
1	ओखलकांडा	45	148	3	0	15	0	0	0	0	2	0	0	0	0	213	1470
2	धारी	171	52	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	223	1555
3	भीमताल	29	177	4	1	7	0	1	2	8	4	2	2	4	0	241	1966
4	रामगढ	12	230	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	1	245	1971
5	हल्द्वानी	0	235	0	2	36	0	1	0	0	0	0	0	0	1	275	2615
6	बेतालघाट	46	300	11	0	0	26	0	0	0	0	0	0	0	0	383	2604
7	कोटाबाग	8	392	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	400	3567
8	रामनगर	0	430	0	0	0	0	5	9	0	0	0	0	0	0	444	3460
योग		311	1964	18	3	59	27	7	11	8	6	2	2	4	2	2424	19208
क्रियाकलापों का कुल गठित समूहों से योगदान प्रतिशत		12.8%	81.0%	0.7%	0.1%	2.4%	1.1%	0.3%	0.5%	0.3%	0.2%	0.1%	0.1%	0.2%	0.1%	100%	NA

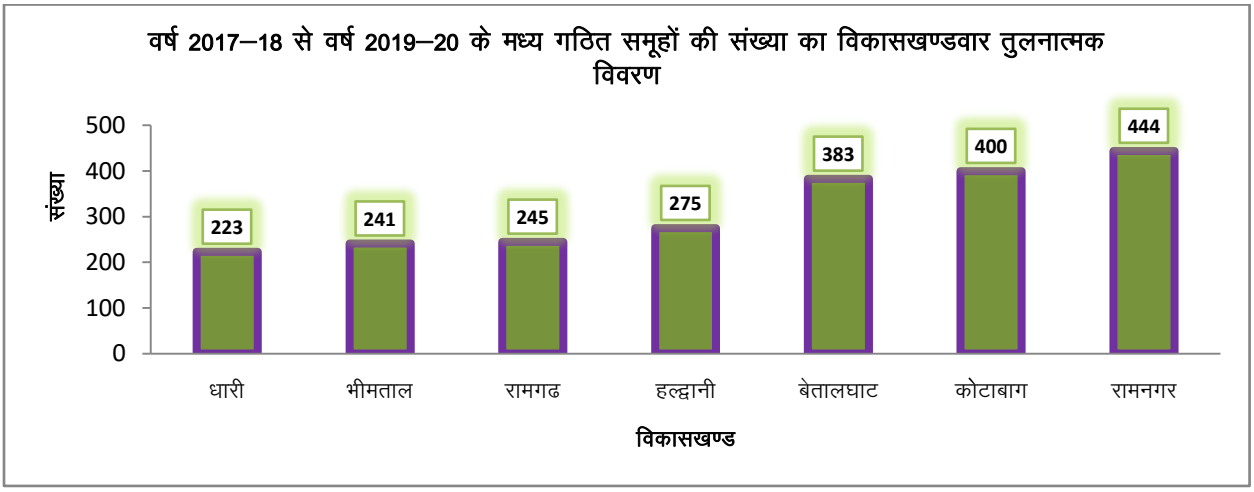

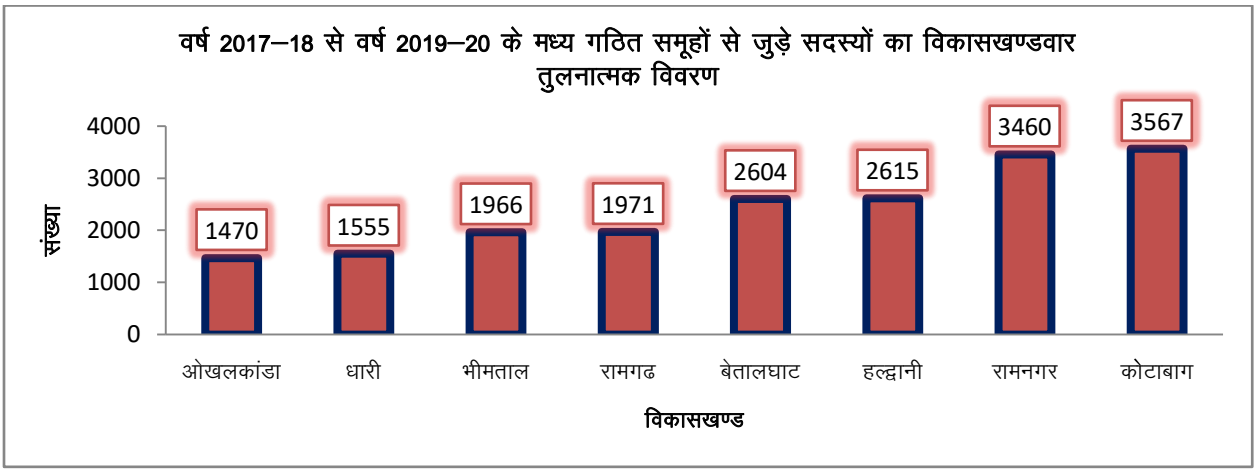

विभाग द्वारा राज्य आजीविका मिशन के तहत गठित किये गये स्वयं सहायता समूहों के लिए विगत तीन वर्षों हेतु प्राप्त आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि वर्ष 2019–20 में वर्ष 2018–19 से 11% की कमी से स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया, साथ ही यह भी ज्ञात होता है कि रामनगर और हल्द्वानी जैसे विकासखण्डों में भी डेयरी व्यवसाय के अतिरिक्त अन्य क्रियाकलापों को स्थापित करनें में कोई विशेष रूचि नहीं दिखाई गयी है, यहाँ तक कि इन विकासखण्डों में सब्जी उत्पादन के लिए भी कोई समूह गठित नहीं करवाया गया, जो कि जनपद की सामाजिक/आर्थिक विकास को सुदृढ़ करने एवं पलायन पर अंकुश लगाने के लिए उचित नहीं है। विभाग को इसके लिए शीघ्र कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए।

जनपद मे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत विगत तीन वर्षो के दौरान गठित स्वयं सहायता समूहो का वर्षवार एवं क्रियाकलाप के अनुसार विवरण

क्र0स0	वर्ष	समूहों द्वारा विगत तीन वर्षो के मध्य स्थापित क्रियाकलाप														कुल समूह	समूहों से जुड़े सदस्यों की संख्या
		सब्जी उत्पादन	डेयरी/कृषि	बकरी पालन	सिलाई/कढ़ाई	खाद्य/फल संरक्षण	उद्यानीकरण	मसाला उत्पादन	पैकिंग/विपणन	साबुन निर्माण	मुर्गी पालन	चिप्स पापड़	LED बल्ब	सिंगाल कार्य	जूट बैग		
1	2017-18	67	638	11	2	2	15	5	8	0	0	0	0	0	0	748	6028
2	2018-19	78	828	3	0	38	12	2	1	8	4	1	2	4	0	981	8021
3	2019-20	166	498	4	1	19	0	0	2	0	2	1	0	0	2	695	5159
योग		**311**	**1964**	**18**	**3**	**59**	**27**	**7**	**11**	**8**	**6**	**2**	**2**	**4**	**2**	**2424**	**19208**
क्रियाकलापों का कुल गठित समूहों से योगदान प्रतिशत		**12.8%**	**81.0%**	**0.7%**	**0.1%**	**2.4%**	**1.1%**	**0.3%**	**0.5%**	**0.3%**	**0.2%**	**0.1%**	**0.1%**	**0.2%**	**0.1%**	**100%**	**NA**

स्वयं सहायता समूहों को आत्मनिर्भर बनाने और आजीविका के स्रोतों से समूह सदस्यों को जोड़ने के लिए विभाग द्वारा विगत तीन वर्षों के मध्य कुल 2424 स्वयं सहायता समूहों में से 1271SHGs (52.4% SHGs) को रूपये 127.10 लाख का रिवाल्विंग फण्ड तथा 959SHGs (39.6% SHGs) को ग्राम संगठन में सम्मिलित करते हुए रूपये 500.50 लाख का सी.आई.एफ. फण्ड से लाभान्वित किया गया, जबकि वर्ष 2019–20 तक सभी स्वयं सहायता समूहों को उल्लिखित फण्डों से लाभान्वित कराते हुए उनको आत्मनिर्भर बनाया जाना चाहिए था। विभाग को सभी का अनुश्रवण करते हुए रिवाल्विंग फण्ड तथा सी.आई.एफ. फण्ड से वंचित **SHGs** को शीघ्र लाभान्वित किये जाने का आगामी कार्ययोजना में प्राविधान करना चाहिए। आंकड़ों का विवरण निम्नवत ग्राफ और तालिका में दर्शाया गया है।

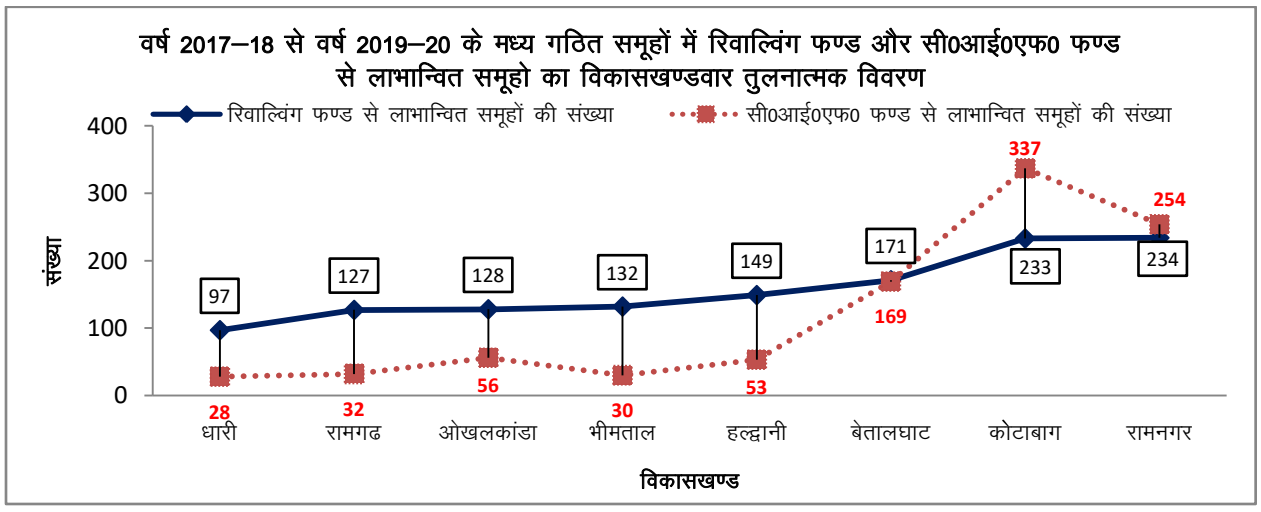

जनपद में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत विगत तीन वर्षों के दौरान गठित स्वयं सहायता समूहों को उपलब्ध करवायी गयी धनराशि का विकासखण्डवार एवं क्रियाकलाप के अनुसार विवरण								
क्र0स0	विकासखण्ड	कुल समूह	समूहों से जुड़े सदस्यों की संख्या	पुर्न जीवित किये गये समूह	रिवाल्विंग फण्ड से लाभान्वित समूहों की संख्या	रिवाल्विंग फण्ड हेतु समूहों को उपलब्ध की गयी धनराशि	ग्राम संगठन में सम्मिलित समूह की संख्या	समूहों हेतु ग्राम संगठनों को उपलब्ध करायी गयी सी.आई.एफ. की धनराशि (लाख में)
1	धारी	223	1555	0	97	9.70	28	9.50
2	रामगढ	245	1971	0	127	12.70	32	10.00
3	ओखलकांडा	213	1470	0	128	12.80	56	22.00
4	भीमताल	241	1966	3	132	13.20	30	10.00
5	हल्द्वानी	275	2615	24	149	14.90	53	20.50
6	बेतालघाट	383	2604	7	171	17.10	169	86.00
7	कोटाबाग	400	3567	31	233	23.30	337	186.50
8	रामनगर	444	3460	6	234	23.40	254	156.00
योग		2424	19208	71	1271	127.10	959	500.50
क्रियाकलापों का कुल गठित समूहों से योगदान प्रतिशत		NA	NA	3%	52.4%	NA	39.6%	NA

जनपद के अन्तर्गत पिछले तीन वर्षों के दौरान विभाग द्वारा कुल 71**SHGs** को पुनर्जीवित किया गया जिसमें सबसे अधिक 31**SHGs** विकासखण्ड कोटाबाग तथा सबसे कम 03**SHGs** विकासखण्ड भीमताल द्वारा पुनः सक्रिय किये गये जबकि विकासखण्ड धारी, रामगढ़ तथा ओखलकाण्डा में कोई भी स्वयं सहायता समूह सक्रिय नहीं किये गये अर्थात इन विकासखण्डों में निष्क्रीय समूहों को पुनर्जीवित करने की ओर विभाग द्वारा ध्यान नहीं दिया गया जो कि इन विकासखण्ड की महिलाओं के लिए उचित नहीं है। विभाग को इस ओर विशेष ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है।

विगत तीन वर्षों के मध्य पुर्नजीवित किये गये समूहों का वर्षवार एवं विकासखण्ड विवरण					
क्र0स0	विकासखण्ड/वर्ष	2017-18	2017-19	2017-20	विगत तीन वर्षों का योग
1	धारी	0	0	0	0
2	रामगढ	0	0	0	0
3	ओखलकांडा	0	0	0	0
4	भीमताल	0	1	2	3
5	रामनगर	2	4	0	6
6	बेतालघाट	0	1	6	7
7	हल्द्वानी	0	14	10	24
8	कोटाबाग	20	10	1	31
योग		**22**	**30**	**19**	**71**

PMGSY :– विभाग द्वारा विगत तीन वर्षों के मध्य विकासखण्ड कोटाबाग एवं धारी में कुल रूपये 899.25 लाख की धनराशि का परिव्यय करते हुए 45.20 किमी लक्ष्य के सापेक्ष 18.58 किमी सड़क का निर्माण करवाया गया जबकि 05 किमी सड़क निर्माण का कार्य अभी गतिमान है किन्तु 21.62 किमी सड़क मार्ग अभी वन भूमि के कारण अनारम्भ है। विभाग को सड़क निर्माण में स्थानीय समूहों और व्यक्तियों को रोजगार दिये जाने हेतु निविदाओं में प्राविधान करना चाहिए।

वर्ष 2017–18 से वर्ष 2019–20 के मध्य PMGSY सिंचाई खण्ड हल्द्वानी द्वारा निर्मित सड़क मार्गों का विकासखण्डवार विवरण						
विकासखण्ड	सड़क संख्या	सड़क की स्वीकृत लम्बाई	सड़क हेतु स्वीकृत धनराशि	निर्मित सड़क संख्या	निर्मित सड़क की लम्बाई	कुल व्यय धनराशि
कोटाबाग	4	26.20	1588.46	2	14.08	671.08
धारी	3	19.00	1039.38	2	4.50	228.17
योग	**7**	**45.20**	**2627.84**	**4**	**18.58**	**899.25**

प्रधानमंत्री आवास योजना :– जनपद के सभी विकासखण्डों में विगत चार वर्षों के दौरान कुल 622 गरीब परिवारों को प्रधानमंत्री आवास से लाभान्वित किया गया, जहाँ एक ओर विकासखण्ड बेतालघाट द्वारा मात्र 03 परिवारों को लाभान्वित किया गया जबकि विकासखण्ड में 75 ग्राम पंचायतें शामिल है, वहीं दूसरी ओर 53 ग्राम पंचायतों वाले रामगनर विकासखण्ड द्वारा सबसे अधिक 245 परिवारों को उक्त आवास योजना से लाभ दिया गया, जो कि पर्वतीय क्षेत्रों से पलायन की पुष्टि करता है। विभाग को प्रधानमंत्री आवास योजना हेतु पुनः सर्वेक्षण का कार्य करवाना चाहिए, क्योंकि कोरोना महामारी के कारण कई परिवार पर्वतीय क्षेत्रों में लौट आये हैं। आंकड़ों को विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में दर्शाया गया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभान्वित लाभार्थियों का विकासखण्डवार एवं वर्षवार विवरण											
		लाभार्थियों की संख्या					व्यय धनराशि (लाख में)				
क0सं0	विकासखण्ड का नाम	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	कुल लाभार्थी	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	कुल व्यय
1	बेतालघाट	1	2	0	0	3	1.30	2.60	0.00	0.00	3.90
2	रामगढ़	3	3	4	0	10	2.80	3.90	5.20	0.00	11.90
3	हल्द्वानी	5	16	5	0	26	5.95	20.80	6.50	0.00	33.25
4	भीमताल	6	21	17	0	44	7.80	27.30	22.10	0.00	57.20
5	धारी	15	16	14	0	45	19.50	20.80	18.20	0.00	58.50
6	ओखलकांडा	15	68	37	0	120	19.50	88.40	48.10	0.00	156.00
7	कोटाबाग	27	80	22	0	129	35.10	103.45	28.60	0.00	167.15
8	रामनगर	67	108	31	39	245	84.35	140.40	40.30	50.70	315.75
योग		139	314	130	39	622	176.30	407.65	169.00	50.70	803.65

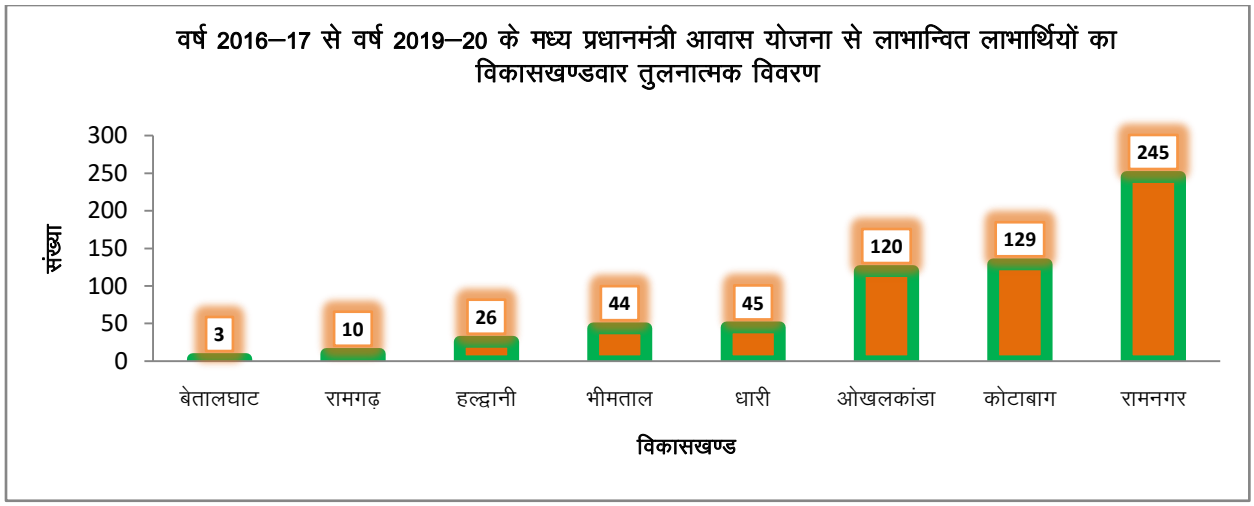

स्वजल परियोजना

जनपद नैनीताल में स्वजल परियोजना के अन्तर्गत विगत चार वर्षों के मध्य रूपये 1179 लाख की धनराशि का परिव्यय करते हुए 363 ग्राम पंचायतों को आच्छाादित करते हुए 1284 कार्यों का निर्माण करवाया गया जिसमें 1111 व्यक्तिगत शौचालयों के निमार्ण के साथ–साथ स्वजल परियोजना के तहत 157 ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन, 09 स्रोत संरक्षण एवं संबर्द्धन तथा 07 सामुदायिक स्वच्छता काम्पलेक्स का निर्माण कार्य शामिल हैं जिनका विकासखण्डवार विवरण निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है।

स्वच्छ भारत मिशन के तहत डी0पी0एम0यू0 भीमताल द्वारा विगत चार वर्षों के दौरान सम्पादित कार्यों का विवरण

वर्ष	विकासखण्ड	ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन	स्रोत संरक्षण एवं संवर्धन	सामुदायिक स्वच्छता काम्पलेक्स	व्यक्तिगत शौचालय	लाभान्वित ग्राम पंचायत	कुल व्यय धनराशि (लाख में)	कार्य की स्थिति	
								पूर्ण	अपूर्ण
विगत चार वर्षों के दौरान स्वजल नैनीताल द्वारा किये गये कार्य	रामनगर	23	0	2	195	53	283.2	219	1
	कोटाबाग	18	0	0	101	37	131.0	106	13
	रामगढ़	27	0	1	158	63	166.9	173	13
	भीमताल	12	0	0	199	48	130.1	211	0
	बेतालघाट	23	0	0	132	54	68.26	136	19
	धारी	21	3	2	105	43	168.5	119	12
	ओखलकाण्ड़ा	15	6	2	103	34	120.9	115	11
	हल्द्वानी	18	0	0	118	31	109.7	121	15
योग		**157**	**9**	**7**	**1111**	**363**	**1179.0**	**1200**	**84**

स्वजल से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार स्रोत संरक्षण एवं संबर्द्धन का कार्य विकासखण्ड धारी एवं ओखलकाण्ड़ा के अलावा अन्य विकासखण्डों में नहीं किया जा रहा है, जबकि इस कार्य की मांग ग्रामीण स्तर/ हर स्तर पर रखी जाती है।

आंकड़ों को देखें तो ज्ञात होता है कि सामुदायिक स्वच्छता कॉम्पलेक्स के कार्य से विकासखण्ड रामनगर, रामगढ़, धारी एवं ओखलकाण्ड़ा के अलावा अन्य विकासखण्ड़ों को वंचित रखा गया है।

जनपद के भीमताल विकासखण्ड के अलावा अन्य सभी विकासखण्डों में वर्ष 2017–18 एवं वर्ष 2018–19 के कुल 84 कार्य अभी भी निर्माणाधीन हैं जो स्वजल परियोजना नैनीताल द्वारा किये जा रहे अनुश्रवण अथवा कार्यप्रणाली पर चिन्ता का विषय उभर कर लाता है।

ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन, स्रोत संरक्षण एवं संबर्द्धन तथा सामुदायिक स्वच्छता कॉम्पलेक्स जैसे कार्यों हेतु स्वजल नैनीताल को सघन सर्वेक्षण कर आगामी कार्ययोजना तैयार करने की अति आवश्यकता है।

ग्रामोद्योग बोर्ड नैनीताल

जनपद नैनीताल के अन्तर्गत ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा विगत चार वर्षों में कुल 103 लघु एवं सूक्ष्म उद्यमों को स्थापित करवाया गया जिसमें सबसे अधिक 64 लघु एवं सूक्ष्म उद्यम विकासखण्ड हल्द्वानी में स्थापित करते हुए 414 युवा बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध करवाया गया। वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य उद्यमों की संख्या एवं उपलब्ध करवाये गये रोजगार में लगातार वृद्धि होना इस ओर संकेत करता है कि जनपद के युवा बेरोजगारों की रूचि लघु एवं सूक्ष्म उद्यमों को स्थापित कर स्वरोजगार में बढ़ी है। आंकड़ों को निम्नवत तालिकाओं एवं ग्राफों में दर्शाया गया हैं।

विगत चार वर्षों के मध्य स्थापित लघु एवं सूक्ष्म उद्यम की विकासखण्डवार संख्या

विकासखण्ड/वर्ष	2016–17	2017–18	2018–19	2019–20	योग
बेतालघाट	2	2	2	2	8
धारी	0	0	2	0	2
कोटाबाग	3	2	0	3	8
रामनगर	1	2	2	1	6
रामगढ	0	0	0	4	4
ओखलकाण्डा	0	0	1	0	1
हल्द्वानी	5	13	16	30	64
भीमताल	6	1	1	2	10
योग	**17**	**20**	**24**	**42**	**103**

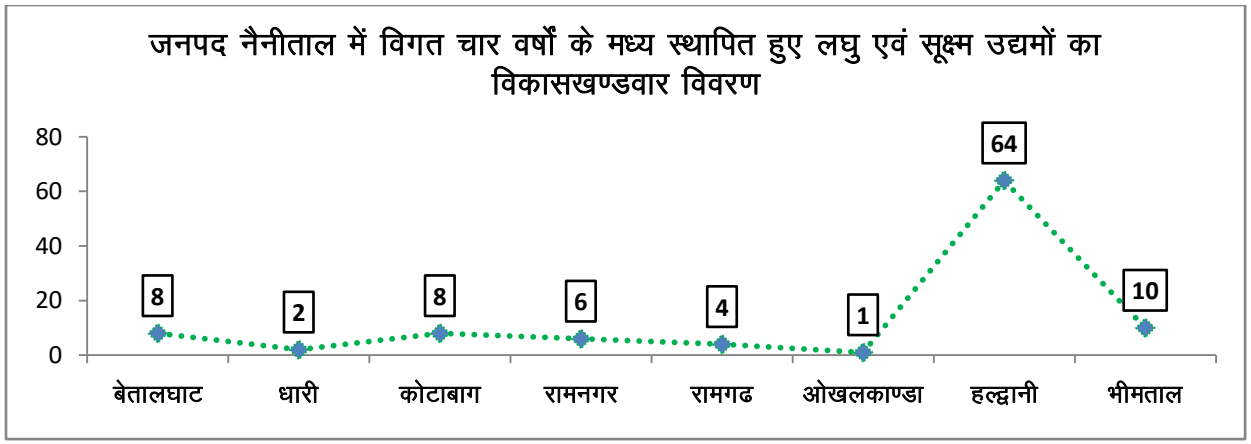

विगत चार वर्षों के मध्य लघु एवं सूक्ष्म उद्यम को स्थापित करवाने हेतु वित्त वोषित धनराशि का विकासखण्डवार विवरण (धनराशि लाख में)					
विकासखण्ड/वर्ष	**2016–17**	**2017–18**	**2018–19**	**2019–20**	**योग**
बेतालघाट	10.00	15.71	11.21	47.00	83.92
धारी	0	0	8.50	10.00	18.50
कोटाबाग	22.68	13.45	0	82.66	118.79
रामनगर	8	9.92	25.09	48.00	91.01
रामगढ	0	0	0	16.24	16.24
ओखलकाण्डा	0	0	3.33	0	3.33
हल्द्वानी	65.31	98.17	126.08	268.07	557.63
भीमताल	37.49	10.00	3.00	19.92	70.41
योग	**143.48**	**147.25**	**177.21**	**491.89**	**959.83**

विगत चार वर्षों के दौरान लघु एवं सूक्ष्म उद्यम को स्थापित करने हेतु विभाग द्वारा उपलब्ध करवायी गयी अनुदान की धनराशि का विकासखण्डवार विवरण (धनराशि लाख में)					
विकासखण्ड/वर्ष	**2016–17**	**2017–18**	**2018–19**	**2019–20**	**योग**
बेतालघाट	3.50	5.50	3.93	3.15	16.08
धारी	0	0	2.98	0	2.98
कोटाबाग	7.94	4.71	0	4.80	17.45
रामनगर	2	2.73	6.27	0.83	11.83
रामगढ	0	0	0	4.31	4.31
ओखलकाण्डा	0	0	1.16	0	1.16

हल्द्वानी	13.12	30.84	39.95	66.28	150.19
भीमताल	16.33	3.50	1.05	3.41	24.29
योग	**42.89**	**47.28**	**55.34**	**82.78**	**228.29**

विगत चार वर्षों के मध्य लघु एवं सूक्ष्म उद्यम के माध्यम से उपलब्ध करवाया गया रोजगार का वर्षवार एवं विकासखण्डवार विवरण					
विकासखण्ड/वर्ष	**2016–17**	**2017–18**	**2018–19**	**2019–20**	**योग**
बेतालघाट	8	10	7	10	35
धारी	0	0	5	0	5
कोटाबाग	15	7	0	14	36
रामनगर	6	6	17	2	31
रामगढ	0	0	0	22	22
ओखलकाण्डा	0	0	2	0	2
हल्द्वानी	50	80	95	189	414
भीमताल	38	7	1	8	54
योग	**117**	**110**	**127**	**245**	**599**

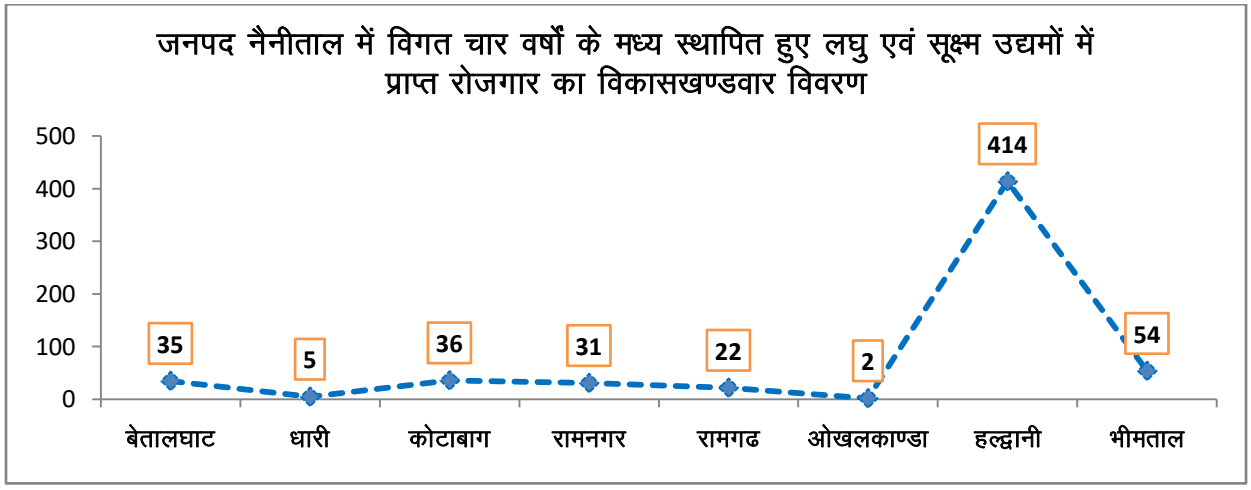

जनपद के अन्तर्गत हल्द्वानी विकासखण्ड के अलावा अन्य विकासखण्डों में भी लघु एवं सूक्ष्म उद्यमों को और बढ़ाया जा सकता है जिसके लिए बोर्ड को सभी विकासखण्ड़ों में ग्रामीण क्षेत्रों की निर्भरता/मांग के अनुसार उद्यमों को स्थापित किये जाने की कार्ययोजना तैयार करने की आवश्यकता है।

उद्योग विभाग

1. लघु/लघुत्तर उद्योगों की स्थापना :–

उद्योग विभाग की लघु तथा लघुउत्तर उद्योगों की स्थापना एवं बीस सूत्रीय योजनान्तर्गत विगत चार वर्षों के दौरान 1009 के शासकीय लक्ष्य के सापेक्ष 1011 स्थापित करवाने में कुल रूपये 352.03 करोड़ का परिव्यय करते हुए जनपद के 5865 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध करवाया गया। आंकडों के अध्ययन से यह भी ज्ञात होता है कि पिछले वर्षों की अपेक्षा कम निवेश में ज्यादा इकाईयाँ स्थापित करवाई गयी किन्तु रोजगार दिये जाने के आंकड़ों में गिरावट देखी जा सकती है अर्थात बेरोजगारों में स्वयं के रोजगार स्थापित करने की रूचि बढ़ी है। आंकड़ों को निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में दर्शाया गया है।

लघु तथा लघुउत्तर उद्योगों की स्थापना एवं बीस सूत्रीय योजनान्तर्गत उद्योग आधार का विवरण				
वर्ष	लक्ष्य	पूर्ति	कुल निवेश (धनराशि करोड़ में)	रोजगार प्राप्त व्यक्तियों की संख्या
2016-17	225	261	152.00	2044
2017-18	235	197	69.07	1394
2018-19	260	263	54.79	1156
2019-20	289	290	76.17	1271
योग	**1009**	**1011**	**352.03**	**5865**

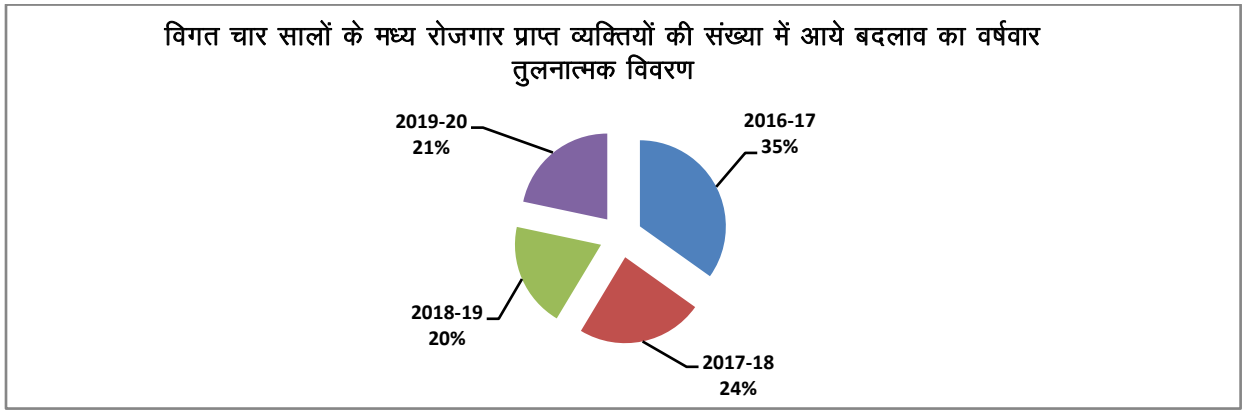

2. **उद्यमिता विकास कार्यक्रम** :–उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तहत उद्योग विभाग द्वारा विगत चार वर्षों के मध्य कुल 138 कार्यक्रमों को आयोजित करवाया गया जिसमें तीन दिवसीय कार्यक्रमों की अपेक्षा दो दिवसीय कार्यक्रमों का योगदान 52%रहा अर्थात ग्रामीण युवक युवतियों का शॉर्टटर्म प्रशिक्षण कार्यक्रमों में रूचि देखी जा सकती है।

आंकड़ों के अध्ययन से यह भी स्पष्ट होता है कि जनपद में जहाँ एक ओर प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या में विचलन हुआ वहीं दूसरी ओर प्रतिभागियों की संख्या में भी विचलन देखने को मिला। उद्यमिता

विकास कार्यक्रम को ग्रामीण क्षेत्रों के अनुसार तैयार कर संचालित करने की आवश्यकता है। आंकड़ों को निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में प्रदर्शित किये गये है।

उद्यमिता विकास कार्यक्रम का पिछले चार सालों का विवरण				
वर्ष	दो दिवसीय	तीन दिवसीय	कुल	प्रतिभागी
2016-17	20	7	27	778
2017-18	8	6	14	400
2018-19	26	28	54	700
2019-20	18	25	43	625
योग	**72**	**66**	**138**	**2503**

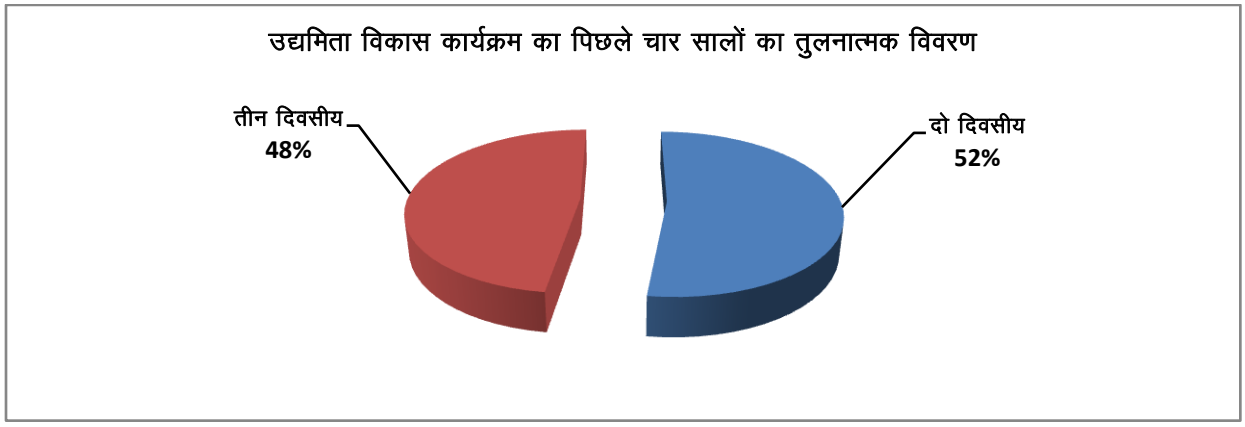

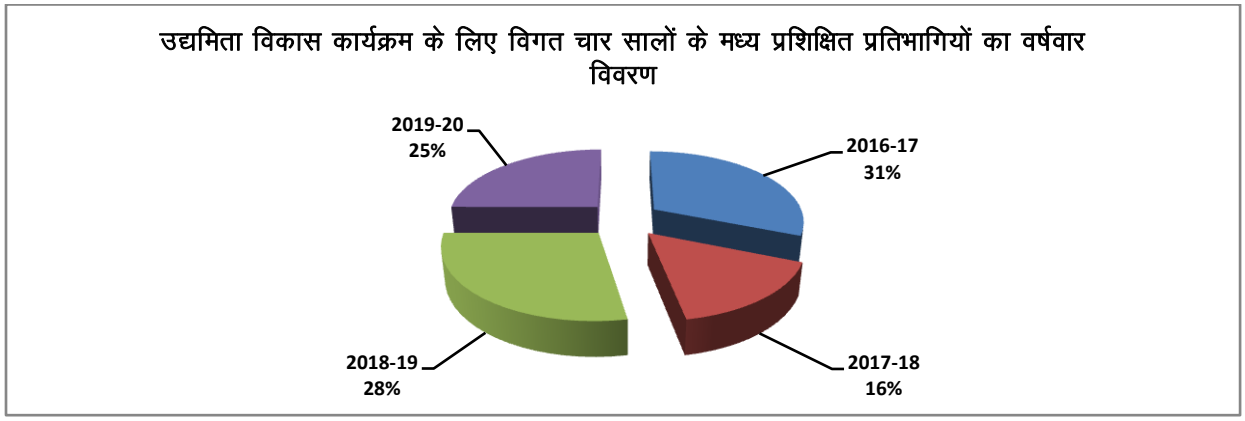

3. **प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रमः**—प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम का मूल उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रोजगार के नये—नये आयाम उपलब्ध कराना है, जिसके लिए उद्योग विभाग नैनीताल द्वारा विगत चार वर्षों के दौरान 358 इकाई को स्थापित करवाने के लिए बैंक के माध्यम से रूपये 1322.37 लाख का वित्तपोषण करवाया गया, जिसमें विभाग द्वारा रूपये 595.59 लाख की धनराशि मार्जिन मनी के रूप में वितरित की गई। उल्लिखित योजना से इन चार वर्षों के मध्य कुल 1095 व्यक्तियों को रोजगार भी उपलब्ध भी करवाया गया।

आंकड़ों के अध्ययन से यह भी स्पष्ट होता है विभाग द्वारा लक्ष्य से भी अधिक भौतिक एवं वित्तीय पूर्ति प्राप्त की गयी है, परन्तु वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य विभाग द्वारा जिस वित्तीय वर्ष में अधिक उद्यम लगवाये जाते हैं, उसी वित्तीय वर्ष में रोजगार उपलब्धता में गिरावट देखने को मिलती है। अर्थात विभाग द्वारा उद्यम स्थापित करवाते समय की जा रही कार्यवाही में रोजगार उपलब्धता की ओर ध्यान केन्द्रित नहीं किया जाता। विभाग को इस ओर ध्यान केन्द्रित करते हुए आगामी कार्ययोजना तैयार करने की अति आवश्यकता है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में प्रदर्शित किये गये हैं।

विगत चार वर्षों के मध्य प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना का विवरण							
लक्ष्य				पूर्ति			
वर्ष	भौतिक	वित्तीय	रोजगार	इकाई संख्या	धनराषि (लाख में)	मार्जिन मनी (लाख में)	रोजगार
2016–17	35	70.06	275	47	165.25	90.56	300
2017–18	73	143.55	200	102	207.55	184.40	400
2018–19	38	90.02	288	122	473.00	221.02	431
2019–20	40	122.70	328	127	476.57	206.93	360
योग	**186**	**426.33**	**1091**	**398**	**1322.37**	**702.91**	**1491**

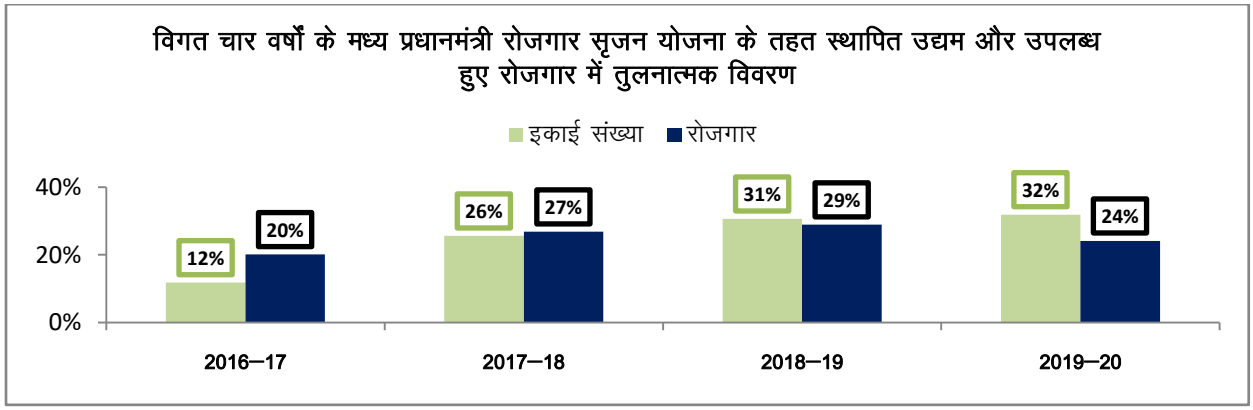

उपरोक्त उल्लिखित उद्योग विभाग की योजनाओं के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनपद के अन्तर्गत बेरोजगारों के द्वारा अपने आप को स्वावलम्बन बनाने की रूचि में वृद्धि हुई है जिसके तहत जनपदान्तर्गत वर्तमान और भविष्य में होने वाली मांग के साथ–साथ रोजगार को केन्द्रित करते हुए विभाग को कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए।

परिवहन विभाग

जनपद नैनीताल में विभिन्न श्रेणी के वाहनों के माध्यम से परिवहन को व्यवसाय के रूप में अपनाते हुए कई नागरिकों एवं संस्थाओं द्वारा परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

जनपद नैनीताल में परिवहन विभाग के 02 कार्यालय कार्यरत हैं :–

- संभागीय परिवहन कार्यालय, हल्द्वानी।
- उप संभागीय परिहवन कार्यालय, रामनगर।

नैनीताल जनपद के अन्तर्गत परिवहन विभाग द्वारा वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के दौरान कुल 37416 वाहनों का पंजीयन किया गया। आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनपद में व्यवसायिक वाहनों का ग्राफ अव्यवसायिक वाहनों की तुलना में अधिक रहा, जो कि जनपदान्तर्गत सामाजिक–आर्थिक विकास के सुदृढ़ होने का प्रमाण है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में दिया गया है।

पंजीकृत व्यवसायिक वाहनों का वर्षवार विवरण							
वर्ष	**बस**	**भार वाहन**	**टैक्सी**	**मैक्सी**	**ऑटो**	**ई–रिक्शा**	**योग**
2016–17	170	821	353	258	518	226	**2346**
2017–18	83	1307	307	276	432	388	**2793**
2018–19	95	1320	302	222	605	476	**3020**
2019–20	136	962	361	169	544	433	**2605**
योग	**484**	**4410**	**1323**	**925**	**2099**	**1523**	**10764**

पंजीकृत अव्यवसायिक वाहनों का वर्षवार विवरण			
वर्ष	**पंजीकृत अव्यवसायिक वाहन**	**दो पहिया वाहन**	**चार पहिया वाहन**
2016–17	21625	16923	4702
2017–18	26576	20652	5924
2018–19	23621	17955	5666
2019–20	21997	17009	4988
2020–21	19867	14495	5372
योग	**113686**	**87034**	**26652**

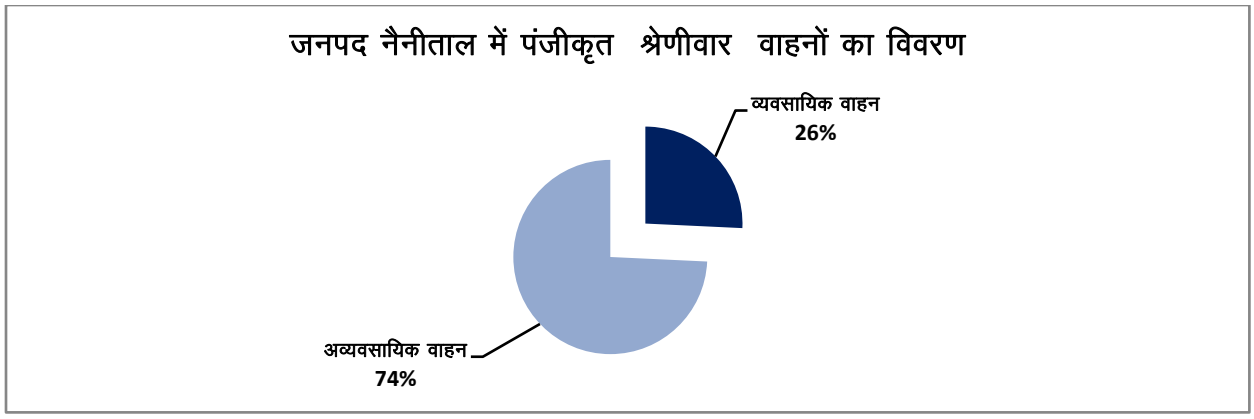

व्यवसायिक वाहनों के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनपद में सबसे अधिक 4410 भारी वाहनों का पंजीयन किया गया जबकि सबसे कम 484 बस सेवा में पंजीयन करवाया गया। अर्थात भारी वाहनों के साथ–साथ जनपद वासियों की रूचि हल्के ई–रिक्शा एवं ऑटो जैसे वाहनों की ओर अधिक देखी जा सकती है।

जनपद में सोलर और छोटे वाहनों के अन्तर्गत रोजगार की और अधिक सम्भावनाएं है। विभाग को इस ओर ध्यान केन्द्रित करते हुए प्रचार–प्रसार कर ग्रामीण युवक युवतियों को रोजगार उपलब्ध करवाने की कार्ययोजना तैयार करने की आवश्कता प्रतीत होती है।

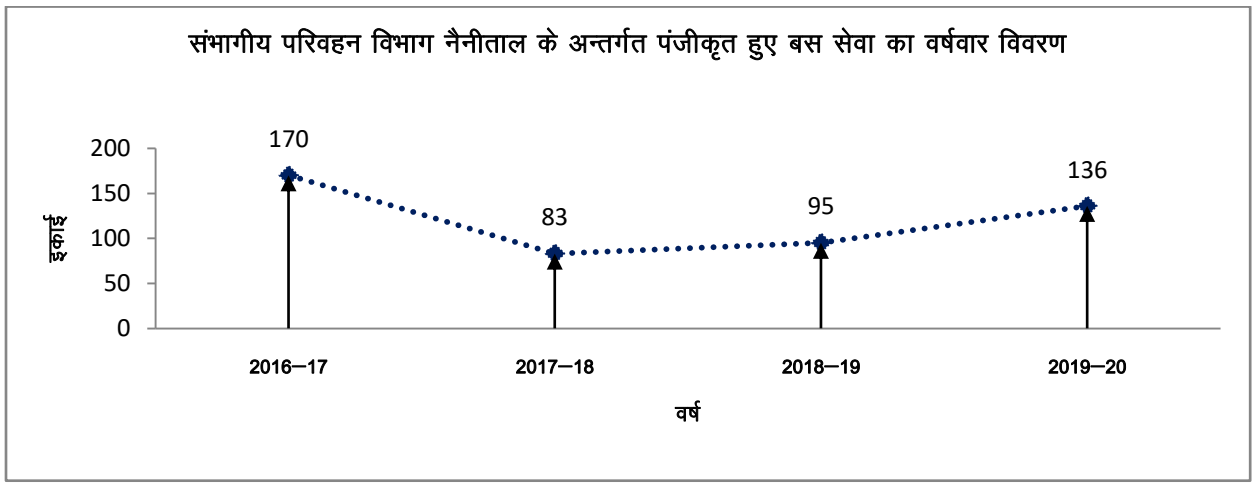

समाज कल्याण विभाग

समाज कल्याण विभाग के उपक्रम उत्तराखण्ड वित्त एवं विकास निगम हल्द्वानी के द्वारा जनपद में अनु0जाति स्वतःरोजगार योजना, राष्ट्रीय निगम (लघु व्यवसाय) योजना, राष्ट्रीय निगम (लघु वित्त ऋण) योजना, अनु0जनजाति स्वतःरोजगार योजना, शहरी क्षेत्र/व्यवसायिक स्थल दुकान निर्माण योजना एवं राष्ट्रीय निगम (महिला समृद्धि) योजना आदि योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिकाओं में प्रदर्शित किया गया है।

वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य अनु0 जाति स्वतःरोजगार योजना का विकासखण्डवार विवरण

विकास खण्ड का नाम	लाभान्वित लाभार्थियों की संख्या	वितरित की गई धनराशि का विवरण (लाख रू0 में)				
		अनुदान	म0मनी	टर्मलोन	बैक ऋण	कुल वितरित धनराशि
हल्द्वानी	120	8.80	2.63	0	40.60	70.07
भीमताल	62	8.40	1.75	0	28.70	36.75
धारी	27	2.70	0	0	10.60	13.30
ओखलकांडा	14	1.40	0	0	6.50	7.90
रामगढ़	54	5.40	0	0	19.70	25.10
बेतालघाट	45	4.50	0	0	12.50	17.00
कोटबाग	81	8.00	2	0	35.30	45.30
रामनगर	63	6.30	0	0	22.30	28.60
योग	**466**	**45.50**	**6.38**	**0**	**176.20**	**244.02**

वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य राष्ट्रीय निगम (लघु व्यवसाय) योजना का विकासखण्डवार विवरण

विकास खण्ड का नाम	लाभान्वित लाभार्थियों की संख्या	वितरित की गई धनराशि का विवरण (लाख रू0 में)				
		अनुदान	म0मनी	टर्मलोन	बैक ऋण	कुल वितरित धनराशि
हल्द्वानी	4	0	0.60	5.40	0	6.00
भीमताल	0	0	0	0	0	0
धारी	0	0	0	0	0	0
ओखलकांडा	0	0	0	0	0	0

रामगढ़	0	0	0	0	0	0
बेतालघाट	1	0	0.20	1.80	0	2.00
कोटबाग	0	0	0	0	0	0
रामनगर	0	0	0	0	0	0
योग	**5**	**0**	**0.80**	**7.20**	**0**	**8.00**

वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य राष्ट्रीय निगम (लघु वित्त ऋण) योजना का विकासखण्डवार विवरण						
विकास खण्ड का नाम	लाभान्वित लाभार्थियों की संख्या	वितरित की गई धनराशि का विवरण (लाख रू0 में)				
		अनुदान	म0मनी	टर्मलोन	बैक ऋण	कुल वितरित धनराशि
हल्द्वानी	0	0	0	0	0	0
भीमताल	0	0	0	0	0	0
धारी	0	0	0	0	0	0
ओखलकांडा	0	0	0	0	0	0
रामगढ़	0	0	0	0	0	0
बेतालघाट	0	0	0	0	0	0
कोटबाग	2	0.20	0.20	0.60	0	1.00
रामनगर	0	0	0	0	0	0
योग	**2**	**0.20**	**0.20**	**0.60**	**0**	**1.00**

वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य अनु0जनजाति स्वतःरोजगार योजना का विकासखण्डवार विवरण						
विकास खण्ड का नाम	लाभान्वित लाभार्थियों की संख्या	वितरित की गई धनराशि का विवरण (लाख रू0 में)				
		अनुदान	म0मनी	टर्मलोन	बैक ऋण	कुल वितरित धनराशि
हल्द्वानी	0	0	0	0	0	0
भीमताल	0	0	0	0	0	0
धारी	0	0	0	0	0	0
ओखलकांडा	0	0	0	0	0	0

रामगढ़	0	0	0	0	0	0
बेतालघाट	0	0	0	0	0	0
कोटबाग	0	0	0	0	0	0
रामनगर	9	0.90	0	0	2.40	3.30
योग	**9**	**0.90**	**0**	**0**	**2.40**	**3.30**

वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य शहरी क्षेत्र/व्यवसायिक स्थल दुकान निर्माण योजना का विकासखण्डवार विवरण						
विकास खण्ड का नाम	लाभान्वित लाभार्थियों की संख्या	वितरित की गई धनराशि का विवरण (लाख रू0 में)				
		अनुदान	म0मनी	टर्मलोन	बैक ऋण	कुल वितरित धनराशि
हल्द्वानी	2	0.20	1.15	0	0.40	1.35
भीमताल	16	1.60	0.75	0	5.35	7.70
धारी	0	0	0	0	0	0
ओखलकांडा	0	0	0	0	0	0
रामगढ़	0	0	0	0	0	0
बेतालघाट	0	0	0	0	0	0
कोटबाग	1	0.10	0.75	0	0	0.85
रामनगर	2	0.20	1.5	0	0	1.70
योग	**21**	**2.10**	**4.15**	**0**	**5.75**	**11.6**

वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य राष्ट्रीय निगम (महिला समृद्धि) योजना का विकास खण्डवार विवरण						
विकास खण्ड का नाम	लाभान्वित लाभार्थियों की संख्या	वितरित की गई धनराशि का विवरण (लाख रू0 में)				
		अनुदान	म0मनी	टर्मलोन	बैक ऋण	कुल वितरित धनराशि
हल्द्वानी	4	0.40	0.40	1.20	0	2.00
भीमताल	1	0.10	0.10	0.30	0	0.50
धारी	0	0	0	0	0	0
ओखलकांडा	0	0	0	0	0	0

रामगढ़	0	0	0	0	0	0
बेतालघाट	0	0	0	0	0	0
कोटबाग	0	0	0	0	0	0
रामनगर	2	0.20	0.20	0.60	0	1.00
योग	**7**	**0.70**	**0.70**	**2.10**	**0**	**3.50**

वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य अनु0जाति स्वतःरोजगार योजना का विकासखण्डवार तुलनात्मक विवरण

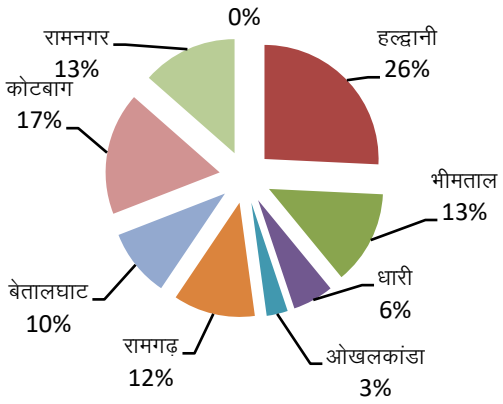

उपरोक्त उल्लिखित आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनपद में अनु0जाति स्वतःरोजगार योजना के अपेक्षा अन्य सभी योजनाओं से कई विकासखण्ड वंचित पाये जाते हैं। अनु0जाति स्वतःरोजगार योजना का प्रभाव सबसे अधिक विकासखण्ड हल्द्वानी में 26% तथा सबसे कम ओखलकाण्डा में 03% की भागीदारी से देखा जा सकता है। उक्त योजना के आंकड़ों का तुलनात्मक विवरण उपरोक्त तालिका एवं ग्राफ से भी जाना जा सकता हैं।

जनपद के सामाजिक–आर्थिक विकास एवं पलायन पर अंकुश लगाने में उपरोक्त उल्लिखित सभी योजनाएं सहायक सिद्ध हो सकती हैं। विभाग को सभी विकासखण्डों में सघन सर्वेक्षण एवं प्रचार–प्रसार करते हुए आगामी कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए, जिसका परिणाम होगा जनपद के ग्रामीण आंचलों में निवासरत आर्थिकी से पिछड़े वर्ग को आगामी समय में स्वावलम्बी बनाया जा सकता है। विभाग द्वारा सम्पादित अन्य कार्यक्रमों का विवरण निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है।

समाज कल्याण विभाग द्वारा सम्पादित अन्य कार्यक्रमों का वर्षवार विवरण											
क्र0स0	योजना का नाम	वर्ष 2016–17		वर्ष 2017–18		वर्ष 2018–19		वर्ष 2019–20		विगत चार वर्षो का योग	
		व्यय धनराशि	लाभार्थी संख्या	व्यय धनराशि	लाभार्थी संख्या	व्यय धनराशि	लाभार्थी संख्या	व्यय धनराशि	लाभार्थी संख्या	व्यय धनराशि	लाभार्थी संख्या
1	कक्षा 1 से 08 तक अनु0जाति छात्रवृत्ति	63.19	962	90.22	11470	88.04	11360	78.12	10053	**319.57**	**33845**
2	अनु0जाति दशमोत्तर छात्रवृत्ति	358.31	3653	587.56	6609	398.14	7078	526.85	9300	**1870.86**	**26640**
3	पिछड़ी जाति दशमोत्तर छात्रवृत्ति	4.6	290	81.45	618	59.95	656	58.65	612	**204.65**	**2176**
4	पिछड़ी जाति पूर्वदश्सम् छात्रवृत्ति	0	0	0	0	0	0	16.5	1100	**16.5**	**1100**
5	अनु0जनजाति दशमोत्तर छात्रवृत्ति	42.11	530	45.73	438	9.78	108	9.78	108	**107.4**	**1184**
6	अनु0जनजाति छात्रवृत्ति कक्षा 9 से 10	0	0	1.23	82	1.035	46	1.035	46	**3.3**	**174**
7	राष्ट्रीय पारिवारीक लाभ योजना	52.4	262	29.4	147	3.25	16	19.6	98	**104.65**	**523**
8	अनु0जाति बाहुल्य क्षेत्रों में अवस्थापना सुविधाओं का विकास (एस.सी.पी.)	0	0	372.58	50	290.31	36	418.88	42	**1081.77**	**128**
9	अत्याचारों से उत्पीड़ित व्यक्तियों को आर्थिक सहायता	0	0	5	1	25.94	11	6.25	8	**37.19**	**20**
10	अनु0जाति के पुत्रियों की शादी हेतु अनुदान	19	38	92	184	157.5	315	109.5	219	**378**	**756**
कुल –		**539.61**	**5735**	**1305.17**	**19599**	**1033.95**	**19626**	**1245.17**	**21586**	**4123.89**	**66546**

समाज कल्याण विभाग द्वारा सम्पादित अन्य कार्यक्रमों का वर्षवार विवरण											
क्र0स0	योजना का नाम	वर्ष 2016–17		वर्ष 2017–18		वर्ष 2018–19		वर्ष 2019–20		विगत चार वर्षों का	
		व्यय धनराशि	लाभार्थी संख्या	व्यय धनराशि	लाभार्थी संख्या	व्यय धनराशि	लाभार्थी संख्या	व्यय धनराशि	लाभार्थी संख्या	व्यय धनराशि	लाभार्थी संख्या
11	अनु0जनजाति कक्षा 1 से 8 तक छात्रवृत्ति	0	0	2.36	304	1.64	209	8.1	520	12.1	1033
12	अनु0जनजाति के व्यक्तियों की पुत्री की शादी हेतु अनुदान	0	0	0.5	1	5	10	3.5	7	9	18
13	अनु0 जाति अटल आवास योजना	0	0	12.39	67	19.26	36	0	0	31.65	103
14	अनु0जनजाति अटल आवास	0	0	0	0	0.705	3	0	0	0.705	3
15	निराश्रित विधवाओं की पुत्री की शादी हेतु अनुदान	12	24	22	44	36.5	73	30	60	100.5	201
16	बृद्धावस्था पेंशन	2939.42	26430	3200.49	28492	3869.47	30570	3849.42	30978	13858.8	30978
17	किसान पेंशन	209.49	1677	170.86	2126	313.89	2336	330.5	2294	1024.74	2294
18	दिव्यांग व्यक्तियों को शादी हेतु अनुदान	2	8	1.25	5	1.5	6	2.5	10	7.25	29
19	दिव्यांग व्यक्तियों को कृत्रिम अंग हेतु अनुदान	3.23	95	1.01	34	1.64	47	0	0	5.88	176
20	विकलांग पेंशन	501.12	4732	637.06	4706	692.25	5244	688.94	5389	2519.37	5389
कुल –		3667.26	32966	4047.92	35779	4941.86	38534	4912.96	39258	17570	40224
महायोग		4206.9	38701	5353.1	55378	5975.8	58160	6158.1	60844	21693.9	106770

रेषम विभाग

जनपदान्तर्गत रेशम विभाग द्वारा वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के दौरान कुल रूपये 103.15 लाख की धनराशि का परिव्यय किया गया जिसमें जिला योजना का रूपये 58.58 लाख तथा राज्य योजना का रूपये 44.57 लाख की धनराशि को व्यय करते हुए कुल 178330 शहतूत के पौधों का 90 ग्रामों में वृक्षारोपण करवाया गया। वर्तमान में जनपदान्तर्गत कुल 826 परिवार रेशम व्यवसाय से जुड़े हुए हैं, जिनके द्वारा विगत उल्लिखित वर्षों के दौरान 110566.10 किग्रा कोया का उत्पादन किया गया। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है।

वर्ष	वित्तीय प्रगति विवरण (रू0 लाख में)			भौतिक प्रगति विवरण (कार्यों की सूची)			
	जिला योजना	राज्य योजना	कुल व्यय धनराशि	शहतूती रेशम कोया उत्पादन (किग्रा)	लाभान्वित कीटपालक परिवार (संख्या)	आच्छादित रेशम ग्राम (संख्या)	शहतूत वृक्षारोपण (संख्या)
2016-17	13.20	3.83	17.03	25114.00	720	75	26350
2017-18	13.88	4.36	18.24	25352.90	755	85	57200
2018-19	15.00	11.05	26.05	29249.00	825	88	74780
2019-20	16.50	25.33	41.83	30850.20	826	90	20000
महायोग	**58.58**	**44.57**	**103.15**	**110566.10**	**NA**	**NA**	**178330**
वर्ष 2019–20 का विकासखण्डवार विवरण							
हल्द्वानी	4.95	7.47	12.42	3085.02	124	9	4000
भीमताल	1.65	2.53	4.18	3085.02	82	9	1000
रामनगर	3.30	4.94	8.24	9255.06	166	18	4000
कोटाबाग	6.60	10.39	16.99	15425.10	454	54	11000
योग	**16.50**	**25.33**	**41.83**	**30850.20**	**826**	**90**	**20000**

विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि विकासखण्ड कोटाबाग द्वारा वर्ष 2019–20 के लिए कुल परिव्यय में 40% का योगदान के साथ 55% कीटपालक परिवारों को लाभान्वित करते हुए और 60% रेशम ग्रामों को आच्छाादित करवाते हुए जनपद में पहला स्थान प्राप्त किया किन्तु उल्लिखित मदों में विकासखण्ड भीमताल एवं रामनगर द्वारा क्रमशः 10% व 20% के माध्यम से सबसे कम योगदान दिया गया। जनपद स्तर पर देखा जाय तो विकासखण्ड धारी, रामगढ़, ओखलकाण्डा और बेतालघाट में रेशम विभाग की योजनाएं संचालित ही नहीं हैं। जिसका विवरण निम्नवत ग्राफों के माध्यम से भी जाना जा सकता है।

वर्ष 2019–20 के दौरान रेशम विभाग द्वारा किये गये परिव्यय का विकासखण्डों में तुलनात्मक विवरण

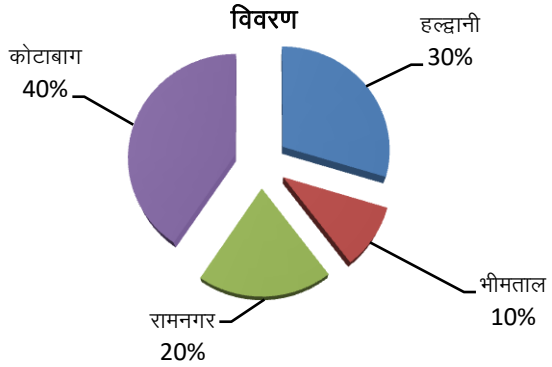

वर्ष 2019–20 के दौरान रेशम विभाग द्वारा लाभान्वित किये गये कीटपालक परिवारों का विकासखण्डों में तुलनात्मक विवरण

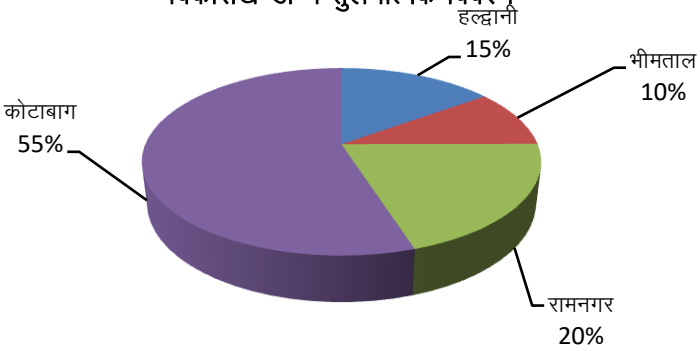

वर्ष 2019–20 के दौरान रेशम विभाग द्वारा आच्छादित किये गये रेशम ग्रामों का विकासखण्डों में तुलनात्मक विवरण

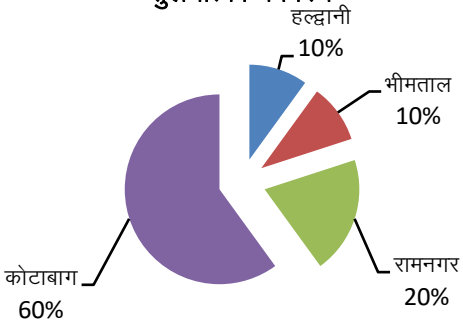

रेशम व्यवसाय में पर्वतीय इलाकों में रोजगार के अपार पायदान मौजूद हैं जिसके लिए विभाग को जनपदान्तर्गत रेशम व्यवसाय को बढावा दिये जाने हेतु सभी विकासखण्डों के स्थलों और उद्यमियों को चिह्नित करते हुए आगामी कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए, जिसका परिणाम होगा आगामी आने वाले समय में ग्रामीण अंचलों में सामाजिक–आर्थिक विकास का सुदृढ़ होने एवं पलायन पर अंकुश लगाने में अतिरिक्त सहयोग प्राप्त होगा।

सहकारिता विभाग

सहकारिता विभाग के अन्तर्गत जनपद नैनीताल में कुल 53 बहुउद्देशीय साधन/किसान/दीर्घकार सहकारी समितियां (एमपैक्स) कार्य कर रही है जिसका मुख्य उद्देश्य अपने सदस्यों जो कि ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करते हैं, तथा कृषि पर निर्भर है, उन्हें अल्पकालीन फसली ऋण नकदी एवं वस्तु रूप में (यथा उर्वरक, उन्नतशील प्रजाति के बीज) तथा मध्यकालीन ऋण उपलब्ध कराना है, ताकि कृषकों का आर्थिक विकास हो सके। कृषक सदस्यों की फसली ऋण सीमा 03 वर्ष हेतु निर्धारित की जाती है। उक्त ऋण पर वर्तमान में प्रचलित सामान्य वार्षिक ब्याज की दर 07 प्रतिशत है।

उत्तराखण्ड राज्य में दिनांक 1 अक्टूबर, 2017 से उत्तराखण्ड शासन द्वारा कृषकों के कल्याणार्थ अति महत्वपूर्ण योजना दीनदयाल उपाध्याय सहकारिता किसान कल्याण योजना संचालित की गई है, जिसके अन्तर्गत 08 फरवरी 2019 से लघु, सीमान्त एवं बी0पी0एल0 परिवारों के कृषकों को कृषि एवं कृषिकर्म तथा सहवर्ती कार्यों से साथ ही कृषि प्रसंस्करण से सम्बन्धित समस्त क्रियाकलापों हेतु व्यक्तिगत लाभार्थी को 1.00 लाख तक एवं स्वयं सहायता समूहों को 5.00 लाख तक का ब्याज रहित ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है।

योजनान्तर्गत फसली ऋण के साथ–साथ कृषकों को दुधारू पशु क्रय, घोड़ा–खच्चर क्रय, बकरी पालन, मुर्गी पालन, सुअर पालन आदि हेतु मध्यकालीन ऋण भी प्रदान कराया जा रहा है। उक्त के अतिरिक्त जनपद नैनीताल में जिला सहकारी बैंक लि0 मुख्यालय हल्द्वानी (केन्द्रीय सहकारी बैंक) के रूप में पंजीकृत है, जिसकी जनपद में कुल 33 शाखाएं संचालित हैं। सहकारी बैंक अन्य व्यवसायिक बैंकों की भांति ही बैंकिग का कार्य करता है, साथ ही अपने से सम्बद्ध समितियों को वित्तपोषण का कार्य भी करता है।

सहकारिता विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अध्ययन से ज्ञात होता है कि जनपद में सहकारिता समितियों द्वारा विगत चार वर्षों के मध्य 27872 कृषकों को अल्पकालीन ऋण एवं 716 कृषकों को मध्यकालीन ऋण उपलब्ध करवाने में समितियों द्वारा कुल रूपये 43371.39 लाख का ऋण कृषकों को वितरण किया गया। आंकड़ों से यह भी स्पष्ट होता है कि समितियों में ऋण धनराशि के साथ–साथ समिति सदस्यता में भी वृद्धि देखी जा सकती है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किये गये हैं।

सहकारिता विभाग नैनीताल द्वारा उल्लेखित वर्षों में लाभान्वित करवाये गये कृषकों एवे वितरित ऋण का वर्षवार विवरण

वर्ष	अल्पकालीन ऋण वितरण		मध्यकालीन ऋण वितरण		कुल ऋण वितरण	
	संख्या	धनराशि	संख्या	धनराशि	संख्या	धनराशि
2016-17	15963	8285.60	0	0.00	15963	8285.60
2017-18	16529	9201.56	243	132.93	16772	9334.49
2018-19	18747	9823.14	344	184.10	19091	10007.24
2019-20	27872	15335.16	716	408.90	28588	15744.06
योग	**NA**	**42645.46**	**NA**	**725.93**	**NA**	**43371.39**

आंकड़ों के अध्ययन से यह भी ज्ञात होता है कि जनपद के विकासखण्ड हल्द्वानी में सबसे अधिक 5768 किसान तथा सबसे कम विकासखण्ड रामगढ़ में 1831 किसान सहकारी समितियों द्वारा लाभान्वित किये गये। ग्रामीण क्षेत्रों में सहकारिता विभाग का किसानों से सीधा सम्बन्ध है जो कि किसानों की जरूरत के अनुसार अल्पकालीन एवं मध्यकालीन ऋण उपलब्ध कराता है, किन्तु जनपद की कुल जनसंख्या मे से 60% जनसंख्या की कृषि पर निर्भरता है, जिसका मात्र 4.8% जनसंख्या तक ही समितियाँ लाभ पहुँचा पाई हैं, जबकि उत्तराखण्ड सरकार द्वारा दीन दयाल उपाध्याय सहकारिता किसान कल्याण योजना संचालित की गई है जिसमें किसानों को ब्याज रहित ऋण उपलब्ध करवाये जाने का भी प्राविधान किया गया है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एंव ग्राफ में प्रदर्शित किये गये है।

सहकारिता विभाग नैनीताल द्वारा वर्ष 2019–20 में लाभान्वित किये गये कृषकों एवं वितरित ऋण का विकासखण्डवार विवरण

क्र0सं0	विकाखण्ड	अल्पकालीन ऋण वितरण		मध्यकालीन ऋण वितरण		कुल ऋण वितरण	
		संख्या	धनराशि	संख्या	धनराशि	संख्या	धनराशि
1	भीमताल	3028	2131.72	80	52.00	3108	2183.72
2	रामगढ़	1777	1219.2	54	31.00	1831	1250.20
3	बेतालघाट	2674	1957.98	54	30.00	2728	1987.98
4	ओखलकांडा	2432	1400.11	34	20.90	2466	1421.01
5	धारी	3683	2599.08	41	30.00	3724	2629.08
6	कोटाबाग	4192	2246.53	154	93.00	4346	2339.53
7	हल्द्वानी	5609	2103.59	159	79.00	5768	2182.59
8	रामनगर	4477	1676.95	140	73.00	4617	1749.95
योग		**27872**	**15335.16**	**716**	**408.90**	**28588**	**15744.06**

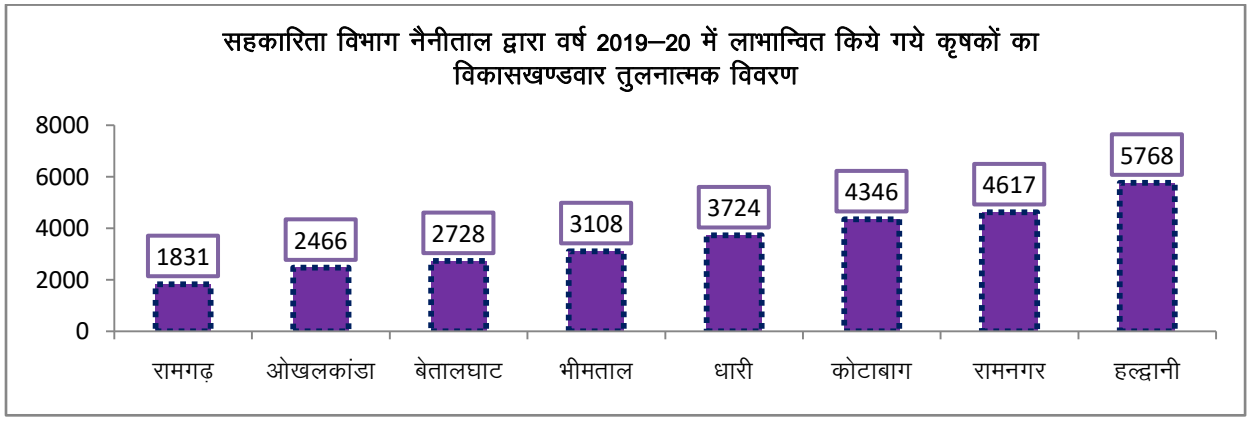

सहकारिता विभाग को किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरलतम नियम कानून के साथ ग्रामीण क्षेत्र में कार्य करने की रणनीति तैयार करनी चाहिए, क्योंकि समितियों के लिए कार्य करने के लिए विस्तृत कार्यक्षेत्र उपलब्ध हैं।

डेरी विकास विभाग

डेरी विकास विभाग द्वारा दुग्ध व्यवसाय को बढ़ावा दिये जाने के लिए राज्य योजना एवं जिला योजना जैसे दो मदों के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रम संचालित करते हुए राज्य योजना से 23403 लाभार्थियों को प्रत्यक्ष रूप से प्रोत्साहन देते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध करवाया जा रहा है जिनका विवरण निम्नानुसार है :–

महिला डेरी योजना :–इस योजना के तहत डेयरी विकास विभाग द्वारा विगत चार सालों में रूपये 161.64 लाख का परिव्यय करते हुए 15 लाभार्थियों को रोजगार दिया जा रहा है जिसको और अधिक बढ़ावा दिया जाना चाहिए जिसके लिए विभाग को आगामी कार्ययोजना में सम्मिलित करना होगा।

गंगा गाय महिला डेरी विकास योजना :–उल्लिखित योजना के आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि जिस दर से वित्तीय धनराशि में गिरावट हुई उसी दर से लाभार्थियों की संख्या में भी कमी देखी जा सकती है, जो कि ग्रामीण क्षेत्रों में उल्लिखित योजना के प्रति लाभार्थियों की रूचि में बदलाव के साथ–साथ पलायन की पुष्टि भी करता है।

राज्य समेकित सहकारी विकास परियोजना :– डेरी विकास विभाग की इस योजना के तहत 54 परिवारों को लाभान्वित किया गया जिसके अन्तर्गत 07 परिवारों को 05 की दर से कुल 35 दुधारू पशु तथा 47 परिवारों को 03 की दर से कुल 141 दुधारू पशु उपलब्ध करवाये गये।

1– विभाग को इस नियम में बदलाव करते हुए 01 या 02 दुधारू पशु दिये जाने का प्राविधान करना चाहिए क्योंकि पर्वतीय क्षेत्रों में ग्रामीणों की रूचि 01 या अधिकतम 02 दुधारू पशु पालने की होती है। यदि ऐसा किया जाता है तो इस योजना से अधिक ग्रामीण परिवारों को भी लाभान्वित किया जा सकता है।

2– ग्रामीण क्षेत्रों में डेरी व्यवसाय को बढावा दिये जाने के लिए विभाग द्वारा दिये जा रहे अनुदान की धनराशि को 25% से बढ़ाकर 50% किया जाना अपेक्षित होगा, साथ ही ग्रामीणों को पहाड़ी दुधारू पशुओं की नस्ल जो जनपदों में स्थापित AI सेन्टरों में अपग्रेड की हुई हो उपलब्ध करवाये जाने का प्राविधान किया जाना उचित होगा। जिसका परिणाम होगा कि कम दुधारू पशुओं से अधिक दूध का प्राप्त होना तथा ग्रामीणों में दुधारू पशु पालने की कम होती इच्छा शक्ति में भी वृद्धि देखने को मिलेगी।

3– गाय भैंस के दूध के साथ–साथ यदि बकरी के दूध को शामिल किया जाता है तो डेरी व्यवसाय को और अधिक मजबूती प्राप्त होगी, साथ ही पशुशाला को सुदृढ़ करने के लिए भी विभाग को अन्य विभागों के साथ युगपतिकरण करने का आगामी कार्ययोजना में प्राविधान किया जाना उचित होगा। राज्य योजना में सम्मिलित योजनाओं के आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किये गये हैं।

राज्य योजना के अन्तर्गत संचालित कार्यक्रमों का वर्षवार विवरण								
महिला डेरी योजना			गंगा गाय महिला डेरी विकास योजना		दुग्ध मूल्य प्रोत्साहन योजना		सचिव प्रोत्साहन योजना	
वर्ष	व्यय धनराशि	लाभार्थी	व्यय धनराशि	लाभार्थी	व्यय धनराशि	लाभार्थी	व्यय धनराशि	लाभार्थी
2016–17	32.73	15	73.30	260	637.22	20792	0	0
2017–18	40.18	15	63.09	228	691.94	21404	29.77	265
2018–19	41.47	15	39.80	145	958.84	21581	35.40	265
2019–20	47.27	15	12.37	45	972.59	22759	34.40	267
योग	**161.64**	**NA**	**188.56**	**NA**	**3260.59**	**NA**	**99.57**	**NA**

राज्य योजना के अन्तर्गत संचालित कार्यक्रमों का वर्षवार विवरण								
यातायात अनुदान योजना			साईलेज एवं दुधारू पशु पोषण योजना		पशु चारा परिवहन योजना		राज्य समेकित सहकारी विकास परियोजना (एन0सी0डी0सी0)	
वर्ष	व्यय धनराशि	लाभार्थी	व्यय धनराशि	इकाई	व्यय धनराशि	समिति	व्यय धनराशि	लाभार्थी
2019–20	18.40	263	5.08	114 मै0टन	11.08	550 समिति	26.58	54 परिवार
योग	**18.40**	**NA**	**5.08**	**NA**	**11.08**	**NA**	**26.58**	**NA**

डेरी विकास विभाग द्वारा जिला योजनान्तर्गत ग्रामीणों का विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से उपलब्ध करवायी जा रही सुविधाओं के आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि विगत चार वर्षों के दौरान जहाँ एक ओर कई कार्यक्रमों के आंकड़ें शून्य हो जा रहें हैं, वहीं दूसरी ओर कई योजनायों की शुरूवात हुई है।

विभाग की टीकाकरण, मिनरल मिक्सर अनुदान तथा भूसा गोदाम जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के आंकड़ों का शून्य हो जाना डेरी विकास की सोच को अल्पविराम लगना जैसा है। विभाग इन कार्यक्रमों के साथ–साथ संतुलित पशु आहार अनुदान, डिवार्मिंग, नई दुग्ध समिति गठन हेतु प्रथम वर्ष सहायता तथा स्वच्छ दुग्ध उत्पादन गोष्ठी/उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रमको भी बढ़ावा किये जाने की अति आवश्यकता है, जिसका परिणाम होगा ग्रामीणों को अधिक से अधिक सुविधायें उपलब्ध होने से ग्रामीण क्षेत्रों में डेरी के प्रति लोगो की भावनाओं में परिवर्तन आयेगा जिससे डेरी व्यवसाय को और मजबूती प्राप्त होगी। जिला योजना के आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में दर्शाया गया है।

जिला योजना के अन्तर्गत संचालित कार्यक्रमों का वर्षवार विवरण								
टीकाकरण			मिनरल मिक्चर अनुदान		काम्पैक्ट फीड ब्लॉक अनुदान		भूसा गोदाम	
वर्ष	व्यय धनराशि	पशु की संख्या	व्यय धनराशि	इकाई	व्यय धनराशि	इकाई	व्यय धनराशि	इकाई
2016–17	2.50	12500	7.84	26.13 मै0टन	6.725	224.17 मै0टन	5.45	1
2017–18	1.29	6450	9.00	30.00 मै0टन	7.92	264.00 मै0टन	0	0
2018–19	0	0	10.00	33.3 मै0टन	8.51	283.67 मै0टन	0	0
2019–20	0	0	0	0	13.39	443.67मै0टन	0	0
योग	**3.79**	**NA**	**26.84**	**NA**	**36.55**	**NA**	**5.45**	**NA**

जिला योजना के अन्तर्गत संचालित कार्यक्रमों का वर्षवार विवरण								
संतुलित पशु आहार अनुदान			डिवार्मिंग		नई दुग्ध समिति गठन हेतु प्रथम वर्ष सहायता		स्वच्छ दुग्ध उत्पादन गोष्ठी/उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम	
वर्ष	व्यय धनराशि	इकाई	व्यय धनराशि	पशु की संख्या	व्यय धनराशि	इकाई	व्यय धनराशि	इकाई
2016–17	0	0	0	0	0	0	1.45	35
2017–18	0	0	3.07	10000	0	0	1.45	35
2018–19	0	0	6.00	15000	0	0	1.45	35
2019–20	9.27	231.63 मै0टन	12.0	30000	1.84	5	1.65	45
योग	**9.27**	**NA**	**21.07**	**NA**	**1.84**	**NA**	**6.00**	**NA**

पशुपालन विभाग

उत्तराखण्ड की लगभग 2.64% जनसंख्या डेरी अथवा पशुपालन पर निर्भर है जिसमें नैनीताल जनपद द्वारा 6.44% के माध्यम से उत्तराखण्ड में चम्पावत के बाद दूसरे नम्बर पर योगदान दिया जाता है। पशुपालन विभाग द्वारा वर्तमान में संचालित योजनाओं के लिए प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण निम्नवत दिया गया है।

अहिल्या बाई होल्कर बकरी पालन योजना :– सम्बन्धित योजना में विभाग द्वारा विगत चार वर्षों के दौरान कुल रूपये 16.52 लाख की धनराशि का परिव्यय करते हुए 18 परिवारों को (10+1) की दर से 100% अनुदान पर बकरी पालन का स्वरोजगार उपलब्ध कराया गया, जो कि सभी विकासखण्डों में बहुत ही न्यून है जबकि उल्लिखित योजना में जातिगत कोई भी पाबन्दी नहीं है। आंकड़ों का विकासखण्ड एवं वर्षवार विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में दर्शाया गया है।

अहिल्या बाई होल्कर बकरी पालन योजना का विकासखण्ड एवं वर्षवार विवरण

विकासखण्ड / वर्ष	भौतिक प्रगति				वित्तीय प्रगति				योग	
	2016–17	2017–18	2018–19	2019–20	2016–17	2017–18	2018–19	2019–20	भौतिक	वित्तीय
हल्द्वानी	1	2	0	0	0.92	1.84	0	0	3	2.75
कोटाबाग	0	1	0	0	0.00	0.92	0	0	1	0.92
रामनगर	3	1	0	0	2.75	0.92	0	0	4	3.67
बेतालघाट	0	1	0	0	0.00	0.92	0	0	1	0.92
ओखलकाण्डा	0	1	0	0	0.00	0.92	0	0	1	0.92
रामगढ	1	1	0	0	0.92	0.92	0	0	2	1.84
धारी	2	2	0	0	1.84	1.84	0	0	4	3.67
भीमताल	1	1	0	0	0.92	0.92	0	0	2	1.84
योग	**8**	**10**	**0**	**0**	**7.3411**	**9.1762**	**0**	**0**	**18**	**16.517**

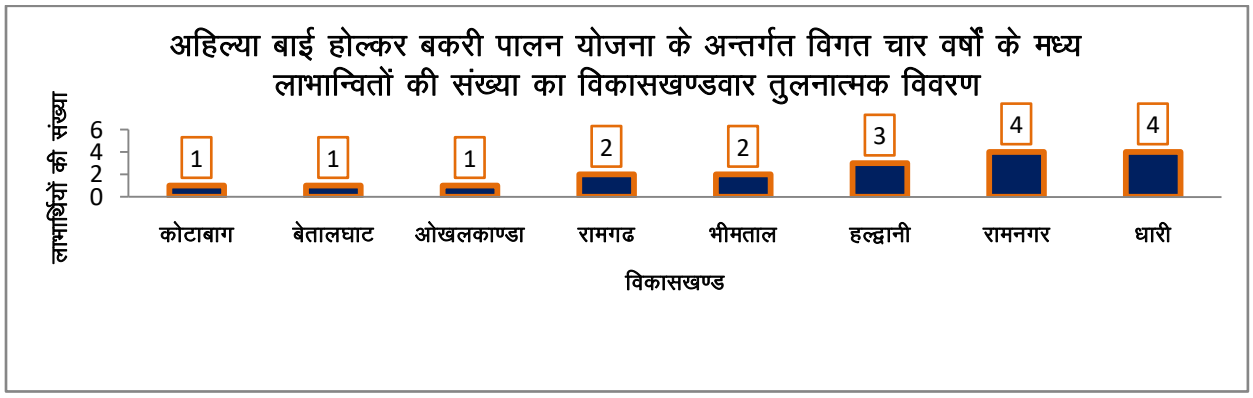

अनुसूचित जाति गौ–पालन योजना :– विभाग की इस योजना के आंकड़ों को देखें तो ज्ञात होता है कि विगत चार वर्षों के मध्य कुल रूपये 77.04 लाख की धनराशि को खर्च करते हुए जनपद में 214 SC, ST गरीब परिवारों को 90% अनुदान पर 01 गाय की दर से पशु उपलब्ध करवाया गया। विभाग द्वारा प्रति यूनिट हेतु रूपये 40 हजार की धनराशि का प्राविधान रखा गया है। वर्षवार एवं विकासखण्डवार विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में प्रदर्शित किये गये हैं।

अनुसूचित जाति के लाभार्थी गौ–पालन योजना का विकासखण्ड एवं वर्षवार विवरण										
विकासखण्ड / वर्ष	भौतिक प्रगति				वित्तीय प्रगति				योग	
	2016–17	2017–18	2018–19	2019–20	2016–17	2017–18	2018–19	2019–20	भौतिक	वित्तीय
हल्द्वानी	13	6	4	8	4.68	2.16	1.44	2.88	31	11.16
कोटाबाग	8	6	4	6	2.88	2.16	1.44	2.16	24	8.64
रामनगर	14	6	3	5	5.04	2.16	1.08	1.8	28	10.08
बेतालघाट	10	6	3	6	3.6	2.16	1.08	2.16	25	9.00
ओखलकाण्डा	9	5	3	5	3.24	1.8	1.08	1.8	22	7.92
रामगढ	11	6	3	6	3.96	2.16	1.08	2.16	26	9.36
धारी	13	6	4	6	4.68	2.16	1.44	2.16	29	10.44
भीमताल	11	6	4	8	3.96	2.16	1.44	2.88	29	10.44
योग	**89**	**47**	**28**	**50**	**32.04**	**16.92**	**10.08**	**18**	**214**	**77.04**

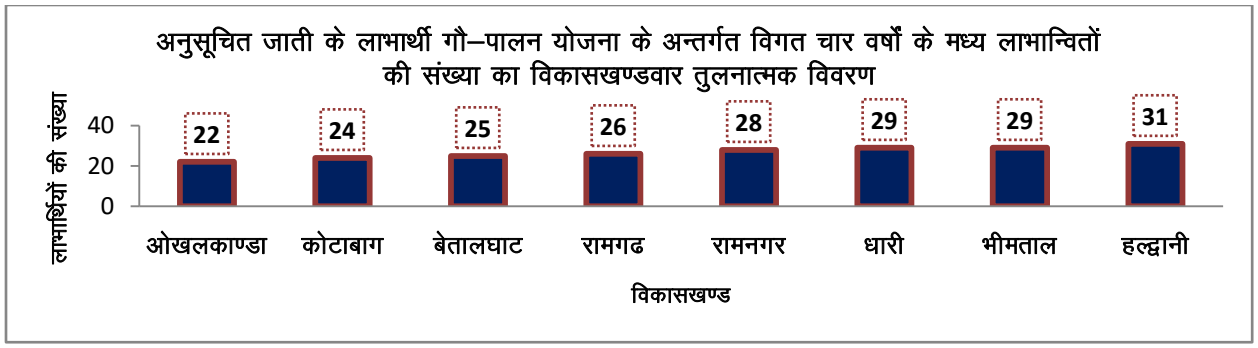

अनुसूचित जाति बकरीपालन योजना :– अनुसूचित जाति बकरीपालन योजना के तहत विभाग ने विगत चार वर्षों के मध्य कुल रूपये 57.33 लाख का परिव्यय करते हुए जनपद के 91 SC, ST गरीब परिवारों से (10+1) की दर से 90% अनुदान पर बकरी पालन का व्यवसाय शुरू करवाया गया। प्रति यूनिट हेतु विभाग द्वारा रूपये 70 हजार धनराशि का प्राविधान रखा गया है। आंकड़ों का विकासखण्ड एवं वर्षवार विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में दशाये गये हैं।

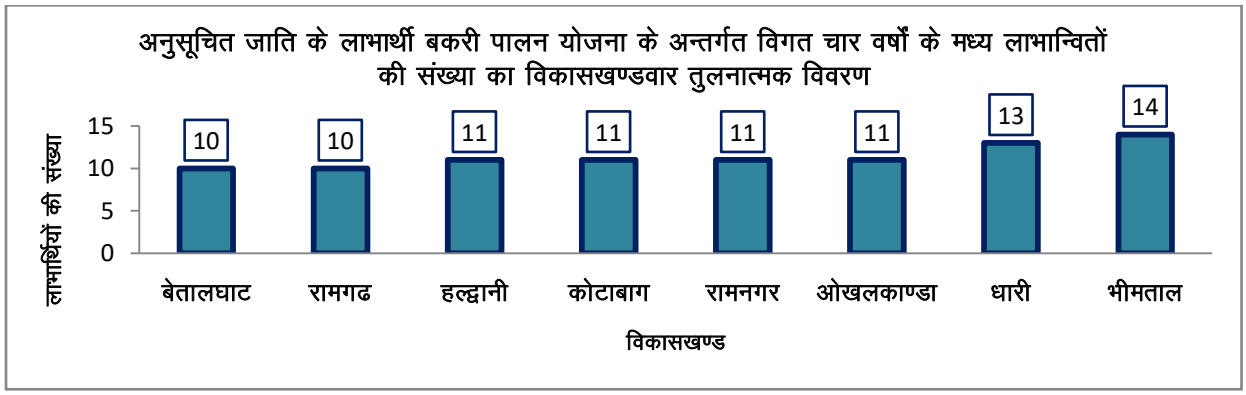

अनुसूचित जाति के लाभार्थी बकरी पालन योजना का विकासखण्ड एवं वर्षवार विवरण										
विकासखण्ड/वर्ष	भौतिक प्रगति				वित्तीय प्रगति				योग	
	2016–17	2017–18	2018–19	2019–20	2016–17	2017–18	2018–19	2019–20	भौतिक	वित्तीय
हल्द्वानी	4	2	3	2	2.52	1.26	1.89	1.26	11	6.93
कोटाबाग	2	2	4	3	1.26	1.26	2.52	1.89	11	6.93
रामनगर	2	2	4	3	1.26	1.26	2.52	1.89	11	6.93
बेतालघाट	2	2	4	2	1.26	1.26	2.52	1.26	10	6.30
ओखलकाण्डा	2	2	4	3	1.26	1.26	2.52	1.89	11	6.93
रामगढ	3	2	3	2	1.89	1.26	1.89	1.26	10	6.30
धारी	4	2	4	3	2.52	1.26	2.52	1.89	13	8.19
भीमताल	3	2	4	5	1.89	1.26	2.52	3.15	14	8.82
योग	**22**	**16**	**30**	**23**	**13.86**	**10.08**	**18.9**	**14.49**	**91**	**57.33**

अनुसूचित जाति कुक्कुट पालन योजना :–उल्लिखित योजना में विभाग द्वारा विगत चार वर्षों के समयावधि में कुल रूपये 46.20 लाख की धनराशि का परिव्यय करते हुए 2200 SC,STगरीब परिवारों को 100% अनुदान पर 50 चूजे, जाली, दाना और दवाई भी उपलब्ध करवाकर कुक्कुटपालन के लिए प्रोत्साहित किया गया। प्रति यूनिट हेतु विभाग द्वारा रूपये 2100 धनराशि का प्राविधान रखा गया है।

आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि जनपद के विकासखण्ड हल्द्वानी में कुक्कुट पालन के लिए अधिक परिवारों द्वारा रूचि दिखायी गयी है जबकि विकासखण्ड ओखलकाण्डा में सबसे कम ग्रामीणों परिवारों ने इस व्यवसाय के प्रति अपनी रूचि दिखायी अर्थात विभाग को मैदानी विकासखण्डों से अधिक पर्वतीय विकासखण्डों में अधिक ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता है। वर्षवार एवं विकासखण्डवार विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में प्रदर्शित किये गये हैं।

अनुसूचित जाति के लाभार्थ कुक्कुट पालन योजना का विकासखण्ड एवं वर्षवार विवरण										
विकासखण्ड/वर्ष	भौतिक प्रगति				वित्तीय प्रगति				योग	
	2016–17	2017–18	2018–19	2019–20	2016–17	2017–18	2018–19	2019–20	भौतिक	वित्तीय
हल्द्वानी	130	150	75	150	2.73	3.15	1.575	3.15	505	10.61
कोटाबाग	170	0	75	100	3.57	0	1.575	2.1	345	7.25
रामनगर	100	150	75	150	2.1	3.15	1.575	3.15	475	9.98
बेतालघाट	0	50	75	50	0	1.05	1.575	1.05	175	3.68
ओखलकाण्डा	0	0	75	0	0	0	1.575	0	75	1.58
रामगढ	70	0	75	50	1.47	0	1.575	1.05	195	4.10
धारी	0	0	75	0	0	0	1.575	0	75	1.58
भीमताल	100	80	75	100	2.1	1.68	1.575	2.1	355	7.46
योग	**570**	**430**	**600**	**600**	**11.97**	**9.03**	**12.6**	**12.6**	**2200**	**46.2**

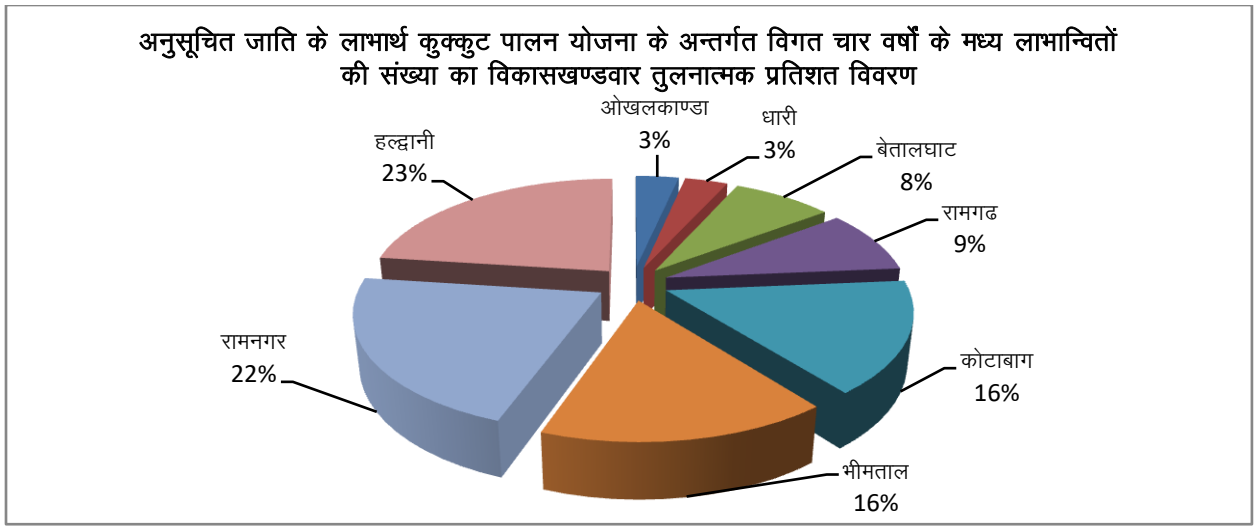

महिला बकरीपालन योजना :– विभाग शत–प्रतिशत अनुदान पर ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत विधवा, निराश्रित गरीब महिलाओं को 35 हजार की लागत वाली इस योजनान्तर्गत वर्ष 2017–18 और वर्ष 2019–20 में ही विकासखड ओखलकाण्डा, धारी और कोटाबाग को छोडते हुए निम्नवत तालिका में उल्लिखित विकासखण्डों के अन्तर्गत 25 महिलाओं को (03+1) की दर पर बकरीपालन के व्यवसाय से लाभान्वित किया गया।

महिला बकरी पालन योजना का विकासखण्ड एवं वर्षवार विवरण

विकासखण्ड / वर्ष	भौतिक प्रगति		वित्तीय प्रगति		योग	
	2017–18	2019–20	2017–18	2019–20	भौतिक	वित्तीय
हल्द्वानी	0	5	0	1.75	5	1.75
रामनगर	5	0	1.75	0	5	1.75
बेतालघाट	0	5	0	1.75	5	1.75
रामगढ	0	5	0	1.75	5	1.75
भीमताल	5	0	1.75	0	5	1.75
योग	**10**	**15**	**3.50**	**5.25**	**25**	**8.75**

1– उपरोक्त सभी योजनाओं के आंकड़ों में विभाग की उपलब्धि विभागीय रूप से अच्छी हो सकती है, किन्तु ग्रामीण क्षेत्रों के सामाजिक–आर्थिक विकास की दृष्टिकोण से उपलब्धि बहुत ही न्यूनतम है, जिसे आगामी कार्ययोजना में बढ़ाने की अति आवश्यकता है।

2– विभाग को आगामी कार्ययोजना में पहाड़ी क्षेत्रों में पहाडी गाय, भैंस, कुक्कुट और बकरी की नस्ल को ही जनपदस्तर पर स्थापित AI सेन्टरों में पहाड़ी ब्रीड को अपग्रेड किए जाने के प्राविधान को अनिवार्य किया जाना चाहिए।

3– पशुपालन विभाग को भेड़पालन, बत्तखपालन, बटेरपालन के साथ–साथ कबूतरपालन को भी अपनी आगामी कार्ययोजना में सम्मिलित करने का प्राविधान करना चाहिए।

4– विभाग को जनपद में भूसा/फीड/चारा की उपलब्धता हेतु न्याय पंचायत स्तर पर गोदाम बनाने की ठोस रणनीति तैयार चाहिए।

5– भविष्य में ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के साथ–साथ पशुधन व्यवसाय को बढ़ावा दिये जाने के लिए विभाग को अपने कार्यक्रमों के साथ–साथ आयोग द्वारा निर्गत सिफारिशों को भी सम्मिलित करना चाहिए।

6– डेरी एवं पशुपालन को उत्तराखण्ड में बढ़ावा दिये जाने के लिए सरकार को डेरी एवं पशुपालन विभाग को एकीकृत करने का प्राविधान करना चाहिए।

उद्यान विभाग

केन्द्र पोषित :–उद्यान विभाग द्वारा केन्द्र सैक्टर के अन्तर्गत विभाग द्वारा कुल रूपये 14980.035 लाख का परिव्यय करते हुए फल, सब्जी, मसाला, एन्टी हैलनेट, पॉली हाउस, पावर ट्रिलर और टैक्टर आदि को बढ़ावा दिये जाने हेतु कार्य किया गया। विगत चार वर्षों के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनपद में फल विस्तारीकरण में सबसे अधिक योगदान विकासखण्ड रामनगर, सब्जी उत्पादन और मसाला उत्पादन में बेतालघाट, पॉलीहाउस में भीमताल तथा पावर ट्रिलर में रामगढ़ विकासखण्ड द्वारा दिया गया। विभाग को उल्लिखित कार्यक्रमों को सभी विकासखण्डों में और अधिक बढ़ावा दिये जाने की ओर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए क्योकि पहाड़ी फल, सब्जी और मसालों की बाजार में मांग अधिक है परन्तु मांग पूरी न होने के कारण बाहरी राज्यों एवं जनपदों पर आश्रित रहना पड़ता है।

विभाग द्वारा कृषकों को हर वर्ष घास में लिफ्टे व जड़ कटी फलदार पौध वितरण किये जाते है, जिनके सर्वाइवल होने की दर बहुत कम होती है, जिससे सरकारी धन का भी सदुप्रयोग नहीं होता, साथ ही किसानों की मेहनत भी बर्बाद होती है, इस कमी को दूर करने के लिए किसानों को उन्नत किस्म के पौध जो विकसित हुए हों उपलब्ध करवाने का प्राविधान करना चाहिए। यह पौध आगे जाकर किसानों की आजीविका का अच्छा स्रोत बन सकेंगे।

विकासखण्ड हल्द्वानी में सब्जी उत्पादन के साथ–साथ एन्टी हैलनेट के आंकड़ों का शून्य होना विभाग की कार्यशैली पर प्रश्न चिह्न लगाता है क्योंकि सब्जी की सबसे अधिक खपत विकासखण्ड हल्द्वानी मुख्यालय पर ही है। विभाग को शीघ्र हल्द्वानी, कोटाबाग, रामनगर, धारी और ओखलकाण्डा विकासखण्डों में सब्जी उत्पादन हेतु ठोस रणनीति के साथ कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए।

विकासखण्ड रामनगर में सब्जी उत्पादन, मसाला और पॉलीहाउस के आंकड़ों का भी बहुत न्यून होना विकासखण्ड के सामाजिक–आर्थिक विकास के लिए उचित नहीं है। विभाग को रामनगर विकासखण्ड के साथ–साथ धारी, ओखलकाण्डा और हल्द्वानी विकासखण्डों में अधिक ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता है। रामनगर और हल्द्वानी के नाम उत्तराखण्ड की मण्डियों में शामिल हैं।

विभाग से प्राप्त आंकड़ों में पावर ट्रिलर के आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि जनपद के विकासखण्ड ओखलकाण्डा में आंकड़ें शून्य होने के साथ–साथ विकासखण्ड धारी और रामगढ़ के अलावा अन्य

विकासखण्डों में भी आंकड़ें अपेक्षाकृत बहुत कम है। इसका तात्पर्य यह होता है कि विभाग द्वारा नई तकनीकी जानकारी कृषकों को नहीं दी जा रही है जिसका परिणाम विभाग के आंकड़ों में प्रलक्षित हो रहा है। विभाग को इस ओर भी ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफों में दर्शाया गया है।

उद्यान विभाग द्वारा वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य केन्द्र सेक्टर के अन्तर्गत सम्पादित कार्यो का विकासखण्डवार विवरण

क्र0सं0	विकासखण्ड	भौतिक प्रगति (इकाई हेक्टेयर/संख्या में)							वित्तीय प्रगति (लाख में)						
		फल	सब्जी	मसाला	एन्टी हैलनेट	पॉली हाउस	पावर ट्रिलर	टैक्टर	फल	सब्जी	मसाला	एन्टी हैलनेट	पॉली हाउस	पावर ट्रिलर	टैक्टर
1	ओखलकाण्डा	34.8	34.8	24.25	580	910	0	0	6.26	8.7	4.27	11.65	3407.1	0	0
2	बेतालघाट	91.43	86.9	84.3	2552	13250	4	0	16.46	21.72	12.86	10.71	119.15	1.89	0
3	भीमताल	10.5	57.3	50.25	1815	15954	12	1	1.89	13.88	8.41	113.47	164.26	5.7	0.2
4	कोटाबाग	81.25	4	61.97	10	6986	7	10	415.4	57.5	9.3	250	18.44	8816.8	65.93
5	रामनगर	107.21	31.5	9	6900	29	9	0	19.26	4.78	2.59	69.48	27.06	47.22	0
6	रामगढ़	71.41	38.7	59	747	6950	126	0	14.69	9.67	9.67	206.22	97.22	122.32	0
7	हल्द्वानी	19.75	0	38.8	0	5300	12	6	3.56	0	7.18	0	213.33	132.07	80.79
8	धारी	39.7	31	20	3509	11050	96	0	7.04	7.5	3.2	87.73	148.54	96.93	0
योग		456.05	284.2	347.57	16113	60429	266	17	484.6	123.75	57.48	749.26	4195.1	9222.9	146.92

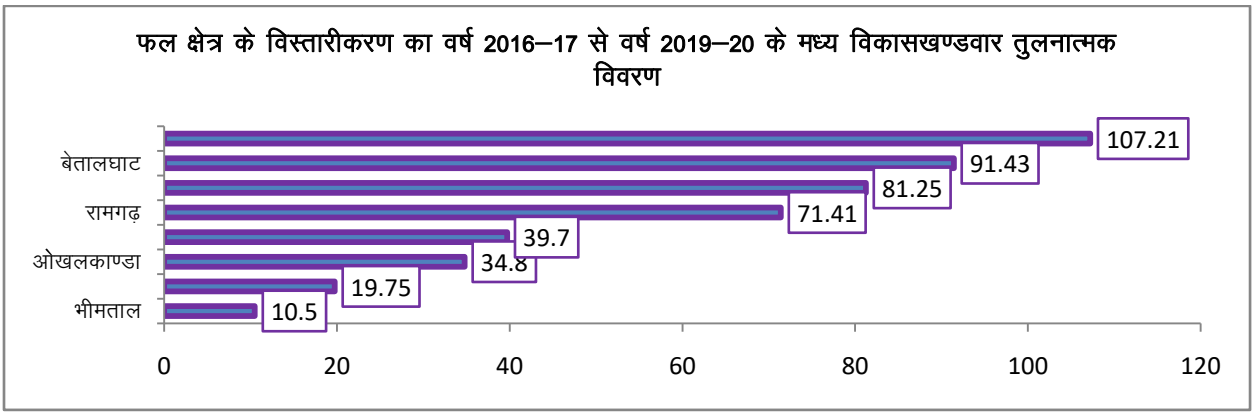

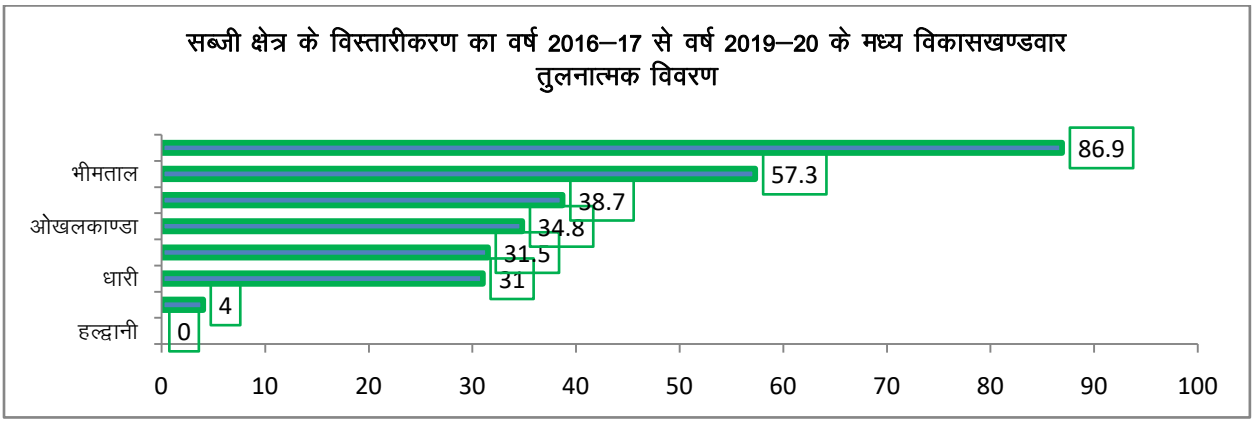

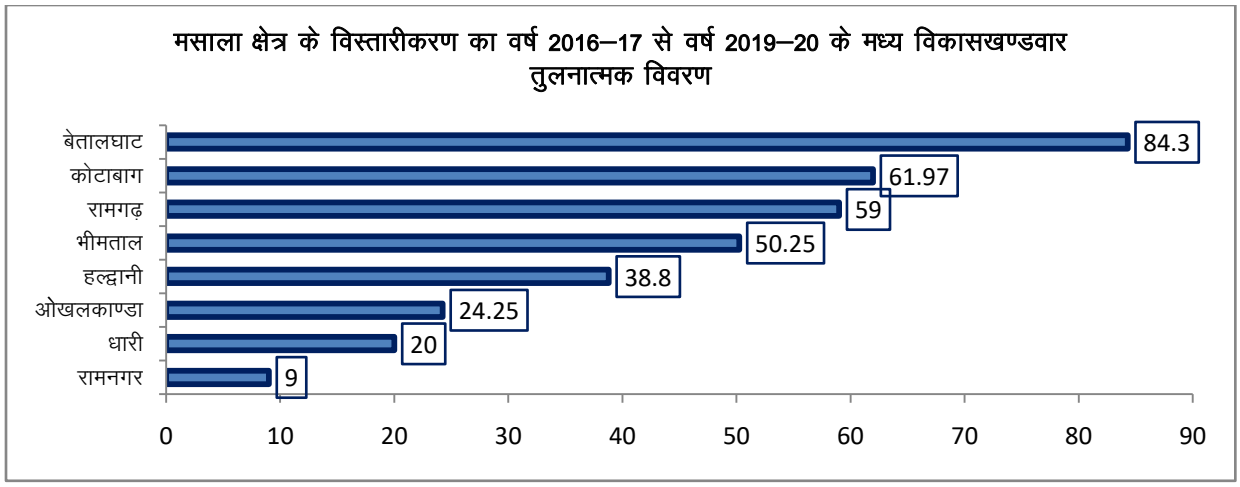

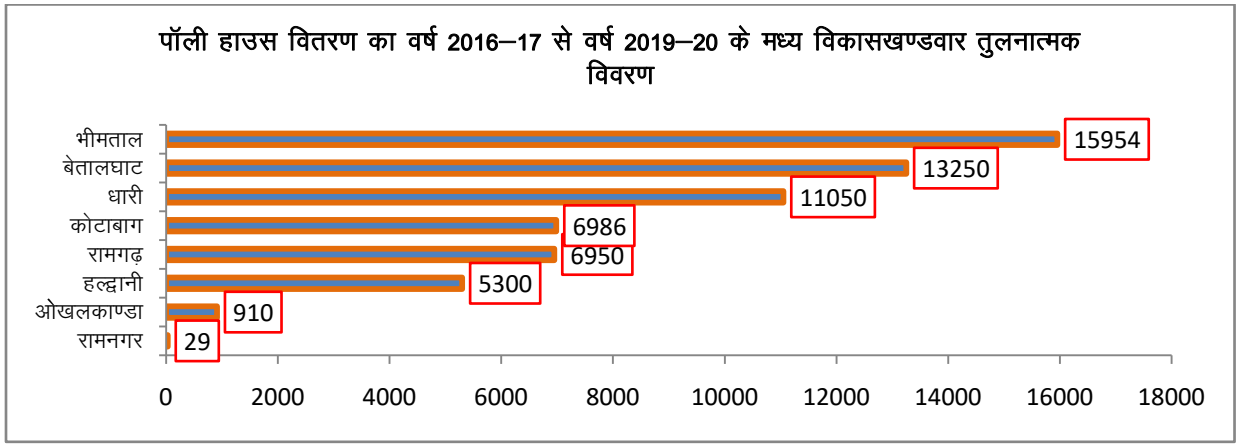

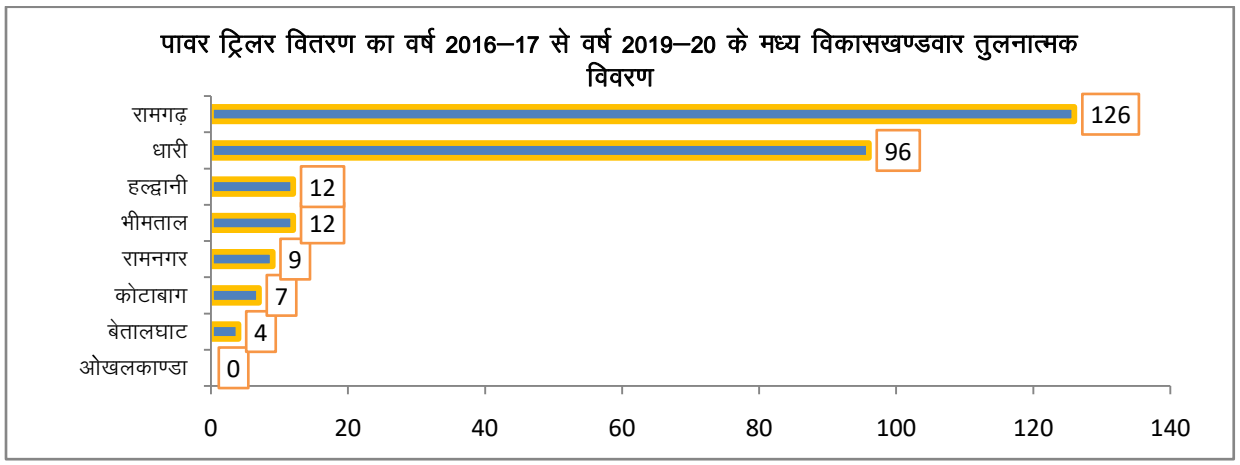

विभाग को फल, सब्जी तथा मसाला उत्पादन के लिए उन्नत तकनीकी प्रशिक्षण, उत्तम किस्म के पौध एवं बीज उपलब्ध करवाने के साथ–साथ विपणन की ठोस नीति के साथ कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए। उद्यानीकरण में रोजगार की अपार सम्भावनायें हैं, जिसके लिए विभाग को संजीदगी के साथ योजनाओं को धरातल पर उतराने का कार्य करना होगा।

राज्य पोषित :–राज्यपोषित योजना के अन्तर्गत विभाग द्वारा विगत वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य घेरबाड एवं वर्मी कम्पोस्ट निर्माण हेतु विभाग द्वारा कुल रूपये 230.32 लाख का परिव्यय करते हुए 39 घेरबाड तथा 380 वर्मी कम्पोस्ट का निर्माण किया गया, जो कि जनपद की जनसंख्या के दृष्टिगत बहुत न्यून है। भविष्य में विभाग के लक्ष्यों को बढ़ाया जाना उचित होगा।

उद्यान विभाग द्वारा वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य राज्य सेक्टर के अन्तर्गत सम्पादित कार्यों का विकासखण्डवार विवरण

क्र0स0	विकासखण्ड	भौतिक प्रगति (इकाई हेक्टेयर/संख्या में)		वित्तीय प्रगति (लाख में)	
		घेरबाड की योजना	वर्मी कम्पोस्ट यूनिट निर्माण	घेरबाड की योजना	वर्मी कम्पोस्ट यूनिट निर्माण
1	ओखलकाण्डा	11	131	5.37	32.75
2	बेतालघाट	7	3	95	23.75
3	भीमताल	2	67	0.7	16.75
4	कोटाबाग	5	0	3.3	0
5	रामनगर	0	35	0	8.75
6	रामगढ़	7	40	2.55	10
7	हल्द्वानी	0	25	0	6.25
8	धारी	7	79	5.4	19.75
योग		**39**	**380**	**112.32**	**118**

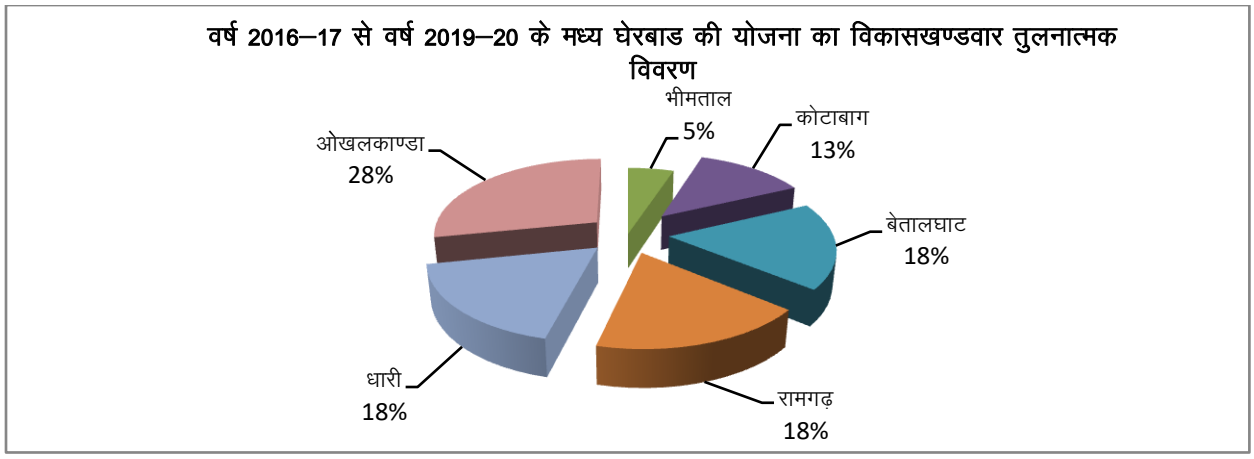

विकासखण्ड स्तर पर योजना के आंकड़ों को देखे तो स्पष्ट होता है कि जनपद के विकासखण्ड भीमताल में सबसे कम 05% तथा सबसे अधिक विकासखण्ड ओखलकाण्डा में 28% घेरबाड का निर्माण किया गया जिसका उद्देश्य है कि जंगली जानवरों से फसलों की सुरक्षा करना। वर्तमान समय में राज्य के पर्वतीय जनपदों में जंगली जानवरों के आंतक की समस्या हर जगह है, विभाग द्वारा इस योजना के लक्ष्यों

को बढ़ाया जाना उचित होगा। जिसके परिणाम स्वरूप पर्वतीय ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा कृषकों को जंगली जानवरों से निजात मिलेगी और उनके उत्पादन और आय में वृद्धि होगी। विकासखण्ड रामनगर और हल्द्वानी में घेरबाड हेतु आंकड़ें शून्य रहते है, क्योंकि उक्त विकासखण्डों का अधिकांश भाग मैदानी क्षेत्र में आता है।

वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य वर्मी कम्पोस्ट यूनिट निर्माण का विकासखण्डवार तुलनात्मक विवरण

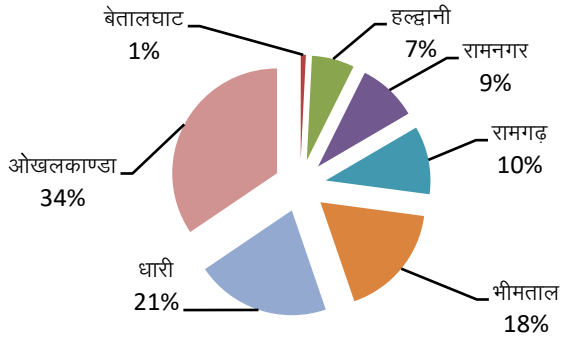

विगत चार वर्षों के लिए विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि वर्मी कम्पोस्ट यूनिट निर्माण में जनपद का विकासखण्ड बेतालघाट द्वारा सबसे कम 01% तथा विकासखण्ड ओखलकाण्डा द्वारा 34% का योगदान किया जाता है, जबकि विकासखण्ड कोटाबाग हेतु उक्त आंकड़ें शून्य रहते है। विभाग को चाहिए कि इस मद में प्राप्त हो रही धनराशि को विकास विभाग की मनरेगा योजना से युगपतिकरण करते हुए कार्ययोजना तैयार करे, जिससे विभाग अधिक से अधिक कृषकों को वर्मी कम्पोस्ट यूनिट निर्माण से लाभान्वित करने में सफल होगा।

प्रधानमंत्री कृषि सिचाई योजना:– विभाग द्वारा इस योजना के तहत टपक सिचाई, मिनी स्प्रींकलर, माइक्रो स्प्रींकलर और रैनगर जैसे कार्यक्रम सम्पादित किये जा रहे हैं जिनके आंकड़ों का विश्लेषण निम्नवतरूप से है :–

(1) **टपक सिचाई :–** विगत चार वर्षों हेतु टपक सिंचाई के लिए प्राप्त आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि टपक सिंचाई का प्रचलन सबसे अधिक विकासखण्ड बेतालघाट में हुआ है जबकि विकासखण्ड कोटाबाग में अपेक्षाकृत बहुत कम दिखाई देता है। रामनगर विकासखण्ड द्वारा अन्य विकासखण्डों की अपेक्षा कम लागत में अधिक क्षेत्रफल को टपक सिंचाई से आच्छादित किया गया। आंकड़ों को निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में दर्शाया गया है।

प्रधानमंत्री कृषि सिचाई योजना के अन्तर्गत टपक सिंचाई का वर्षवार/विकासखण्डवार भौतिक एवं वित्तीय विवरण									
क्र0 स0	वर्ष/विकासखण्ड	भौतिक प्रगति (इकाई हेक्टेयर में)				वित्तीय प्रगति (लाख में)			
		2016–17	2017–18	2018–19	2019–20	2016–17	2017–18	2018–19	2019–20
1	ओखलकाण्डा	7.20	4.20	0.80	0.80	1.83	1.45	0.30	0.35
2	बेतालघाट	2.20	16.00	27.40	0.00	0.70	4.93	8.97	0.00

3	भीमताल	0.00	0.40	2.80	1.20	0.00	0.15	2.16	0.61
4	कोटाबाग	0.00	0.00	0.00	2.20	0.00	0.00	0.00	1.31
5	रामनगर	5.00	0.00	1.80	0.40	1.20	0.00	1.19	0.37
6	रामगढ़	22.20	4.40	0.80	7.60	4.76	1.19	0.30	2.82
7	हल्द्वानी	0.00	0.00	6.00	0.00	0.00	0.00	2.76	0.00
8	धारी	3.00	2.00	0.60	0.00	1.00	0.75	0.55	0.00
योग		**39.60**	**27.00**	**40.20**	**12.20**	**9.49**	**8.47**	**16.23**	**5.46**

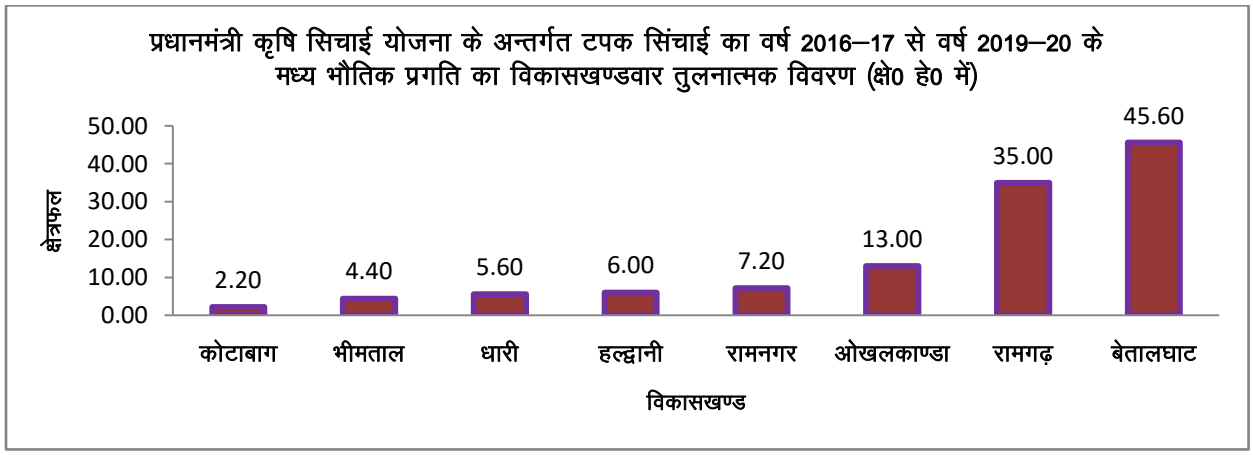

(2) **मिनी स्प्रींकलर सिचाई** :–मिनी स्प्रींकलर सिचाई हेतु विगत चार वर्षों के आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि जनपद के विकासखण्ड बेतालघाट, भीमताल और हल्द्वानी के लिए उल्लिखित सिंचाई मद में जहाँ आंकड़ें शून्य रहे वहीं विकासखण्ड कोटाबाग और रामनगर में अपेक्षाकृत कम रहे। विकासखण्ड ओखलकाण्डा द्वारा अन्य विकासखण्डों की अपेक्षा अधिक लागत में कम क्षेत्रफल को आच्छाादित किया गया। आंकड़ों को निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में प्रदर्शित किया गया है।

प्रधानमंत्री कृषि सिचाई योजना के अन्तर्गत मिनी स्प्रींकलर सिंचाई का वर्षवार/विकासखण्डवार भौतिक एवं वित्तीय विवरण									
क्र0 स0	वर्ष/विकासखण्ड	भौतिक प्रगति (इकाई हेक्टेयर में)				वित्तीय प्रगति (लाख में)			
		2016–17	2017–18	2018–19	2019–20	2016–17	2017–18	2018–19	2019–20
1	ओखलकाण्डा	4.40	0.40	2.00	8.40	2.84	0.28	1.42	6.25
4	कोटाबाग	0.00	0.00	0.40	0.00	0.00	0.00	0.28	0.00
5	रामनगर	0.80	0.00	0.40	0.40	0.51	0.00	0.28	0.28
6	रामगढ़	6.40	3.60	7.60	3.60	4.20	2.83	5.37	2.56
8	धारी	0.40	4.40	8.80	3.20	0.28	3.12	6.26	2.27
योग		12.00	8.40	19.20	15.60	7.83	6.23	13.61	11.36

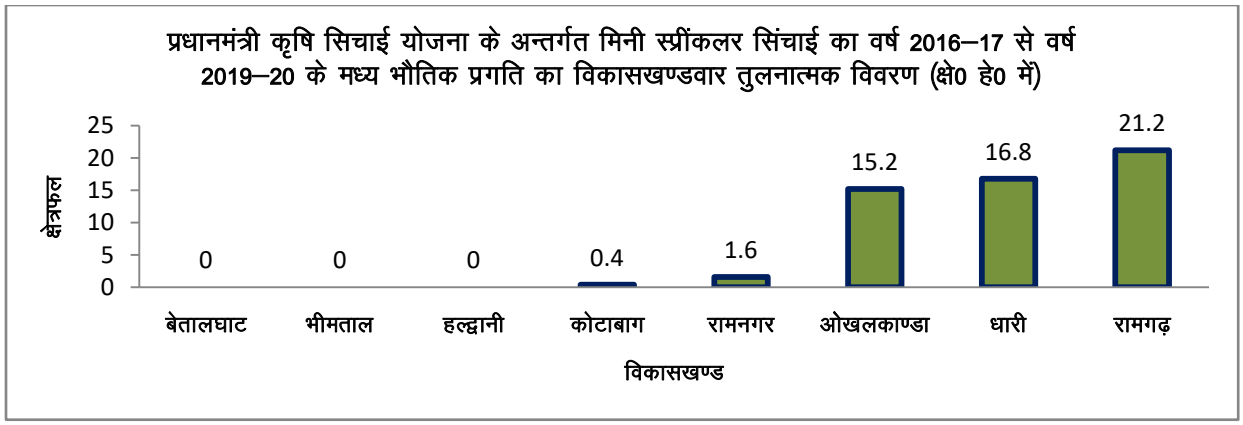

(3) **माइक्रो स्प्रींकलर सिचाई** :–विभाग की माइक्रो स्प्रींकलर सिचाई हेतु पिछले चार वर्षों के आंकड़ों से ज्ञात होता है कि विकासखण्ड रामनगर और हल्द्वानी के लिए उल्लिखित सिंचाई मद में जहाँ आंकड़ें शून्य रहे वहीं विकासखण्ड भीमताल और कोटाबाग में अपेक्षाकृत कम रहे। आंकड़ों को निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में प्रदर्शित किया गया है।

प्रधानमंत्री कृषि सिचाई योजना के अन्तर्गत माइको स्प्रींकलर सिंचाई का वर्षवार/विकासखण्डवार भौतिक एवं वित्तीय विवरण

क्र0 स0	वर्ष/विकासखण्ड	भौतिक प्रगति (इकाई हेक्टेयर में)				वित्तीय प्रगति (लाख में)			
		2016–17	2017–18	2018–19	2019–20	2016–17	2017–18	2018–19	2019–20
1	ओखलकाण्डा	5.20	6.80	6.80	9.60	2.30	2.96	3.80	4.68
2	बेतालघाट	0.00	4.40	12.00	0.00	0.00	2.87	6.10	0.00
3	भीमताल	0.00	0.40	0.20	0.40	0.00	0.20	0.10	0.15
4	कोटाबाग	0.00	0.00	0.00	2.00	0.00	0.00	0.00	1.02
6	रामगढ़	4.00	3.20	0.40	4.80	1.76	1.63	0.20	2.44
8	धारी	4.40	6.80	16.40	0.00	2.24	3.46	8.35	0.00
योग		**13.60**	**21.60**	**35.80**	**16.80**	**6.30**	**11.12**	**18.55**	**8.29**

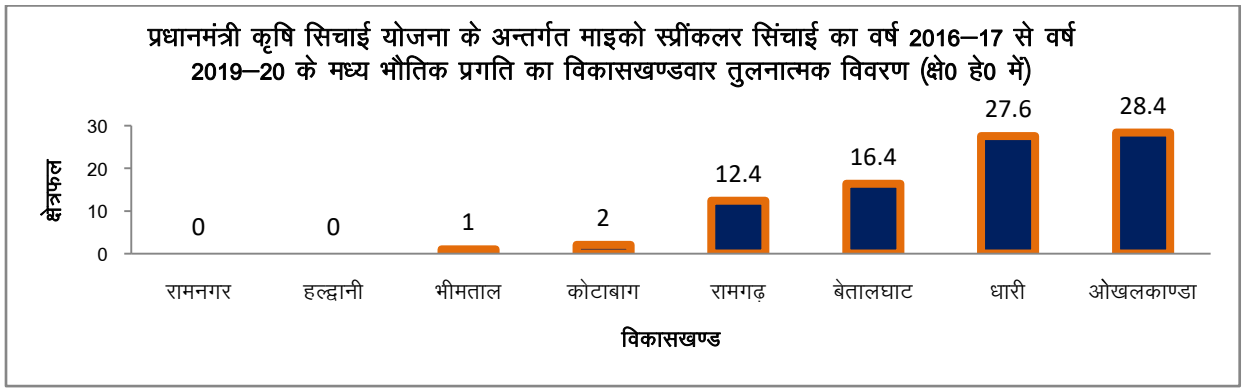

प्रधानमंत्री कृषि सिचाई योजना के अन्तर्गत सिचाई हेतु सम्मिलित मदों में विकासखण्ड हल्द्वानी, भीमताल, रामनगर और कोटाबाग के आंकडें अन्य विकासखण्डों की अपेक्षा शून्य होने के साथ–साथ बहुत न्यून भी हैं। विभाग को चाहिए जनपद के पर्वतीय क्षेत्र हों या मैदानी क्षेत्र टपक सिंचाई, मिनी स्प्रींकलर सिंचाई, माइक्रो स्प्रींकलर सिंचाई, पोर्टेबल स्प्रींकलर सिंचाई का प्रचलन अधिक किये जाने पर ध्यान केन्द्रित करते हुए आगामी कार्ययोजना तैयार करे, क्योंकि इन प्रक्रियाओं से कम पानी में भी अधिक क्षेत्रफल की सिंचाई सम्भव हो सकेगी और कृषकों का उत्पादन बढ़ने के साथ–साथ समय की भी बचत होगी।

भेषज विकास इकाई, नैनीताल उद्यान विभाग

जिला भेषज समन्वयक, भेषज विकास इकाई, नैनीताल के माध्यम से विगत चार वर्षों के मध्य संचालित कार्यक्रमों के तहत जनपद के अन्तर्गत तेजपात, आंवला, बड़ी इलाइची तथा रीठे का रोपण तथा उत्पादन करते हुए जनपद के ग्रामीण परिवारों को रोजगार उपलब्ध करवाया गया जिनके लिए भेषज विकास इकाई नैनीताल द्वारा इन चार वर्षों के दौरान कुल 11 जड़ी–बूटी प्रशिक्षण कैम्पो के माध्यम से 609 परिवारों को प्रशिक्षित भी किया गया।

जनपद में भेषज इकाई द्वारा कुल 06%का परिव्यय तो किया जाता है किन्तु व्यय के सापेक्ष 94% शुद्ध आय भी प्राप्त की जाती है, जो कि इस क्षेत्र में रोजगार के असीम पायदान होने के संकेत प्रदान करता है। जनपद में विगत चार सालों के मध्य कुल 9602.00 कु0 जड़ी–बूटी का उत्पादन किया गया जिसका रामनगर और हल्द्वानी में ही आसानी से विपणन हो जाता है। वर्षवार आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में दर्शाया गया है।

जिला भेषज समन्वयक, भेषज विकास इकाई, नैनीताल द्वारा संचालित कार्यक्रमों का विगत चार सालों का विवरण

वर्ष	भेषज विकास इकाई, उद्यान विभाग, नैनीताल द्वारा संचालित कार्यक्रम		उत्पादन/संख्या (उत्पादन किग्रा/संख्या इकाई में)	लाभान्वित परिवार	कुल व्यय/कुल आय धनराशि रूपये में
2016-17	पौधा रोपण	तेजपात	15500	700	155000.00
		आंवला	1500	118	15000.00
	जड़ी–बूटी प्रशिक्षण कैंप		1	75	9500.00
	कुल व्यय		**NA**	**NA**	**179500.00**
	नाप भूमि जड़ी–बूटी उत्पादन (तेजपात) से कुल आय		222800	110	**11140000.00**
2017-18	पौधा रोपण	तेजपात	18100	794	181000.00
		आंवला	100	210	1000.00
	जड़ी–बूटी प्रशिक्षण कैंप		2	108	21000.00
	कुल व्यय		**NA**	**NA**	**203000.00**
	नाप भूमि जड़ी–बूटी उत्पादन (तेजपात) से कुल आय		248550	118	**12427500.00**

2018-19	पौधा रोपण	तेजपात	17115	448	171150.00
		बड़ी इलाइची	8250	106	82500.00
	जड़ी–बूटी प्रशिक्षण कैंप		4	217	48000.00
	कुल व्यय		**NA**	**NA**	**301650.00**
	नाप भूमि जड़ी–बूटी उत्पादन (तेजपात) से कुल आय		220900	137	11045000.00
	नाप भूमि जड़ी–बूटी उत्पादन (रीठा) से कुल आय		1200	2	60000.00
	कुल आय		**NA**	**NA**	**11406650.00**
2019-20	पौधा रोपण	तेजपात	199870	576	1998700.00
		बड़ी इलाइची	10000	108	100000.00
	जड़ी–बूटी प्रशिक्षण कैंप		4	209	48000.00
	कुल व्यय		**NA**	**NA**	**2146700.00**
	नाप भूमि जड़ी–बूटी उत्पादन (तेजपात) से कुल आय		266750	169	**13337500.00**
विगत चार वर्षों के मध्य आय व्यय				कुल व्यय	**2830850.00**
				कुल आय	**48311650.00**

भेषज विकास इकाई, नैनीताल के द्वारा विगत चार वर्षों के दौरान कुले आय व्यय का विवरण

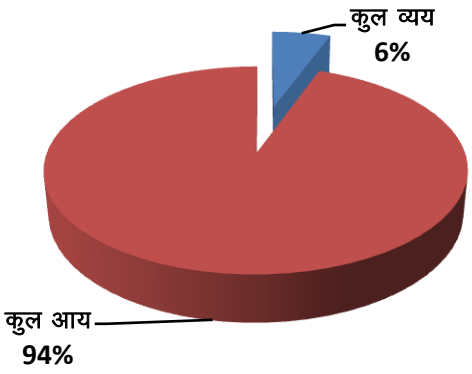

कृषि विभाग

कृषि विभाग द्वारा विगत चार वर्षों के दौरान जिला योजना, राज्य पोषित योजना और केन्द्र पोषित योजनाओ के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों को सम्पादन किया जा रहा है जिनका विश्लेषण निम्नवतरूप से है:–

जिला योजना :–जिला योजनान्तर्गत विगत चार वर्षों के मध्य विभाग द्वारा कुल रूपये 5.35 लाख का परिव्यय करते हुए मात्र 107 कृषक महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया जो कि बहुत न्यून आंकड़ा है, जबकि वर्तमान में पर्वतीय क्षेत्रों में खेती महिलाओं पर निर्भर है। विभाग को धरातल पर नवीनतम कृषि यंत्रों, उपकरणों और वैज्ञानिक विधियों की नवीनतम जानकारी देने का प्राविधान करना चाहिए।

जनपद नैनीताल में पिछले चार वर्षों के मध्य मृदा एवं जल संरक्षण के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि इस मद में विभाग द्वारा कुल रूपये 89.48 लाख का परिव्यय करते हुए 636 हैक्टेयर क्षेत्रफल में कार्य करवाया गया, जिसके लिए पिछले चार वर्षों में हर वर्ष विचलन देखने को मिलता है। उक्त मद जनपद नैनीताल में ही नहीं बल्कि पर्वतीय जनपदों में कृषि उत्पादन के लिए संजीवनी की तरह काम करेगा।

कृषि उत्पादन को बढ़ावा दिये जाने के उद्देश्य से बीज मिनिकिट कार्यक्रम की शुरूवात की गयी थी जिसके लिए नैनीताल जनपद द्वारा कुल रूपये 3.80 लाख का परिव्यय करते हुए मात्र 1152 बीज मिनिकिटों का आंवटन वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य किया गया जिसका प्रदर्शन जनपद में अच्छा रहा। विभाग की उक्त योजना को पुनः बल देने की आवश्यकता है। जिला योजना के आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में प्रदर्शित किये गये हैं।

जिला सैक्टर के अन्तर्गत सम्पादित कार्यक्रमों का वर्षवार विवरण

मद का नाम	इकाई	2016.17		2017.18		2018.19		2019.20	
		भौतिक पूर्ति	वित्तीय पूर्ति	भौतिक पूर्ति	वित्तीय पूर्ति	भौतिक पूर्ति	वित्तीय पूर्ति	भौतिक पूर्ति	वित्तीय पूर्ति
महिला कृषक प्रशिक्षण	सं0	19	1.10	44	2.05	44	2.20	0	0.00
कृषि यंत्रीकरण हेतु 80% मेचिंग ग्रांट	सं0	0	0.00	0	0.00	0	0.00	24	4.00
मृदा एवं जल संरक्षण	है0	99	25.23	285	26.45	85	12.80	167	25.00
कृषि रक्षा रसायन	है0	2816	15.00	2000	9.88	4000	20.00	3200	16.00
बीज मिनिकिट	सं0	352	1.00	800	2.80	0.00	0.00	0.00	0.00

जिला योजनान्तर्गत मृदा एवं जल संरक्षण (इकाई है0 में) मद का वर्षवार तुलनात्मक विवरण

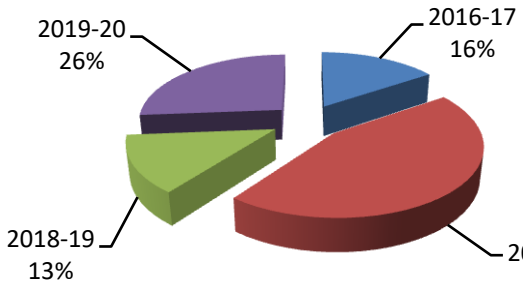

राज्य पोषित :–विभाग द्वारा राज्य योजना की स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लानान्तर्गत विगत चार वर्षों के दौरान कुल रूपये 141.84 लाख की धनराशि का परिव्यय करते हुए मृदा एवं जल संरक्षण के लिए 253है0, कृषि रक्षा रसायन हेतु 249 है0, सूक्ष्म पोषक तत्व हेतु 200 है0, कृषि यंत्र वितरण 576, सिचाई टैंक/छत वर्षा टैंक 47, सिचाई गूल निर्माण 1435 मी0, कृषि प्रशिक्षण 12, बीज मिनिकिट 580, पौध सुरक्षा कार्यक्रम 125 है0 तथा फल पौध वितरण 3.7है0 का लक्ष्य प्राप्त किया गया है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है।

राज्य योजना की स्पेशल कम्पोनेन्ट प्लानान्तर्गत वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य सम्पादित किये गये कार्यक्रमों का वर्षवार विवरण

मद का नाम	इकाई	2016–17		2017–18		2018–19		2019–20		विगत वर्षों का योग	
		भौतिक प्रगति	वित्तीय प्रगति	भौतिक प्रगति	वित्तीय प्रगति	भौतिक प्रगति	वित्तीय प्रगति	भौतिक प्रगति	वित्तीय प्रगति	भौतिक प्रगति	वित्तीय प्रगति
मृदा एवं जल संरक्षण	है0	65	30.00	71	26.84	88	15.00	29	70.00	253	141.84
कृषि रक्षा रसायन	है0	130		44		75		0		249	
सूक्ष्म पोषक तत्व	है0	200		0		0		0		200	
कृषि यंत्र वितरण	सं0	195		157		19		205		576	
सिचाई टैंक/छत वर्षा टैंक	सं0	10		13		8		16		47	
सिचाई गूल निर्माण	मी0	385		0		100		950		1435	
कृषि प्रशिक्षण	सं0	5		5		2		0		12	
बीज मिनिकिट	सं0	0		230		120		230		580	
पौध सुरक्षा कार्यक्रम	है0	0		0		0		125		125	
फल पौध वितरण	है0	0		0		0		3.7		3.7	

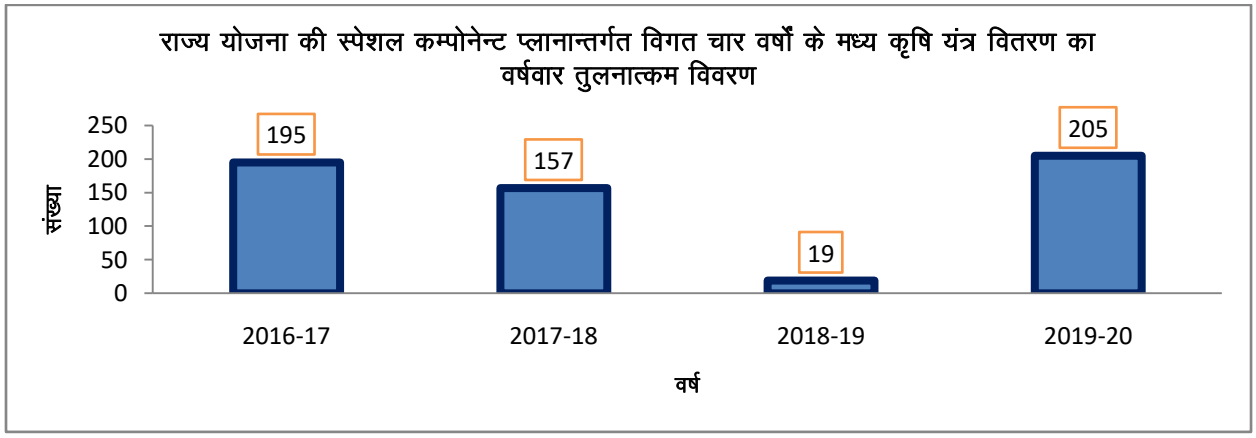

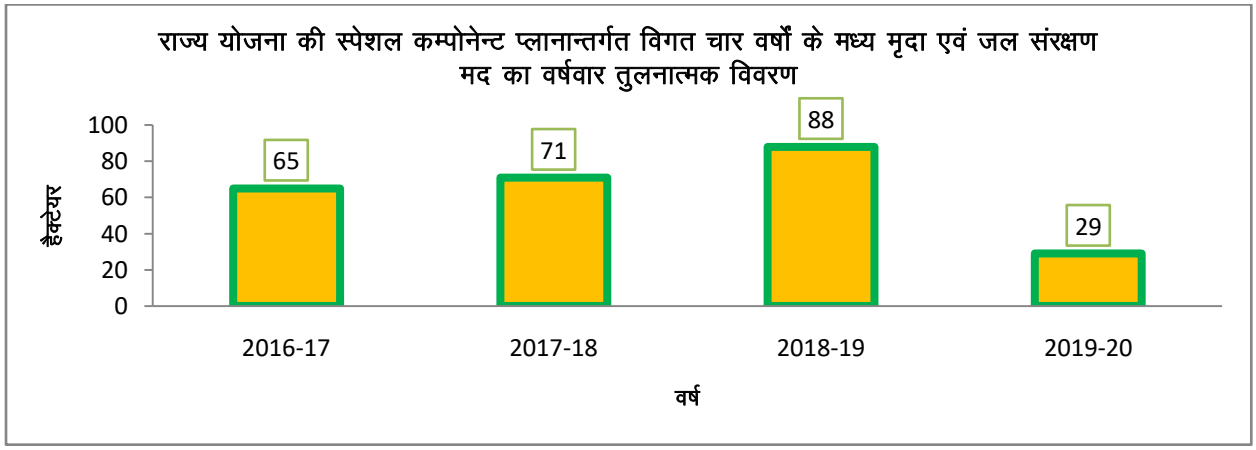

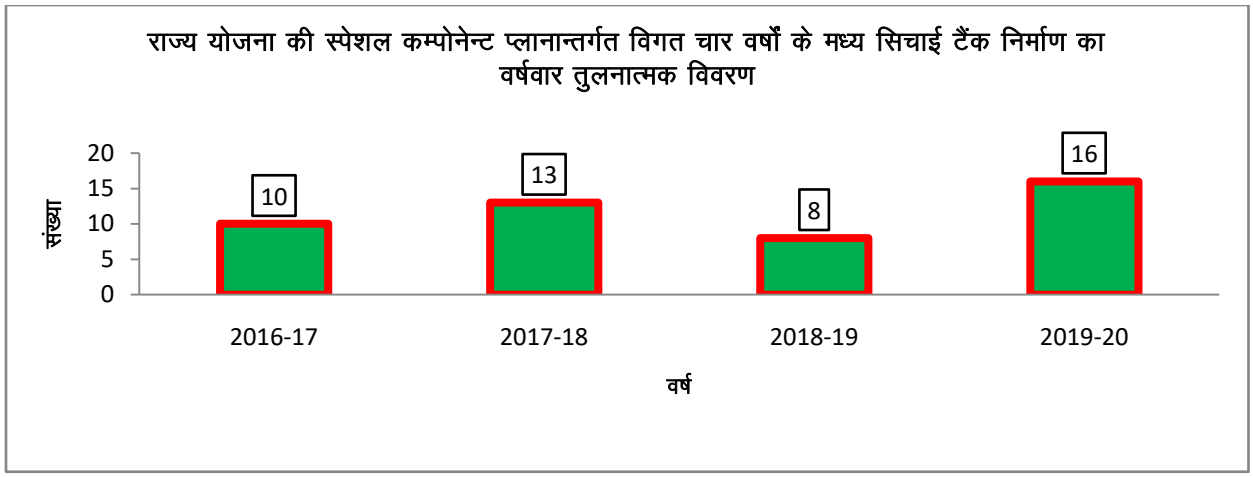

केन्द्र पोषित :–विभाग द्वारा केन्द्र पोषित योजना की जैविक कृषि कार्यक्रम के अन्तर्गत विगत चार वर्षों के दौरान कुल रूपये 75.06 लाख की धनराशि का परिव्यय करते हुए वर्मी पिट 567, नैडेप 255, बम्बू नैपेड 20, ग्राम स्तरीय प्रशिक्षण 37, कृषकों का अनावरण भ्रमण 437 तथा जैव उर्वरक वितरण हेतु 535 का लक्ष्य प्राप्त किया गया है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है।

केन्द्रपोषित योजना की जैविक कृषि कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य सम्पादित मदों का वर्षवार विवरण

मद का नाम	इकाई	2016–17		2017–18		2018–19		2019–20		विगत वर्षों का योग	
		भौतिक प्रगति	वित्तीय प्रगति	भौतिक प्रगति	वित्तीय प्रगति	भौतिक प्रगति	वित्तीय प्रगति	भौतिक प्रगति	वित्तीय प्रगति	भौतिक प्रगति	वित्तीय प्रगति
वर्मी पिट	सं0	146	19.55	121	21.33	200	15.22	100	18.96	567	75.06
नैडेप	सं0	66		27		110		52		255	
बम्बू नैपेड	सं0	20		0		0		0		20	
ग्राम स्तरीय प्रशिक्षण	सं0	0		12		15		10		37	
कृषकों का अनावरण भ्रमण	सं0	0		7		340		90		437	
जैव उर्वरक वितरण	किग्रा/ लीटर	0		0		310		225		535	

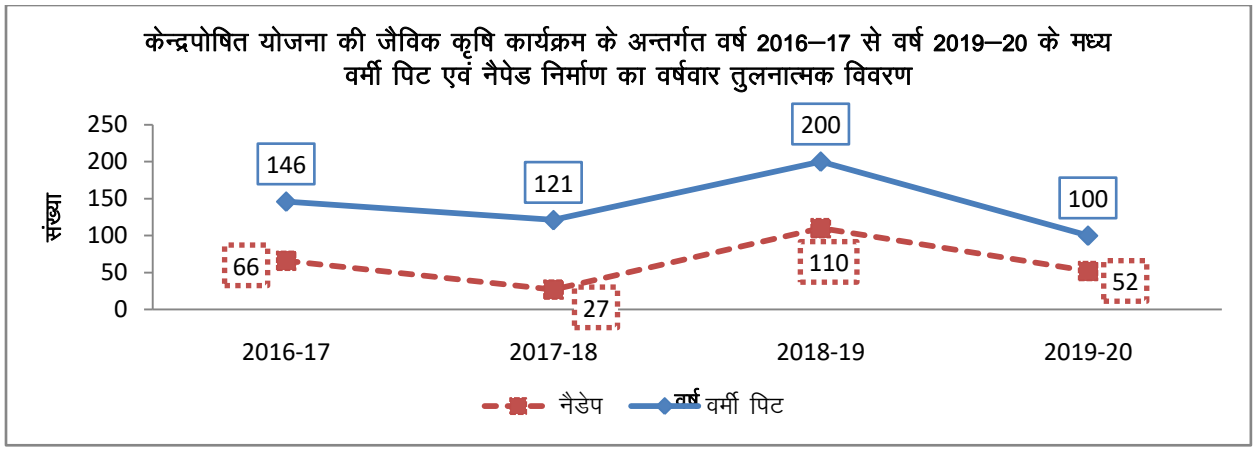

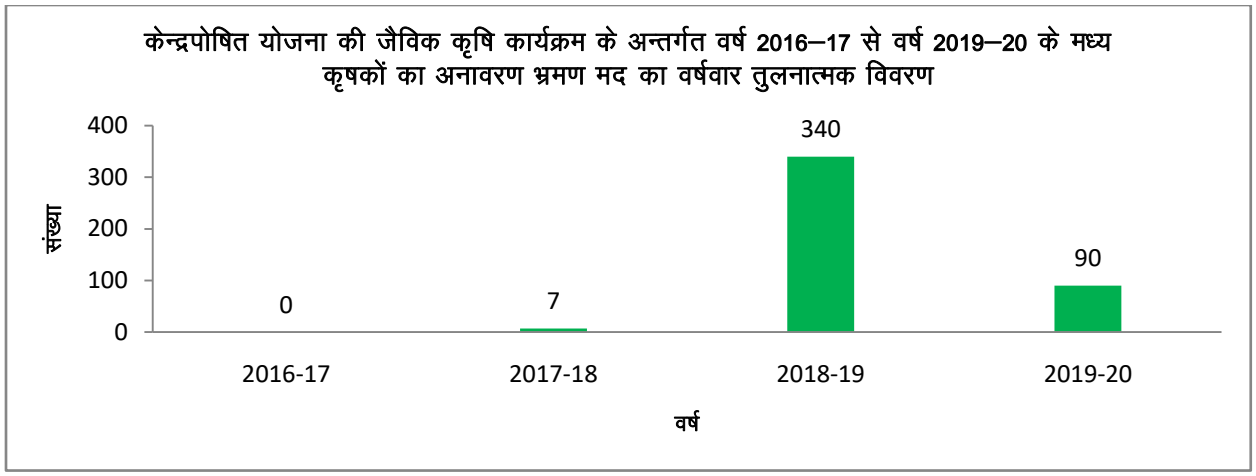

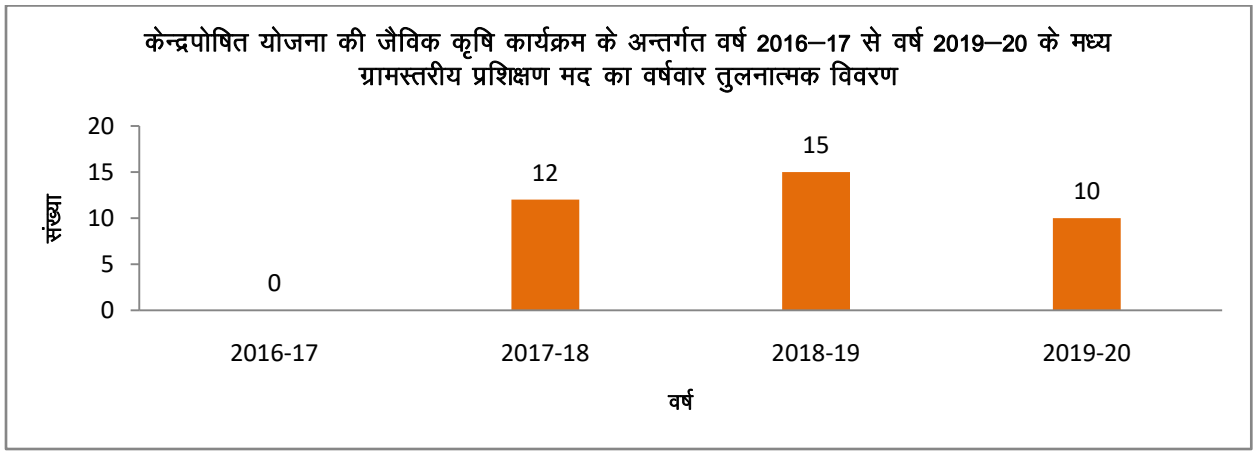

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना :–जनपद नैनीताल में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अन्तर्गत वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य कृषि विभाग द्वारा कुल रूपये 666.95 लाख का परिव्यय करते हुए जनपद के विकासखण्डों में घेरबाड निर्माण हेतु कुल 29315मी0, दैवीय आपदा मद में 841 है0, कृषि यंत्रीकरण के लिए 1593 यंत्र, बहुद्देशीय जल सम्भरण टैंक निर्माण में 55, कृषक महोत्सव हेतु 89 और बोरान परीक्षण कार्यक्रम हेतु 25 लक्ष्यों को प्राप्त किया गया है।

पर्वतीय बीज उत्पादन कार्यक्रम :–पर्वतीय बीज उत्पादन कार्यक्रम के लिए विभाग द्वारा विगत वर्ष 2018–19 से वर्ष 2019–20 के मध्य कुल रूपये 35.71 लाख का परिव्यय करते हुए जनपद के लिए कुल 833.73 कुन्तल बीज उत्पादन किया गया, जो कि उत्तराखण्ड राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों के लिए उचित योजना संचालित की गई है, जिसका भविष्य में भी लगातार अनुसंधान करते हुए अधिक उत्पादन देने वाले बीज तैयार किये जाने चाहिए। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है।

केन्द्रपोषित योजना के अन्तर्गत वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य सम्पादित मदों का वर्षवार विवरण											
मद का नाम	इकाई	2016–17		2017–18		2018–19		2019–20		विगत वर्षों का योग	
		भौतिक प्रगति	वित्तीय प्रगति	भौतिक प्रगति	वित्तीय प्रगति	भौतिक प्रगति	वित्तीय प्रगति	भौतिक प्रगति	वित्तीय प्रगति	भौतिक प्रगति	वित्तीय प्रगति
घेरबाड	मी0	1567	29.84	5056	36.58	11240	97.66	11452	77.28	29315	241.36
देवीय आपदा	है0	444	114.98	397	46.11	0	0.00	0	0.00	841	161.09
कृषि यंत्रीकरण	सं0	1110	21.25	449	55.79	34	9.38	0	0.00	1593	86.42
बहुद्देशीय जल सम्भरण टैंक	सं0	6	39.87	46	61.39	0	45.13	3	13.50	55	159.89
कृषक महोत्सव	सं0	45	5.70	44	5.50	0	0.00	0	0.00	89	11.20
बोरान परीक्षण	सं0	0	6.99	25	0.00	0	0.00	0	0.00	25	6.99

केन्द्रपोषित योजना के अन्तर्गत वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य घेरबाड निर्माण का वर्षवार तुलनात्मक प्रतिशत विवरण

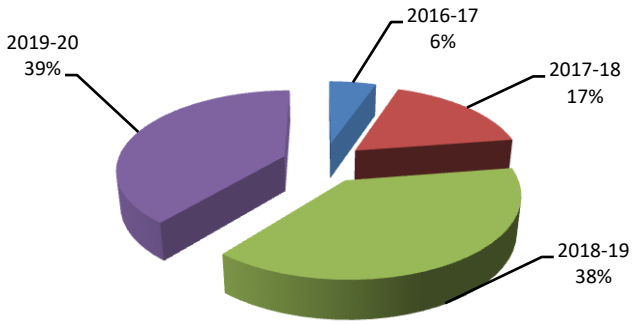

केन्द्रपोषित योजना के अन्तर्गत वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य कृषि यंत्रीकरण का वर्षवार तुलनात्मक प्रतिशत विवरण

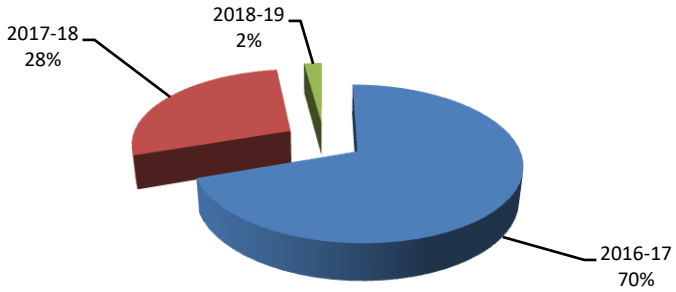

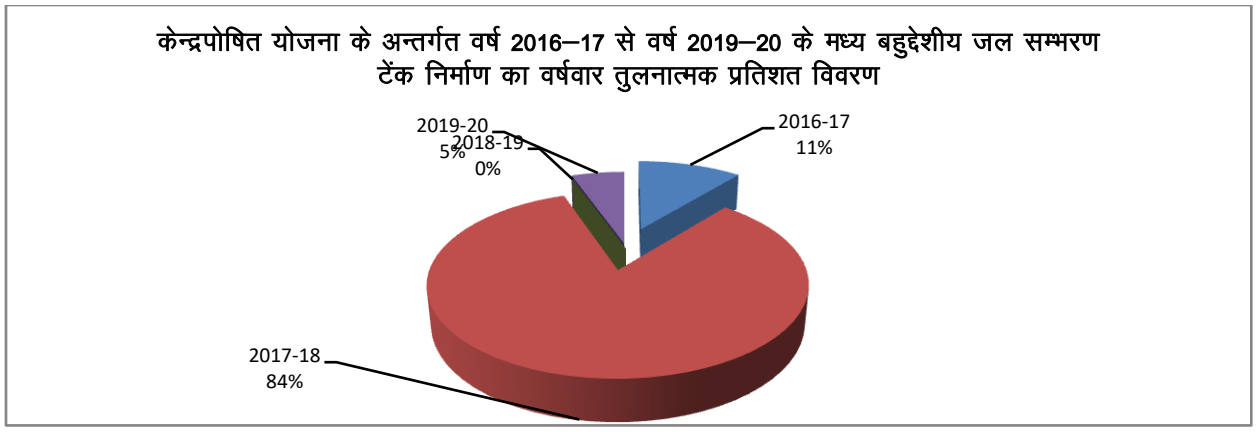

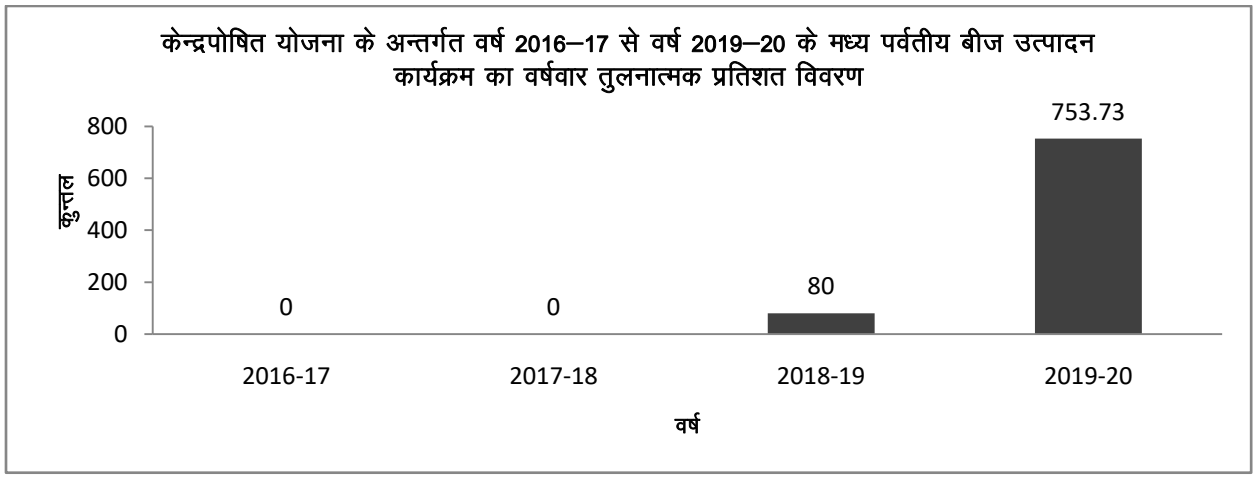

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन :–विभाग द्वारा केन्द्र पोषित योजना की राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अन्तर्गत पिछले चार वर्षों के दौरान कुल रूपये 368.36 लाख की धनराशि का परिव्यय करते हुए कलस्टर प्रदर्शन हेतु 1838है0, क्रोपिंग सिस्टम बेस्ड प्रदर्शन में 266है0, बीज वितरण के लिए 3311कु0, पादप तथा मृदा प्रबन्धन में 10209है0, रिसोर्स कन्जरवेशन तकनीकी में 294, जल सम्भरण हेतु पाईप वितरण 18202मी0 तथा पम्प सैट वितरण के लिए 03का लक्ष्य प्राप्त किया गया है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है।

केन्द्रपोषित योजना के अन्तर्गत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन हेतु वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य सम्पादित मदों का वर्षवार विवरण											
मद का नाम	इकाई	2016–17		2017–18		2018–19		2019–20		विगत वर्षों का योग	
		भौतिक प्रगति	वित्तीय प्रगति	भौतिक प्रगति	वित्तीय प्रगति	भौतिक प्रगति	वित्तीय प्रगति	भौतिक प्रगति	वित्तीय प्रगति	भौतिक प्रगति	वित्तीय प्रगति
1.कलस्टर प्रदर्शन	है0	675	74.15	260	59.52	453	140.07	450	94.62	1838	368.36
2.क्रोपिंग सिस्टम बेस्ड प्रदर्शन	है0	20		90		96		60		266	
3.बीज वितरण	कु0	778		883		1100		550		3311	
4.पादप तथा मृदा प्रबन्धन	है0	2361		600		6045		1203		10209	
5.रिसोर्स कन्जरवेशन तकनीकी	सं0	95		0		199		0		294	
6.जल सम्भरण हेतु पाईप वितरण	मी0	7300		2100		3795		5007		18202	
7. पम्प सैट वितरण	सं0	2		1		0		0		3	

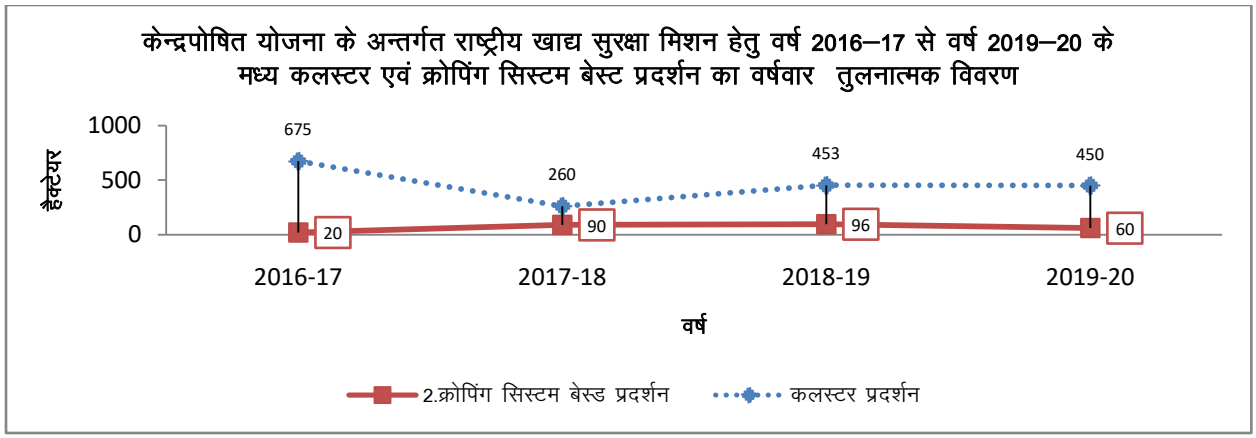

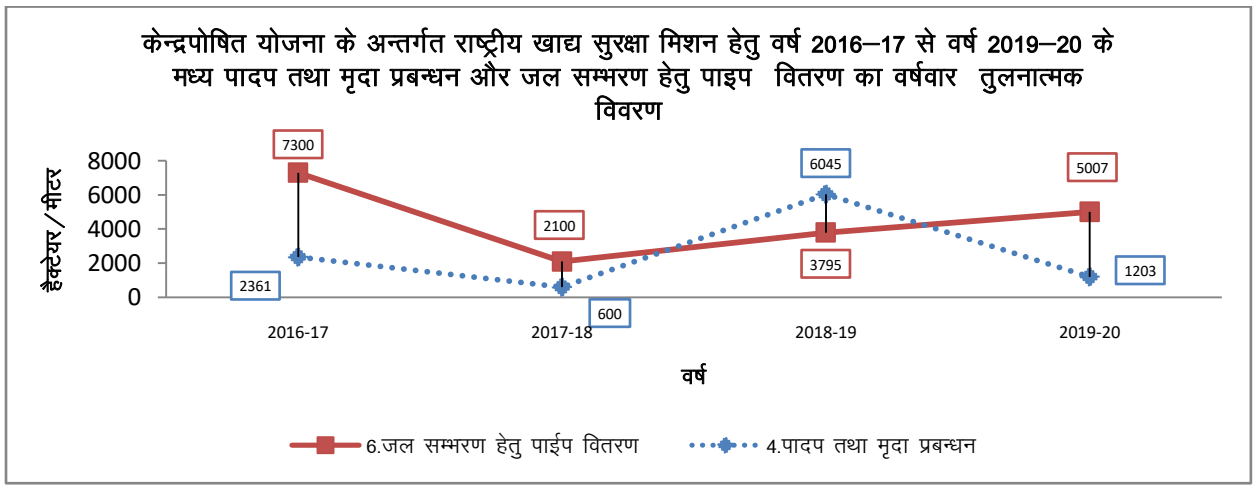

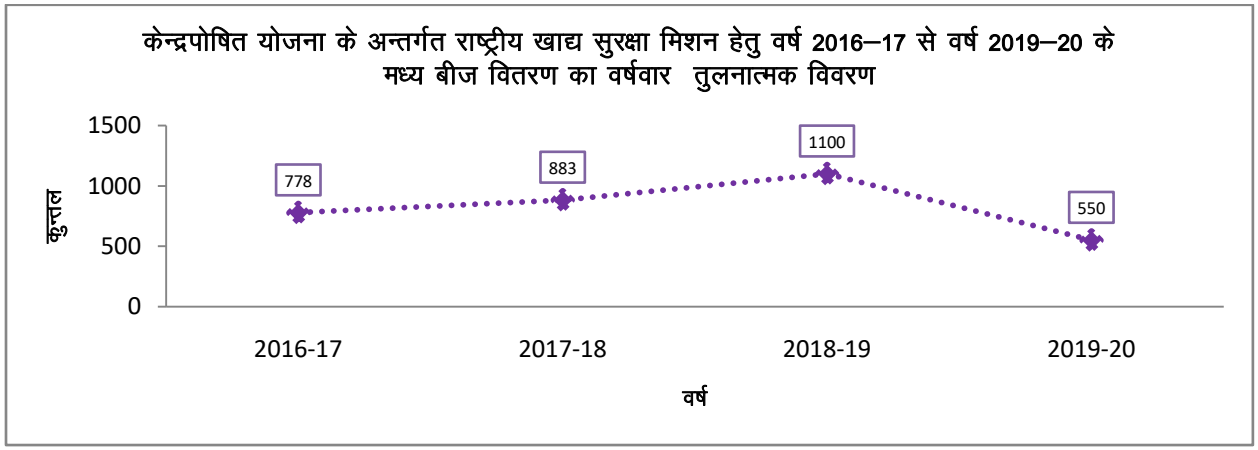

बीज ग्राम योजना (केन्द्रपोषित) :–उल्लेखित योजना **बीज ग्राम योजना (केन्द्रपोषित)** के अन्तर्गत पिछले चार वर्षों के दौरान कुल रूपये 107.9 लाख की धनराशि का परिव्यय करते हुए बीज वितरण हेतु 4531.6 कु0 बीज तथा 71 बीज ग्राम प्रशिक्षण का लक्ष्य प्राप्त किया गया है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है।

बीज ग्राम योजना (केन्द्रपोषित) हेतु वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य सम्पादित मदों का वर्षवार विवरण											
मद का नाम	इकाई	2016–17		2017–18		2018–19		2019–20		विगत वर्षों का योग	
		भौतिक प्रगति	वित्तीय प्रगति	भौतिक प्रगति	वित्तीय प्रगति	भौतिक प्रगति	वित्तीय प्रगति	भौतिक प्रगति	वित्तीय प्रगति	भौतिक प्रगति	वित्तीय प्रगति
बीज वितरण	कु0	1759	23.98	1807	38.52	278	10.53	687.60	34.91	4531.6	107.9
बुखारी वितरण	सं0	0		0		0.00		0		0	
प्रशिक्षण	सं0	4		25		17		25		71	

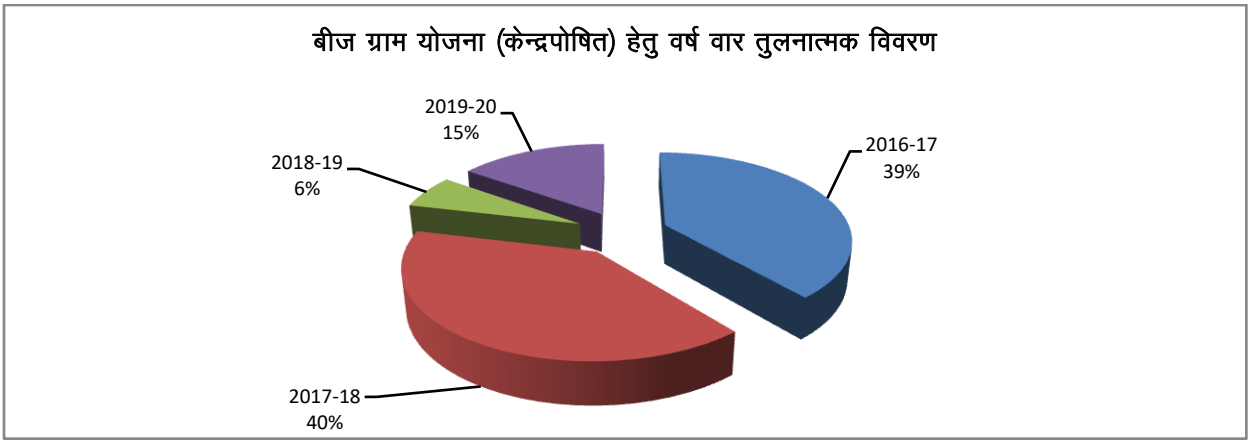

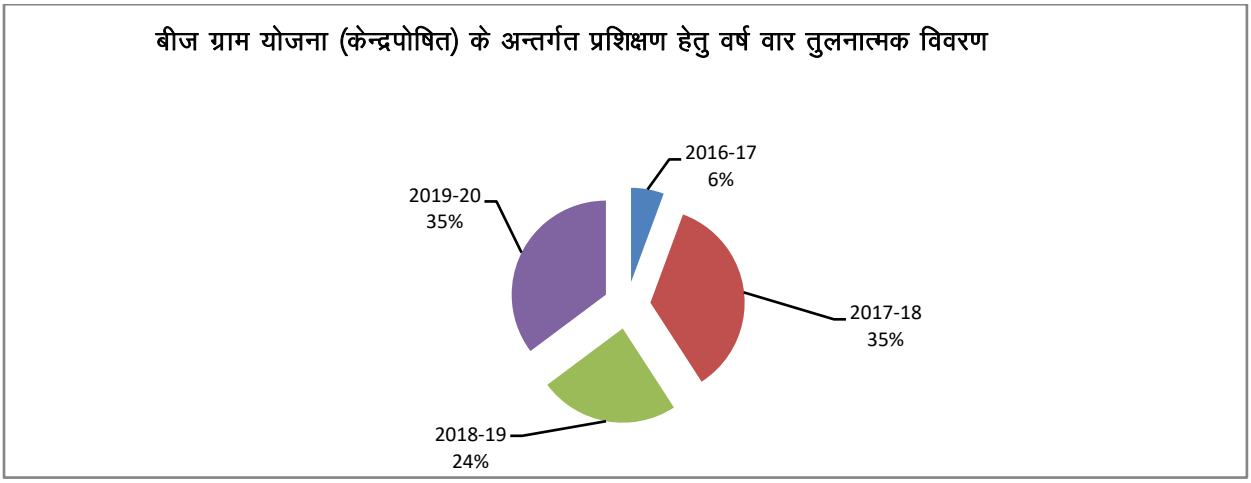

NMSA-PKVY (परम्परागत कृषि विकास योजना) एवं NMSA- Soil Health card हेतु वर्षवार विवरण											
मद का नाम	इकाई	2016–17		2017–18		2018–19		2019–20		विगत वर्षों का योग	
		भौतिक प्रगति	वित्तीय प्रगति	भौतिक प्रगति	वित्तीय प्रगति	भौतिक प्रगति	वित्तीय प्रगति	भौतिक प्रगति	वित्तीय प्रगति	भौतिक प्रगति	वित्तीय प्रगति
NMSA-PKVY (परम्परागत कृषि विकास योजना)	कलस्टर सं0	15	25.29	15	88.20	197	330.66	197	320.21	424	764.36
NMSA- Soil Health card	सं0	5410	2.46	4448	16.32	47555	15.77	358	7.89	57771	42.44

विभाग द्वारा जिला योजना, राज्य पोषित योजना तथा केन्द्रपोषित योजनाओं हेतु प्राप्त आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि विगत वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य लक्ष्य प्राप्ति में अधिक मात्रा से विचलन देखने को मिलता है जो पर्वतीय क्षेत्रों से हो रहे पलायन की पुष्टि करता है।

विभाग द्वारा जहाँ विगत इन वर्षों के दौरान कुल रूपये 5707.64 लाख की धनराशि का परिव्यय करते हुए जिला योजना, राज्य पोषित योजना तथा केन्द्रपोषित योजनाओं के अन्तर्गत विभिन्न मदों में लगभग 44 से 49 कार्यक्रम संचालित किये गये वही जनपद के पर्वतीय क्षेत्रों में कृषि के प्रति रूचि में कमी देखी गयी जबकि विभाग के बजट में वृद्धि हुई। जिसका विवरण निम्नवत ग्राफ में दर्शाया गया है।

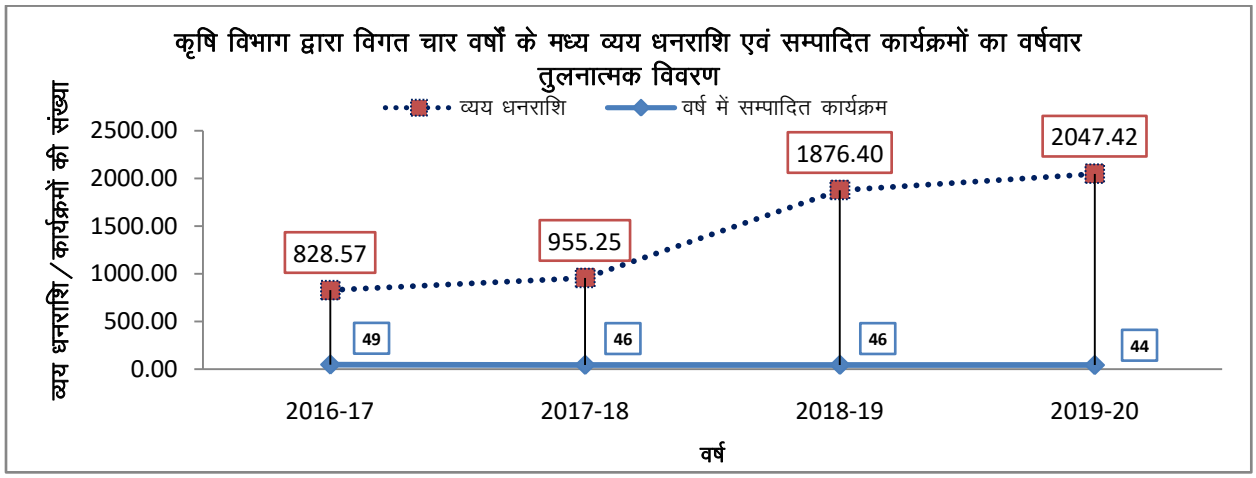

विभाग की सभी योजनाएं कृषि उत्थान के लिए उचित हैं किन्तु कृषकों को पूर्ण वैज्ञानिक एवं नई तकनीकी जानकारी, अनुश्रवण एवं सर्वेक्षण के बिना कार्यक्रमों का सफल होना सम्भव नहीं है। विभाग को अपनी कार्यशैली में बदलाव लाते हुए कृषकों की उन्नति के साथ जनपद की सामाजिक–आर्थिक विकास को सुदृढ़ करने एवं पलायन पर अंकुश लगाने में सहयोग प्रदान करना चाहिए।

खरीफ फसल :–जनपद नैनीताल में विगत चार वर्षों के लिए खरीफ की फसल हेतु विभाग से प्राप्त आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि जनपद में मण्डुवा, सावां, रामदाना, अन्य धान्य, गहत, तोर/अरहर, राजमा, सोयाबीन, तथा कुल तिलहन आदि फसलों के क्षेत्रफल, उत्पादन एवं उत्पादकता में गिरावट देखी गई, साथ ही मूंगफली की फसल के लिए उत्पादन और उत्पादकता में कमी हुई अर्थात कृषकों द्वारा उन्नत किस्म के नये प्रमाणित बीज उपयोग में नहीं लाये जा रहे है या उनको उपलब्ध नहीं करवाये जा रहें है, या बीजों की प्रमाणिकता में कमी है। विभाग को इस ओर ध्यान केन्द्रित करते हुए कृषकों को उन्नत किस्म के प्रमाणित बीज उपलब्ध करवाने की आगामी कार्ययोजना बनाने की आवश्यकता है, ताकि भविष्य में कृषकों को कम क्षेत्रफल पर ही अधिक उत्पादन प्राप्त हो सके और पलायन पर अंकुश लगाने में सहयोग प्राप्त हो सके क्योंकि उत्पादन में वृद्धि होने से आय में भी बढोत्तरी होगी, जिससे कृषकों में खेती करने की और रूचि भी बढेगी। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिकाओं में प्रदर्शित किया गया है।

मुख्य फसलों के क्षेत्रफल, उत्पादन एवं उत्पादकता के आंकड़े													
क्षेत्रफल-हेक्टेयर में,उत्पादन-मीट्रिक टन में,उत्पादकता-कुन्तल प्रति हेक्टेयर में													
क्र.सं.	वर्ष	चावल (खरीफ)			मक्का (खरीफ)			मण्डुवा			सावां		
		क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता
1	2016–17	10829	30339	28	3430	4575	13	2264	3348	15	719	1057	15
2	2017–18	10925	37424	34.26	3384	4484	13.25	1903	3111	16.35	211	308	14.6
3	2018–19	10974	35157	32.04	3107	4117	13.25	1294	1517	11.72	230	276	12
4	2019–20	10893	36086	33.13	3785	5072	13.4	1999	2874	14.38	199	228	11.46
वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य बदलाव		**64**	**5747**	**5.13**	**355**	**497**	**0.4**	**-265**	**-474**	**-0.62**	**-520**	**-829**	**-3.54**

क्र.सं.	वर्ष	रामदाना			अन्य धान्य			कुल धान्य (खरीफ)			उर्द (खरीफ)		
		क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता
1	2016–17	5	3	6	2	1	5	17249	39323	23	1338	958	7
2	2017–18	6	4	6.67	0	0	0	16429	45331	27.59	1297	941	7.26
3	2018–19	11	7	6.36	0	0	0	15616	41074	26.3	1634	1816	11.11
4	2019–20	0	0	0	0	0	0	16876	44260	26.23	1809	2098	11.6
वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य बदलाव		**-5**	**-3**	**-6**	**-2**	**-1**	**-5**	**-373**	**4937**	**3**	**471**	**1140**	**5**

क्र.सं.	वर्ष	गहत/कुल्थी			तोर/अरहर			राजमा			भट्ट		
		क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता
1	2016–17	772	720	9	6	3	5	98	118	12	328	297	9
2	2017–18	878	922	10.5	0	0	0	66	80	12.12	375	341	9.09
3	2018–19	821	739	9	1	1	10	185	223	12.05	364	332	9.12
4	2019–20	688	681	9.9	2	1	5	137	147	10.73	298	379	12.72
वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य बदलाव		**-84**	**-39**	**0.9**	**-4**	**-2**	**0**	**-48**	**-76**	**-1.32**	**-30**	**82**	**3.72**

क्र.सं.	वर्ष	अन्य दालें (खरीफ)			कुलदालें (खरीफ)			कुल खाद्यान (खरीफ)			मूंगफली		
		क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता
1	2016–17	470	235	5	3012	2331	8	20261	41654	21	0	0	0
2	2017–18	81	41	5.1	2710	2332	8.61	19139	47663	24.9	109	150	13.76
3	2018–19	496	254	5.12	3501	3365	9.61	19117	44439	23.25	120	125	10.42
4	2019–20	399	247	6.19	3333	3553	10.66	20209	47813	23.66	0	0	0
वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य बदलाव		**-71**	**12**	**1.19**	**321**	**1222**	**2.66**	**-52**	**6159**	**2.66**	**11**	**-25**	**-3.34**

क्र.सं.	वर्ष	तिल			सोयाबीन			अन्य तिलहन (खरीफ)			कुलतिलहन (खरीफ)		
		क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता
1	2016–17	13	1	1	6146	8389	14	31	22	7	6190	8412	13.59
2	2017–18	15	2	1.33	5780	8063	13.95	0	0	0	5904	8215	13.91
3	2018–19	23	3	1.3	4957	5329	10.75	1	1	10	5101	5458	10.7
4	2019–20	27	3	1.11	4087	4210	10.3	50	33	6.6	4164	4246	10.2
वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य बदलाव		14	2	0.11	-2059	-4179	-3.7	19	11	-0.4	-2026	-4166	-3.39

रबी फसल :–विगत चार वर्षों के लिए रबी की फसल हेतु विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जहाँ एक ओर मटर तथा अन्य दाल आदि फसलों के क्षेत्रफल, उत्पादन एवं उत्पादकता में गिरावट देखी गई, वहीं दूसरी ओर चावल, चना, आदि फसलों के लिए उत्पादन और उत्पादकता में कमी हुई, अर्थात जहाँ क्षेत्रफल में वृद्धि होती है वहीं उत्पादन और उत्पादकता में कमी आना, उपयोग में लाये गये बीज की उन्नत प्रमाणिकता की ओर संदेह उत्पन्न करता है। विभाग को इस ओर ध्यान की आवश्यकता है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिकाओं में दर्शाया गया है।

रबी फसल वर्ष													
मुख्य फसलों के क्षेत्रफल, उत्पादन एवं उत्पादकता के आंकड़े													
क्षेत्रफल–हेक्टेयर में, उत्पादन–मीट्रिक टन में, उत्पादकता–कुन्तल प्रति हेक्टेयर में													
क्र.सं.	वर्ष	गेहूं			जौ			अन्य धान्य (रबी)			कुल धान्य (रबी)		
		क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता
1	2016–17	22473	62566	27.841	542	742	13.69	0	0	0	23015	63308	27.507
2	2017–18	21288	63942	30.037	613	882	14.388	0	0	0	21901	64824	29.599
3	2018–19	21830	76483	35.04	951	1323	13.91	0	0	0	22781	77806	34.15
4	2019–20	19706	78215	39.69	852	1464	17.18	0	0	0	20558	79679	38.76
वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य बदलाव		-2767	15649	11.849	310	722	3.49	0	0	0	-2457	16371	11.253

क्र.सं.	वर्ष	चना			मटर			मसूर			अन्य दालें (रबी)		
		क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता
1	2016–17	397	353	8.89	291	251	8.625	303	225	7.426	0	0	0
2	2017–18	435	387	8.897	54	47	8.704	288	214	7.431	7	6	8.571
3	2018–19	393	349	8.88	200	173	8.65	297	221	7.44	0	0	0
4	2019–20	583	466	7.99	171	118	6.9	289	354	12.25	2	1	5
वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य बदलाव		186	113	-0.9	-120	-133	-1.725	-14	129	4.824	-5	-5	-3.571

क्र.सं	वर्ष	कुलदाले (रबी)			कुल खाद्यान्न (रबी)			लाही/सरसों/तोरिया			अलसी		
		क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता
1	2016–17	991	829	8.365	24006	64137	26.717	230	218	9.478	0	0	0
2	2017–18	784	654	8.342	22685	65478	28.864	157	165	10.51	0	0	0
3	2018–19	890	743	8.35	23671	78549	33.18	186	213	11.45	0	0	0
4	2019–20	1045	939	8.99	21603	80618	37.32	397	435	10.96	0	0	0
वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य बदलाव		54	110	0.625	-2403	16481	10.603	167	217	1.482	0	0	0

क्र.सं	वर्ष	अन्य रबी तिलहन			रबी तिलहन योग			चावल (जायद)			मक्का (जायद)		
		क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता	क्षेत्रफल	उत्पादन	उत्पादकता
1	2016–17	0	0	0	230	218	9.478	151	571	37.81	0	0	0
2	2017–18	0	0	0	157	165	10.51	158	562	35.56	0	0	0
3	2018–19	0	0	0	186	213	11.45	167	549	32.87	2	3	15
4	2019–20	0	0	0	397	435	10.96	156	556	35.64	2	3	15
वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य बदलाव		0	0	0	167	217	1.482	5	-15	-2.17	2	3	15

उत्तराखण्ड के गांवों से हो रहे पलायन को रोकने हेतु हमें ग्रामीणों व युवाओं का रूझान स्वरोजगार की ओर लाना पडेगा इसके लिए हमें मुख्य रूप कृषि विभाग को सशक्त करने की आवश्यकता है। यह देखा गया है कि कृषि विभाग में कार्यरत कर्मचारियों को नयी तकनीकी ज्ञान की कमी पाई गई है जिसका परिणाम किसानों को भी भुगतना पड़ता है। विभाग को कार्यरत कर्मचारियों को भी समय–समय पर कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा एडवांस तकनीकी व प्रैक्टिकल प्रशिक्षण दिये जाने का प्राविधान किया जाना उचित होगा जिससे जनपद में विकास के नए आयाम स्थापित हो सकेंगे।

मत्स्य विभाग

मत्स्य विभाग द्वारा वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य जनपद में राज्य पोषित योजनान्तर्गत अनुसूचित जाति उपयोजना, पर्वतीय क्षेत्रों में मत्स्य तालाब निर्माण, पर्वतीय क्षेत्रों में आदर्श तालाब निर्माण, केन्द्र पोषित योजना में नील क्रांन्ति योजना तथा जिला योजनान्तर्गत मत्स्य उत्पादकता वृद्धि योजना जैसी योजनाओं का सम्पादन किया जा रहा है। सम्पादित योजनाओं हेतु प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण निम्नवत हैः–

अनुसूचित जाति उपयोजना :– विभाग की इस योजना हेतु प्राप्त आंकड़ों के अध्ययन से ज्ञात होता है कि जनपद के बेतालघाट, धारी, हल्द्वानी, रामनगर, कोटाबाग तथा रामगढ विकासखण्डों में अनुसूचित जाति उपयोजना के आंकड़ें बहुत ही न्यून हैं, साथ ही ओखलकाण्डा और भीमताल में भी अपेक्षाकृत आंकड़ें कम ही हैं। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका एवं ग्राफ में प्रदर्शित किया गया है।

राज्य योजना के अन्तर्गत अनुसूचित जाति उपयोजना का विकासखण्डवार एवं वर्षवार विवरण										विगत वर्षों के मध्य का योग	
क0सं0	विकासखण्ड का नाम	वित्तीय				भौतिक				वित्तीय	भौतिक
		2016–17	2017–18	2018–19	2019–20	2016–17	2017–18	2018–19	2019–20		
1	बेतालघाट	0	0	0	1.44	0	0	0	2	1.44	**2**
2	धारी	0	0	0.72	0.72	0	0	1	1	1.44	**2**
3	हल्द्वानी	1.26	0	0	0	3	0	0	0	1.26	**3**
4	रामनगर	1.26	0	0	0.72	3	0	0	1	1.98	**4**
5	कोटाबाग	0	0	1.14	2.69	0	0	2	4	3.83	**6**
6	रामगढ़	1.68	0.72	0	0	4	1	0	0	2.40	**5**
7	ओखलकांडा	1.68	1.44	2.69	4.02	4	2	4	6	9.83	**16**
8	भीमताल	2.94	2.16	1.44	4.02	7	3	2	6	10.56	**18**
योग		**8.82**	**4.32**	**5.99**	**13.61**	**21**	**6**	**9**	**20**	**32.74**	**44.92**

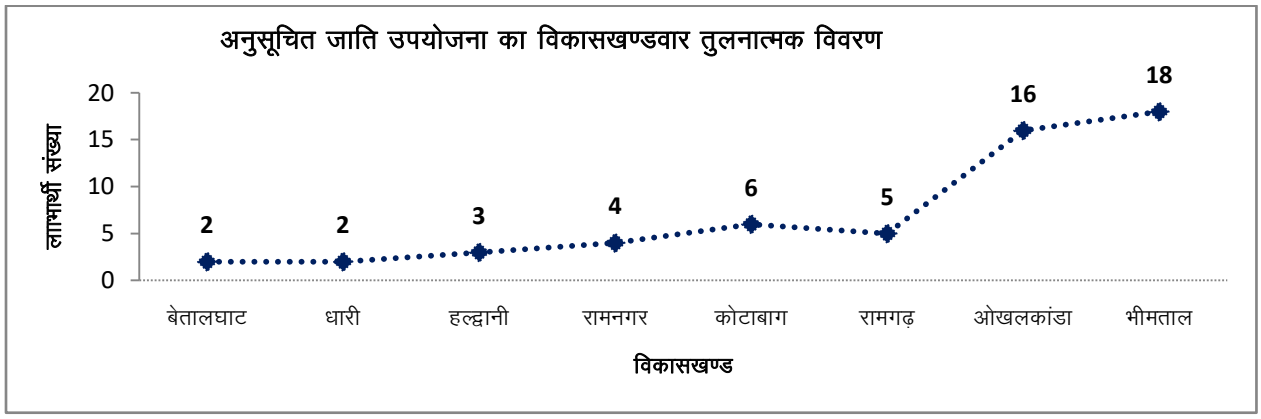

विभाग की पर्वतीय क्षेत्रों में मत्स्य तालाब निर्माण, पर्वतीय क्षेत्रों में आदर्श तालाब निर्माण, केन्द्र पोषित योजना में नील क्रान्ति योजना तथा जिला योजनान्तर्गत मत्स्य उत्पादकता वृद्धि योजना के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि विभाग जनपद के सामाजिक–आर्थिक विकास को सुदृढ़ करने के लिए एवं पलायन पर अंकुश लगाने के लिए कितना संवेदनशील है क्योंकि जनपद के प्रत्येक विकासखण्ड इन योजनाओं से वंचित हैं एवं प्रगति भी न के बराबर है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिकाओं में दर्शाया गया है।

राज्य योजना के अन्तर्गत पर्वतीय क्षेत्रों में मत्स्य तालाब निर्माण का विकासखण्डवार एवं वर्षवार विवरण										विगत पिछले 4 वर्षों का योग	
क्र0सं0	विकास खण्ड का नाम	वित्तीय				भौतिक					
		2016–17	2017–18	2018–19	2019–20	2016–17	2017–18	2018–19	2019–20	वित्तीय	भौतिक
1	रामगढ	0	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**
2	बेतालघाट	0	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**
3	हल्द्वानी	0.5	0.25	0	0	2	1	0	0	0.75	**3**
4	धारी	0	0	1.25	0.25	0	0	5	1	1.5	**6**
5	रामनगर	0	0	1	0.75	0	0	4	3	1.75	**7**
6	ओखलकांडा	0.5	1.5	0	0.75	2	6	0	3	2.75	**11**
7	कोटाबाग	0	1	1	0.75	0	4	4	3	2.75	**11**
8	भीमताल	2	0.5	0.75	1.25	8	2	3	5	4.5	**18**
योग		**3**	**3.25**	**4**	**3.75**	**12**	**13**	**16**	**15**	**14**	**56**

राज्य योजना के अन्तर्गत पर्वतीय क्षेत्रों में आर्दश तालाब निर्माण का विकासखण्डवार एवं वर्षवार विवरण										विगत पिछले 4 वर्षों का योग	
क्र0सं0	विकास खण्ड का नाम	वित्तीय				भौतिक					
		2016–17	2017–18	2018–19	2019–20	2016–17	2017–18	2018–19	2019–20	वित्तीय	भौतिक
1	धारी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**
2	रामगढ	0	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**
3	हल्द्वानी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**
4	भीमताल	0	0	1.5	1.5	0	0	0	1	3	**1**
5	रामनगर	1.5	0	0	0	1	0	0	0	1.5	**1**
6	बेतालघाट	0	0	1.5	0	0	0	1	0	1.5	**1**
7	कोटाबाग	0	0	1.5	1.5	0	0	1	1	3	**2**
8	ओखलकांडा	1.5	1.5	0	1.5	1	1	0	1	4.5	**3**
योग		**3**	**1.5**	**4.5**	**4.5**	**2**	**1**	**2**	**3**	**13.5**	**8**

केन्द्र पोषित योजनान्तर्गत नील कांन्ति योजना का विकासखण्डवार एवं वर्षवार विवरण										विगत पिछले 4 वर्षों का योग	
क्र0सं0	विकास खण्ड का नाम	वित्तीय				भौतिक					
		2016–17	2017–18	2018–19	2019–20	2016–17	2017–18	2018–19	2019–20	वित्तीय	भौतिक
1	धारी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**
2	हल्द्वानी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	**0**
3	रामगढ	0	0	0	0.4	0	0	0	1	0.4	**1**
4	रामनगर	0.9	0	0	0	1	0	0	0	0.9	**1**
5	बेतालघाट	0	0	0	0.8	0	0	0	2	0.8	**2**
6	भीमताल	1.8	0	0	1	2	0	0	2	2.8	**4**
7	कोटाबाग	0	0	0	1.8	0	0	0	4	1.8	**4**
8	ओखलकांडा	3.6	0	0	1	4	0	0	2	4.6	**6**
योग		**6.3**	**0**	**0**	**5**	**7**	**0**	**0**	**11**	**11.3**	**18**

जिला योजना के अन्तर्गत मत्स्य उत्पादकता वृद्धि योजना का विकासखण्डवार एवं वर्षवार विवरण										विगत वर्षो के मध्य का योग	
क0सं0	विकासखण्ड का नाम	वित्तीय				भौतिक				वित्तीय	भौतिक
		2016–17	2017–18	2018–19	2019–20	2016–17	2017–18	2018–19	2019–20		
1	धारी	0	0	0	0	0	0	0	0	0.00	0
2	हल्द्वानी	0	0	0	0	0	0	0	0	0.00	0
3	रामनगर	0	0	0	0	0	0	0	0	0.00	0
4	बेतालघाट	0	0	0.2	0	0	0	1	0	0.20	1
5	ओखलकांडा	0	0	0	0.2	0	0	0	1	0.20	1
6	कोटाबाग	0	0	0	0.4	0	0	0	2	0.40	2
7	रामगढ़	0	0	0.4	0.2	0	0	2	1	0.60	3
8	भीमताल	0	0	0.4	0.4	0	0	2	2	0.80	4
योग		0	0	1	1.2	0	0	5	6	2.20	11

वर्तमान समय में मछली मांस की मांग प्रत्येक जगह बढ़ रही है, जिसमें भविष्य में भी रोजगार की अपार सम्भावनाएं हैं, विभाग को जनपद की भोगौलिक परिस्थिति के अनुसार सघन सर्वेक्षण कर बेरोजगारों को मछली व्यवसाय में जोड़ने हेतु ठोस रणनीति तैयार करते हुए कार्ययोजना बनानी चाहिए ताकि जनपद से हो रहे पलायन पर अंकुश लगाने में सहयोग हो सके।

अध्याय–5

विश्लेषण एवं सिफारिशें

जनपद नैनीताल कुमाऊँ हिमालय–पूर्व क्षेत्र का एक हिस्सा है। इसमें आंशिक रूप से पहाड़ी पट्टी, भाबर और मैदानी क्षेत्र शामिल हैं। यह उत्तर में जिला अल्मोड़ा, उत्तर–पश्चिम में गढ़वाल, पश्चिम में बिजनौर, दक्षिण में उधमसिंह नगर और पूर्व में जनपद चम्पावत से घिरे होते हुए 4251 वर्ग किमी के क्षेत्रफल में फैला हुआ है। यह जनपद कई नदी–नालों और तालों से घिरा हुआ है।

जनपद की जनसंख्या वर्ष 1981 की वृद्धि दर 38.08% में से लगातार कमी (लगभग 13%) होते हुए वर्ष 2011 के लिए 25.13% हो गयी है जो कि जनपद में भी पलायन होने की पुष्टि करता है। दशकीय परिवर्तन के आंकड़ों को निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किया गया है–

वर्ष 1901 से जनपद की जनसंख्या में दशकीय परिवर्तन

जनगणना वर्ष	जनसंख्या	पूर्ववर्ती के बाद से भिन्नता		महिला	पुरूष
		कुल	प्रतिशत		
1901	1,82,284	_	_	1,01,486	80,798
1911	1,82,016	-268	-0.15	1,02,876	79,140
1921	1,55,790	-26,226	-14.41	90,460	65,330
1931	1,56,034	+244	+.16	91,332	64,702
1941	1,64,244	+8,210	+5.26	96,337	67,907
1951	1,88,736	+24,492	+14.91	1,09,307	79,429
1961	2,59,685	+70,949	+37.59	1,46,941	1,12,744
1971	3,19,697	+60,012	+23.11	1,74,048	1,45,649
1981	4,41,436	+1,21,739	+38.08	2,39,247	2,02,189
1991	5,74,832	+1,33,396	+30.22	3,05,494	2,69,338
2001	7,62,909	+1,88,077	+32.72	4,00,254	3,62,655
2011	9,54,605	+1,91,696	+25.13	4,93,666	4,60,939

वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार जनपद की जनसंख्या 7,62,909 में लगभग 25% की वृद्धि होते हुए वर्ष 2011 में 9,54,605 हो गयी है जिससे जनपद राज्य में योगदान देकर चौथा स्थान प्राप्त करता है। जनपद का जनसंख्या घनत्व जो वर्ष 2001 के लिए 198 प्रति वर्ग किमी था उसमें लगभग 14% की वृद्धि होने से 225 प्रति वर्ग किमी हो गया है। इस दशकीय जनगणना के आधार पर जनपद की विकासखण्डवार तथा नगरवार जनसंख्या परिवर्तन को निम्नवत तालिका के आंकडों से भी जाना जा सकता है।

जनपद में ग्रामीण जनसंख्या की प्रति 10 वर्ष की जनसंख्या वृद्धि दर का तुलनात्मक विवरण				
विकासखण्ड	कुल जनसंख्या			
	वर्ष 2001	वर्ष 2011	बदलाव	बदलाव प्रतिषत
रामनगर	70841	81557	10716	15.1%
कोटाबाग	40551	63283	22732	56.1%
रामगढ़	37012	39249	2237	6.0%
भीमताल	*48501*	*47127*	*-1374*	-2.8%
बेतालघाट	40007	40171	164	0.4%
धारी	26213	33162	6949	26.5%
ओखलकाण्ड़ा	43218	45521	2303	5.3%
हल्द्वानी	*111780*	*97863*	*-13917*	-12.5%
योग ग्रामीण	**418123**	**447933**	29810	7.1%
वन क्षेत्र	75736	87419	11683	15.4%
योग जनपद	**493859**	**535352**	41493	8.4%

पलायन की स्थिति

अस्थायी और स्थायी पलायन

पिछले 10 वर्षो में 339 ग्राम पंचायतों से कुल 20951 व्यक्तियों द्वारा अस्थायी रूप से पलायन किया गया है, हालांकि वे समय–समय पर अपने घरों में आना–जाना करते हैं क्योंकि उनके द्वारा स्थायी रूप से पलायन नहीं किया गया है।

पिछले 10 वर्षों (वर्ष 2018 तक) में 213 ग्राम पंचायतों से 4823 व्यक्तियों द्वारा पूर्णरूप से स्थायी पलायन किया गया है, जो कि गम्भीर चिन्ता का विषय है। आंकड़ें दर्शातें हैं कि जनपद के सभी विकास खण्ड़ों में स्थायी पलायन की तुलना में अस्थायी पलायन अधिक हुआ है।

पलायन के मुख्य कारण

पलायन का मुख्य कारण आजीविका/रोजगार की समस्या के साथ–साथ शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत सुविधाओं में कमी है। विस्तृत आंकड़ें नीचे दी गई तालिका में प्रस्तुत है–

Table: Block wise main reasons for migration from gram panchayats										Total
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन के कारण (लगभग प्रतिशत में)								
		आजीविका / रोजगार की समस्या (प्रतिशत)	चिकित्सा सुविधा का आभाव (प्रतिशत)	शिक्षा सुवधिा का आभाव (प्रतिश त)	इन्फ्राटक्चर (सड़क, बिजली, पानी व अन्य का आभाव) (प्रतिशत)	कृषि भूमी में उत्पादकत ा/पैदावार की कमी (प्रतिशत)	परिवार/ सगे संम्बन्धियों की देखा–देख ी पलायन करना (प्रतिशत)	जंगली जानवरों के द्वारा कृषि को हानि पहुंचाने करने के कारण (प्रतिशत)	अन्य कोई विशेष कारण (प्रतिश त)	
Nainital	Betalghat	55.88	7.44	8.27	3.56	7.65	2.08	9.81	5.31	100.00
Nainital	Bhimtal	58.42	3.32	10.61	7.16	5.35	1.29	7.61	6.23	100.00
Nainital	Dhari	71.59	5.81	7.26	2.93	2.19	3.59	2.52	4.11	100.00
Nainital	Haldwani	48.89	4.44	4.44	0.00	0.00	0.00	0.00	42.22	100.00
Nainital	Kotabag	55.71	9.21	7.57	7.14	2.86	2.86	10.36	4.29	100.00
Nainital	Okhalkanda	53.88	10.55	12.53	6.13	6.21	2.73	6.09	1.87	100.00
Nainital	Ramgarh	27.54	9.19	15.23	5.00	0.00	0.15	0.23	42.65	100.00
Nainital	Ramnagar	33.33	0.00	6.67	0.00	14.00	1.00	30.00	15.00	100.00

आयु वर्गवार पलायन

इस खण्ड में ग्राम पंचायतों से पलायन करने वालों की आयु का विश्लेषण किया गया है। आकड़ों से स्पष्ट हुआ है कि लगभग 45 प्रतिशत पलायन 26 से 35 वर्ष के आयु वर्ग द्वारा किया गया है। विभिन्न विकासखण्डों और जनपद की विस्तृत जानकारी निम्न तालिका में दी गई है।

Table: Block wise age of migrants from gram panchayats					Total
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन करने वालों की आयु (लगभग प्रतिशत में)			
		25 साल से कम आयु वर्ग (वर्तमान में)	26 से 35 आयु वर्ग (वर्तमान में)	35 साल से अधिक आयु वर्ग (वर्तमान में)	
Nainital	Betalghat	32.82	42.86	24.32	100.00
Nainital	Bhimtal	40.40	47.04	12.56	100.00
Nainital	Dhari	26.44	46.59	26.96	100.00

Table: Block wise age of migrants from gram panchayats					Total
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन करने वालों की आयु (लगभग प्रतिशत में)			
		25 साल से कम आयु वर्ग (वर्तमान में)	26 से 35 आयु वर्ग (वर्तमान में)	35 साल से अधिक आयु वर्ग (वर्तमान में)	
Nainital	Haldwani	28.50	40.67	30.83	100.00
Nainital	Kotabag	38.64	31.82	29.55	100.00
Nainital	Okhalkanda	23.80	51.16	25.04	100.00
Nainital	Ramgarh	22.58	39.05	38.37	100.00
Nainital	Ramnagar	25.00	26.25	48.75	100.00

पलायन के गन्तव्य

ग्राम पंचायतों से हो रहे पलायन के गन्तव्य का विश्लेषण कर सामने आये आकड़ों को इस खण्ड़ में प्रस्तुत किया जा रहा है, जिसमें स्पष्ट हुआ है कि जनपद के ग्राम पंचायतों से लगभग 22 प्रतिशत पलायन राज्य के अन्य जनपदों में है जबकि 24 प्रतिशत पलायन राज्य के बाहर हुआ है। सबसे अधिक पलायन नजदीकी कस्बों में हुआ है (35%)।

Table: Block wise destination of migrants from Gram Panchayats							Total
जनपद का नाम	विकासखण्ड का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन कहॉ किया गया (लगभग प्रतिशत में)					
		नजदीकी कस्बों में	जनपद मुख्यालय	राज्य के अन्य जनपदों में	राज्य से बाहर	देश से बाहर	
Nainital	Betalghat	12.21	13.52	21.60	51.95	0.71	100.00
Nainital	Bhimtal	47.72	15.38	25.86	10.31	0.72	100.00
Nainital	Dhari	29.10	21.22	28.26	20.52	0.90	100.00
Nainital	Haldwani	20.42	11.25	35.83	32.17	0.33	100.00
Nainital	Kotabag	25.17	30.00	10.42	34.17	0.25	100.00
Nainital	Okhalkanda	44.92	22.37	17.43	15.18	0.10	100.00
Nainital	Ramgarh	78.00	9.27	11.07	1.67	0.00	100.00
Nainital	Ramnagar	30.00	20.00	15.00	35.00	0.00	100.00

Table: District wise destination of migrants from Gram Panchayats						Total
जनपद का नाम	ग्राम पंचायत से पलायन कहॉ किया गया (लगभग प्रतिशत में)					
	नजदीकी कस्बों में	जनपद मुख्यालय	राज्य के अन्य जनपदों में	राज्य से बाहर	देश से बाहर	
Nainital	35.49	17.93	21.47	24.64	0.47	100.00

सामाजिक–आर्थिक अर्थव्यवस्था

जनपद की अर्थव्यवस्था			
वर्ष	जी.डी.पी. का आकार	बदलाव	बदलाव (प्रतिशत)
2011-12	742018	NA	NA
2012-13	843164	101146	13.6%
2013-14	978305	135141	16.0%
2014-15	1129307	151002	15.4%
2015-16	1213174	83867	7.4%
2016-17	1345261	132087	10.9%

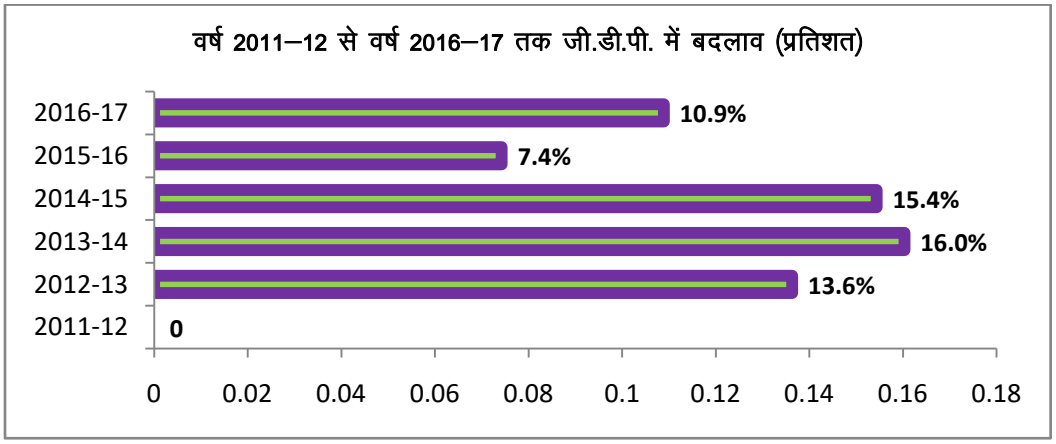

जनपद की अर्थव्यवस्था हेतु वर्ष 2011–12 से वर्ष 2016–17 के लिए GDP हेतु उपलब्ध आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनपद की GDP में 2.9% की दर से गिरावट दर्ज हुई जो कि जनपद की सामाजिक–आर्थिक अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा नहीं है जिनके आंकड़ों को उपरोक्त तालिका एवं ग्राफ से भी जाना सकता है।

जनपद की प्रति व्यक्ति आय			
वर्ष	प्रति व्यक्ति आय का आकार	बदलाव	बदलाव (प्रतिशत)
2011-12	69074	NA	NA
2012-13	77203	8129	11.8%
2013-14	87032	9829	12.7%
2014-15	99253	12221	14.0%
2015-16	105273	6020	6.1%
2016-17	115117	9844	9.4%

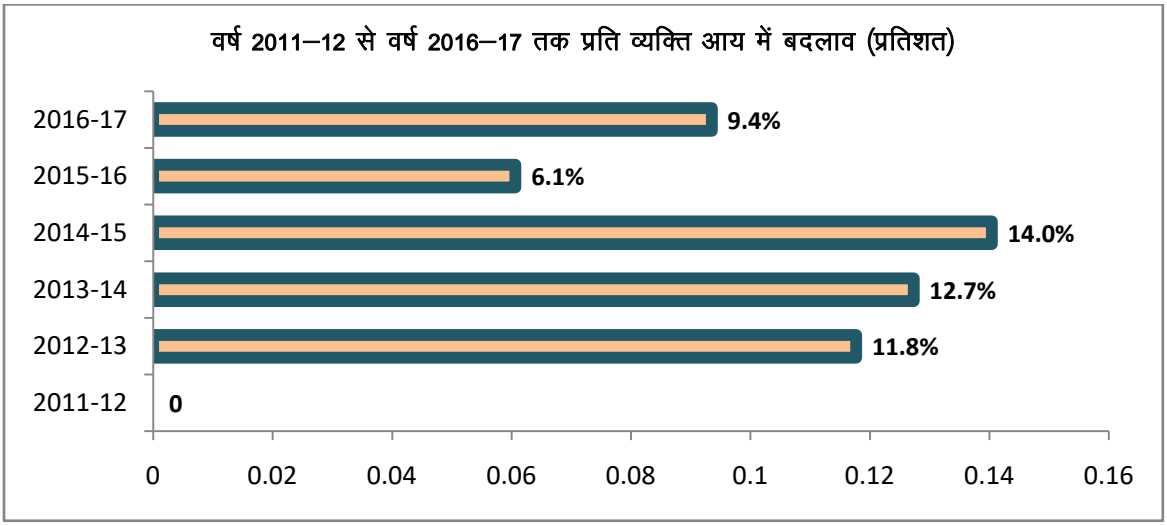

जनपद में प्रति व्यक्ति आय हेतु वर्ष 2011–12 से वर्ष 2016–17 के लिए उपलब्ध आंकड़ों से ज्ञात होता है कि जनपद की PCI में 2.4% की दर से गिरावट होना जनपद की अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं है। प्रति व्यक्ति आय के आंकड़ों को उपरोक्त तालिका एवं ग्राफ में दर्शाया गया है।

प्राथमिक क्षेत्र :– नैनीताल जनपद में लगभग 60 प्रतिशत ग्रामीण आबादी अपनी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर हैं। जिले के मैदानी क्षेत्र, पहाड़ी क्षेत्र की तुलना में अधिक उपजाऊ हैं। जनपद के 80% किसान 01 हेक्टेयर तक के छोटे या सीमान्त किसान हैं। जनपद के 08 विकासखण्ड़ों में से 05 विकासखण्ड पहाड़ी इलाकों में आते हैं।

द्वितीयक क्षेत्र :–नैनीताल जनपद पहाड़ी और मैदानी दोनों इलाकों में फैला हुआ है जिसमें मैदानी क्षेत्र के इलाकों में हल्द्वानी, रामनगर और कोटाबाग विकासखण्ड़ आते है जबकि विकासखण्ड भीमताल, धारी, रामगढ़, बेतालघाट और ओखलकाण्डा पहाड़ी क्षेत्रों में स्थित हैं। ये सभी क्षेत्र भी प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध हैं और इनमें मुख्य रूप से मध्यम और छोटी औद्योगिक इकाईयों को और बढ़ावा दिये जाने की अपार सम्भावनायें हैं जैसे सोप स्टोन, स्टोन क्रॉसिंग, फर्नीचर, लकड़ी पर नक्काशी, कृत्रिम आभूषण और मोमबत्ती, पत्तल–दौना उद्योग, आदि।

तृतीयक क्षेत्र :– मुख्य रूप से कृषि और औद्योगिक क्षेत्रों को प्रदान किये गये प्रोत्साहन के परिणाम स्वरूप नैनीताल जनपद में सेवा क्षेत्र में वृद्धि देखी गयी है। पर्यटन के क्षेत्र में नैनीताल जनपद में कई पर्यटक स्थल प्रसिद्ध हैं, जिससे यहाँ सेवा क्षेत्र में अन्य जनपदों की अपेक्षा अपना अलग ही महत्व है।

जनपद में विगत दशकीय जनगणना के अनुसार जनसंख्या का आर्थिक वर्गीकरण के आंकड़ों को अध्ययन करें तो ज्ञात होता हैं कि वर्ष 2001 से वर्ष 2011 के मध्य कृषकों की जनसंख्या में 4.92% की कमी आई है, जबकि कृषक श्रमिकों और पारिवारिक उद्योगों में भी वृद्धि दर धीमी हुई है, जो कि मुख्य कर्मकरों की इन श्रेणियों में व्यक्तियों की रूचि में कमी को दर्शाता है। आंकड़ों का विवरण निम्नवत तालिका में उल्लेख किया गया है।

जनपद में विगत दशकीय जनगणना के अनुसार जनसंख्या का आर्थिक वर्गीकरण							
वर्ष	मुख्य कर्मकर					सीमान्त कर्मकर	कुल कर्मकर
	कृषक	कृषि श्रमिक	पारिवारिक उद्योग	अन्य	कुल		
1981	41.91%	17.90%	1.88%	32.07%	93.76%	6.24%	100%
1991	41.41%	6.76%	0.73%	37.57%	86.48%	13.52%	100%
2001	31.83%	4.26%	1.37%	41.75%	79.22%	20.78%	100%
2011	26.91%	5.22%	1.83%	44.85%	78.80%	21.20%	100%

जनपद में 200 से कम कुल जनसंख्या वाले ग्रामों की संख्या के आंकड़ों के अध्ययन से ज्ञात होता है कि वर्ष 2015–16 से वर्ष 2017–18 के मध्य 137 ग्रामों की संख्या से परिवर्तन देखने को मिलता है जिसमें से 101 ग्राम 200 से 4999 जनसंख्या वाले ग्रामों में सम्मिलित होते हैं जबकि 36 ग्राम कुल ग्रामों की संख्या में हट जाना जनपद से निरन्तर हो रहे पलायन की पुष्टि का प्रमाण है। आंकड़ें निम्नवत तालिका में प्रदर्शित किये गये हैं।

जनपद में कुल जनसंख्या के अनुसार वर्गीकृत ग्राम								
वर्ष / विकासखण्ड	200 से कम	200–499	500–999	1000–1499	1500–1999	2000–4999	5000 या अधिक	योग
2015–16	520	376	133	40	16	8	2	1095
2016–17	451	370	171	59	24	12	4	1091
2017–18	383	380	179	63	27	25	2	1059
विकासखण्डवार 2017–18								
रामनगर	38	50	21	14	4	9	0	136
कोटाबाग	74	56	20	8	5	3	0	166

रामगढ़	65	33	16	4	2	2	0	122
भीमताल	43	31	14	8	3	3	0	102
बेतालघाट	49	53	20	3	1	0	0	126
धारी	10	12	17	6	4	1	0	50
ओखलकाण्ड़ा	27	43	25	5	2	0	0	102
हल्द्वानी	55	93	42	12	5	3	0	210
योग विकासखण्ड	361	371	175	60	26	21	0	1014
वन क्षेत्र	22	9	4	3	1	4	2	45
योग जनपद	383	380	179	63	27	25	2	1059
वर्ष 2015–16 से वर्ष 2017–18 के मध्य बदलाव	-137	4	46	23	11	17	0	-36

सिफारिशें

ग्राम्य विकास

महात्मा गाँधी नरेगा

1. जनपदान्तर्गत जॉबकार्ड धारकों को महात्मा गाँधी नरेगा योजना में काम के लिए मांग करने हेतु न्याय पंचायत/ग्राम पंचायत स्तर पर रोजगार दिवस के दिन जानकारी दिये जाने का प्राविधान किया जाय क्योंकि जनपद में 40 प्रतिशत जॉबकार्ड निष्क्रीय तथा 43 प्रतिशत श्रमिक काम की मांग नहीं कर पा रहे हैं।

2. महात्मा गाँधी नरेगा योजना में 100 दिन का रोजगार प्राप्त करने वाले परिवारों का आंकड़ा बहुत ही न्यून रहता है। विभाग द्वारा 100 दिन का रोजगार उपलब्ध कराये जाने हेतु मजदूरों को काम की मांग करते समय प्राप्ति रसीद उपलब्ध करवाये जाने के प्राविधान का शक्ति से अनुपालन करवाये जाने हेतु क्षेत्रीय कर्मचारियों को निर्देशित करने की आवश्यकता है।

3. जनपद में 40% जॉबकार्डधारक काम करने के लिए मांग ही नहीं कर रहें हैं या 40% जॉबकार्ड धारकों को महात्मा गाँधी नरेगा योजना में काम के लिए मांग करने की प्रक्रिया की जानकारी नहीं है।

4. नैनीताल जनपद के लिए महात्मा गाँधी नरेगा योजना अन्तर्गत कुल 122669 श्रमिक पंजीकृत हुए हैं, जिसमें से अभी लगभग 43% श्रमिक काम की मांग नहीं कर रहे हैं, जिसके लिए सबसे अधिक विकासखण्ड हल्द्वानी तथा सबसे कम विकासखण्ड रामगढ़ में है।

5. विकासखण्ड हल्द्वानी में सक्रीय जॉबकार्ड, सक्रीय श्रमिक तथा कुल सृजित मानव दिवस हेतु आंकड़ें सभी विकासखण्डों से न्यूनतम रहे, जिसमें महिलाओं की भागीदारी अधिक है किन्तु विकासखण्ड भीमताल में इसके विपरीत महिलाओं की भागीदारी में कमी आई। इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

6. मनरेगा के तहत 41% से अधिक लाभार्थी महिलाएँ हैं, ध्यान केंद्रण उन कार्यों पर होना चाहिए जो महिलाओं के लिए अतिरिक्त आय सृजित कर सकें। समान अवसर और भागीदारी सुनिश्चित करके सभी जनपदों के लिए महिलाओं का प्रतिनिधित्व 50% से अधिक बनाए रखने के प्रयास किए जाने चाहिए। महिलाओं के कौशल विकास को प्राथमिकता दी जानी चाहिए ताकि वे कुशल श्रमिकों के रूप में लाभ उठा सकें न कि अकुशल श्रमिकों के रूप में।

7. फसलों को बंदर और जंगली सूअर जैसे जानवरों द्वारा नुकसान होने की समस्या है। जंगली सूअरों और बंदरों से फसलों की सुरक्षा के लिए संपत्तियां बनाने के लिए एक योजना वन विभाग की सहायता से तैयार की जानी चाहिए।

8. जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल और सिंचाई दोनों के लिए पानी की कमी एक बड़ी समस्या बनकर उभर रही है। इस समस्या से निपटने के लिए इस योजना के तहत कार्यों का संयोजन किया जा सकता है।

राज्य ग्रामीण आजीविका मिषन

1. आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूहों को मिड–डे–मील, आंगनवाड़ी केन्द्रों में पुष्ठाहार, जनपदान्तर्गत सभी प्रकार के विद्यालयों में ड्रेस आदि उपलब्धता, निर्माण कार्यों में सहभागिता, उत्पादक समूह तथा विपणन समूह के रूप में विकसित किये जाने के साथ–साथ ई–मार्केटिंग की सुविधा से युक्त करने की कार्ययोजना तैयार की जानी चाहिए।

2. जनपद के रामनगर विकासखण्ड अन्तर्गत राजपुर इलाके में लगभग 210 परिवार द्वारा कसीरा, सीख, मुन्ज, कंजूर जैसी घास से घरेलू उपयोग की बहुत ही खूबसूरत वस्तुओं का निर्माण पैतृक रूप से किया जा रहा है, जिन्हें आधुनिक रूप से प्रशिक्षण देने एवं विकसित करने की कार्ययोजना तैयार करते हुए, ग्रामीणों की आय को और बढ़ाया जा सकता है जिसका प्रभाव जनपद के अन्य विकासखण्डों में भी इस तरह के सूक्ष्म उद्यम को स्थापित करने में मिलेगा।

3. विभाग द्वारा राज्य आजीविका मिशन के तहत गठित किये गये स्वयं सहायता समूहों के लिए विगत तीन वर्षों हेतु प्राप्त आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि वर्ष 2019–20 में वर्ष 2018–19 से 11% की कमी से स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया, साथ ही यह भी ज्ञात होता है कि रामनगर और हल्द्वानी जैसे विकासखण्डों में भी डेयरी व्यवसाय के अतिरिक्त अन्य क्रियाकलापों को स्थापित करने में कोई विशेष रूचि नहीं दिखाई गयी है, यहाँ तक कि इन विकासखण्डों में सब्जी उत्पादन के लिए भी कोई समूह गठित नहीं करवाया गया, जो कि जनपद की सामाजिक/आर्थिक विकास को सुदृढ़ करने एवं पलायन पर अंकुश लगाने के लिए उचित नहीं है। विभाग को इसके लिए शीघ्र कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए।

4. स्वयं सहायता समूहों को आत्मनिर्भर बनाने और आजीविका के स्रोतों से समूह सदस्यों को जोड़ने के लिए विभाग द्वारा विगत तीन वर्षों के मध्य कुल 2424 स्वयं सहायता समूहों में से 1271 स्वयं सहायता समूहों (SHGs) (52.4% SHGs) को रूपये 127.10 लाख का रिवाल्विंग फण्ड तथा 959 SHGs (39.6% SHGs) को ग्राम संगठन में सम्मिलित करते हुए रूपये 500.50 लाख का सी.आई. एफ. फण्ड से लाभान्वित किया गया, जबकि वर्ष 2019–20 तक सभी स्वयं सहायता समूहों को उल्लिखित फण्डों से लाभान्वित कराते हुए उनको आत्मनिर्भर बनाया जाना चाहिए था। विभाग को सभी का अनुश्रवण करते हुए रिवाल्विंग फण्ड तथा सी.आई.एफ. फण्ड से वंचित स्वयं सहायता समूहों (SHGs) को शीघ्र लाभान्वित किये जाने का आगामी कार्ययोजना में प्राविधान करना चाहिए।

5. जनपद के अन्तर्गत पिछले तीन वर्षों के दौरान विभाग द्वारा कुल 71 SHGs को पुनर्जीवित किया गया जिसमें सबसे अधिक 31 SHGs विकासखण्ड कोटाबाग तथा सबसे कम 03 SHGs विकासखण्ड भीमताल द्वारा पुनः सक्रिय किये गये जबकि विकासखण्ड धारी, रामगढ़ तथा ओखलकाण्डा में कोई भी स्वयं सहायता समूह सक्रिय नहीं किये गये अर्थात इन विकासखण्डों में निष्क्रीय समूहों को पुनर्जीवित करने की ओर विभाग द्वारा ध्यान नहीं दिया गया जो कि इन विकासखण्ड की महिलाओं के लिए उचित नहीं है।

स्वजल परियोजना

1. ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन, स्रोत संरक्षण एवं संवर्धन तथा सामुदायिक स्वच्छता काम्पलेक्स जैसे कार्यों हेतु स्वजल नैनीताल को सघन सर्वेक्षण कर आगामी कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए।

2. शौचालय हेतु पुनः सर्वेक्षण कार्य किया जाना चाहिए क्योंकि जनपद में कोरोना महामारी के कारण कई परिवार लौट आये हैं।

3. जनपद नैनीताल में स्वजल परियोजना के अन्तर्गत विगत चार वर्षों के मध्य रूपये 1179 लाख की धनराशि का परिव्यय करते हुए 363 ग्राम पंचायतों को आच्छाादित करते हुए 1284 कार्यों का निर्माण करवाया गया जिसमें 1111 व्यक्तिगत शौचालयों के निर्माण के साथ–साथ स्वजल परियोजना के तहत 157 ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन, 09 स्रोत संरक्षण एवं संबर्द्धन तथा 07 सामुदायिक स्वच्छता कॉम्पलेक्स का निर्माण कार्य शामिल हैं।

4. स्वजल से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार स्रोत संरक्षण एवं संबर्द्धन का कार्य विकासखण्ड धारी एवं ओखलकाण्ड़ा के अलावा अन्य विकासखण्डों में नहीं किया जा रहा है, जबकि इस कार्य की मांग ग्रामीण स्तर/ हर स्तर पर रखी जाती है।

5. आंकड़ों को देखें तो ज्ञात होता है कि सामुदायिक स्वच्छता कॉम्पलेक्स के कार्य से विकासखण्ड रामनगर, रामगढ़, धारी एवं ओखलकाण्ड़ा के अलावा अन्य विकासखण्ड़ों को वंचित रखा गया है।

6. जनपद के भीमताल विकासखण्ड के अलावा अन्य सभी विकासखण्डों में वर्ष 2017–18 एवं वर्ष 2018–19 के कुल 84 कार्य अभी भी निर्माणाधीन हैं।

7. ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन, स्रोत संरक्षण एवं संबर्द्धन तथा सामुदायिक स्वच्छता कॉम्पलेक्स जैसे कार्यों हेतु स्वजल नैनीताल को सघन सर्वेक्षण कर आगामी कार्ययोजना तैयार करने की अति आवश्यकता है।

ग्रामोद्योग बोर्ड

1. जनपद नैनीताल के अन्तर्गत ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा विगत चार वर्षों में कुल 103 लघु एवं सूक्ष्म उद्यमों को स्थापित करवाया गया जिसमें सबसे अधिक 64 लघु एवं सूक्ष्म उद्यम विकासखण्ड हल्द्वानी में स्थापित करते हुए 414 युवा बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध करवाया गया। वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य उद्यमों की संख्या एवं उपलब्ध करवाये गये रोजगार में लगातार वृद्धि होना इस ओर संकेत करता है कि जनपद के युवा बेरोजगारों की रूचि लघु एवं सूक्ष्म उद्यमों को स्थापित कर स्वरोजगार में बढ़ी है।

2. जनपद के अन्तर्गत हल्द्वानी विकासखण्ड के अलावा अन्य विकासखण्डों में भी लघु एवं सूक्ष्म उद्यमों को और बढ़ाया जा सकता है जिसके लिए बोर्ड को सभी विकासखण्ड़ों में ग्रामीण क्षेत्रों की निर्भरता/मांग के अनुसार उद्यमों को स्थापित किये जाने की कार्ययोजना तैयार करने की आवश्यकता है।

उद्योग

1. जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में सूक्ष्म एवं लघु क्षेत्र में विकास के लिए पी.एम.ई.जी.पी. तथा मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। लगभग सभी विकास खण्डों में हैंडलूम तथा हैंडीक्राफ्ट आधारित इकाईयाँ स्थापित की जा सकती हैं एवं इनका जनपद में अधिक संख्या में आने वाले यात्रियों को आकर्षित किया जा सकता है।

2. सूक्ष्म और लघु इकाईयों के विकास को बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को स्थानीय परिस्थितियों पर गहन विचार करते हुए विकाखण्ड़वार कार्ययोजना तैयार करने की आवश्यकता है।

3. जनपद में सूक्ष्म, लघु और कारीगर इकाईयों के विकास हेतु क्षमता विकास योजना को आवश्यकता के अनुरूप होना चाहिए।

4. जनपद के अन्तर्गत सूक्ष्म, लघु और कारीगर इकाईयों के प्रचार–प्रसार में लगे कर्मचारियों की कमी है इसे तत्काल निस्तारित किया जाना चाहिए।

5. उद्यमशीलता विकास कार्यक्रम, विशेष रूप से ऐसे विकासखण्ड़ों/ग्राम पंचायतों में आयोजित किये जाने चाहिए जहाँ ऐसी इकाईयों की कमी है।

लघु/लघुत्तर उद्योगों की स्थापना

1. उद्योग विभाग की लघु तथा लघुउत्तर उद्योगों की स्थापना एवं बीस सूत्रीय योजनान्तर्गत विगत चार वर्षों के दौरान 1009 के शासकीय लक्ष्य के सोपक्ष 1011 लघुत्तर उद्योग स्थापित करवाने में कुल रूपये 352.03 करोड़ का परिव्यय करते हुए जनपद के 5865 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध करवाया गया।

2. आंकडों के अध्ययन से यह भी ज्ञात होता है कि पिछले वर्षों की अपेक्षा कम निवेश में ज्यादा इकाईयाँ स्थापित करवाई गयी किन्तु रोजगार दिये जाने के आंकड़ों में गिरावट देखी जा सकती है अर्थात बेरोजगारों में स्वयं के रोजगार स्थापित करने की रूचि बढ़ी है।

उद्यमिता विकास कार्यक्रम

1. उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तहत उद्योग विभाग द्वारा विगत चार वर्षों के मध्य कुल 138 कार्यक्रमों को आयोजित करवाया गया जिसमें तीन दिवसीय कार्यक्रमों की अपेक्षा दो दिवसीय कार्यक्रमों का योगदान 52% रहा अर्थात ग्रामीण युवक युवतियों की शॉर्टटर्म प्रशिक्षण कार्यक्रमों में रूचि देखी जा सकती है।

2. आंकड़ों के अध्ययन से यह भी स्पष्ट होता है कि जनपद में जहाँ एक ओर प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या में विचलन हुआ वहीं दूसरी ओर प्रतिभागियों की संख्या में भी विचलन देखने को मिला। उद्यमिता विकास कार्यक्रम को ग्रामीण क्षेत्रों के अनुसार तैयार कर संचालित करने की आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम

1. प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम का मूल उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रोजगार के नये–नये आयाम उपलब्ध कराना है, जिसके लिए उद्योग विभाग नैनीताल द्वारा विगत चार वर्षों के दौरान 358 इकाई को स्थापित करवाने के लिए बैंक के माध्यम से रूपये 1322.37 लाख का वित्तपोषण करवाया गया, जिसमें विभाग द्वारा रूपये 595.59 लाख की धनराशि मार्जिन मनी के रूप में वितरित की गई। उल्लिखित योजना से इन चार वर्षों के मध्य कुल 1095 व्यक्तियों को रोजगार भी उपलब्ध भी करवाया गया।

2. आंकड़ों के अध्ययन से यह भी स्पष्ट होता है विभाग द्वारा लक्ष्य से भी अधिक भौतिक एवं वित्तीय पूर्ति प्राप्त की गयी है, परन्तु वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य विभाग द्वारा जिस वित्तीय वर्ष में अधिक उद्यम लगवाये जाते हैं, उसी वित्तीय वर्ष में रोजगार उपलब्धता में गिरावट देखने को मिलती है अर्थात विभाग द्वारा उद्यम स्थापित करवाते समय की जा रही कार्यवाही में रोजगार उपलब्धता की ओर ध्यान केन्द्रित नहीं किया जाता। विभाग को इस ओर ध्यान केन्द्रित करते हुए आगामी कार्ययोजना तैयार करने की अति आवश्यकता है।

3. उपरोक्त उल्लिखित उद्योग विभाग की योजनाओं के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि जनपद के अन्तर्गत बेरोजगारों के द्वारा अपने आप को स्वावलम्बन बनाने की रूचि में वृद्धि हुई है जिसके तहत

जनपदान्तर्गत वर्तमान और भविष्य में होने वाली मांग के साथ–साथ रोजगार को केन्द्रित करते हुए विभाग को कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए।

रेशम विभाग

1. विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि विकासखण्ड कोटाबाग द्वारा वर्ष 2019–20 के लिए कुल परिव्यय में 40% का योगदान के साथ 55% कीटपालक परिवारों को लाभान्वित करते हुए और 60% रेशम ग्रामों को आच्छादित करवाते हुए जनपद में पहला स्थान प्राप्त किया किन्तु उल्लिखित मदों में विकासखण्ड भीमताल एवं रामनगर द्वारा क्रमशः 10% व 20% के माध्यम से सबसे कम योगदान दिया गया। जनपद स्तर पर देखा जाय तो विकासखण्ड धारी, रामगढ़, ओखलकाण्डा और बेतालघाट में रेशम विभाग की योजनाएं संचालित ही नहीं हैं।

2. रेशम व्यवसाय से पर्वतीय इलाकों में रोजगार के अपार पायदान मौजूद हैं जिसके लिए विभाग को जनपदान्तर्गत रेशम व्यवसाय को बढावा दिये जाने हेतु सभी विकासखण्डों के स्थलों और उद्यमियों को चिह्नित करते हुए आगामी कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए, जिसका परिणाम होगा आगामी आने वाले समय में ग्रामीण अंचलों में सामाजिक–आर्थिक विकास का सुदृढ़ होने एवं पलायन पर अंकुश लगाने में अतिरिक्त सहयोग प्राप्त होगा।

सहकारिता

1. सहकारिता विभाग के अन्तर्गत जनपद नैनीताल में कुल 53 बहुउद्देशीय साधन/किसान/दीर्घकार सहकारी समितियां (एमपैक्स) कार्य कर रही है जिनका मुख्य उद्देश्य अपने सदस्यों जो कि ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करते हैं, तथा कृषि पर निर्भर है, उन्हें अल्पकालीन फसली ऋण नकदी एवं वस्तु रूप में (यथा उर्वरक, उन्नतशील प्रजाति के बीज) तथा मध्यकालीन ऋण उपलब्ध कराना है, ताकि कृषकों का आर्थिक विकास हो सके। कृषक सदस्यों की फसली ऋण सीमा 03 वर्ष हेतु निर्धारित की जाती है। उक्त ऋण पर वर्तमान में प्रचलित सामान्य वार्षिक ब्याज की दर 07 प्रतिशत है।

2. सहकारिता विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अध्ययन से ज्ञात होता है कि जनपद में सहकारिता समितियों द्वारा विगत चार वर्षों के मध्य 27872 कृषकों को अल्पकालीन ऋण एवं 716 कृषकों को मध्यकालीन ऋण उपलब्ध करवाने में समितियों द्वारा कुल रूपये 43371.39 लाख का ऋण कृषकों को वितरण किया गया। आंकड़ों से यह भी स्पष्ट होता है कि समितियों में ऋण धनराशि के साथ–साथ समिति सदस्यता में भी वृद्धि देखी जा सकती है।

3. आंकड़ों के अध्ययन से यह भी ज्ञात होता है कि जनपद के विकासखण्ड हल्द्वानी में सबसे अधिक 5768 किसान तथा सबसे कम विकासखण्ड रामगढ़ में 1831 किसान सहकारी समितियों द्वारा लाभान्वित किये गये। ग्रामीण क्षेत्रों में सहकारिता विभाग का किसानों से सीधा सम्बन्ध है जो कि किसानों की जरूरत के अनुसार अल्पकालीन एवं मध्यकालीन ऋण उपलब्ध कराता है, किन्तु जनपद की कुल जनसंख्या मे से 60% जनसंख्या की कृषि पर निर्भरता है, जिसका मात्र 4.8% जनसंख्या तक ही समितियाँ लाभ पहुँचा पाई हैं, जबकि उत्तराखण्ड सरकार द्वारा दीन दयाल

उपाध्याय सहकारिता किसान कल्याण योजना संचालित की गई है जिसमें किसानों को ब्याज रहित ऋण उपलब्ध करवाया जाने का भी प्राविधान किया गया है।

4. सहकारिता विभाग को किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरलतम नियम कानून के साथ ग्रामीण क्षेत्र में कार्य करने की रणनीति तैयार करनी चाहिए, क्योंकि समितियों के लिए कार्य करने के लिए विस्तृत कार्यक्षेत्र उपलब्ध हैं।

डेरी विकास

महिला डेरी योजना :– इस योजना के तहत डेयरी विकास विभाग द्वारा विगत चार सालों में रूपये 161.64 लाख का परिव्यय करते हुए 15 लाभार्थियों को रोजगार दिया जा रहा है जिसको और अधिक बढ़ावा दिया जाना चाहिए जिसके लिए विभाग को आगामी कार्ययोजना में सम्मिलित करना होगा।

गंगा गाय महिला डेरी विकास योजना :– उल्लिखित योजना के आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि जिस दर से वित्तीय धनराशि में गिरावट हुई उसी दर से लाभार्थियों की संख्या में भी कमी देखी जा सकती है, जो कि ग्रामीण क्षेत्रों में उल्लिखित योजना के प्रति लाभार्थियों की रूचि में बदलाव के साथ–साथ पलायन की पुष्टि भी करता है।

राज्य समेकित सहकारी विकास परियोजना :– डेरी विकास विभाग की इस योजना के तहत 54 परिवारों को लाभान्वित किया गया जिसके अन्तर्गत 07 परिवारों को 05 की दर से कुल 35 दुधारू पशु तथा 47 परिवारों को 03 की दर से कुल 141 दुधारू पशु उपलब्ध करवाये गये।

विभाग की टीकाकरण, मिनरल मिक्सर अनुदान तथा भूसा गोदाम जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के आंकड़ों का शून्य हो जाना डेरी विकास की सोच को अल्पविराम लगना जैसा है। विभाग इन कार्यक्रमों के साथ–साथ संतुलित पशु आहार अनुदान, डिवार्मिंग, नई दुग्ध समिति गठन हेतु प्रथम वर्ष सहायता तथा स्वच्छ दुग्ध उत्पादन गोष्ठी/उपभोक्ता जागरूकता कार्यक्रम को भी बढ़ावा दिये जाने की अति आवश्यकता है, जिसका परिणाम होगा ग्रामीणों को अधिक से अधिक सुविधायें उपलब्ध होने से ग्रामीण क्षेत्रों में डेरी के प्रति लोगों की भावनाओं में परिवर्तन आयेगा जिससे डेरी व्यवसाय को और मजबूती प्राप्त होगी।

पशुपालन

उत्तराखण्ड की लगभग 2.64% जनसंख्या डेरी अथवा पशुपालन पर निर्भर है जिसमें नैनीताल जनपद द्वारा 6.44% के माध्यम से उत्तराखण्ड में चम्पावत के बाद दूसरे नम्बर पर योगदान दिया जाता है।

1. पशुपालक के चयन में जाति के साथ–साथ रूचिकर लाभार्थी का चयन किये जाने में उपजिलाधिकारी, खण्ड विकास अधिकारी और विभागीय अधिकारी द्वारा किये जाने का प्राविधान किया जाना पशुधन को बढावा दिया जाना होगा।

2. जनपद में बकरीपालन, भेडपालन, मुर्गीपालन, मत्स्य पालन किये जाने की अपार सम्भावनायें हैं जिसे किसानों की आय को मूल साधन के रूप में उभारा जा सकता है।

3. जनपद में यह भी देखने को मिला कि पशुपालकों को क्षेत्रीय कर्मचारियों के अभाव में नुकसान का सामना करना पड़ रहा है ऐसी स्थिति में जनपद के उत्कृष्ठ पशुपालकों को ही प्रशिक्षित करते हुए एक निश्चित मानदेय पर रखा जाय ताकि पशुपालकों को ग्रामीणस्तर पर ही उचित सुविधायें मिल जायेगी।

4. विभाग को आगामी कार्ययोजना में पहाड़ी क्षेत्रों में पहाडी गाय, भैंस, कुक्कुट और बकरी की नस्ल को ही जनपदस्तर पर स्थापित AI सेन्टरों में पहाड़ी ब्रीड को अपग्रेड किया जाने का प्राविधान को अनिवार्य किया जाना चाहिए।

5. विभाग को जनपद में भूसा/ फीड/ चारा की उपलब्धता हेतु न्याय पंचायत स्तर पर गोदाम बनाने की ठोस रणनीति तैयार चाहिए।

6. डेरी एवं पशुपालन को उत्तराखण्ड में बढ़ावा दिये जाने के लिए सरकार को डेरी एवं पशुपालन विभागों को एकीकृत करने का प्राविधान करना चाहिए।

7. पशुपालन की गुणवत्ता को बढ़ावा दिये जाने की आवश्यकता है क्योंकि इसे कई परिवारों के आय का मुख्य स्रोत बनाया जा सकता है। जनपद को दूध उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के साथ–साथ अन्य क्षेत्रों में दुग्ध विपणन करवाने का उद्देश्य भी रखा जाय।

8. पशुपालन विभाग द्वारा जनपद में अच्छी नस्ल के पशु उनके स्वास्थ्य, दुग्ध उत्पादन, पैकेजिंग एवं विपणन आदि पर वर्तमान समय में सघन अध्ययन शुरू करवाना चाहिए, तत्पश्चात इस क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए कार्ययोजना तैयार कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था में योगदान देने की आवश्यकता है।

9. बेहतर लाभ के लिए दुग्ध उत्पादकों को उनकी उपज के प्रसंस्करण में पनीर, घी आदि का प्रशिक्षण दिया जा सकता है।

10. जनपद में बकरी एवं भेड़पाल के लिए चारे का अभाव है। चारागाह एवं चारा विकास पर एक विशेष योजना बनाकर इसकी उपलब्धता बढ़ाने की आवश्यकता है।

11. मुर्गीपालन भी एक महत्वपूर्ण गतिविधि है जोकि मुख्यतया बैकयार्ड पॉल्ट्री के रूप में चल रही है। इसे भी Upscale किया जा सकता है ताकि नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आपूर्ति की जा सके।

पशुपालन विभाग द्वारा वर्तमान में संचालित योजनाओं के लिए प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण निम्नवत दिया गया है–

अहिल्या बाई होल्कर बकरी पालन योजना :– सम्बन्धित योजना में विभाग द्वारा विगत चार वर्षों के दौरान कुल रूपये 16.52 लाख की धनराशि का परिव्यय करते हुए 18 परिवारों को (10+1) की दर से 100% अनुदान पर बकरी पालन का स्वरोजगार उपलब्ध कराया गया, जो कि सभी विकासखण्डों में बहुत ही न्यून है जबकि उल्लिखित योजना में जातिगत कोई भी पाबन्दी नहीं है।

अनुसूचित जाति गौ–पालन योजना :– विभाग की इस योजना के आंकड़ों को देखें तो ज्ञात होता है कि विगत चार वर्षों के मध्य कुल रूपये 77.04 लाख की धनराशि को खर्च करते हुए जनपद में 214 अनुसूचित जाति/जनजाति (SC/ST) गरीब परिवारों को 90% अनुदान पर 01 गाय की दर से पशु उपलब्ध करवाया गया। विभाग द्वारा प्रति यूनिट हेतु रूपये 40 हजार की धनराशि का प्राविधान रखा गया है।

अनुसूचित जाति बकरीपालन योजना :–अनुसूचित जाति बकरीपालन योजना के तहत विभाग ने विगत चार वर्षों के मध्य कुल रूपये 57.33 लाख का परिव्यय करते हुए जनपद के 91 (SC/ST) गरीब परिवारों से (10+1) की दर से 90% अनुदान पर बकरी पालन का व्यवसाय शुरू करवाया गया। प्रति यूनिट हेतु विभाग द्वारा रूपये 70 हजार धनराशि का प्राविधान रखा गया है।

अनुसूचित जाति कुक्कुट पालन योजना :–उल्लिखित योजना में विभाग द्वारा विगत चार वर्षों के समयावधि में कुल रूपये 46.20 लाख की धनराशि का परिव्यय करते हुए 2200 (SC/ST) गरीब परिवारों को 100% अनुदान पर 50 चूजे, जाली, दाना और दवाई भी उपलब्ध करवाकर कुक्कुटपालन के लिए प्रोत्साहित किया गया। प्रति यूनिट हेतु विभाग द्वारा रूपये 2100 धनराशि का प्राविधान रखा गया है।

आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि जनपद के विकासखण्ड हल्द्वानी में कुक्कुट पालन के लिए अधिक परिवारों द्वारा रूचि दिखायी गयी है।

महिला बकरीपालन योजना :–विभाग शत–प्रतिशत अनुदान पर ग्रामीण क्षेत्रों में निवासरत विधवा, निराश्रित गरीब महिलाओं को 35 हजार की लागत वाली इस योजनान्तर्गत वर्ष 2017–18 और वर्ष 2019–20 में ही विकासखड ओखलकाण्डा, धारी और कोटाबाग को छोडते हुए निम्नवत तालिका में उल्लिखित विकासखण्डों के अन्तर्गत 25 महिलाओं को (03+1) की दर पर बकरीपालन के व्यवसाय से लाभान्वित किया गया।

महिला बकरी पालन योजना का विकासखण्ड एवं वर्षवार विवरण

विकासखण्ड/वर्ष	भौतिक प्रगति		वित्तीय प्रगति		योग	
	2017–18	2019–20	2017–18	2019–20	भौतिक	वित्तीय
हल्द्वानी	0	5	0	1.75	5	1.75
रामनगर	5	0	1.75	0	5	1.75
बेतालघाट	0	5	0	1.75	5	1.75
रामगढ	0	5	0	1.75	5	1.75
भीमताल	5	0	1.75	0	5	1.75
योग	**10**	**15**	**3.50**	**5.25**	**25**	**8.75**

उद्यान

उद्यान विभाग को मौजूदा फल उत्पादन को ध्यान में रखते हुए जनपद के लिए एक बागवानी विकास योजना तैयार करने की आवश्यकता है, जो गुणवत्ता (प्रजातियों सहित), विपणन तथा खामियों को इंगित

करती हो। प्रत्येक विकासखण्ड में उन्नत बागवानी के विकास को ध्यान में रखना चाहिए, जो गुणवत्ता वाले रोपण सामग्री से लेकर प्रसंस्करण और विपणन के उपयुक्त पैकेजों के लिए सही किस्म/प्रजातियों जैसे सभी पहलुओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए।

1. जनपद के विकासखण्ड रामनगर को आम, लीची हब, विकासखण्ड हल्द्वानी को विपणन हब, विकासखण्ड रामगढ़, धारी तथा ओखलकाण्डा को सब्जी और फल पट्टी हब, के रूप में विकसित किये जाने की प्राविधान किया जाय।

2. सेब का बागान लगाने हेतु 20 नाली भूमि के प्राविधान को कम से कम 2 नाली भूमि का किया जाना उचित होगा क्योंकि वर्तमान में किसानों के पास भूमि जोत बहुत छोटे आकार की है।

3. जंगली जानवरों के आंतक को कम करने हेतु विभाग की घेरबाड योजना में बजट को बढाया जाय ताकि अधिक से अधिक उद्यमियों को लाभान्वित किया जा सके।

4. वनस्पति घी एवं साबुन बनाने हेतु उपयोग में लाये जाने वाले महुवा(चूरा) के पौध नर्सरी को विकसित करते हुए क्षेत्र विशेष को विकसित करते हुए किसानों की आय में अतिरिक्त आय के साधन को जोड़ा जा सकता है।

5. जनपदान्तर्गत फूड प्रसंस्करण इकाई स्थापित किये जाने की अधिक आयाम मौजूद हैं क्योंकि उत्पादन की दर से किसानों को आय प्राप्त नहीं हो पा रही है।

6. जंगली जानवरों एवं कुछ समय अवधि के बाद पॉलीहाउस का नष्ट हो जाने से किसानों को बैमौसमी फसल उत्पादन से हो रही आय के नुकसान को और अधिक समय तक बनाये रखने के लिए पॉलीहाउस के निर्माण में लोहे की जाली से निर्मित किये जाने का प्राविधान किया जाना अधिक लाभप्रद होगा।

7. जनपद में आलू का उत्पादन अधिक मात्रा में किया जा रहा है, किन्तु बीज बाहरी राज्यों से उपलब्ध करवाये जा रहे हैं। विभाग को आलू बीज का उत्पादन जनपद के सभी विकासखण्डों में किये जाने का प्राविधान करना चाहिए।

केन्द्र पोषित :–

1. विभाग को उल्लिखित कार्यक्रमों को सभी विकासखण्डों में और अधिक बढ़ावा दिये जाने की ओर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए क्योकि पहाड़ी फल, सब्जी और मसालों की बाजार में मांग अधिक है परन्तु मांग पूरी न होने के कारण बाहरी राज्यों एवं जनपदों पर आश्रित रहना पड़ता है।

2. विभाग को शीघ्र हल्द्वानी, कोटाबाग, रामनगर, धारी और ओखलकाण्डा विकासखण्डों में सब्जी उत्पादन हेतु ठोस रणनीति के साथ कार्ययोजना तैयार करनी चाहिए।

3. विभाग को फल, सब्जी तथा मसाला उत्पादन के लिए उन्नत तकनीकी प्रशिक्षण, उत्तम किस्म के पौध एवं बीज उपलब्ध करवाने के साथ–साथ विपणन की ठोस नीति के साथ कार्ययोजना तैयार

करनी चाहिए। उद्यानीकरण में रोजगार की अपार सम्भावनायें हैं, जिसके लिए विभाग को संजीदगी के साथ योजनाओं को धरातल पर उतराने का कार्य करना होगा।

राज्य पोषित :–

1. राज्यपोषित योजना के अन्तर्गत विभाग द्वारा विगत वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य घेरबाड एवं वर्मी कम्पोस्ट निर्माण हेतु विभाग द्वारा कुल रूपये 230.32 लाख का परिव्यय करते हुए 39 घेरबाड तथा 380 वर्मी कम्पोस्ट का निर्माण किया गया, जो कि जनपद की जनसंख्या के दृष्टिगत बहुत न्यून है। भविष्य में विभाग के लक्ष्यों को बढ़ाया जाना उचित होगा।

2. विकासखण्ड स्तर पर योजना के आंकड़ों को देखे तो स्पष्ट होता है कि जनपद के विकासखण्ड भीमताल में सबसे कम 05% तथा सबसे अधिक विकासखण्ड ओखलकाण्डा में 28% घेरबाड का निर्माण किया गया जिसका उद्देश्य है कि जंगली जानवरों से फसलों की सुरक्षा करना। वर्तमान समय में राज्य के पर्वतीय जनपदों में जंगली जानवरों के आंतक की समस्या हर जगह है, विभाग द्वारा इस योजना के लक्ष्यों को बढ़ाया जाना उचित होगा। जिसका परिणाम होगा पर्वतीय ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा कृषकों को जंगली जानवरों से निजात मिलेगी और उनके उत्पादन और आय में वृद्धि होगी। विकासखण्ड रामनगर और हल्द्वानी में घेरबाड हेतु आंकड़ें शून्य रहते है, क्योंकि उक्त विकासखण्डों का अधिकांश भाग मैदानी क्षेत्र में आता है।

3. विगत चार वर्षों के लिए विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि वर्मी कम्पोस्ट यूनिट निर्माण में जनपद का विकासखण्ड बेतालघाट द्वारा सबसे कम 01% तथा विकासखण्ड ओखलकाण्डा द्वारा 34% का योगदान किया जाता है, जबकि विकासखण्ड कोटाबाग हेतु उक्त आंकड़ें शून्य रहते है। विभाग को चाहिए कि इस मद में प्राप्त हो रही धनराशि को ग्राम्य विकास विभाग की मनरेगा योजना से युगपतिकरण करते हुए कार्ययोजना तैयार करे, जिससे विभाग अधिक से अधिक कृषकों को वर्मी कम्पोस्ट यूनिट निर्माण से लाभान्वित करने में सफल होगा।

भेषज विकास इकाई

1. जिला भेषज समन्वयक, भेषज विकास इकाई, नैनीताल के माध्यम से विगत चार वर्षों के मध्य संचालित कार्यक्रमों के तहत जनपद के अन्तर्गत तेजपात, आंवला, बड़ी इलाइची तथा रीठे का रोपण तथा उत्पादन करते हुए जनपद के ग्रामीण परिवारों को रोजगार उपलब्ध करवाया गया जिनके लिए भेषज विकास इकाई नैनीताल द्वारा इन चार वर्षों के दौरान कुल 11 जड़ी–बूटी प्रशिक्षण कैम्पो के माध्यम से 609 परिवारों को प्रशिक्षित भी किया गया।

2. जनपद में भेषज इकाई द्वारा कुल 06% का परिव्यय तो किया जाता है किन्तु व्यय के सापेक्ष 94% शुद्ध आय भी प्राप्त की जाती है जो कि इस क्षेत्र में रोजगार के असीम पायदान होने के संकेत प्रदान करता है। जनपद में विगत चार सालों के मध्य कुल 9602.00 कु0 जड़ी–बूटी का उत्पादन किया गया जिसे रामनगर और हल्द्वानी में ही आसानी से विपणन किया गया है।

कृषि

1. जनपद के पर्वतीय क्षेत्रों में कृषि महिलाओं पर निर्भर है। विभाग द्वारा धरातल पर ही महिलाओं को उन्नत बीज, नवीनतम कृषियंत्रों, उपकरणों और वैज्ञानिक विधियों की नवीनतम जानकारी देने का प्राविधान करना चाहिए।

2. जनपद का अधिकांश भू–भाग पर्वतीय क्षेत्र के अन्तर्गत आता है, जिसकी 60 प्रतिशत निर्भरता वर्षा आधारित कृषि पर है, जिसके लिए उन्नत बीज की अत्यधिक आवश्यकता है। विभाग को जनपद के भीतर ही बीज अनुसंधान के कार्य को निरन्तर करते हुए अधिक उत्पादन देने वाले बीज तैयार किये जाने हेतु बीज ग्राम की सोच को ओर अधिक विस्तृत करने की आवश्यकता है।

3. जनपद में कृषकों की विखरी जोत के साथ–साथ जंगली जानवरों द्वारा किये जा रहे नुकसान से किसानों द्वारा लगाई गई लागत से भी कम आय का प्राप्त होना कृषि क्षेत्र के लिए उचित संकेत नहीं हैं। विभाग के घेरबाड़ कार्यक्रम में व्यक्तिगत के साथ–साथ सामूहिक तथा बजट बढ़ाये जाने का प्राविधान किया जाय, ताकि अधिक से अधिक किसानों को कृषि भूमि को आच्छादित किया जाय।

4. विकासखण्ड बेतालघाट को दाल तथा रामदाना हब के रूप में विकसित किये जाने की अपार सम्भावनायें हैं।

5. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन को कलस्टर रूप में भी किये जाने का प्राविधान हो।

6. जनपद में यह भी देखने को मिला कि कृषकों द्वारा मृदा परीक्षण बहुत कम मात्रा में किया जा रहा है जिस कारण किसान को उचित उत्पादन नहीं मिल रहा है। मृदा परीक्षण लैब को ऑपन मार्केट में किये जाने का प्राविधान किया जाना कृषकों के हित के साथ–साथ कई बेरोजगार युवाओं को भी रोजगार प्राप्त होगा।

कृषि विभाग द्वारा विगत चार वर्षों के दौरान जिला योजना, राज्य पोषित योजना और केन्द्र पोषित योजनाओं के माध्यम से विभिन्न कार्यक्रमों का सम्पादन किया जा रहा है जिनका विश्लेषण निम्नवतरूप से है :–

जिला योजना :–

1. जिला योजनान्तर्गत विगत चार वर्षों के मध्य विभाग द्वारा कुल रूपये 5.35 लाख का परिव्यय करते हुए मात्र 107 कृषक महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया जो कि न्यूनतम आंकड़ा है, जबकि वर्तमान में पर्वतीय क्षेत्रों में खेती महिलाओं पर निर्भर है। विभाग को धरातल पर नवीनतम कृषि यंत्रों, उपकरणों और वैज्ञानिक विधियों की नवीनतम जानकारी देने का प्राविधान करना चाहिए।

2. जनपद नैनीताल में पिछले चार वर्षों के मध्य मृदा एवं जल संरक्षण के आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि इस मद में विभाग द्वारा कुल रूपये 89.48 लाख का परिव्यय करते हुए 636 हैक्टेयर क्षेत्रफल में कार्य करवाया गया, जिसके लिए पिछले चार वर्षों में हर वर्ष विचलन देखने को मिलता है। उक्त मद जनपद नैनीताल में ही नहीं बल्कि पर्वतीय जनपदों में कृषि उत्पादन के लिए संजीवनी की तरह काम करेगा।

3. कृषि उत्पादन को बढ़ावा दिये जाने के उद्देश्य से बीज मिनिकिट कार्यक्रम की शुरूवात की गयी थी जिसके लिए नैनीताल जनपद द्वारा कुल रूपये 3.80 लाख का परिव्यय करते हुए मात्र 1152 बीज मिनिकिटों का आंवटन वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य किया गया जिसका प्रदर्शन जनपद में अच्छा रहा। विभाग की उक्त योजना को पुनः बल देने की आवश्यकता है।

राज्य पोषित :–

वर्ष 2018–19 से वर्ष 2019–20 के मध्य कृषि विभाग द्वारा कुल रूपये 666.95 लाख का परिव्यय करते हुए जनपद के विकासखण्डों में घेरबाड निर्माण हेतु कुल 29315मी0, दैवीय आपदा मद में 841 है0, कृषि यंत्रीकरण के लिए 1593 यंत्र, बहुद्देशीय जल सम्भरण टैंक निर्माण में 55, कृषक महोत्सव हेतु 89 और बोरान परीक्षण कार्यक्रम हेतु 25 लक्ष्यों को प्राप्त किया गया है।

पर्वतीय बीज उत्पादन कार्यक्रम :–पर्वतीय बीज उत्पादन कार्यक्रम के लिए विभाग द्वारा विगत वर्ष 2018–19 से वर्ष 2019–20 के मध्य कुल रूपये 35.71 लाख का परिव्यय करते हुए जनपद के लिए कुल 833.73 कुन्तल बीज उत्पादन किया गया, जो कि उत्तराखण्ड राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों के लिए उचित योजना संचालित की गई है, जिसका भविष्य में भी लगातार अनुसंधान करते हुए अधिक उत्पादन देने वाले बीज तैयार किये जाने चाहिए।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन :–विभाग द्वारा केन्द्र पोषित योजना की राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अन्तर्गत पिछले चार वर्षों के दौरान कुल रूपये 368.36 लाख की धनराशि का परिव्यय करते हुए कलस्टर प्रदर्शन हेतु 1838है0, क्रोपिंग सिस्टम बेस्ड प्रदर्शन में 266है0, बीज वितरण के लिए 3311कु0, पादप तथा मृदा प्रबन्धन में 10209है0, रिसोर्स कन्जरवेशन तकनीकी में 294, जल सम्भरण हेतु पाईप वितरण 18202मी0 तथा पम्प सैट वितरण के लिए 03 का लक्ष्य प्राप्त किया गया है।

बीज ग्राम योजना (केन्द्रपोषित) :–

1. उल्लिखित बीज ग्राम योजना (केन्द्रपोषित) के अन्तर्गत पिछले चार वर्षों के दौरान कुल रूपये 107.9 लाख की धनराशि का परिव्यय करते हुए बीज वितरण हेतु 4531.6 कु0 बीज तथा 71 बीज ग्राम प्रशिक्षण का लक्ष्य प्राप्त किया गया है।

2. विभाग द्वारा जिला योजना, राज्य पोषित योजना तथा केन्द्रपोषित योजनाओं हेतु प्राप्त आंकड़ों के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि विगत वर्ष 2016–17 से वर्ष 2019–20 के मध्य लक्ष्य प्राप्ति में अधिक मात्रा से विचलन देखने को मिलता है जो पर्वतीय क्षेत्रों से हो रहे पलायन की पुष्टि करता है।

3. विभाग द्वारा जहाँ विगत वर्षों के दौरान कुल रूपये 5707.64 लाख की धनराशि का परिव्यय करते हुए जिला योजना, राज्य पोषित योजना तथा केन्द्रपोषित योजनाओं के अन्तर्गत विभिन्न मदों में लगभग 44 से 49 कार्यक्रम संचालित किये गये वहीं जनपद के पर्वतीय क्षेत्रों में कृषि के प्रति रूचि में कमी देखी गयी जबकि विभाग के बजट में वृद्धि हुई।

4. विभाग की सभी योजनाएं कृषि उत्थान के लिए उचित हैं किन्तु कृषकों को पूर्ण वैज्ञानिक एवं नई तकनीकी जानकारी, अनुश्रवण एवं सर्वेक्षण के बिना कार्यक्रमों का सफल होना सम्भव नहीं है। विभाग को अपनी कार्यशैली में बदलाव लाते हुए कृषकों की उन्नति के साथ जनपद की

सामाजिक–आर्थिक विकास को सुदृढ़ करने एवं पलायन पर अंकुश लगाने में सहयोग प्रदान करना चाहिए।

मत्स्य

अनुसूचित जाति उपयोजना :– विभाग की इस योजना हेतु प्राप्त आंकड़ों के अध्ययन से ज्ञात होता है कि जनपद के बेतालघाट, धारी, हल्द्वानी, रामनगर, कोटाबाग तथा रामगढ विकासखण्डों में अनुसूचित जाति उपयोजना के आंकड़ें बहुत ही कम हैं, साथ ही ओखलकाण्डा और भीमताल में भी अपेक्षाकृत आंकड़ें कम ही हैं।

पर्यटन

जनपद नैनीताल पर्यटन की दृष्टि से महत्व रखता है क्योंकि अनेक पर्यटक स्थल लाखों की संख्या में प्रतिवर्ष आगंतुकों को आकर्षित करते हैं। जनपद में पर्यटक स्थलों का उल्लेख अध्याय–2 में किया गया है। पर्यटकों से सम्बन्धित आंकड़े निम्नलिखित तालिका में दर्शाये गये हैं:–

जनपद नैनीताल में भ्रमण पर आये पर्यटकों की वार्षिक सांख्यिकी

वर्ष	भारतीय	विदेषी	योग
2001	356941	5793	362734
2002	412440	4224	416664
2003	441593	4839	446432
2004	478133	6277	484410
2005	510957	6789	517748
2006	554527	7533	562060
2007	580079	9437	589516
2008	615469	7070	622539
2009	749556	5722	755278
2010	786705	7123	793828
2011	834405	9410	843815
2012	898077	8256	906333
2013	737130	7088	744218
2014	750501	7622	758123
2015	808903	6902	815805
2016	866164	7231	873395
2017	910323	8329	917652

2018	924316	9341	933657
2019	924341	9565	933906
2020	212981	2768	215749

जनपद नैनीताल में पर्यटन विभाग द्वारा 4 प्रमुख योजनाऐं संचालित की जा रही हैं जिनका विवरण निम्नवत तालिका में दिया जा रहा है–

क्र0सं0	कार्य/योजना का नाम	वर्ष	विकासखण्ड का नाम एवं लाभान्वितों की संख्या								कुल योग
			भीमताल	बेतालघाट	धारी	ओखलकांडा	रामगढ़	रामनगर	हल्द्वानी	कोटाबाग	
1	वीरचन्द्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना	2016–17	12	2	4	1	4	4	8	1	36
		2017–18	1	1	2	1	0	2	5	2	14
		2018–19	8	1	1	1	0	4	4	0	19
		2019–20	3	1	1	1	1	1	3	1	12
2	दीनदयाल उपाध्याय अतिति गृह आवास (होम स्टे) विकास योजना	2016–17	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		2017–18	0	0	0	0	0	0	0	0	0
		2018–19	2	0	1	0	0	0	0	0	3
		2019–20	3	3	1	1	0	0	0	0	8
3	उत्तराखण्ड अतिथि गृह आवास पंजीकरण योजना	2016–17	15	3	3	0	6	2	1	4	34
		2017–18	10	1	0	0	5	1	0	1	18
		2018–19	47	5	5	0	30	6	2	3	98
		2019–20	74	4	5	0	18	15	7	3	126
4	**उत्तराखण्ड ग्रामीण उत्थान (एकल ग्राम एवंकलस्टर ग्राम) योजना :–**योजना के अन्तर्गत किसी भी ग्राम में 6 या उससे अधिक गृह आवास (होम स्टे) स्थापित किये जाने पर उन्हें समूह (Cluster) माना जायेगा। एसे चयन की काग्रवाही जिलाधिकारी के माध्यम से की जायेगी। जनपद नैनीताल में समूह के रूप में ग्राम प्यूडा का चयन करते हुए अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु शासन स्तर से योजना लागत रू0 82.02 लाख के सापेक्ष वित्तीय वर्ष 2020–21 में रू0 45.00 लाख अवमुक्त की गयी है। अवस्थापना सुविधाओं के विकास कार्य गतिमान हैं। ग्राम टोटी (कोटबाग), सुनकिया (धारी), मल निगलाट, कैंची धाम (बेतालघाट) एवं क्यारी (रामनगर) को समूह (Cluster)का चयन कर अवस्थापना सुविधाओं के विकास हेतु कार्यवाही गतिमान है।									

जनपद नैनीताल में दीनदयाल उपाध्याय गृह आवास (होम स्टे) विकास योजनान्तर्गत लाभान्वितों का विवरण

क्र0सं0	वर्ष	कुल लाभार्थी	योजना लागत	ऋण राशि	अनुदान राशि
1	2018–19	3	7228500	7228500	2385405.00
2	2019–20	8	20171800	14071800	4643694.00
3	2020–21	14	29252357	25973866	8571375.78
4	2021–22	6	17528715	9873000	3258090.00
योग		**31**	**74181372**	**57147166**	**18858564.78**

तालिका से स्पष्ट है कि सभी विकास खण्ड़ों में पर्यटन का विकास समान रूप से नहीं हो पा रहा है। इस सम्बन्ध में अधिक विकास केवल भीमताल, रामगढ़ विकास खण्ड़ों में हुआ है। अन्य विकास खण्ड़ों में भी पर्यटन पर बल देने की आवश्यकता है।

होमस्टे–

गृह आवास (होम स्टे) भीमताल, रामगढ़ एवं रामनगर विकास खण्ड में सफल हुआ है जबकि ओखलकांड़ा, बेतालघाट, धारी एवं कोटाबाग विकास खण्ड़ों में होमस्टे नगण्य है। पर्यटन विभाग को इस पर ज्यादा ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता है क्योंकि गृह आवास से पलायन कम करने में सहायता मिलती है।

प्रकृति आधारित पर्यटन (ईको टूरिज्म)

जनपद के कुछ क्षेत्रों में जैसे कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान में प्रकृति आधारित पर्यटन का विकास कई दशकों से हुआ है तथा इस पर काफी संख्या में स्थानीय निवासियों की आजीविका निर्भर है।

CORBETT NATIONAL PARK

Corbett National Park is India's oldest national park located in the Himalayan foothills and forms part of **Nainital and Pauri Garhwal districts.** It covers an area of about 520 sq kms. comprising of hills, riverine belts, grasslands and a vast artificial lake. It encompasses a wide range of ecosystems which are the home many animal and plant species like the tiger, elephant, leopard, cheetal, sambhar, crocodile etc. Each year lakhs of foreign and domestic tourists visit this park and its surrounding areas. The main entries to this park are located near Ramnagar in Nainital district where many resorts providing livelihood to thousands of local residents have come up for catering to the needs of these visitors. Corbett National Park is one of the most successful models of wildlife tourism in India.

अन्य गंतव्यों में भी प्रकृति आधारित पर्यटन के विकास के लिए निम्नलिखित सिफारिशों की जा रही हैं:–

1. जनपद के लिए ईको टूरिज्म विकास योजना बनाना आवश्यक है ताकि सभी विकास खण्ड़ों में ईको टूरिज्म का संतुलित विकास हो सके।

2. ईको टूरिज्म पर पर्यटकों को सूचना के अभाव में असुविधा होती है। सूचना प्रसार को बढ़ावा देने के लिए जनपद की वेबसाईट पर ईको टूरिज्म का अलग से उल्लेख होना चाहिए।

3. ईको टूरिज्म गंतव्यों के साथ स्थानीय हस्तशिल्प, सांस्कृतिक त्यौहारों, मेलों, हाट बाजारों आदि को जोड़े जाने से पर्यटक इसका लाभ उठा सकेंगे।

4. ईको टूरिज्म में स्थानीय निवासियों की भागीदारी एवं हितधारकों को समन्वय से अधिक रोजगार सृजित होगा जिससे पलायन की समस्या कम होगी।

5. ईको टूरिज्म से जुड़े सभी व्यक्तियों का कौशल विकास कराया जाना आवश्यक है। सरकार की विभिन्न कार्यक्रमों से ईको टूरिज्म/पर्यटन क्षेत्र को अधिक से अधिक लाभ मिलना चाहिए।

जनपद नैनीताल के हैडियागांव में पलायन आयोग की सर्वेक्षण रिपोर्ट

जनपद में 50 प्रतिशत से अधिक पलायन प्रभावित ग्रामों की सूची के अन्तर्गत जनपद मुख्यालय से मात्र 03 किमी की दूरी पर स्थित हैडियागांव में पलायन आयोग द्वारा किये गये सर्वेक्षण उपरान्त पलायन पर अंकुश लगाने हेतु विभागवार निम्नवत कार्य करवाये जा सकते हैं :–

1. **पर्यटन विभाग** :–वर्डवाचिंग सेन्टर, कैम्पसाइड होमस्टे, ट्रैकिंग कैम्प, रिवर क्रासिंग, ध्यान/योग केन्द्र आदि को बढावा दिया जा सकता है।

2. **वन विभाग** :–चूंकि गांव के दोनों ओर नाला (गदेरा) है जो कि वन क्षेत्रान्तर्गत आता है 08 से 10 छोटे बडे जलाशय, बोटनिकल गार्डन, हर्बल गार्डन, घेरबाड तथा नर्सरी को स्थापित किया जा सकता है।

3. **कृषि विभाग** :–उन्नत बीज, सिचाई की समुचित व्यवस्था करते हुए आधुनिक तकनीकी से कृषि करवायी जा सकती है।

4. **उद्यान विभाग** :–लोहे की जाली युक्त पॉलीहाउस को स्थापित करते हुए बैमोसमी सब्जी उत्पादन करवाया जा सकता है, साथ ही गांव में फल उत्पादन, फ्लोरीकल्चर, को बढ़ावा दिया जा सकता है।

5. **पशुपालन विभाग** :– मुर्गीपालन, बकरीपालन, भेडपालन के साथ–साथ गायपालन करवाया जाना उचित होगा।

6. **मत्स्य विभाग** :–गांव के दोनो ओर नाला होने से मत्स्यपालन आसानी से करवाया जा सकता है, जिससे ग्रामीणों की आय में अतिरिक्त आय का स्रोत जोड़ा जा सकता है।

7. **लघु सिंचाई** :—सिंचाई गूल होज का निर्माण करवाते हुए गांव में आसानी से सिंचाई की सुविधा उपलब्ध करवायी जा सकती है।

8. **उरेडा** :—गांव में पानी की उपलब्धता होने से गांव में घराट (पनचक्की) को स्थापित करवाते हुए लाइट उत्पादन करवाया जा सकता है। सोलर स्ट्रीट लाइट एवं प्लांट को भी गांव में स्थापित किया जाना अतिआवश्यक होगा क्योंकि गांव में जंगली जानवरों का आंतक भी बढ़ा हुआ है।

9. **भेषज** :—गांव में जड़ी—बूटी का उत्पादन करवाकर ग्रामीणों की आय को बढ़ावा दिया जा सकता है।

10. **उद्योग** :—गांव में हेण्डीक्राफ्ट जैसे सूक्ष्म उद्यम स्थापित करवाते हुए और अधिक विकसित किया जा सकता है, क्योंकि गांव में लगभग 22 परिवार हेण्डीक्राफ्ट (रिंगाल) का कार्य कर रहे हैं।

11. **विकास विभाग** :—गांव की सुरक्षा के दृष्टिकोण से चैकडेम एवं सुरक्षा दीवार तथा गांव के आने—जाने वाले रास्तों पर पिचिंग मार्ग निर्माण किया जाना उचित होगा।

12. **समाज कल्याण विभाग** :—गांव में 40 से 50 प्रतिशत जनसंख्या अनु0 जाति की होने के कारण इस गांव में SCP योजना के तहत गांव में कार्य करवाये जा सकते हैं।

विभागों को जनपद के अन्य पलायन प्रभावित ग्रामों में सघन सर्वेक्षण करवाते हुए अपने स्तर पर सम्पादित करवाये जा रहे कार्यक्रमों की कार्ययोजना तैयार करने से जनपद की सामाजिक—आर्थिक विकास को सुदृढ़ बनाने एवं काफी हद तक पलायन पर अंकुश लगेगा।